

पाठ पाठ 1

छुबुबीयाब घबत

पड़ोसी के घर में

जैन : नमस्कार, डाङ्गबीया। मम्प
जँइन : नमस्कार, दाङ्गओरिया। मोइ
सुकुमार जैन।
सुकुमार जँइन।

चौधुरी : नमस्कार, मैं महेन्द्र चौधुरी।
सौधुरी : नमस्कार। मोइ महेन्द्र सौधुरी।
मम्प एम्प गाँवब पोष्टे-माष्टेब।
मोइ एइ गाँवर पोस्त-मास्टर।
आपुनि ?
आपुनि ?

जैन : मम्प म्पयाब नतून कृषि
जँइन : मोइ इयार नतुन कृषि
विषया।
विसया।

चौधुरी : आहक, भितबलै आहक।
सौधुरी : आहक, भितरलोइ आहक।

जैन : धन्यवाद।
जँइन : धन्यवाद।

(चाह लै विमला चौधुरीब प्रवेश)

जैन : नमस्कार, श्रीमानजी। मैं
सुकुमार जैन हूँ।

चौधुरी : नमस्कार, मैं महेन्द्र चौधुरी
हूँ। मैं इस गाँव का पोस्ट-
मास्टर हूँ। (और) आप?

जैन : मैं यहाँ का नया कृषि-
विकास अधिकारी हूँ।

चौधुरी : आइए, अंदर आइए।

जैन : धन्यवाद।

(चाय लेकर श्रीमती विमला चौधुरी का
प्रवेश)

चौधुरी : एउँ मोब पबिबाब बिमला
 सौधुरी : एऔँ मोर परिवार बिमला
 चौधुरी। एम्प मोब छोलाली
 सौधुरी। एइ मोर सोआली
 बुलि। म्प मोब प्ररु ठाम्प
 बुलि। इ मोर सरु

भाई

बङ्गि९। एम्पथनेम्प मोब

प्ररु

रंजित्। एइखनेइ मोर सरु
 प्रंज्राब।
 संसार।

जैन : मोब भनीब नामो बिमला।

जँइन : मोर भनीर नामो बिमला।

मिचेच चौधुरी : जलपान आबखु कबक।

एशा

मिसेस सौधुरी : जलपान आरम्भ करक। एया

अप्रमौशा जलपान। कोमल

असमिया जलपान। कोमल

छाउल, दै, गुड़, आरु

साउल, दोइ, गुड़ आरु

कल। एशा तिल पिठा।

कल। एया तिल पिठा।

एम्पबोब नारिकलर लारु।

एइबोर नारिकलर लारु।

जैन : एबा, एम्प जलपान बर

जँइन : एरा, एइ जलपान बर

चौधुरी : ये मेरी पत्नी विमला चौधुरी
 हैं। यह मेरी बेटी बुली है।
 यह मेरा छोटा भाई रंजीत्
 है। यही मेरा छोटा-सा
 परिवार है।

जैन : मेरी बहन का नाम भी
 विमला है।

श्रीमती चौधुरी : जलपान शुरू कीजिए। यह
 असमिया जलपान है। (यह
 हमारा) 'कोमल चावल',
 दही, गुड़ और केला है। यह
 तिलगुझिया और अनरशा है।
 ये नारियल के लड्डू हैं।

जैन : अहा। यह जलपान तो बड़ा
 स्वादिष्ट है। दही भी बढ़िया
 है। दही मेरे बड़े भाई को
 बहुत प्रिय है।

स्रोत्राद। दैथिनिओ वर
 सोआद। दोइखिनिओ वर
 भाल। दै मोर
 ककाप्पदेउर
 भाल। दोइ मोर ककाइदेउर
 वर प्रिय।
 वर प्रिय।
 मिचेच चौधुरी : दै आमारो वर प्रिय।
 मिसेस चौधुरी : दोइ आमारो वर प्रिय।
 जैन : चाहिनिओ बेच कटा।
 जैन : साह खिनिओ बेस कटा।
 एने चाहेप्प मोर
 पचन्द।

एने साहेइ मोर पसन्द।
 मिचेच चौधुरी : धन्यवाद। एया तामोल।
 मिसेस चौधुरी : धन्यवाद। एइया तामोल।
 जैन : धन्यवाद!
 जैन : धन्यवाद!

श्रीमती चौधुरी : दही हम लोगों को भी बड़ा प्रिय है।

जैन : चाय भी बड़ी कड़क है।
 ऐसी ही चाय मुझे पसन्द है।

श्रीमती चौधुरी : धन्यवाद। लीजिए पान।

जैन : धन्यवाद!

शब्दार्थ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
डाङ्गबीरा	दाङ्गओरिया	महाशय
मप्प	मोइ	मैं
एप्प	एइ	इस (यह), वह (स्त्री)
गाँवर	गाँवर	गाँव का
कृषि	कृषि	कृषि

বিষয়া	विसूया	अधिकारी
আহক	आहक	आइए
ভিতৰলৈ	भितरलोइ	भीतर
চাহ	साह	चाय
মেজত	मेजत	मेज पर
এওঁ	एऔँ	वे (आदर सूचक)
মোৰ	मोर	मेरा
পৰিবাৰ	परिवार	घरवाली, पत्नी
ছোৱালী	सोआली	लड़की (पुत्री)
সৰু	सुरु	छोटा
সংসাৰ	संसार	परिवार
ভনী	भनी	बहन
জলপান	जलपान	जलपान
দৈ	दोइ	दही
কল	कल	केला
তিল-পিঠা	तिल-पिठा	तिल से बनायी हुई गुझिया
এম্পবোৰ	एइबोर	ये (सब)
নাৰিকলৰ লাৰু	नारिकलर लारु	नारियल के लड्डू
সোৱাদ	सोआद	स्वादिष्ट
ভাল	भाल	अच्छा
বেচ	बेस	बहुत
কঢ়া	कढ़ा	कड़क (कड़ी)
পচন্দ	पसन्द	पसंद

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

মৰ্প মাষ্টেৰ। (পোষ্টে)

মোই মাষ্টেৰ। (পোস্ট)

→ মৰ্প পোষ্টে মাষ্টেৰ। (স্পয়াৰ)

মোই পোস্টমাষ্টেৰ। (ইয়াৰ)

→ মৰ্প স্পয়াৰ পোষ্টে মাষ্টেৰ।

মোই ইয়াৰ পোস্ট মাষ্টেৰ।

1. মৰ্প বিষয়া (কৃষি, স্পয়াৰ)
মোই বিসয়া (কৃষি, ইয়াৰ)
2. এওঁ পৰিবাৰ (মোৰ)
এওঁ পৰিবাৰ (মোৰ)
3. এম্পথন সংসাৰ (সৰু, মোৰ)
এইখন সংসাৰ (সৰু, মোৰ)
4. এম্পয়া জলপান (অসমীয়া, আমাৰ)
এইয়া জলপান (অসমীয়া, আমাৰ)
5. দৈ সোৱাদ (বৰ)
দোই সোৱাদ (বৰ)

II. উদাহরণ के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) मरूप सुकुमार जैन।

मोई सुकुमार जैन।

→ मोर नाम सुकुमार जैन।

मोर नाम सुकुमार जैन।

1. मरूप महेन्द्र चौधुरी।

मोई महेन्द्र चौधुरी।

2. मरूप बिमला चौधुरी।

(ख) मोर परिवार बिमला चौधुरी।

मोर परिवार बिमला चौधुरी।

→ बिमला चौधुरी मोर परिवार।

बिमला चौधुरी मोर परिवार।

1. मोर छोराली बुलि।

मोर सोआली बुलि।

2. मोर भाँप बङ्गि।

मोइ बिमला सौधुरी।

3. মম্ব বুलि।

मोइ बुलि।

4. মম্ব বজ্জিৎ চৌধুরী।

मोइ रंजित् सौधुरी।

5. ভনী বিমলা চৌধুরী।

भनी बिमला सौधुरी।

मोर भाई रंजित।

3. মোৰ শংস্ৰাৰ এম্পথনেম্প।

मोर संसार एइखनेइ।

4. মোৰ ভনীৰ নাম बिमला।

मोर भनीर नाम बिमला।

5. এম্পবোৰ লাকু নাबिकलब।

एइबोर लारु नारिकलर।

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए हुए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण :

এওঁ মোৰ _____ বিমলা। (पत्नी)

এআঁ মোৰ _____ বিমলা।

→ এওঁ মোৰ পৰিবাৰ বিমলা।

এআঁ মোৰ পরিবার বিमला।

1. মম্ব মোৰ সৰু _____ বজ্জিৎ।

(भाई)

इ मोर सुरु _____ रंजित्।

2. মোৰ ভনীৰ _____ বিমলা।

(नाम भी)

मोर भनीर _____ बिमला।

3. এম্প বোৰ _____ লাকু।

(नारियल के)

एइबोर _____ लारु।

4. দৈ _____ বৰ প্ৰিয়।

(मेरा)

दोइ _____ बर प्रिय।

5. এনে চাহেম্প মোৰ _____।

(पसंद)

एने साहेइ मोर _____।

IV. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूप लिखकर नया वाक्य बनाइए।

উদাহরণ :

কোমল চাউল ভাল জলপান।

কোমল সাউল ভাল জলপান।

তিল পিঠা

তিল পিঠা

→ তিল পিঠা ভাল জলপান।

তিল পিঠা ভাল জলপান।

1. জলপান বৰ সোৱাদ।

জলপান বৰ সোৱাদ।

নাৰিকলৰ লাৰু

নাৰিকলৰ লাৰু

কোমল চাউল

কোমল সাউল

ঘিলা পিঠা

ঘিলা পিঠা

তিল পিঠা

তিল পিঠা

তামোল

তামোল

2. দৈ ককাম্পদেউৰ বৰ প্ৰিয়।

দোই ককাইদেউৰ বৰ প্ৰিয়।

মস্প

মোই

আমি

আমি

সৰু ভাষ্প

সুৰু ভাই

মোৰ পৰিবাৰ

মোৰ পৰিবাৰ

মোৰ ভনী

মোৰ ভনী

3. এয়া তামোল, খাওক।
 এয়া তামোল, খাওক।
 জলপান
 জলপান
 চাহ
 সাহ
 দৈ
 দোই
 কোমল চাউল
 কোমল সাউল
 নাৰিকলৰ লাৰু
 নাৰিকলৰ লারু

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

এম্প পোষ্টে মাষ্টেৰ মম্প গাঁৱৰ
 এম্প পোষ্ট মাষ্টেৰ মোই গাঁৱৰ
 —► মম্প এম্প গাঁৱৰ পোষ্টে মাষ্টেৰ।
 মোই এম্প গাঁৱৰ পোষ্ট মাষ্টেৰ।

1. নতুন মম্প বিষয়া কৃষি ম্পয়াৰ
 নতুন মোই বিসয়া কৃষি ইয়াৰ
2. বিমলা এওঁ চৌধুৰী পৰিবাৰ মোৰ
 বিমলা এওঁ সৌধুৰী পৰিবাৰ মোৰ
3. মোৰ বুলি এম্প ছোৱালী
 মোৰ বুলি এম্প সোআলী
4. কড়া বেচ চাহখিনিও
 কড়া বেচ সাহখিনিও

5. ভাল বৰ দৈখিনিও
ভাল বৰ দোইখিনিও

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া জলপান (অসমিয়া জলপান)

জৈন ডাঙৰীয়া, আপুনি ভিতৰলৈ আহক। চাহৰ মেজত বহক। আপুনি চাহ
খাওক।

জঁইন দাঙৰীয়া, আপুনি ভিতৰলৈ আহক। সাহৰ মেজত বহক। আপুনি সাহ
খাওক।

তামোল, জলপান খাওক। বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ যাওক। বঞ্জিতে কাম আৰম্ভ
কৰক।

তামোল, জলপান খাওক। বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ যাওক। রঞ্জিতে কাম আৰম্ভ
কৰক।

ককাম্পদেউ, জলপান খাওক। দৈ বঞ্জিতৰ বৰ প্ৰিয়। তিল পিঠা বুলিৰ বৰ পচন্দ।

ককাইদেউ, জলপান খাওক। দোই রঞ্জিতৰ বৰ প্ৰিয়। তিল পিঠা বুলিৰ বৰ পসন্দ।

নাৰিকলৰ লাকু ককাম্পদেউৰ বৰ প্ৰিয়। দৈ, গুড়, কোমল চাউল অসমীয়া
জলপান।

নাৰিকলৰ লাকু ককাইদেউৰ বৰ প্ৰিয়। দোই, গুড়, কোমল সাউল অসমীয়া জলপান।

অসমীয়া মানুহৰ চাহ বেচ কঢ়া। অসমৰ দৈ বৰ সোৱাদ। অসমৰ তামোলো বেচ
কঢ়া।

অসমীয়া মানুহৰ সাহ বেচ কঢ়া। অসমৰ দোই বৰ সোৱাদ। অসমৰ তামোলো বেচ
কঢ়া।

नये शब्द

অসমীয়া শব্দ	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
খাওক	खाओक	(आप) खाइए
লওক	लओक	(आप) लीजिए
যাওক	जाओक	(आप) जाइए
কৰক	करक	(आप) कीजिए

মানুষৰ মানুহৰ লোগ কা (মनुষ্য কা)

অভ্যাস

I. रिक्त स्थान में सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

জৈন ডাঙৰীয়া, চাহৰ মেজত _____।

জঁইন দাঙৰীয়া, সাহৰ মেজত _____।

বিমলা পোষ্টে অফিচলৈ _____।

বিমলা পোষ্ট অফিসলৈ _____।

দৈ বঞ্জিতৰ _____ প্ৰিয়।

দোই রংজিতৰ _____ প্ৰিয়।

কোমল চাউল _____ জলপান।

কোমল সাউল _____ জলপান।

অসমৰ তামোল বেচ _____।

অসমৰ তামোল বেচ _____।

II. ऊपर दिए गए परिच्छेद में आए नये शब्दों को रेखांकित कीजिए।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মোৰ নাম বিজয় মালহোত্ৰা। মোৰ ভনীৰ নাম গীতা। নাৰিকলৰ লাৰু গীতাৰ প্ৰিয়।

मोर नाम बिजय मालहोत्रा। मोर भनीर नाम गिता। नारिकलर लारु गितार प्रिय।

প্ৰদীপ মোৰ প্ৰু ভাম্প। তিলৰ পিঠা প্ৰদীপৰ বৰ পচন্দ।

प्रदिप मोर सुरु भाइ। तिलर पिठा प्रदिपर बर पसंद।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं रामपुर में ग्राम-सेवक हूँ। यह मेरा छोटा भाई है। यह फुटबाल का खिलाड़ी है। यह मेरी बेटी रीता है। इसे रस-मलाई पसंद है।

टिप्पणियाँ

1. आपुनि (आपुनि) : असमिया भाषा में मध्यम पुरुष के तीन रूप होते हैं। अपरिचित एवं सम्मानित लोगोंको 'आपुनि' कहते हैं। यह हिन्दी के 'आप' का प्रतिरूप है। 'आपुनि' के साथ आज्ञावाची क्रिया पद में व्यंजनांत शब्दों के साथ -अक (-अक) और अन्य स्थानों पर -ओक (-ओक) प्रत्यय लगता है। जैसे -

आह	+	-अक	>	आहक	आइए
कर	+	-अक	>	करक	कीजिए
खा	+	-ओक	>	खाओक	खाइए
जा	+	-ओक	>	जाओक	जाइए

2. संबंध विभक्ति : संबंध पद बनाने के लिए असमिया में दो विभक्तियोंका प्रयोग किया जाता है। व्यंजनांत शब्दों के साथ -अब (-अर) और स्वरांत शब्दों के साथ -ब (-र) जोड़ा जाता है। जैसे --

छाह	+	-अब	>	छाहब	साह	+	-अर	>	साहर
नाबिकल	+	-अब	>	नाबिकलब	नारिकल	+	-अर	>	नारिकलर
गाँउ	+	-ब	>	गाँउब	गाँऔ	+	-र	>	गाँऔर
भनी	+	-ब	>	भनीब	भनी	+	-र	>	भनीर

लेकिन पुरुष वाचक सर्वनामों के साथ इस प्रत्यय को जोड़ते समय सर्वनाम शब्दोंका रूप बदल जाता है। जैसे --

मम्प	+	-ब	>	मोब	मइ	+	-र	>	मोर
आपुनि	+	-ब	>	आपोनाब	आपुनि	+	-र	>	आपोनार

3. अधिकरण विभक्ति : अधिकरण कारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -अत (-अत) और स्वरांत शब्दों के साथ -त (-त) जोड़ा जाता है। जैसे --

मेज	+	-अत	>	मेजत	मेज	+	-अत	>	मेजत
भितर	+	-अत	>	भितरत	भितर	+	-अत	>	भितरत

छाश्थिनि + -उ > छाश्थिनिउ

साहखिनि + -त > साहखिनिउ

4. एउँ (एओं) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष में भी तीन प्रकार होते हैं -- सम्मानित, समान और कनिष्ठ। बराबरी के व्यक्ति को एउँ (एओं) कहते हैं। एउँ पुरुष, स्त्री दोनों के लिए प्रयोग किया जाता है।

5. ँ (इ), एँ (एइ) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष कनिष्ठ व्यक्तियों के लिए ँ (-इ) और एँ (-एइ) का प्रयोग किया जाता है। ँ (इ) पुरुष वाचक और एँ (एइ) स्त्री वाचक है।

6. बहुवचन विभक्ति : असमिया में बहुवचन बनाने के लिए अनेक विभक्तियों का प्रयोग होता है इस में से अधिक प्रयोग में आनेवाली विभक्ति होती है -द्वार (बोर)।

लाङ्ग + -द्वार > लाङ्गद्वार

लारु + -बोर > लारुबोर

पिठा + -द्वार > पिठाद्वार

पिठा + -बोर > पिठाबोर

मेज + -द्वार >

मेजद्वार मेज + -बोर > मेजबोर

7. वाक्य आर्शिब विषय (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों का प्रयोग किया गया है। संज्ञा के साथ दूसरी संज्ञा जोड़कर असमिया में वाक्य बनाना संभव है जबकि हिंदी में ऐसे वाक्यों में 'होना' क्रिया का प्रयोग करना ज़रूरी है। विद्यार्थियों को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा इसी पाठ में आज्ञावाची क्रियारूप का भी प्रयोग सिखाया गया है। लेकिन इसका प्रयोग मध्यम पुरुष (आदरार्थ) में ही सीमित रखा गया है।

8. कोमल छाँल (कोमल साउल) : एक तरह का चावल। यह पानी में रखने से पक जाता है और दूध, दही के साथ खाया जाता है।

9. तामोल (तामोल) का व्यवहार : असमिया समाज में तामोल (तामोल) का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। अतिथियों को चाय जलपान के बाद पान का पत्ता और चूने के साथ कच्ची सुपारी दी जाती है। इसको 'तामोल' कहते हैं। शादी जैसे सामाजिक अवसर में निमंत्रण देने के लिए या ज्येष्ठ व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए 'तामोल पान' का व्यवहार किया जाता है।

पाठ 2 पाठ

कृषि विषयाब लगत

मुकुन्द, महेश्वर आदि : नमस्कार, महाराज।
मुकुन्द, महेश्वर आदि : नमस्कार महाराज।

आमि मधुपुर गाँव मानुह।
आमि मधुपुर गाँव मानुह।

जैन : आह, भितरलोइ आह।

जैन : आह, भितरलोइ आह।

मुकुन्द : मम्प मुकुन्द मालाकर। मोर धानर

मुकुन्द : मोइ मुकुन्द मालाकर। मोर धानर

खेति आछे। अलप भाल बीज
खेति आसे। अलप भालो बीज

दियक।

दियक।

जैन : नवीन, एउँक अलप पुचा धानर

जैन : नवीन, एउँक अलप पुसा धानर

बीज दे। आरु आपुनि ?

बीज दे। आरु आपुनि ?

महेश्वर : मम्प महेश्वर। मोर शाक पाचलि

महेश्वर : मोइ महेश्वर। मोर शाक पासोलि

खेति आछे। मोर बाबीत बहुत

खेति आसे। मोर बारीत बहुत

कृषि अधिकारी के साथ

मुकुन्द, : नमस्कार श्रीमान्। हम मधुपुर गाँव
महेश्वर के लोग हैं।
आदि

जैन : आओ, अंदर आ जाओ।

मुकुन्द : मैं मुकुन्द मालाकर हूँ। मेरे पास
धान की खेती है। थोड़ा सा अच्छा
बीज दे दीजिए।

जैन : नवीन, इनको थोड़ा पुसा धान का
बीज दे दे। और आप?

महेश्वर : मैं महेश्वर हूँ। मेरे पास साग सब्जी
की काफ़ी खेती है। मेरी बाड़ी में
कीड़े मकोड़े बहुत (हो गए) हैं।

पोक पकुरा।

पोक परुवा।

जैन : नवीन, एउँक अलप कीटनाशक
जँइन : नवीन, एओँक अलप कीटनाशक

दे। आरु तोमाक ?
दे। आरु तोमाक ?

महारथ : मोक किछू सार दियक। मोर पान,
पान,

महारथ : मोक किसु सार दियक। मोर पान,
तामोल, नेमु आरु सूरियहर

खेति

तामोल, नेमु आरु सूरियहर खेति
आछे।
आसे।

जैन : बर भाल कथा। एम्पबोर बर
लाभ-

जँइन : बर भाल कथा। एम्बोर बर लाभ-
जनक खेति। नवीन, एउँक

म्पउबीया

जनक खेति। नवीन, एओँक युरीया
एमोना दे।
एमोना दे।

महेश्वर : महाशय, आपुनि एबार आमार

महेश्वर : महाशय, आपुनि एबार आमार
गाँउलै आहक।
गाँउलोइ आहक।

जैन : ठिक आछे, ठिक आछे। एम्पबोर

जँइन : ठिक आसे, ठिक आसे। एम्बोर

जैन : नवीन इन्हें थोड़ा-सा कीटनाशक
(दवाई) दे दे। और तुम्हें ?

महारथ : मुझको थोड़ी खाद दे दीजिए। मेरी
पान, सुपारी, नींबू और सरसों की
खेती है।

जैन : बड़ी अच्छी बात है। यह बड़ी
लाभजनक खेती है। नवीन, इनको
यूरिया की एक बोरी दे दे।

महेश्वर : महाशय, आप एकबार हमारे गाँव
आइए।

जैन : ठीक है, ठीक है। ये बीज, खाद
और कीटनाशक विषयक किताबें
हैं। दो चार तुमलोग ले लो।

बीज, प्राब आरु कौनाशक
 बीज, सार आरु कीटनासक
 बिषयब किताप। तोमालोके दूम्प
 बिसयब किताप। तोमालोके दुई
 चाबिखन निशा।
 सारिखन निशा।

सभीलोग : धन्यवाद।

সকলোৱে: ধন্যবাদ!

सकलुए : धन्यवाद!

शब्दार्थ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
आमि	आमि	हम (लोग)
आश	आहा	(तुम) आओ
धानब	धानर	धान का
खेति	खेति	खेती
आछे	आसे	है
अलप	अलप	थोड़ा, अल्प
दियक	दियक	दीजिए / दें
दे	दे	(तू) दे
शाक पाचलिब	साक पासोलिर	साग सब्जी की
बाबीत	बारीत	बाड़ी में
पोक पब्ररा	पोक परुवा	कीड़े-मकौड़े
औषध	औसध	दवाई
उषध	सार	खाद
प्राब		

पान	पान	पान
तामोल	तामोल	पान
नेमु	नेमु	नींबू
सुरियह	सुरियह	सरसो
कथा	कथा	बात, बातचीत
एमोना	एमोना	एक बोरी
एबाना	एबार	एक बार
एबाब	दुइ	दो
दुम्प	सारि	चार
छाबि		

अभ्यास

- I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

তোমালোকে নিয়া। (কিতাপ)

তোমালোকে নিয়া। (কিতাপ)

→ তোমালোকে কিতাপ নিয়া। (কেম্পথন)

তোমালোকে কিতাপ নিয়া। (কেইখন)

→ তোমালোকে কিতাপ কেম্পথন নিয়া।

তোমালোকে কিতাপ কেইখন নিয়া।

1. তোমালোক আশ (ভিতরলোই)
তোমালোক আশ (ভিতরলোই)
2. আপুনি দিয়ক (অলপ টকা)
আপুনি দিয়ক (অলপ টকা)
3. তুমি দে (কীটনাশক)
তোই দে (কীটনাশক)

4. আপুনি আহক (गाउँलै, आमाब)
आपुनि आहक (गाँउलोइ, आमार)

5. তুমি দিয়া (তামোল)
তুমি দিয়া (তামোল)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) आश, ভিতৰলৈ আহ।
आहा, भितरलोइ आहा।

→ आहक, ভিতৰলৈ আহক।
आहक, भितरलोइ आहक।

1. মোক অলপ বীজ দে।
मोक अलप बीज दे।
2. এওঁক অলপ কীনাশক দে।
एआँक अलप कीटनासक दे।
3. মহাৰথক কিছু স্নাৰ দে।
महारथक किसु स्नार दे।
4. এবাৰ আমাৰ गाउँलै आह।
एबार आमार गाउँलोइ आह।
5. জলপান আৰম্ভ কৰ।
जलपान आरम्भ कर।
6. তোমালোকে দুম্প চাৰিখন লোৱা।
तोमालोके दुइ सारिखन लोवा।

(খ) মোৰ ধানৰ খেতি।
मोर धानर खेति।

→ মোৰ ধানৰ খেতি আছে।
मोर धानर खेति आसे।

1. মহেশ্বৰৰ শাক পাচলিৰ খেতি।
महेश्वरर साक पासोलिर खेति।
2. বাৰীত বহুত পোক পৰুৱা।
बारीत बहुत पोक परुवा।
3. মহাৰথৰ পান তামোলৰ খেতি।
महारथर पान तामोलर खेति।
4. এওঁৰ বাৰীত বহুত সৰিয়হ।
एआँर बारीत बहुत सरियह।
5. জৈনৰ ঘৰত বহুত কিতাপ।
जैनर घरत बहुत किताप।

III. बहुवचन रूप बनाइए।

उदाहरण :

এম্প

एइ

→ এম্পবোৰ

एइबोर

- | | | |
|-------------------|----------------------------|-----------------|
| 1. धान
धान | 3. शाक पाचलि
साक पासोलि | 5. नेमू
नेमु |
| 2. मानूह
मानुह | 4. पोक पबुवा
पोक परुवा | 6. बीज
बीज |

IV. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

মঙ্গল মধুপুৰ _____ মানুহ। (गाँव का)

মোড় মধুপুৰ _____ মানুহ।

→ মঙ্গল মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।

মোড় মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।

- আহা, _____ আহা। (भीतर)
আহা, _____ আহা।
- মোৰ _____ খেতি আছে। (ধান की)
মোৰ _____ খেতি আছে।
- নবীন _____ অলপ স্নাৰ দে। (उनको)
নবীন _____ অলপ স্নাৰ দে।
- আপুনি আমাৰ গাওঁলৈ এবাৰ _____। (आइए)
আপুনি আমাৰ গাওঁলৈ এবাৰ _____।
- এম্পবোৰ কৌনাশক _____ কিতাপ। (विषय की)
এইবোৰ কৌনাশক _____ কিতাপ।

V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

आपुनि ভিতৰলৈ আহক।

আপুনি भितरलोइ आहक।

(তোমালোক)

(तोमालोक)

→ তোমালোক ভিতৰলৈ আহ।

तोमालोक भितरलोइ आहा।

1. আপুনি আৰম্ভ কৰক।

আপুনি আরম্ভ করক।

(তোমালোকে)

(তোমালোকে)

(মহেশ্বৰে)

(महेश्वरे)

(তম্প)

(तोइ)

(মুকুন্দম্প)

(मुकुन्दइ)

(মহাৰথে)

(महारथे)

3. মোক অলপ সাৰ দিয়ক।

মোক अलप सार दियक।

(এওঁ)

(एओँ)

(মহাৰথ)

(महारथ)

(মুকুন্দ)

(मुकुंद)

(ককাম্পদেউ)

(ककाइदेउ)

(ভাম্প)

(भाई)

2. মোৰ পান তামোলৰ খেতি আছে।

मोर पान तामोलर खेति आसे।

(সৰিয়হ)

(सरियह)

(ধান)

(धान)

4. মহাৰথক এমোনা সাৰ দিয়ক।

महारथक एमोना सार दियक।

(ঔষধ)

(औषध)

(সৰিয়হ)

(सरियह)

(शाक पाचलि)	(कौनाशक)
(साक पासोलि)	(कीटनासक)
(नेमु)	(धान)
(नेमु)	(धान)
(नाबिकल)	(किताप)
(नारिकल)	(किताप)

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

मानुह मुकुन्द गारु मधुपुर
 मानुह मुकुन्द गावर मधुपुर
 → मुकुन्द मधुपुर गारु मानुह।
 मुकुन्द मधुपुर गावर मानुह।

1. आछे खेति महेश्वर शाक-पाचलि
 आसे खेति महेश्वर साक-पासलिर
2. पोकरुवा बारीत आछे बहत शाक-पाचलि
 पोकरुवा बारीत आसे बहुत साक-पासलिर
3. महेश्वर आछे खेति आरु सूरियहर तामोल नेमु
 महेश्वर आसे खेति आरु सूरियहर तामोल नेमु
4. आहक आपुनि महाशय गारु आमर एबार
 आहक आपुनि महाशय गावलोइ आमर एबार

पढ़िए और समझिए।

आधुनिक खेति (आधुनिक खेति)

मुकुन्द मधुपुर गाँव मानुह। तेँ शाक पाचलि खेति आछे। तेँ खेति
 फल

मुकुन्द मधुपुर गाओंर मानुह। तेओंर स्रक पासोलिर खेति आसे। तेओंर खेतिर फसल
बहत। गतिके तेओंर उपार्जनो भालेखिनि।
बहुत। गतिके तेओंर उपार्जनो भालेखिनि।

योगेन नगरर मानुह। तेओंर एखन स्रारर दोकान आसे। दोकानत कीटनास्रक
आसे।

जोगेन नगरर मानुह। तेओंर एखन स्रारर दोकान आसे। दोकानत कीटनास्रक आसे।

तेओंक अलपका लागे। तेओंक एखन बिपनि लागे। एखन पूबणि गाड़ीओ लागे।
तेओंक अलप तका लागे। तेओंक एखन बिपनि लागे। एखन पुरनि गाड़ीओ लागे।

बजत, तुमि किताप दुखन निया। घरत भालकोइ पढ़ा। कितापर मते स्रार दिया।

रजत, तुमि किताप दुखन निया। घरत भालकोइ पढ़ा। कितापर मते स्रार दिया।

कीटनास्रक ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। फसल ओसरर समबायत दिया।

कीटनास्रक ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। फसल ओसरर समबायत दिया।

नबीन, तम्प एम्प बीजबोर ने। एओंक एबस्ता धान दे। आमाँले अलप चाह कर।

एम्प

नबीन, तोइ एइ बीजबोर ने। एओंक एबस्ता धान दे। आमालोइ अलप साह कर। एइ

पिठाबोर ने। चाहर लगत दे। तयो अलप चाह था।

पिठाबोर ने। साहर लगत दे। तयो अलप साह खा।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
फचल	फसल	फसल
उपार्जन	उपार्जन	उपार्जन
भालेखिनि	भालेखिनि	पर्याप्त
नगरर	नगरर	नगर का
बिपनि	बिपनि	दुकान
पूबणि	पुरणि	पुराना

দোকান	दोकान	दुकान
ঘরত	घरत	घर में
ভালকৈ	भालकोइ	अच्छी तरह
মতে	मते	के अनुसार
ব্যবহার	ব্যবহার	व्यवहार
ওচৰৰ	ओसरर	पास का
সমবায়	समवाय	समवाय, सहकारी
একটা	एबस्ता	एक बोरी
লগত	लगत	के साथ
খা	खा	खाना

अभ्यास

I. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

मुकुन्द मधुपुर _____ मानुह।

मुकुन्द मधुपुर _____ मानुह।

তেওঁৰ খেতিৰ _____ বহুত।

तेओँर खेतिर _____ बहुत।

যোগেনৰ এখন সাৰৰ _____ আছে।

जोगेनर एखन सारर _____ आसे।

তুমি কিতাপ _____ নিয়া।

तुमि किताप _____ निया।

কিতাপ _____ পঢ়া।

किताप _____ पढ़ा।

আমালৈ অলপ চাহ _____ ।

আমালোই অলপ সাহ _____ ।

চাহৰ লগত পিঠা _____ ।

সাহৰ লগত পিঠা _____ ।

তয়ো অলপ _____ থা।

তয়ো অলপ _____ খা।

II. बहुवचन रूप बनाइए :

এম্প	বস্তা	ফচল
এই	বস্তা	ফসল
লাৰু	কিতাপ	দোকান
লারু	কিতাপ	দোকান

III. वाक्य बनाइए :

ফচল, বিপনি, ভালেখিনি
ফসল, বিপনি, ভালেখিনি

ভালকৈ, মতে, লগা, পুৰণি
ভালকোই, মতে, লগা, পুৰণি

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

তুমি শাক-পাচলিৰ খেতি কৰা। খেতিত ভালকৈ সাৰ দিয়া। খেতিত কৌনাশক
তুমি সাক-পাসলিৰ খেতি কৰা। খেতিত ভালকোই সাৰ দিয়া। খেতিত কীটনাশক
ব্যৱহাৰ কৰা। ভাল বীজ প্ৰয়োগ কৰা। আজিকালি শাক-পাচলিৰ খেতিত বৰ
লাভ।

ব্যবহার कॄ। भाल बीज प्रयोग कॄ। आजिकालि सॄक-पासलिर खेतित बर लाभ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं गाँव में रहता हूँ। गाँव में मेरी साग-सब्जी की दुकान है। दुकान में मैं कीटनाशक दवाएँ भी रखता हूँ। त्योहारों पर खिलौने आदि भी रखता हूँ। मेरे पास एक साइकिल भी है। मैं आसपास के गाँवों में जाता हूँ। वहाँ भी सामान बेचता हूँ।

VI. कृषि अधिकारी के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. तूमि (तुम) : मध्यम पुरुष एक वचन का समानार्थक रूप है। जो व्यक्ति मित्र स्थानीय होते हैं उनको 'तूमि' (तुमि) कहा जाता है। 'तूमि' (तुमि) के साथ जो क्रिया प्रयोग में आती है उसमें वर्तमान काल एवं भविष्य काल में -आ (-आ) जोड़ा जाता है। जैसे --

तूमि कब + -आ > कबा	तुमि कर + -आ > करा
तूमि आन + -आ > आना	तुमि आन + -आ > आना

लेकिन अकारांत और आकारांत धातु के 'अ', 'आ' का रूप 'ओ' हो जाता है। जैसे --

तूमि था + -आ > थोआ	तुमि खा + -आ > खोवा
तूमि क + -आ > कोआ	तुमि क + -आ > कोवा

2. सम्प्रदान काबक (सम्प्रदान कारक) : जब किसी स्थानवाचक शब्द में 'आना' और 'जाना' क्रिया का प्रयोग होता है तब स्थानवाचक व्यंजनांत शब्दों के साथ -ऑल (-अलोइ) और स्वरांत शब्दों के साथ -ल (-लोइ) जोड़ा जाता है। जैसे --

भितर + -ऑल > भितरऑल	भितर + -अलोइ > भितरलोइ
घर + -ऑल > घरऑल	घर + -अलोइ > घरलोइ
बारी + -ल > बारील	बारी + -लोइ > बारीलोइ

3. कर्मकाबक (कर्मकारक) : कर्मकारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -अक (-अक) और स्वरांत शब्दों के साथ -क (-क) जोड़ा जाता है। जैसे --

তৈন + -অক > তৈনক জৈন্ + -অক > জৈনক
 মুকুন্দ + -অক > মুকুন্দক মুকুন্দ + -অক > মুকুন্দক

परन्तु व्यक्तिवाचक सर्वनाम के कर्मकारक में कुछ परिवर्तन होते हैं। जैसे --

মঙ্গ + -ক > মোক মই + -ক > মোক
 তুমি + -ক > তোমাক তুমি + -ক > তোমাক
 আপুনি + -ক > আপোনাক আপুনি + -ক > আপোনাক
 তঙ্গ + -ক > তোক তোই + -ক > তোক

4. क्रिया विभक्ति -এ (क्रिया विभक्ति - ए) : वर्तमान काल में अन्य पुरुष की विभक्ति -এ (-ए) है। अकारांत और आकारांत शब्दों के साथ यह -य (-य) रूप में जोड़ी जाती है। जैसे -

তেওঁ আছ + -এ > আছ তেওঁ আস + -এ > আসে
 তেওঁ কৰ + -এ > কৰে তেওঁ কর + -এ > করে
 জৈনে ক + -এ > কয় জৈনে ক + -এ
 > কয়
 বামে খা + -এ > খায় রামে খা + -এ
 > খাए

5. তঙ্গ (तू) : मध्यम पुरुष का तुच्छार्थक रूप तঙ্গ (तू) होता है। तङ्ग (तू) के साथ अनुज्ञा भाव में जो क्रिया जोड़ी जाती है, उसमें खाली धातु होती है। जैसे --

তঙ্গ দে। তোই দে।
 তঙ্গ আহ। তোই আহ।

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य की संरचना के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों की पुनरावृत्ति की गई है। इसके अलावा मध्यम पुरुष के तुच्छार्थक और आदरसूचक रूप के

साथ अनुज्ञा क्रिया के रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। साथ ही व्यक्तिवाचक और निर्देशात्मक (संकेतार्थक) सर्वनामों के बहुवचन का रूप भी सिखाया गया है।

पाठ 3

पाठ

प्रिय छात्र लगत

प्रिय छात्र के साथ

टोर्जी : हेब' प्रेमकुमार।

चेटार्जी : हेरो! प्रेमकुमार।

प्रेम : नमस्कार चाब। आपोनाब भाल

ने?

प्रेम : नमस्कार सार। आपोनाब भाल ने?

टोर्जी : एम्प आछो आब। तम्प

आजिकालि

चेटार्जी : एइ आसौं आरु। तोइ आजिकालि

कि कब ?

कि कर्अ?

प्रेम : मम्प बाब्रप्राय कबौं।

प्रेम : मोइ व्यवसाय करौं।

टोर्जी : तोब दोकान क'त?

चेटार्जी : तोर दोकान कोत?

प्रेम : मोब दोकान नाम्प चाब।

मम्प

प्रेम : मोर दोकान नाइ सर! मोइ

बाबानसीत बेसमी शाड़ी लऊं।

बारानसीत रेसमी सारी लआँ।

सेम्पबोब असमत बिक्रि कबौं।

सेइबोर असमत बिक्रि करौं।

असमत पबा चाइपात, बाँह-बेतब

असुमर परा साहपात, बाँह-बेतब

चटर्जी : अरे! प्रेमकुमार!

प्रेम : नमस्कार सर। आप अच्छे हैं?

चटर्जी : ठीक ही हूँ। और तुम आजकल क्या कर रहे हो?

प्रेम : मैं व्यवसाय कर रहा हूँ।

चटर्जी : तुम्हारी दुकान कहाँ है?

प्रेम : मेरी दुकान नहीं है, सर। मैं वाराणसी से रेशमी साड़ी लेता हूँ। उन्हें असम में बेचता हूँ। असम से चाय की पत्ती, बाँस-बेंत की चीजें ले आता हूँ। (उन्हें) वाराणसी में बेचता हूँ। कभी कभी अच्छा लाभ हो जाता है। कभी कभी नुकसान उठाता हूँ। सर, क्या आप अभी भी कहानियाँ लिखते हैं?

बिक्कि
बिक्कि
बस्तु आनौं। बाबानसीत
कबौं। केतियाबा भाल लाठ
करौं। केतियाबा भाल लाभ
हय। केतियाबा लोकचान
हय। केतियाबा लोकसान
भबौं। चाब, आपुनि

एतियाओ
भरौं। सर, आपुनि एतियाओ
गन्न लिखे ने?
गल्प लिखे ने?

चेटार्जी : माजे माजे लिखौं। पिछे
प्रकाशक
चेटार्जी : माजे माजे लिखौं। पिसे प्रकाशक
नाम्प। गन्नबोब पबि आछे। तोब
नाइ। गल्पबोर परि आसे। तोर
कोनो चिनाकि प्रकाशक नाम्प
ने?

कोनो सिनाकि प्रकाशक नाइ ने?
प्रेम : आछे। पिछे तेउँब धन नाम्प।
प्रेम : आसे। पिसे तेऔँर धन नाइ।
पाण्डुलिपिटो मम्प एबाब चाब
पाण्डुलिपिटो मोइ एबार साब
पारौने?
पारौने?

चेटार्जी : तेनेहले तम्प तेउँक पम्पछा
दे।
चेटार्जी : तेनेहले तोइ तेऔँक पइसा दे।

चटार्जी : कभी कभी लिखता हूँ। पर
प्रकाशक नहीं (मिलता)। कहानियाँ
पड़ी हुई हैं। तुम्हारा कोई जान-
पहचान का प्रकाशक नहीं है क्या?

प्रेम : है तो सही। पर उनके पास धन
नहीं है। क्या मैं पाण्डुलिपि को
एकबार देख सकता हूँ?

चटार्जी : ऐसा है तो तुम उनको पैसा दे दो।
वह छापे।

प्रेम : (अच्छा) देखता हूँ।

चटार्जी : तुम मेरे साथ आओ। पाण्डुलिपिको
देख लो।

তেওঁ ছপাওক।
তেওঁ সপাওক।

প্ৰেম : চাওঁচোন।
প্ৰেম : সাওঁসোন।

চৌজী : তম্প মোৰ লগত আহ।

পাণ্ডুলিপি-

চেটার্জী : তোই মোৰ লগত আহ। পাণ্ডুলিপি-

টো চাহি।
টো সাহি।

शब्दार्थ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
हेब'	हर्अ	अरे, हे
आपोनाब	आपोनार	आपका
ने	ने	प्रश्नवाची अव्यय
आछैं	आसौँ	हूँ
तम्प	तोइ	तू/तुम
आजिकालि	आजिकालि	आजकल
कब	कर्अ	(तू) करना
ब्यवसाय	व्यवसाय	व्यवसाय
करौँ	करौँ	करता हूँ
दोकान	दोकान	दुकान
कोत	कोत	कहाँ
क'त	नाइ	नहीं
नाम्प	रेसमी	रेशमी
बेचमी	सेइबोर	वे सब भी

সেম্পবোৰ	বিক্ৰি কৰাঁ	বেচতা হুঁ
বিক্ৰি কৰোঁ	তাৰ পৰা	বহাঁ সে
তাৰ পৰা	সাহপাত	চায় কী পতী
চাহপাত	বাঁহ	বাঁস
বাঁহ	বঁতৰ	বঁত কী
বঁতৰ	বস্তু	বস্তু
বস্তু	আনাঁ	লাতা হুঁ
আনাঁ	মাজে মাজে	কমী-কমী
মাজে মাজে	লাভ	লাভ
লাভ	লোকসান	নুকসান
লোকচান	ভৰাঁ	উঠাতা হুঁ
ভৰোঁ	এতিয়াও	অমী মী
এতিয়াও	গল্ফ	কহানিয়াঁ
গল্প	লিখে	লিখতা হৈ
লিখে	লিখোঁ	লিখতা হুঁ
লিখোঁ	পিসে	পৰ
পিছে	প্ৰকাশক	প্ৰকাশক
প্ৰকাশক	পৰি আৰে	পড়ী হৈ
পৰি আৰে	কোনো	কোই
কোনো	সিনাকি	পৰিচিত
চিনাকি	পড়সা	পৈসা, ধন
পম্পছা	পাণ্ডুলিপি	পাণ্ডুলিপি
পাণ্ডুলিপি	এবার	এক বার
এবাৰ	সাআঁ	(মৈ) দেখুঁ
চাওঁ	তেনেহলে	তব, এয়া হৈ তো
তেনেহলে	সপাওক	চপাএ, চপানে দো
ছপাওক	সাআঁসোন	দেখতা হুঁ
	আহ	(তু) আ
	সাহি	তু আ আৰু দেখ

चाँचोचान

आह

चाहि

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) तम्प आजिकालि कि कब ?
तोइ आजिकालि कि कर्अ?

→ तुमि आजिकालि कि कबा ?
तुमि आजिकालि कि करा?

1. तम्प तात कि कब ?
तोइ तात कि कर्अ?
2. तम्प कि बिक्रि कब ?
तोइ कि बिक्रि कर्अ?
3. तम्प ताबपबा कि आन ?
तोइ तारपरा कि आन्अ?
4. तम्प मोर लगत आह।
तोइ मोर लगत आह।
5. आपुनि गन्न लिखे ने ?
आपुनि गल्प लिखे ने?

(ख) मोर दोकान आछे।
मोर दोकान आसे।

→ मोर दोकान नाम्प।
मोर दोकान नाइ।

1. मोर ब्यरजाय आछे।
मोर व्यवसाय आसे।
2. मोर धानर खेति आछे।
मोर धानर खेति आसे।
3. मोर बेचमी शाड़ी आछे।
मोर रेसमी सारी आसे।
4. तेउँब प्रकाशक आछे।
तेऔँर प्रकाशक आसे।
5. तेउँब चिनाकि मानुह आछे।
तेऔँर सिनाकि मानुह आसे।

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

उदाहरण :

प्रेमकुमारे कि कबे ?
प्रेमकुमारे कि करे?

→ প্ৰেমকুমাৰে ব্যৱসায় কৰে।

প্ৰেমকুমাৰে ব্যবসায় করে।

1. প্ৰেমকুমাৰৰ ভাল নে ?
প্ৰেমকুমাৰৰ ভাল নে?
2. প্ৰেমকুমাৰে অসমত কি বিক্ৰি কৰে ?
প্ৰেমকুমাৰে অসমত কি বিক্ৰি কৰে?
3. প্ৰেমকুমাৰে অসমৰ পৰা কি আনে ?
প্ৰেমকুমাৰে অসমৰ পৰা কি আনে?
4. চৌজীৰ গল্পবোৰ কি হৈছে ?
চেটাজীৰ গল্পবোৰ কি হৈছে?

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए।

उदाहरण :

চাৰ _____ ভাল নে ? (আপকা)

সার _____ ভাল নে?

→ চাৰ আপোনাৰ ভাল নে ?

সার আপোনার ভাল নে?

1. তম্প অসমত কি _____ ? (কর)
তোই অসমত কি _____ ?
2. প্ৰেম, _____ দোকান ক'ত ? (তু)
প্ৰেম, _____ দোকান কো'ত?
3. মম্প _____ চাহপাত আনোঁ। (অসম সে)
মম্প _____ সাহপাত আনো।
4. মম্প কেতিয়াবা _____ ভৰোঁ। (নুকসান)
মম্প কেতিয়াবা _____ ভৰোঁ।
5. মোৰ _____ পৰি আছে। (কহানিয়োঁ)

मोर _____ परि आसे।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य में कर्तापद जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

बानाबसत बेचमी शाड़ी लउँ।

बानारसत रेसमी सारी लऔँ।

→ मम्प बानाबसत बेचमी शाड़ी लउँ।

मोइ बानारसत रेसमी सारी लऔँ।

1. स्रेम्पबोब असमत बिक्रि करौँ।
सेइबोर असमत बिक्रि करौँ।
2. असमर पबा बाँहर बस्तु आनौँ।
असमर परा बाँहर बस्तु आनौँ।
3. केतियाबा लोकसान भरौँ।
केतियाबा लोकसान भरौँ।
4. एतियाओ गल्प लिखे ने ?
एतियाओ गल्प लिखे ने?
5. केतियाबा गल्प लिखौँ।
केतियाबा गल्प लिखौँ।
6. पाण्डुलिपिटो चाहि।
पाण्डुलिपिटो साहि।

V. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य में 'छान' (सोन) या 'हि' (हि) प्रयोग कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) मम्प पाण्डुलिपिटो चाउँ।
मोइ पाण्डुलिपिटो साऔँ।

→ मम्प पाण्डुलिपिटो चाउँछान।

(ख) तम्प पाण्डुलिपिटो चा।
तोइ पाण्डुलिपिटो सा।

→ तम्प पाण्डुलिपिटो चाहि।

মোই পাণ্ডুলিপিটো সাআঁসোন।

তোই পাণ্ডুলিপিটো সাহি।

1. তম্প স্পয়াত বহ।
তই ইয়াত বহ।
2. তোমালোক ভিতৰলৈ আশ।
তোমালোক ভিতৰলোই আহা।
3. আপুনি লিখক।
আপুনি লিখক।
4. মম্প শাড়ী আনোঁ।
মোই স়াৰী আনোঁ।
5. মম্প পাণ্ডুলিপিটো চাওঁ।
মোই পাণ্ডুলিপিটো সাআঁ।

1. তম্প তেওঁক কিতাপখন দে।
তোই তেওঁক কিতাপখন দে।
2. তম্প ভিতৰত বহ।
তোই ভিতৰত বহ।
3. তুমি পাণ্ডুলিপিটো চোৱা।
তুমি পাণ্ডুলিপিটো সোৱা।
4. তোমালোকে স়াৰ নিয়া।
তোমালোকে স়াৰ নিয়া।
5. আপুনি চাহ খাওক।
আপুনি সাহ খাওক।

VI. উদাহৰণ কে অনুসার दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

केतियाबा लाभ हय भाल
केतियाबा लाभ हय भाल

→ केतियाबा भाल लाभ हय।
केतियाबा भाल लाभ हय।

1. कबे चौधुरीये बिक्री कापोर असमत
करे सौधुरीये बिक्री कापोर असमत
2. माष्टेब कुलर भायेक प्रेमकुमारब
मास्तर स्कुलर भायेक प्रेमकुमारर
3. नाम्पने प्रकाशक चिनाकि तोर कोनो
नाइने प्रकासक सिनाकि तोर कोनो
4. चाव पाण्डुलिपिटी पाबौने एबाब मम्प
साब पाण्डुलिपिटो पारौने एबार मोइ
पढ़िए और समझिए।

বাণিজ্যত লক্ষ্মী (বাণিজ্যত লক্ষ্মী)

প্রেমকুমারে ব্যৱসায় কৰে। তেওঁ অসমত শাড়ী বিক্ৰি কৰে। তেওঁ কানপুৰত বাঁহ-

বেতৰ

প্রেমকুমারে ব্যৱসায় কৰে। তেওঁ অসমত সূঁচী বিক্ৰি কৰে। তেওঁ কানপুৰত বাঁহ-বেতৰ

বস্তু বিক্ৰি কৰে। তেওঁৰ অৱস্থা এতিয়া বৰ ভাল। তেওঁৰ এতিয়া আৰু পৰিচালনা কৰিবলৈ

নোনি নাপায়। চৌধুৰীৰ এখন কাৰখানা আছে। তেওঁৰ কাৰখানা নিৰালা নগৰত।

তেওঁৰ

নাটনি নাহি। চৌধুৰীৰ এখন কাৰখানা আছে। তেওঁৰ কাৰখানা নিৰালা নগৰত।
তেওঁৰ

কাৰখানাত বহুত কৰ্মীয়ে কাম কৰে। তেওঁৰ কেতিয়াবা লাভ হয়। কেতিয়াবা

লোকচান

কাৰখানাত বহুত কৰ্মীয়ে কাম কৰে। তেওঁৰ কেতিয়াবা লাভ হয়। কেতিয়াবা লোকচান

হয়। চৌধুৰীৰ তাৰ বাবে চিন্তা নাপায়। চৌধুৰীৰ ভায়েক স্কুল মষ্টাৰ। তেওঁৰ ব্যৱসায়

হয়। চৌধুৰীৰ তাৰ বাবে চিন্তা নাহি। চৌধুৰীৰ ভায়েক স্কুল মাস্টাৰ। তেওঁৰ ব্যৱসায়

বাণিজ্য নাপায়। গতিকে তেওঁৰ পৰিচালনাও বিশেষ নাপায়। মৰ্ম মাজে সময়ে কবিতা

লিখোঁ।

বাণিজ্য নাহি। গতিকে তেওঁৰ পৰিচালনাও বিশেষ নাহি। মোৰ মাজে সময়ে কবিতা লিখোঁ।

ৰেডিওত গল্প পঢ়োঁ। মোৰ জমাও নাপায়। মোৰ ধাৰো নাপায়।

ৰেডিওত গল্প পঢ়োঁ। মোৰ জমাও নাহি। মোৰ ধাৰো নাহি।

নয়ে শব্দ

অসমীয়া শব্দ	উচ্চাৰণ	হিন্দী অৰ্থ
অৱস্থা	অৱস্থা	হালত
কাৰখানা	কাৰখানা	কাৰখানা
কৰ্মী	কৰ্মী	কৰ্মচাৰী

তাৰ বাবে	তার बाबे	इसके लिए
বাণিজ্য	बानिज्य	वाणिज्य
বঁকা পম্পচা	टका पइसा	रुपया-पैसा
কোনো বকম	कोनो रकम	किसी तरह से
মাজে সময়	माजे समये	कभी कभी, बीच बीच में
কবিতা	कविता	कविता
পঢ়োঁ	पढ़ों	पढ़ता हूँ
জমাও	जमाओ	जमा भी, पूँजी भी
ধাৰো	धारो	कर्ज भी

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. प्रेमकुमारले असमत कि करे ?
प्रेमकुमारले असमत कि करे?
2. तेउँबँका-पम्पचाब नौनि आछे ने ?
तेऔँर टका-पइसार नाटनि आसे ने?
3. चौधुरीर कारखाना क'त ?
सौधुरीर कारखाना कोत?
4. तोमारबँका-पम्पचा आछे ने ?
तोमार टका पइसा आसे ने?
5. मम्प रेडिअ'त कि करौँ ?
मोइ रेडिअत कि करौँ?

II. रिक्त स्थान भरकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. प्रेमकुमारब _____ बर भाल।
प्रेमकुमारर _____ बर भाल।

2. प्रेमकुमारबोका पम्पचाब _____ नाम्प।
प्रेमकुमारर टका पइसार _____ नाइ।
3. मम्प कोनो _____ चलि आछौं।
मोइ कोनो _____ सलि आसौं।
4. मम्प _____ कबिता लिखौं।
मोइ _____ कबिता लिखौं।
5. मोर धारो नाम्प, मोर _____ नाम्प।
मोर धारो नाइ, मोर _____ नाइ।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

कुमुद बरा यिकत थाके। तेउंर एा छपाशाल आछे। छपाशालत बहत कर्मोये काम
कुमुद बरा टियकत थाके। तेऔर एटा सपासाल आसे। सपासालत बहुत कर्मोये काम
करे। तेउंर आय भाल। तेउं नतुनकै घर बनाम्पछे। तेउं अलपते एखन
गाड़ीओ करे। तेऔर आय भाल। तेऔ नतुनकोइ घर बनाइसे। तऔ अलपते एखन
गाड़ीओ लैछे।
लोइसे।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

हजारिका प्राइमरी विद्यालय में शिक्षक हैं। वे बहुत अच्छे शिक्षक हैं। वे कविता भी
लिखते हैं। कभी-कभी वे नाटक में अभिनय भी करते हैं। वे बहुत लोकप्रिय हैं।

V. प्रेमकुमार का व्यवसाय के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. **न (ने)** : यह प्रश्नवाची अव्यय है। निर्देशात्मक वाक्य के अंत में 'न' (ने) जोड़कर वाक्य को प्रश्नवाची बनाया जाता है। ऐसे प्रश्न का उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' में दिया जाता है।
2. **आरू (आरु)** : यह संयोजक अव्यय है ; लेकिन वाक्य के अंत में प्रयुक्त होने पर यह केवल एक अन्तराल (pause) जैसा होता है।
3. **क'त (क'त)** : असमिया प्रश्नवाचक शब्दों का मूलांश 'क-' है। इसी में विभिन्न कारकों की विभक्तियाँ जोड़ी जाती है। प्रस्तुत उदाहरण में इसमें अधिकरण की विभक्ति जुड़ी हुई है। दूसरी विभक्तियों के साथ इसके रूप इस प्रकार होते हैं --

क' + -त > क'त	क' + -त > कोत (कहाँ) पर
क' + -लै > क'लै	क' + -लोइ > कोलो (कहाँ) को
क' + -ब > क'ब	क' + -र > कोर (कहाँ) का
4. **पुरुषवाचक विभक्ति -ए (पुरुष विभक्ति -ए)** : वर्तमान काल में क्रिया के साथ प्रयुक्त होनेवाली पुरुष विभक्तियाँ इस प्रकार होती है --

पुरुष	एकवचन और बहुवचन
उत्तम पुरुष	-उं (औं)
मध्यम पुरुष	-अ (अ) -आ (आ) -ए (ए)
अन्य पुरुष	-ए (ए)

उदाहरण :

मोइ कर	+	-ओ	>	मोइ करों
तोइ कर	+	-अ	>	तोइ कर्अ
तुमि कर	+	-आ	>	तुमि करा
आपुनि कर	+	-ए	>	आपुनि करे

5. **नाम्न (नाइ)** : 'आइ' (आस) धातु से बने हुए वर्तमान काल के हर क्रियारूप का एक ही नेतिवाचक रूप होता है। 'नाम्न' (नाइ) हर पुरुष के साथ प्रयोग में आता है। जैसा--

मम्न घबत नाम्न।
मोइ घरत नाइ।
तुमि म्मगात नाम्न।
तुमि इयात नाइ।

नोनि नाम्भ।

नातनि नाइ।

6. ङान (सोन) : आङ्गवाचक क्रिया पद के साथ ‘ङान’ (सोन) लग जाने से यह अनुरोध या विनम्रता का सूचक होता है।
7. ङि (हि) : यह ‘आङ्गि’ (आहि) असमापिका क्रिया का संक्षिप्त रूप है। किसी क्रिया के साथ इसको जोड़ने से ‘आना’ अर्थ जुड़ जाता है।
8. ङाङ्गि (साहि) : यह दो क्रियापदों का संक्षिप्त रूप है। जैसे -- आ और देख।

आङ्गि (खाहि) = आ, खा

देङ्गि (देहि) = आ, दे

9. रचना के बारे में: इस पाठ में ‘आङ्ग’ (आस) धातुका नित्यवर्तमान काल का उत्तम पुरुष और अन्य पुरुष का रूप दिखाया गया है। ऐसे क्रिया पद का निषेधवाचक रूप सिर्फ ‘नाम्भ’ (नाइ) शब्द से बनाया जाता है। इसके अलावा प्रश्नवाचक शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।

पाठ 4 पाठ

पूबणि बक्कु

पुराना मित्र

पाण्डे : एम्पजन शुक्ला नेकि ?
पाण्डे : एइजन सुक्ला नेकि ?
शुक्ला : अ' कोन, पाण्डे देखोन ! तूमि
सुक्ला : अ' कोन? पाण्डे देखोन! तूमि
इठाते म्पयात ये ?
हथाते इयात जे ?
पाण्डे : जानुबारीर परा म्पयाते आछौं।
पाण्डे : जानवारीर परा इयाते आसों।
मिछामाबी केन्द्रीय विद्यालयत।
तूमि
मिसामारी केन्द्रिय विद्यालयत। तूमि
क'त आछा ?
कोत आसा ?
शुक्ला : मम्प बेलबेत आछौं। तोमार
सुक्ला : मोइ रेलवेत आसों। तोमार
परियाल लगत आछे ने ?
परियाल लगत आसे ने ?
पाण्डे : नाम्प। ल'बा छोराली दूयोम्प
पाण्डे : नाइ। लोरा सोआली दुयोताइ
डेबाडूनत पढ़ि आछे। माको
देरादूनत पढ़ि आसे। माको

पाण्डे : शुक्लजी हैं क्या -- ?

शुक्ला : ओ कौन? पाण्डे! बाह! तुम
अचानक
यहाँ कैसे ?

पाण्डे : जनवरी से यही हूँ। मिसामारी के
केंद्रीय विद्यालय में। तुम कहाँ हो?

शुक्ला : मैं रेलवे में हूँ। तुम्हारा परिवार
साथ में है क्या?

पाण्डे : नहीं, बेटी-बेटे दोनों ही देहरादून में
पढ़ते हैं। (उनकी) माँ भी वहीं हैं।

तातेम्प आछे। मम्प म्पयात
अकले

तातेइ आसे। मोइ इयात अकले
थाकों। आरु तूमि?
थाकों। आरु तूमि?

शुक्ला : मम्प पबिगाल लगत बाथिछें।
लगत
सुक्ला : मोइ परियाल लगत राखिसों।
लगत

मा देउताओ आछे।

छोड़ानीजनीक

मा देउताओ आसे। सोआलीजनीक
केन्द्रीय विद्यालयत दिछें। बला,
केन्द्रीय विद्यालयत दिसों। बला,
आमाब घबटेल याँ।
आमार घरलोइ जाओं।

पाण्डे : तूमि बोधहय कोर्वाँब पाम्पछा!

पाण्डे : तूमि बोधहय कोवार्टर पाइसा!

शुक्ला : एबा, बेलबेल चाकबिब

सेम्पेटोरम्प

सुक्ला : एरा, रेलवेर साकरिर सेइटोवेइ
सुविधा। कोर्वाँब चहबब माजते।
सुविधा। कोवार्टर सहरर माजते।
म्पयाब पबा मात्र एक किलोमि।
इयार परा मात्र एक किलोमि।

पाण्डे : आजि नायाँ दिसा। मोर एा

पाण्डे : आजि नाजाओं दिया। मोर एता

मैं यहाँ अकेला रहता हूँ। और
तुम?

शुक्ला : मेरा परिवार साथ में है। साथ में
माता पिता भी हैं। लड़कियाँ केंद्रीय
विद्यालय में (पढ़ती) हैं। चलिए,
हमारे घर चलिए।

पाण्डे : लगता है तुम्हें क्वार्टर मिल गया
है!

शुक्ला : अरे रेलवे की नौकरी में यही तो
(बस) सुविधा है। क्वार्टर शहर के
बीच में है। यहाँ से मात्र एक
किलोमीटर है।

पाण्डे : आज नहीं, एक ज़रूरी काम है।
चलो अपने क्वार्टर का नम्बर दे
दो।

জৰুৰী কাম আছে। বাকু,
জৰুৰি কাম আছে। বাকু,
কোৱাঁৰৰ নম্বৰটোকে দিয়াচোন।
কোৱাৰ্টাৰৰ নম্বৰটোকে দিয়াসোন।

শব্দার্থ (शब्दार्थ)

অসমীয়া শব্দ	উচ্চারণ	অর্থ
এম্পজন	এইজন	যহ জন (যহ ব্যক্তি)
কোন	কোন	কোন
দেখোন	দেখোন	দিখতে হৈঁ
হঠাতে	হঠাতে	অচানক
ম্পয়াত	ইয়াত	যহাঁ
পৰা	পৰা	সে
ক'ত	কোত	কহাঁ
পৰিয়াল	পৰিয়াল	পৰিৱাৰ
লগত	লগত	সাথ
ল'ৰা	লোৱা	লড়কা
ছোৱালী	সোআলী	লড়কী
পড়ি আছে	পড়ি আছে	পড় रही है
মাকো	মাকো	माँ भी
তাতেম্প	তাতেই	वहीं
অকলে	অকলে	अकेले
থাকোঁ	থাকোঁ	रहता हूँ
ৰাখিসোঁ	রাখিসোঁ	(मैंने) रखा है
মা	মা	माँ
দেউতা	দেউতা	पिता
দিছোঁ	দিসোঁ	(मैंने) दिया
	বলা	चलिए

बला	बोधहय	लगता है।
बोधहय	साकरि	नौकरी
चाकरि	सुविधा	सुविधा
सुविधा	मात्र	मात्र
मात्र	नाजाओं	नहीं जाता
नायाँ	जरुरी	जरुरी
जरुरी		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण

(क) एम्पजन शुक्ला नेकि ?
एइजन सुक्ला नेकि ?

→ एम्पजन कोन -- शुक्ला नेकि ?
एइजन कोन -- सुक्ला नेकि ?

1. एम्पजन पाण्डे नेकि ?
एइजन पांडे नेकि ?

2. आपुनि जैन नेकि ?
आपुनि जैन नेकि ?

3. एम्पजन तोर सोआली नेकि ?
एइजन तोर सोआली नेकि ?

4. एम्पजन केन्द्रीय विद्यालय नेकि ?
एइजन केन्द्रीय विद्यालय नेकि ?

(ख) मम्प गयात थाकौ।
मोइ गयात थाकौ।

→ मम्प गयात नाथाकौ।
मोइ गयात नाथाकौ।

1. तेउँ केन्द्रीय विद्यालयत पढ़े।
तेओं केन्द्रीय विद्यालयत पढ़े।

2. मम्प घरलोइ याओं।
मोइ घरलोइ याओं।

3. मम्प किताप चाँ।
मोइ किताप साओं।

4. तेउँ चाह खाय।
तेओं साह खाय।

5. এম্পটো তোমাৰ কোৱাৰ্টাৰ নেকি ?
এইটো তোমাৰ কোৱাৰ্টাৰ নেকি?

5. চৌজীয়ে গল্প লিখে।
চেটাজীয়ে গল্প লিখে।

II. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ :

উদাহৰণ:

(ক) তুমি ক'ত থাকা ?
তুমি কোত থাকা?

→ মম্প অসমত থাকোঁ।
মোই অসমত থাকোঁ।

(খ) স্পম্পজন গুপ্তা নেকি ?
সেইজন গুপ্তা নেকি?

→ হয়, স্পম্পজন গুপ্তা।
হয়, সেইজন গুপ্তা।

1. শুক্লা ক'ত আছে ?
সুক্লা কোত আসে?
2. পাণ্ডেৰ ল'ৰাম্প ক'ত পঢ়ি আছে ?
পাণ্ডেৰ লোৱাই কোত পঢ়ি আসে?
3. পাণ্ডে ক'ত অকলে থাকে ?
পাণ্ডে কোত অকলে থাকে?
4. কোনে কোৱাৰ্টাৰ পাম্পছে ?
কোনে কোৱাৰ্টাৰ পায়ে?
5. কোৱাৰ্টাৰ স্পয়াৰ পৰা কিমান দূৰ ?
কোৱাৰ্টাৰ ইয়াৰ পৰা কিমান দূৰ?

1. এম্পখন মিছামাৰী নেকি ?
এইখন মিসামাৰী নেকি?
2. এম্পখন কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয় নেকি ?
এইখন কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয় নেকি?
3. পাণ্ডেৰ লগত পৰিয়াল আছে নে ?
পাণ্ডেৰ লগত পৰিয়াল আসে নে?
4. শুক্লাৰ লগত দেউতাক আছে নে ?
সুক্লাৰ লগত দেউতাক আসে নে?
5. শুক্লাৰ কোৱাৰ্টাৰ চহৰৰ মাজতে নেকি ?
সুক্লাৰ কোৱাৰ্টাৰ সৰহৰ মাজতে নেকি?

III. কোষ্টক মেন্ কুচ হিন্দি শব্দ দিএ গএ হৈঁ। উনকে সমানার্থক অসমিয়া শব্দোঁ সে খালী জগহ ভরিএ :

উদাহৰণ :

তুমি _____ স্পয়াত ? (অচানক)

तुमि _____ इयात?

→ तुमि इठाते म्पशात।

तुमि हठाते इयात।

1. जानूराबीर पबा _____ आछें? (यहाँ)
जानुवारीर परा _____ आसों।
2. तुमि एतिया _____ आछा ? (कहाँ)
तुमि एतिया _____ आसा?
3. तोमार _____ पबियाल आछे ने? (साथ)
तोमार _____ परियाल आसे ने?
4. बला, आमार घबलै _____। (जाए)
बला, आमार घरलोइ _____।
5. मोर कोर्कोर चहब _____। (बीच में)
मोर कोवार्टर सहर _____।
6. मम्प आजि तोमार घबलै _____। (नहीं जाता)
मोइ आजि तोमार घरलोइ _____।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य में कर्तापद जोड़िए :

उदाहरण :

जानूराबीर पबा म्पशाते आछें।

जानुवारीर परा इयाते आसों।

→ मम्प जानूराबीर पबा म्पशात आछें।

मोइ जानुवारीर परा इयात आसों।

1. মিছামাৰী বিদ্যালয়ত আছোঁ।
মিসামাৰী বিদ্যালয়ত আসোঁ।
2. স্পয়াত ক'ত আছা ?
ইয়াত কোত আসা?
3. মোৰ লগত আছে।
মোৰ লগত আসে।
4. বোধহয় কোৱাঁৰ পাম্পছা।
বোধহয় কোৱাৰ্টাৰ পাড়সা।
5. পৰিয়াল লগত ৰাখিছোঁ।
পৰিয়াল লগত ৰাখিসোঁ।

V. উদাহৰণ কে অনুসার প্রশ্নवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) शुक्ला रेलवेत आहे।
सुकला रेलवेत आसे।

→ शुक्ला क'त आहे ?
सुकला कोत आसे ?

1. पाण्डेৰ ছোৱালী ডেৰাডুনত আছে।
পাণ্ডেৰ সোআলী দেৱাদুনত আসে।
2. পাণ্ডেৰ এটা জৰুৰী কাম আছে।
পাণ্ডেৰ এটা জৰুৰী কাম আসে।
3. কোৱাঁৰ স্পয়াৰ পৰা এক কিলোমিটাৰ
দূৰত।
কোৱাৰ্টাৰ ইয়াৰ পৰা এক কিলোমিটাৰ দূৰত।

(ख) एम्पजन पाण्डे।
एइजन पाण्डे।

→ एम्पजन पाण्डे ने ?
एइजन पाण्डे ने?

1. তুমি ভালে আছা ?
তুমি ভালে আসা?
2. তোমাৰ লগত পৰিয়াল আছে।
তোমাৰ লগত পৰিয়াল আসে।
3. ল'ৰাৰ মাক গয়াত আছে।
লোৱাৰ মাক গয়াত আসে।
4. কোৱাঁৰ চহৰৰ মাজতে।

- | | |
|--|---|
| 4. শুক্লাৰ কোৱাৰ্টাৰ পাম্পছে।
সুক্লাই কোৱাৰ্টাৰ পাৰ্শ্বত। | কোৱাৰ্টাৰ সৰহৰ মাজতে। |
| 5. শুক্লাৰ ছোৱালী কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত পঢ়ে।
সুক্লাৰ সোআলী কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত পঢ়ে। | 5. পাম্পৰ চাকৰি পাম্পছে।
পাৰ্শ্বত সাৰি পাৰ্শ্বত। |

VI. উদাহৰণ কে অনুসৰি নীচে দিও গও শব্দৰ্কে কো সৰ্হী ক্ৰম মেঁ ৰখকৰ বাক্য বনাও।

উদাহৰণ :

ল'ৰাটোক দিওঁ বিদ্যালয়ত কেন্দ্ৰীয়
লোৱাটোক দিওঁ বিদ্যালয়ত কেন্দ্ৰীয়

→ ল'ৰাটোক কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত দিওঁ ।
লোৱাটোক কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত দিওঁ ।

1. পৰিয়াল মি. শুক্লাৰ ৰাখিছে লগত
পৰিয়াল মি. সুক্লাই ৰাখিছে লগত
2. অকলে মি. চৌধুৰী স্পৰ্শত থাকে
অকলে মি. সৌধুৰী ইয়াত থাকে
3. এক কিল'মিটাৰ মাত্ৰ কোৱাৰ্টাৰ স্পৰ্শৰ পৰা
এক কিলোমিটাৰ মাত্ৰ কোৱাৰ্টাৰ ইয়াৰ পৰা
4. পঢ়ি আছে ডেৰাডুনত দুটা ল'ৰা-ছোৱালী
পঢ়ি আছে দেৱাডুনত দুটা লোৱা-সোৱালী

VII. বিস্তাৰ সে উত্তৰ দীজিও :

1. পাম্পৰ পৰিয়ালৰ বিষয়ে দুআধাৰ লিখা।

पांडे के परिवार के बारे में दो-तीन वाक्य लिखो।

2. शुक्ला के घर में कौन कौन हैं ?

सुक्ला के घर में कौन कौन हैं ?

3. पांडे सुक्ला के घर जायेगा? यदि हाँ तो क्यों?

क्या पांडे सुक्ला के घर जायेगा? यदि हाँ तो क्यों?

पढ़िए और समझिए।

साधारण कथा बतबा
साधारण कथा बतरा

साधारण बातचीत

एम्पथन विद्यालय हय ने? अध्यापकसकलर कोर्बोर्ब कोनफाले? असमीया अध्यापक
एइखन विद्यालय हय ने? अध्यापकसकलर कोवार्टर कोनफाले? असमीया अध्यापक
कोर्बोर्बत थाके ने? तेओँ सदाय श्रेणीले आहे ने? तेओँब घैनीयेक लगत थाके
कोवार्टरत थाके ने? तेओँ सदाय श्रेणीलोइ आहे ने? तेओँर घैनीयेक लगत थाके
ने? एम्पजन अनिल चौधुरी नहय। तेओँ स्पयात नाथाके। तेओँ कोर्बोर्ब
निबिचाबे।

ने? एइजन अनिल सौधुरी नहय। तेओँ इयात नाथाके। तेओँ कोवार्टर निविसारे।

तेओँ प्राये अफिचले नाहे। तेओँब घैनीयेक लगत नाथाके। चौधुरीये लाह-बिलाह
तेओँ प्राये अफिसलोइ नाहे। तेओँर घैनीयेक लगत नाथाके। सौधुरीये लाह-बिलाह

नकरे। तेओँ बाहिर्ले बरकै नायाय।

नकरे। तेओँ बाहिरलोइ बरकोइ नाजाय।

तुमि केतिया शोरा ? बाति केम्पबा उठा ? मम्प दह बजात शोँ। मम्प बाति
प्राये

तुमि केतिया सोवा? राति केइबार उठा? मोइ दह बजात सों। मोइ राति प्राये

नूठों। तुमि बोधहय कोर्बोर्बत थाका। मम्प कोर्बोर्बत नाथाकोँ।

नूथों। तुमि बोधहय कोवार्टरत थाका। मोइ कोवार्टरत नाथाकोँ।

তম্প ক'ত চাকৰি কৰ ? তম্প ক'ত থাক ? তম্প কোৱাঁৰ পাৰ্পছ নে ? তম্প
পৰিয়াল
তোই কোত সাকৰি কৰ? তোই কোত থাক? তোই কোৱাৰ্টাৰ পাৰ্স নে? তোই পৰিয়াল
লগত ৰাখিছ নে? তম্প দেউতাক আনিছ নে? তোৰ কোৱাঁৰ ওচৰতে নে কি?
লগত ৰাখিস নে? তোই দেউতাক আনিস নে? তোৰ কোৱাৰ্টাৰ অসৰতে নে কি?

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	উচ্চাৰণ	হিন্দী অৰ্থ
অধ্যাপক	অধ্যাপক	অধ্যাপক
কোনফালে	কোনফালে	কিস দিশা মেন
সদায়	সুদায়	রোজ, সদা
ঘৈণীয়েক	ঘৈণীয়েক	(उनकी) पत्नी
নিবিচাৰে	নিবিসাৰে	नहीं चाहते
লাহ-বিলাহ	লাহ-বিলাহ	विलासिता
বাহিৰলৈ	বাহিৰলোই	बाहर (को)
বৰকৈ	বৰকোই	खूब
কেতিয়া	কেতিয়া	कब
শোৱা	সোৱা	सो जाओ
ৰাতি	ৰাতি	रात
বজাত	বজাত	बजे
প্ৰায়ে	প্ৰায়ে	प्रायः, लगभग

অভ্যাস

I. উত্তৰ দীজি।

1. চৌধুরী কোর্টের তাক ন ?
সৌধুরী কোর্টারত তাক ন?
2. তেওঁ সদায় অফিচলৈ আহে ন ?
তেওঁ সদায় অফিসলোই আহে ন?
3. চৌধুরীৰ ঘৈণীয়েক লগত তাক ন ?
সৌধুরীৰ ঘৈণীয়েক লগত তাক ন?
4. মৰ্প কেৰ্প বজাত উঠে ?
মোই কেই বজাত উঠে?
5. মৰ্প কোর্টের তাক ন ?
মোই কোর্টারত তাক ন ?

II. খালী জগহ ভরকর वाक्य पूरे कीजिए :

1. अध्यापकसकलर कोर्कोर _____ ?
अध्यापकसकलर कोर्कोर _____ ?
2. अध्यापक कोर्कोर तक _____ ?
अध्यापक कोर्कोर तक _____ ?
3. तेओँ _____ श्रेणीलै नहै।
तेओँ _____ श्रेणीलोइ नहै।
4. चौधुरी _____ बाहिरलै नोलाय।
सौधुरी _____ बाहिरलोइ नोलाय।
5. तुमि _____ शोरा।
तुमि _____ सोवा।

6. তোৰ কোৱাঁৰ _____ নেকি ?
 তোর कोवार्टार _____ नेकि?

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

प्रसाद योबशौलै नतूनकै आहिछे। तेउँ पबिबेश बिज्ञानर अध्यापक। तेउँक एा प्रसाद जोरहाटलोइ नतुनकोइ आहिसे। तेऔँ परिबेस बिज्ञानर अध्यापक। तेऔँक एटा बाल भाड़ाघर लागे। तेउँब पबियाल डाडर। तेउँब ल'बाम्प योबशौ म्पञ्जिनियाबिडत भाल भाराघर लागे। तेऔँर परियाल डाडर। तेऔँर लोराइ जोरहाट इनजिनियारिडत पढे। छोरालीजनी जे. बि. कलेजत भर्ती हैछे। पढे। सोवालीजनी जे.बि. कलेजत भर्ती होइसे।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

दिखऔ नदी शिवसागर नगर के पास से बहती है। यहाँ नदी का दृश्य बहुत सुन्दर है। इसके किनारे 'सरागुड़ि सपोरि' एक देखने लायक जगह है। यहाँ आजान पीरकी दरगाह है। हिन्दू मुसलमान दोनों आजान पीर को मानते हैं।

V. प्रेमकुमार का व्यवसाय के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. नेकि (नेकि) : यह 'ने' (ने) का सम्प्रसारित रूप है। 'हाँ' या 'नहीं' उत्तर की उम्मीद रखते हुए प्रश्न में 'नेकि' (नेकि) जोड़ा जाता है।

2. **माक्रो (माको) :** 'माक्र' (माक) का अर्थ होता है, 'उनकी या उनलोगों की माँ'। असमिया भाषा में हर संबंधवाचक शब्द का (माँ, पिता आदि) का जिस पुरुष के साथ संबंध होता है इसका अलग अलग रूप होता है। जैसे --

मोब	मोर	तोमाब	तोमार	तोब	तोर	आपोनाब	आपका/उनका
	देउता		देउतारा		देउतार	देउताक	देउताक
देउता	मा	देउताबा	मारा	देउताब	मार	माक	माक
मा	भनी	माबा	भनीयेरा	माब	भनीयेर	भनीयेक	भनीयेक
भनी	साहु		साहुवेरा		साहुवेर		साहुवेक
शाह		भनीयेबा		भनीयेब		शाहलेक	
		शाहलेबा		शाहलेब			

3. **अपादान कारक (अपादान कारक) :** असमिया भाषा में अपादान कारक के लिए कोई स्वतंत्र विभक्ति नहीं है। मूल पद के संबंध कारक का रूप के साथ 'परा' (परा) जोड़ने से अपादान पद बनता है। जैसे --

गछ + परा = गछ परा गछ + परा = गछ परा
 कलिकता + परा = कलिकताब परा कलिकता + परा =
 कलिकतार परा

4. **ए (ए), एप्प (एइ) :** किसी शब्द पर विशेष जोर देने के लिए '-ए' (-ए) या '-एप्प' (-एइ) जोड़ा जाता है। जैसे --

अप्यात + -ए > अप्याते इयात + -ए > इयाते
 अप्यात + -एप्प > अप्यातेप्प इयात + -एइ > इयातेइ
 तात + -ए > ताते तात + -ए > ताते

তাত + -এম্ম > তাতেম্ম তাত + -এই > তাতাই

5. জনী (-জনী) নির্দেশবাচক : यह निर्णयात्मक स्त्री लिंग का प्रत्यय है। किसी स्त्री विशेष को संबोधित करने के लिए विशेष (संज्ञा) पदों के साथ ‘-জনী’ (-জনী) जोड़ा जाता है। पुल्लिंग में ‘-জন’ (-জন) जोड़ा जाता है। जैसे --

ছোৱালীজনী	সোআলীজনী
মানুহজন	মানুহজন
ল'ৰাজন	लोराजन

पाठ 5 पाठ

ভাৰাঘৰ বিচাৰি

মি. পাণ্ডে : হেৰি ডাঙৰীয়া! স্পয়াত ভাৰাঘৰ
মি. পাণ্ডে : হেৰি ডাঙৰীয়া! ইয়াত
ভাৰাঘৰ

আছে নে?

আসে নে?

ডা. বৰুৱা : ভাৰাঘৰ কাক লাগে?

ডা. বৰুৱা : ভাৰাঘৰ কাক লাগে?

মি. পাণ্ডে : ভাৰাঘৰ মোকে লাগে। মস্প

মি. পাণ্ডে : ভাৰাঘৰ মোকে লাগে। মোই

অলপতে আগ্ৰাৰ পৰা আহিছোঁ।

অলপতে আগ্ৰাৰ পৰা আহিছোঁ।

ডা. বৰুৱা : আপোনাৰ পৰিয়াল আছে?

ডা. বৰুৱা : আপোনাৰ পৰিয়াল আছে?

মি. পাণ্ডে : হয়। তেওঁলোক বৰ্তমান আগ্ৰাত

মি. পাণ্ডে : হয়। তেওঁলোক বৰ্তমান
আগ্ৰাত

আছে।

আসে।

ডা. বৰুৱা : মোৰে দুটা কোঠাৰ ঘৰ আৰু খালি

ডা. বৰুৱা : মোৰে দুটা কোঠাৰ ঘৰ আৰু খালি

मकान की तलाश में

मि. पांडे : श्रीमान् जी, यहाँ किराये का
(कोई) मकान मिलेगा क्या?

डॉ. बरुआ : किराये का मकान किसे
चाहिए?

मि. पांडे : मुझे ही चाहिए। मैं कुछ
(दिन) पहले आगरा से आया
हूँ।

डॉ. बरुआ : आपका परिवार है?

मि. पांडे : है। वे लोग अभी आगरा में
हैं।

डॉ. बरुआ : मेरा दो कमरे का एक मकान
खाली है। आइए, देख
लीजिए।

आछे। आइक, चाँकहि।
आसे। आहक, साओकहि।

[चोराब पाछत]

[सोवार पासत]

मि. पाण्डे : घबटो मोर पचन्द हैछे। भाबा
मि. पांडे : घरटो मोर पसन्द होइसे।
भारा

किमान कबिछे?

किमान करिसे?

डा. बरुआ : माहे बार न। आगधन डेब-

डा. बरुआ : माहे बार सूअ। आगधन डेर-

हेजाब।

हेजार।

मि. पाण्डे : घबटो तेनेम्प आटोमटोकारि।

मि. पांडे : घरटो तेनेइ आतोमतोकारि।

परिवेशो निबिबिलि। पिछे

परिवेसो निरिबिलि। पिसे

बजाबब पबा दूँबत। ताबोपबि

बजारर परा दूरोइत। तारोपरि

पाप्पपब पानीओ नाम्प। भाबा

बेछि

पाइपर पानीओ नाइ। भारा बेसि

हैछे। अलप कम कबक।

होइसे। अलप कम करक।

डा. बरुआ : चाँक, मम्प बेकब धाब

लैछौं।

डा. बरुआ : साओक, मोइ बँकर धार
लोइसो।

[देखने के बाद]

मि. पांडे : घर मुझे पसंद है। किराया
कितना देना होगा?

डा. बरुआ : महीने का बारह सौ। डेढ़
हजार रु. अग्रिम।

मि. पांडे : घर तो ठीक-ठाक है।
परिवेश भी शांत है। पर
बाज़ार से दूर है। उसपर,
पानी के लिए नल भी नहीं है।
किराया ज़्यादा है। थोड़ा कम
कीजिए।

डा. बरुआ : देखिए (भाई), मैंने बैंक से
उधार लिया है। (उसका)
मासिक ब्याज बारह सौ है।
किराया भी बारह सौ है, कम
नहीं। मेरे पास एक और पार्टी
है।

माहिली सुत बार श। गतिके
 माहिली सुत बार सूअ। गतिके
 भाबाओ बार श; कम नाप्प।
 भाराओ बार सूअ; कम नाइ।
 मोक आरु एा पौगि
 धरि
 मोक आरु एटा पारटिये धरि
 आछे।
 आसे।

मि. पाण्डे : अलप कम करक। आमि

बाहिबर

मि. पांडे : अलप कम करक। आमि
 बाहिरर

परा आहिछौं। सदाय
 नाथाकौं।

परा आहिसौं। सदाय नाथाकौं।

डा. बरुआ: बार, पञ्चाशका कम करिछौं।

डा. बरुआ: बार, पञ्चास टका कम करिसौं।

मि. पाण्डे : एतिया छ श अग्रिम लओक।

मि. पांडे : एतिया छ सूअ अग्रिम
 लओक।

आमि दुम्प एदिनते आहि
 आछौं।

आमि दुइ एदिनते आहि आसौं।

डा. बरुआ: भाल बार।

डा. बरुआ: भाल बार।

मि. पांडे : थोड़ा कम कर दीजिए।
 हमलोग बाहर से आए हैं।
 हमेशा नहीं रहेंगे।

डॉ. बरुआ : ठीक है। पचास रुपया कम
 दीजिए।

मि. पांडे : यह छः सौ अग्रिम लीजिए। मैं
 दो-एक दिन में आ रहा हूँ।

डॉ. बरुआ : ठीक है।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
डाङ्गबीया	दाङओरिया	श्रीमान जी
भांभाघब	भाराघर	किराये का मकान
काक	काक	किस को
अलपते	अलपते	कुछ पहले
आहिछो	आहिसों	आया हूँ
आपोनाब	आपोनार	आप का
तेओँलोक	तेओँलोक	वे लोग
कोठा	कोथा	कमरा
भाबा	भारा	भाड़ा
माहे	माहे	महीने में
डेबहेजाब	डेरहेजार	डेढ़हज़ार
आगधन	आगधन	अग्रिम, बयाना
तेनेइ	तेनेइ	ऐसे ही
तेनेम्प	आतोमतोकारि	साफ सुथरा और सुंदर
आटोमटोकाबि	निरिबिलि	निर्जन
निबिबिलि	बजारर परा	बाज़ार से
बजाबब पबा	दुरोइत	दूरी पर
दूँबत	तारोपरि	इसके अलावा
ताबोपबि	बेसि	ज़्यादा
बेछि	कम	कम
कम	साओक	(आप) देखिए
चाँक	माहिली	प्रति माह

माहिली	सुत	सूद, ब्याज
मूत	धरि आसे	पीछे पड़ी है।
धरि आछे	बाहिरर परा	बाहर से
बाहिब पबा	सुदाय	सदा
मदाय	बारु	ठीक है
बारु	पंसास	पचास
पञ्चाश	सूअ	सौ
श	दुइ एदिनते	दो-एक दिन में
दुम्प एदिनते		

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. मि. पाण्डेक कि लागे ?
मि. पाण्डेक कि लागे?
2. मि. पाण्डे क'ब पबा आहिछे?
मि. पाण्डे कोर परा आहिछे?
3. मि. पाण्डेक पबियाल आछे ने?
मि. पाण्डेक परियाल आसे ने?
4. डा. बरुआर घबटोर भाबा किमान ?
डा. बरुआर घरटोर भारा किमान?
5. घबटोत पाम्पपब पानी आछे ने ?
घरटोत पाइपर पानी आसे ने?

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) भाबा अलप कम करक।
भारा अलप कम करक।

(ख) मम्प म्पयात थारु।
मोइ इयात थारु।

→ ভাৰা অলপ কম কৰা।
 भारा अलप कम करा।

1. এতিয়া ছশ অগ্নিম লওক।
 एतिया छसूअ अग्निम लओक।
2. আহক, ঘৰটো চাওক।
 आहक, घरतो साओक।
3. আপোনালোক দুম্প এদিনতে আহক।
 आपोनालोक दुइ एदिनते आहक।
4. আমাক দুটা কোঠা দিয়ক।
 आमाक दुटा कोथा दियक।
5. ভাৰা এহেজাৰ দিয়ক।
 भारा एहेजार दियक।

→ মম্প ম্পয়াত নাথাকোঁ।
 मोइ इयात नाथाकोँ।

1. ঘৰ মোক লাগে।
 घर मोक लागे।
2. তেওঁৰ ভাৰাঘৰ আছে।
 तेओँर भाराघर आसे।
3. আমি বজাৰলৈ যাওঁ।
 আমি बजारलोइ जाओँ।
4. মম্প পাম্পপৰ পানী খাওঁ।
 मोइ पाइपर पानी खाओँ।
5. ডা. বৰুৱা গয়াত থাকে।
 डा. बरुआ गयात থাকे।

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से खाली जगह भरिए।

उदाहरण :

ভাৰাঘৰ _____ লাগে? (কিসে)
 भाराघर _____ लागे?

→ ভাৰাঘৰ কাক লাগে?
 भाराघर काक लागे?

1. মম্প অলপতে _____ আশিছোঁ? (दिल्ली से)
 मोइ अलपते _____ आहिसौँ।
2. ঘৰটোৰ ভাৰা _____। (कम लगाए)
 घरटोर भारा _____।
3. আহক, ঘৰটো চাওক _____। (आकर)
 आहक, घरटो साओक _____।

4. भाबाघबटो तेनेम्प _____ । (साफसुथरा)
भाराघरटो तेनेइ _____ ।
5. घबटोब काबणे मोक आरु एजने _____ । (पीछे पड़ी है)
घरटोर कारणे मोक आरु एजने _____ ।
6. मम्प आजि तोमाब घबटेल _____ । (नहीं जाता)
मोइ आजि तोमार घरलोइ _____ ।

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

आमि आहि आछें। (दुम्प एदिनते)
आमि आहि आसों। (दुइ एदिनते)

→ आमि दुम्प एदिनते आहि आछें।
आमि दुइ एदिनते आहि आसों।

1. भाबा कम कबक। (अलप)
भारा कम करक। (अलप)
2. मोक एा पौयि धरि आछे। (आरु)
मोक एटा पारिटे धरि आसे। (आरु)
3. मोब पचन्द हैछे। (घबटो)
मोर पसन्द होइसे। (घरतो)
4. मोब घर एा आछे। (दुा कोठाब)
मोर घर एता आसे। (दुता कोथार)
5. मम्प आग्राब पबा आहिछें। (अलपते)
मोइ आग्रार परा आहिसों। (अलपते)

V. उदाहरण के अनुसार प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

ঘৰটোৰ ভাৰা চাৰি শ।

ঘৰটোৰ ভাৰা সৰি স।

→ ঘৰটোৰ ভাৰা কিমান?

ঘৰটোৰ ভাৰা কিমান?

1. ঘৰটোৰ আগধন এহেজাৰ।
ঘৰটোৰ আগধন এহেজাৰ।
2. পাণ্ডে দুই এদিনতে আহিব।
পাণ্ডে দুই এদিনতে আহিব।
3. তেওঁলোক বৰ্তমান আগ্ৰাত আছে।
তেওঁলোক বৰ্তমান আগ্ৰাত আছে।
4. বেংকৰ সূত মাছে দুশ।
বেংকৰ সূত মাছে দুশ।
5. পাণ্ডেক কা লাগে।
পাণ্ডেক কা লাগে।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

लागे मोक भाबाघर एा

लागे मोक भाबाघर एा

→ मोक एा भाबाघर लागे।

मोक एा भाबाघर लागे।

1. दूा खाली घर लागे कोठा म. पाण्डे

দুটা খালি ঘর লাগে কোঠার মি. পাণ্ডেক

2. বাৰশ ভাড়া ঘৰটোৰ ডেৰহেজাৰ মাহে আগধন
বারসুঅ ভাৰা ঘৰটোৰ ডেৰহেজাৰ মাহে আগধন
3. বেংকৰ লৈছে মি. বৰুৱাম্প ধাৰ
বেংকৰ লোভসে মি. বৰুআই ধাৰ
4. আছে মি. বৰুৱাক ঘৰটোৰ কাৰণে ধৰি দ্ৰুৱা পোঁয়ে
আসে মি. বৰুআক ঘৰটোৰ কাৰণে ধৰি দুটা পাৰ্টিয়ে

पढ़िए और समझिए।

নতুন অধ্যাপক নয়া অধ্যাপক
নোতুন অধ্যাপক

মম্প নগাওঁ কলেজৰ অধ্যাপক। মম্প ম্পয়ালৈ নতুনকৈ আহিছোঁ। নগাওঁৰ ওচৰে
পাজৰে
মোই নগাওঁ কলেজৰ অধ্যাপক। মোই ইয়ালোই নতুনকোই আহিসোঁ। নগাওঁৰ অোসৰে
পাজৰে ভাৰাঘৰ বিচাৰি আছোঁ। এতিয়াও সুবিধাজনক ঘৰ পোৱা নাম্প। মোৰ ল'ৰা
ছোৱালী
ভাৰাঘৰ বিসৰি আসোঁ। এতিয়াও সুবিধাজনক ঘৰ পোৱা নাই। মোৰ লোৱা সোআলী
এতিয়াও পোনাতে আছে। ডাঙৰ ল'ৰাটোৱে দিল্লীত এম. এ. পঢ়ি আছে। সৰু
এতিয়াও পাটনাতে আসে। ডাঙৰ লোৱাটোৱে দিল্লীত এম. এ. পঢ়ি আসে। সৰু
ছোৱালীজনীয়ে দেৱাদুন স্কুলত পঢ়ি আছে।
সোআলীজনীয়ে দেৱাদুন স্কুলত পঢ়ি আসে।
নগাওঁ বৰ ধুনীয়া ঠাম্প। ওচৰেৰে কুলু কুলু সুৰে কলং বৈ গৈছে। নগাওঁৰ অলপ
দূৰত
নগাওঁ বৰ ধুনীয়া ঠাই। অোসৰে কুলু কুলু সুৰে কলং বোই গোইসে। নগাওঁৰ অলপ
দূৰত
বৰদোৱা। ম্প বৈষ্ণৱ ধৰ্মৰ পীঠস্থান। ম্পয়াত নিয়মিত নাম-কীৰ্তন হয়। ম্পয়াৰ সত্ৰ
আৰু

बरदोवा। इ बोइष्णव धर्मर पीठस्थान। इयात नियमित नाम-कीर्तन हय। इयार सत्र आरु
 आकाशी गंगा बर प्रसिद्ध। बरदोवा धिं-नगाँ बाख्ताब दाँतित। ताले गाड़ी मेबर
 आकाशी गंगा बर प्रसिद्ध। बरदोवा धिं-नगाँ रास्तार दाँतित। तालोइ गाड़ी मटरर
 बर सुविधा। किछु बेलर सुविधा नाम्प। बल्लत मानुहे बरदोवा देखिछे।
 बर सुविधा। किन्तु रेलर सुविधा नाइ। बोहुत मानुहे बरदोवा देखिसे।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
अधापक	अध्यापक	अध्यापक
नतूनकै	नोतुनकोइ	नये नये
ओसरे पाजरे	ओसरे पाजरे	आस पास में
बिसारि आसों	बिसारि आसों	ढूँढ रहा हूँ
पोवा नाइ	पोवा नाइ	मिली नहीं
धुनिया	धुनिया	सुन्दर
ओसरेरे	ओसरेरे	पास में
कुलु कुलु	कुलु कुलु	कल कल ध्वनि
नियमित	नियमित	प्रतिदिन
सत्र	सत्र	बैष्णव धर्म का पीठ
कासेरे	कासेरे	पास में
देखिए	देखिए	देख लिया

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. डाङ्क ल'बोटोले कि कबि आछे ?
 दाङ्क लोराटोवे कि कोरि आसे?

2. ছোৱালীজনীয়ে কি কৰি আছে ?
সোআলীজনীএ কি কোৱি আসে?
3. নগাওঁ কেনেকুৱা ঠাম্প ?
নগাওঁ কেনেকুৱা থাউ?
4. বৰদোৱা ক'ত ?
বৰদোৱা কোত?
5. বৰদোৱালৈ ৰেলৰ সুবিধা আছে নে ?
বৰদোৱালোই ৰেলৰ সুবিধা আসে নে?

II. বিপৰীত শব্দ লিখি।

- | | | | |
|----------|------|--------|-----|
| 1. প্ৰকৃ | সঁকু | 4. অলপ | অলপ |
| 2. ওচৰ | অসৰ | 5. আছে | আসে |
| 3. বেছি | বেসি | 6. লাভ | লাভ |

III. খালী জগহ ভৰকৰ বাক্য পূৰে কীজি।

1. মম্প ম্পয়ালৈ _____ আহিছে।
মোই ইয়ালোই _____ আহিসোঁ।
2. নগাওঁৰ ওচৰে _____ ভাৰাঘৰ বিচাৰি আছে।
নগাওঁৰ অসৰে _____ ভাৰাঘৰ বিসাৰি আসোঁ।
3. নগাওঁ বৰ _____ ঠাম্প।
নগাওঁ বৰ _____ থাউ।
4. ওচৰেৰে _____ সুৰে কলং বৈ গৈছে।
অসৰেৰে _____ সুৰে কলং বোই গৈছে।

5. বৰদোৱা ধিং-নগাওঁ বাজাৰ _____ ।
 বৰদোৱা ধিং-নগাওঁ ৰাস্তাৰ _____ ।

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

অনুপ গুৱাহাটীলৈ নতুনকৈ আহিছে। সি এটা চাকৰি বিচাৰি আছে। উনতে তাক এটা অনুপ গুৱাহাটীলৈ নতুনকৈ আহিছে। সি এটা চাকৰি বিচাৰি আছে। টাউনতে তাক এটা চাকৰি লাগে। সি স্পতিমধ্যে বি. এ. পাছ কৰিছে। এতিয়ালৈকে সি দুটা স্পৰ্শবডিউ দিছে। চাকৰি লাগে। সি ইতিমধ্যে বি. এ. পাছ কৰিছে। এতিয়ালৈকে সি দুটা স্পৰ্শবডিউ দিছে।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए :

डिब्रुगढ़ एक सुन्दर नगर है। यह ब्रह्मपुत्र नद के किनारे स्थित है। यहाँ ब्रह्मपुत्र की चौड़ाई लग-भग छह-सात किलोमिटर है। यहाँ 'बगीचिल पुल' निर्मित हो रहा है।

VI. बरदोवा के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. लागे (लागे) : लाग (लाग) धातु का वर्तमान काल अन्य पुरुष का क्रियारूप है। हिन्दी 'चाहिए' के समान है। इसके साथ कर्ताकारक का प्रयोग नहीं होता। संश्लिष्ट व्यक्तिवाचक सर्वनाम और विशेष्य पद के साथ कर्मकारक की '-अक' (-अक) या '-क' (-क) द्वितीया विभक्ति जोड़ी जाती है। अप्राणिवाचक शब्द मुख्य कर्म के स्थान पर प्रयोग में आ सकते हैं; लेकिन इसके साथ कोई विभक्ति नहीं लगती। जैसे --

ৰাম + -অক > ৰামক কিতাপ লাগে

राम + -अक > रामक किताप लागे।

বৰুৱা + -ক > বৰুৱাক চাহ লাগে

बरुआ + -क > बरुआक साह लागे।

2. लोकर (लोक) : यह हिन्दी में -लोक की तरह बहुवचन की विभक्ति है। तूमि (तुमि), आपुनि (आपुनि) और तेऊँ (तेओं) शब्दों के साथ इसको जोड़ा जाता है। लेकिन इसको जोड़ते समय तूमि (तुमि) > तौमा (तोमा), आपुनि (आपुनि) > आपोना (आपोना) रूप बनते हैं। जैसे --

तूमि + -लोकर > तौमालोकर
 तुमि + -लोक > तोमालोक
 आपुनि + -लोकर > आपोनालोकर
 आपुनि + -लोक > आपोनालोक
 तेऊँ + -लोकर > तेऊँलोकर
 तेओं + -लोक > तेओंलोक

3. पचन् ह (पसन्द ह) : इस यौगिक क्रिया के साथ भी कर्तापद का प्रयोग नहीं होता है। संश्लिष्ट व्यक्तिवाचक सर्वनाम या संज्ञा शब्दोंमें संबंध पद (कारक) की विभक्ति 'अब' (-अर) या 'ब' (-र) जोड़ी जाती है। जैसे --

बाग़ब घर पचन् हईछे।
 रामर घर पसन्द होइसे।
 मधुब छोड़ाली पचन् हईछे।
 मधुर सोआली पसन्द होइसे।

4. माह (माहे) : माह (माह) बख़ब (साल) और दिन (दिन) शब्दों के साथ 'ए' (-ए) प्रयुक्त होने पर हर माह, हर साल, और हर दिन अर्थ सूचित होता है।
5. एहज़ाब (एहेजार) : इसका मतलब होता है एक हजार। किसी संख्यावाचक शब्द या निर्देशात्मक शब्द के पहले एक (एक) या दूम्प (दुइ) जोड़ते समय एक (एक) का 'ए'

क'

(-क) और दूम्प (दुइ) का 'म्प' (-इ) लुप्त हो जाता है। जैसे --

এক + হেজাৰ > এহেজাৰ

एक + हेजार > एहेजार

এক + শ > এশ

एक + श > एश

এক + থন > এথন

एक + खन > एखन

দুম্প + দিন > দুদিন

दुइ + दिन > दुदिन

দুম্প + মাহ > দুমাহ

दुइ + माह > दुमाह

6. माहिली (माहिली) : माह + म्पली > माहिली ; इसका मतलब भी माह (माहे) जैसे माहवार है।
7. बाकाब आर्बिब विषय (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में वर्तमान काल के असमाप्त वर्तमान का रूप सिखाया गया है। धातु के साथ केवल 'म्प' (-इ) जोड़ी जाती है और इसके पीछे सहायक 'आह' (आस) धातु का क्रियारूप प्रयुक्त होता है। इसके साथ साथ 'लाग' धातु से उत्पन्न क्रियापद और 'पसन्द है' यौगिक धातु से उत्पन्न क्रियापद के प्रयोग करते हुए कैसे वाक्य बनाया जाता है इसे भी समझाया गया है।
8. भाड़ा देने का रिवाज : असम में वासभवन का किराया के लिए केवल एक या दो महीने का किराया अग्रिम लिया जाता है। भारी रकम या एक साल का भाड़ा अग्रिम लेने का कोई रिवाज नहीं है।

पाठ 6 पाठ

পিছলৈ উভতি চাওঁ

आओ, पीछे देखें

सुशीला : तুমि केतियावा असमलै गैछा
ने?

लीना : मम्प केतियाओ योरा नाम्प।
दार्जिलिङ्ग सिफाले मम्प देखा
नाम्प।

सुशीला : मयो सेम्पफाले योरा नाम्प।

किन्तु दूर-दर्शनत देखिछौ।
असमखन सेउजीया गछ गछनिबे
भरा। चाह बागिछाबोब चाले
चकुबोरा।

लीना : आरु काजिबङ्गा, मानस -- एको
एकोखन मनोबम अउयाबण।
हाती, बाघ, गँड आरु हबिगाबे
ठाह थोरा। काजिबङ्गा गँड
एशिङ्गीया। म्प असमब
आपुङ्गीया सम्पद।

सुशीला : आरु महाबाल ब्रह्मपुत्र! नदी नहय,
येन एखन चल्ल सागब।

लीना : ब'ला गबम बक्रत आमि तालै

सुशीला : तुम कभी असम गई हो क्या?

लीना : मैं कभी नहीं गई हूँ। दार्जिलिङ के
आगे नहीं गई हूँ।

सुशीला : मैं भी उस दिशा में नहीं गई हूँ।
किन्तु दूरदर्शन में देखा है। असम
हरे-हरे पेड़-पौधों से भरा है। चाय
के बगीचे देखने में नयनाभिराम हैं।

लीना : और काजिरंगा मानस जैसे एक से
एक मनोरम अभयारण्य हैं। ये
हाथी, बाघ, गैंडा और हरिणोंसे
भरे हैं। काजिरंगा के गैंडे एक
सींगवाले होते हैं। असम की यह
दुर्लभ संपदा है।

सुशीला : और महाबाहु ब्रह्मपुत्र! यह तो नदी
नहीं मानो एक बहता हुआ सागर
है।

लीना : चलो, गर्मी का छुट्टी में वहीं चलें।

याँ।

चन्दन : बाष्पदेउ गबम बक्त तईत कलै
यार? मोको लगत ल।

सुशीला : आमि असमलै ओलास्पछे। गबम
बक्त नायाँ भास्प। तेतिया तात
भर बाबिसा। प्रबल धुमुहा। कलहर
काणे टला बरषुण। ताते वानपानी
आरु भूमिकम्प। किन्तु आमि
तोक निनिँ चन्दन। तोर परीक्षा
ओर चापिछे। तम्प घरते थक।

लीना : तेनेहले बाबिसा असम सुगम
नहय।

सुशीला : हयतो आको। किय सिदिना
आये कोरा नास्प?

लीना : एबा। तेनेहले आमिओ एतिया
नोलाँ। चन्दनरो परीक्षा शेष
होक।

चंदन : दीदी, गर्मी की छुट्टी में तुमलोग
कहाँ जा रही हो? मुझे भी साथ ले
चलें!

सुशीला : हम असम के लिए निकल रहे हैं।
गर्मी की छुट्टी में नहीं जाएंगे भाई।
तब वहाँ भारी वर्षा (होती) है।
भारी तूफान होता है। (मानो) घड़ों
से पानी डाला जा रहा है। उस
समय बाढ़ और भूकम्प आते हैं।
किन्तु चंदन, हम तुम्हें नहीं ले
चलेंगे। तुम्हारी परीक्षा पास है।
तुम घर पर रहो।

लीना : तब तो बरसात में असम जाना
ठीक नहीं होगा।

सुशीला : बेशक। उस दिन माताजी ने भी
यही नहीं कहा था क्या?

लीना : ठीक है। तब तो हम भी अभी नहीं
जाएँगे। चंदन की परीक्षा भी खतम
होने दो।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
केतियाबा	केतियाबा	कभी
सिफाले	सिफाले	उस पार
देखा नास्प	देखा नाइ	नहीं देखा

যোৱা নাম্প	জোবা নাই	নহীঁ গয়া
গছ গছনি	গস গসনি	পেড়-পৌধে
ভৰা	ভৰা	ভৰা
চাহ বাগিচা	সাহ বাগিসা	চায় কী বগীচে
চালে চকুৰোৱা	সালে সোকুৰোবা	নয়নাভিৰাম
একোখন	একোখন	এক সে এক
মনোৰম	মনোৰম	মনোৰম
অভয়াৰণ্য	অভয়াৰণ্য	অভয়াৰণ্য
হাঁতী	হাঁতী	হাথী
বাঘ	বাঘ	বাঘ
গঁড়	গঁড়	গঁড়া
হৰিণা	হৰিণা	হৰিণ
ঠাঁহ খোৱা	থাঁহ খোৱা	ভৰে হেঁ
আপুৰুগীয়া	আপুৰুগীয়া	দুৰ্লভ
সম্পদ	সম্পদ	সম্পদা
চলন্ত	সলন্ত	বহতা হুআ
বাম্পদেউ	বাঙ্‌দেউ	দীদী
তেতিয়া	তেতিয়া	তব
ভৰ বাৰিষা	ভৰ বাৰিসা	ভৰী বৰসাত
প্রবল	প্রবল	ভাৰী
ধুমুহা	ধুমুহা	তুফান
এৰা	এৰা	ঠীক হৈ
এৰা	তেনেহলে	তব

তেনেহলে

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) तুমि केतियाबा असमलै गैछा ने?

→ आपुनि केतियाबा असमलै गैछे ने?

1. ब'ला, आमि असमलै याउँ।
2. तहँत कलै यार?
3. मोको लगत ल।
4. तम्प घरते थक।
5. तুমि काजिबङ्गा देखा नाम्प ?

(ख) तুমि असमलै गैछा।

→ तুমि असमलै योरा नाम्प।

1. तुमि गँडु देखिछा।
2. माये कथाटो कैछे।
3. परीक्षा हैछे।
4. मम्प कितापखन पढिछौं।
5. आपुनि चिठि लिखिछे।
6. मम्प बाबिषा असमलै याउँ।

II. कोष्ठक में दिए हुए दो शब्दों में से एक को चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. गरम बस्तु तहँत _____ यार? (कलै/क'त)

2. আমি এতিয়া অসমলৈ _____ । (নোলায়/নোলাওঁ)
3. আমি এতিয়া _____ নায়াওঁ। (তাত/তালৈ)
4. অসমখন _____ ভৰা। (গছ গছনিৰে/গছ গছনিয়ে)
5. তুমি _____ গঁড় দেখিছা নে? (কেতিয়াও/কেতিয়াবা)

III. কোষ্টক মেন্ দিএ গএ শব্দোঁ কে উপযুক্ত রূপোঁ সে বাক্য পূৰে কীজিএ।

1. তুমি কেতিয়াবা _____ গৈছা নে? (অসম)
2. মম্প _____ গঁড় দেখিছোঁ। (দূৰদৰ্শন)
3. মম্প _____ সিফালে যোৱা নাম্প। (দাৰ্জিলিং)
4. অসমৰ _____ গঁড় আছে। (কাজিৰঙা)
5. দাৰ্জিলিঙৰ _____ বেছি দূৰ নহয়। (গুৱাহাটী)

IV. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ।

1. লীনা অসমলৈ কেতিয়াবা গৈছে নে?
2. সুশীলাম্প অসম নিজ চকুৰে দেখিছে নে?
3. অসমৰ চাহ বাগিচাবোৰ কেনেকুৱা?
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ সৰু নৈ হয় নে?
5. চন্দনৰ পৰীক্ষা হৈছে নে?

V. উদাহৰণ কে অনুসার দিএ গএ শব্দোঁ কো সহী ক্ৰম মেন্ ৰখকৰ বাক্য বনাইএ।

উদাহৰণ:

মম্প নাম্প দেখা দাৰ্জিলিং কেতিয়াও

মম্প কেতিয়াও দাৰ্জিলিং দেখা নাম্প।

1. অসমলৈ ছুতি বন্ধৰ গৰম যাম আমি

2. ধুমুহা অসমত প্ৰচণ্ড কেতিয়াবা হয়
 3. আছে চাহ অসমত বাগিচা বহুতো
 4. গঁড় কাজিৰঙাৰ সম্পদ এশিঙীয়া আপুৰুগীয়া অসমৰ
- VI. বিস্তাৰ সৈ উত্তৰ দীজিএ :

1. অসমৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে তিনি-চাৰিটা বাক্য লিখক।
2. কাজিৰঙা কি ? তাত কি কি চাবলগীয়া আছে ?
3. বৰ্ষাকালৰ অসমৰ বিষয়ে লিখক।

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া পৰিয়ালত

যোগান বিষয়া হিচাপে যুগিন্দৰ সিং অলপতে মৰিয়নিৰ কাৰ্য্যালয়ত যোগদান কৰিছে। তেওঁ অসমলৈ দুবছৰ আগতে আহিছে। এম্পয়া তেওঁৰ দ্বিতীয় কৰ্মস্থান। বিৰাজ কুমাৰ ডেকা সিঙৰ এজন ভাল বন্ধু। সৎপাল সিং যোগান বিভাগৰ চৰকাৰী বাসভৱনত থাকে। এদিন মি. ডেকাম্প সিঙক তেওঁলোকৰ ঘৰলৈ মাতিলে। মি. সিং যথাসময়ত উপস্থিত হ'ল। তেওঁলোকে চ'ৰাঘৰত বহি কথা আৰম্ভ কৰিলে।

ডেকাম্প কলে, 'মি. সিং আপুনি নিশ্চয় অসমীয়া মানুহৰ ঘৰলৈ আগতে যোৱা নাস্প! দৈ, চিৰা, আঁঠে, মুৰি, বৰা চাউল, চুঙাপিঠা খোৱা নাস্প! এম্পবোৰ অসমীয়া মানুহৰ প্ৰিয় জলপান। আজি আমাৰ ঘৰত এনেকুৱা জলপানেম্প কৰিছে।' যুগিন্দৰ সিং এ আগতেও অসমীয়া আহাৰৰ জুতি লৈছে। তেওঁ সেম্প কথা কলে।

ডেকাম্প মাজতে সুধিলে, ‘আপুনি স্থানীয় উৎপাদন, মানে বাঁহ বেতৰ কাম, তাঁতৰ কাম আদিৰ কিবা কিনিছেনে?’ যুগিন্দৰ সিঙে স্পতিসূচক ভাবে মূৰ যোকাৰিলে। তেখেতে বয় বস্তু বিশেষ কিনা নাস্প।

কেৱল মিচেচ সিঙৰ বাবে এযোৰ পীৰ কাপোৰ কিনিছে।

এনেতে ডেকাৰ ল’ৰা বিপুল দ্ৰয়িংৰুমলৈ সোমাস্প আহিল। মি. সিঙে সুধিলে, ‘তুমিনো এতিয়া কি কৰা?’ বিপুলে কলে, ‘মস্প এতিয়া বি. এ. পঢ়ি আছে। বৰ্তমান সাহিত্য প্ৰতিযোগিতাৰ বাবে এখন ৰচনা লিখি আছে।’ বিপুলে দেউতাকক সুধিলে, ‘ৰুদ্ৰসিংহৰ মাক বাপেকৰ নাম কি?’

বিৰাজ ডেকাম্প নাম দুটা মনতো পেলাব নোৱাৰিলে। তেওঁ কলে, ‘কথাবোৰ আজিকালি বৰকৈ মনত নাথাকে। যাচোন, মাৰক সোধগৈ। তেওঁ বুৰঞ্জীৰ ছাত্ৰী।’

হঠাৎ সিঙে মাত দিলে, -- ‘মস্পয়ে কওঁ, শূনা। ৰুদ্ৰসিংহৰ বাপেকৰ নাম গদাপাণি কোঁৱৰ ওৰফে গদাধৰ সিংহ। মাকৰ নাম জয়মতী কুৰঁৰী।’ সিঙৰ উত্তৰত বিপুল আচৰিত হ’ল। সি সুধিলে, ‘আপুনি দেখোন বহুত কথাস্প জানে। এস্পবোৰ কেনেকৈ জানিলে?’

সিঙে কলে, ‘মস্প লুস্পতৰ পানী খাওঁ। অসমৰ বায়ু সেৱন কৰোঁ। গতিকে অসমৰ বুৰঞ্জীও মাজে সময়ে পঢ়োঁ।’ মি. সিঙৰ কথাত, মি. ডেকা, মিচেচ ডেকা আৰু বিপুলে বৰ সন্তোষ পালে।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
স্পয়াটলৈ	যहाँ
যোগান	জুগাড় करना

মৰিয়নি	मड़ियनी (असम में एक जगह)
কৰ্মস্থান	कार्यस्थल
চৰকাৰী	सरकारी
বাসভৱন	निवास/आवास
যথা সময়ত	यथासमय
চ'ৰা ঘৰত	ड्राइंगरुम
চিৰা	चिओड़ा
আঠৈ	लावा
মুৰি	लाई
বৰা চাউল	भुँजवा चावल
চুঙা পিঠা	चावल से तैयार किया गया केक
জলপান	जलपान
উৎপাদন	उत्पादन
কিবা কিবি	कुछ न कुछ
জুতি	स्वाद
বয়-বস্তু	चीज़ें
স্পতিসূচক	स्वीकृति हेतु सिर हिलाना
তেনেকৈ	इस तरफ या उस तरफ
মেখেলা চাদৰ	लहंगा और चादर
এৰীয়া	अरंडी
খুৰাদেউ	चाचाजी
লগাম্পছেঁ	(नाम) लिखाया/नाम लिखाना
	पिता
	आजकल

बापेक	जाओ तो
आजिकालि	पूछो (जाकर)
याचोन	उर्फ
सोधगै	ब्रह्मपुत्र नदी का दूसरा नाम
ओबफे	सफेद रेशम और बादामी रेशम, रेशम और मुँगा
लुम्पत	कपड़ा
पी मुगा	इतिहास
कापोब	संतुष्ट, खुश
बुबङ्गी	
सन्तोष	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. मि. सिंग केतिया असमलै आहिछे?
2. मि. सिंग क'त থাকे?
3. असमीया मानुहब प्रिय जलपान कि?
4. मि. सिंग असमीया परियाललै गैछे ने?
5. तेऊँ असमत कि कि किनिछे?
6. बिपुले एतिया कि कबि आछे?
7. बुबङ्गीर छात्री कोन?
8. मि. सिङे माजे समये कि पढे?

9. মি. ডেকাম্প মি. সিঙকে কিমান দিন লগ পোৱা নাস্প?

10. গদাপাণি ৰুদ্ৰসিংহৰ কোন?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বুৰঞ্জী শব্দৰ অৰ্থ _____ । (স্মৃতিহাস/বুনিয়াদ)
2. বাপেক শব্দৰ মানে _____ । (মোৰ দেউতা/কাৰোবাৰ দেউতাক)
3. লুপ্তত মানে _____ । (লৌগিক হৃদ/ব্রহ্মপুত্র)
4. জুতি শব্দৰ অৰ্থ _____ । (জৌ/সোৱাদ)
5. পৰিয়াল শব্দৰ অৰ্থ _____ । (পৰিবাৰ/মাক-বাপেক, ল'ৰা ছোৱালী আদি)

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং উত্তৰ কাছাৰ জিলাত। হাফলং এখন পাহাৰীয়া ঠাম্প। স্পয়াৰ প্ৰাকৃতিক দৃশ্য বৰ মনোৰম। জাতিংগা হাফলঙৰ পৰা বেছি দূৰত নহয়। জাতিংগা পৰিভ্ৰমী চৰাস্পৰ বাবে বিখ্যাত।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मालती कभी असम नहीं गई। उसने असम की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त की है। मालती और ललिता को प्राकृतिक दृश्य को देखने का बड़ा शौख है। वे पन्द्रह दिन की असम यात्रा पर जा रही हैं।

V. असमिया जलपान के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. १ से ५ पाठ तक वर्तमान काल के विभिन्न रूप सिखाए गए हैं। 'खा-' (खाना) और 'कर-' (करना) धातु के विभिन्न रूपों की एक सारिणी नीचे दी जा रही है।

‘खा-’ (सामान्य कथनात्मक)

मम्प	थाँ	थाम्पछों	थाम्प आछों
तम्प	थार	थाम्पछ	थाम्प आछ
तुमि	थोरा	थाम्पछा	थाम्प आछा
आपुनि	थाय	थाम्पछे	थाम्प आछे
तेँ/सि/ताम्प	थाय	थाम्पछे	थाम्प आछे

‘कर-’ (सामान्य कथनात्मक)

मम्प	कबों	कबिछों	कबि आछों
तम्प	कब	कबिछ	कबि आछ
तुमि	कबा	कबिछा	कबि आछा
आपुनि	कबे	कबिछे	कबि आछे
तेँ/सि/ताम्प	कबे	कबिछे	कबि आछे

‘खा-’ (आज्ञावाचक)

‘कर-’ (आज्ञावाचक)

तम्प	था	थाम्प थाक	कब	कबि थाक
तुमि	थोरा	थाम्प थाका	कबा	कबि थाका
आपुनि	थाक	थाम्प थाकक	कबक	कबि थाकक

2. नेतिवाचक क्रियारूप तैयार करना बहुत आसान है। इसके लिए सामान्य वर्तमान और आज्ञावाचक क्रिया के आगे नेतिवाचक उपसर्ग ‘न-’ जोड़ा जाता है। क्रिया के आदि में जो

स्वर होता है 'न-' के साथ भी उसी स्वर पुनरावृत्ति होती है। पूर्ण वर्तमान में धातु के साथ 'न-आ' (-आ) जोड़कर बाद में 'नाम्प' (नाइ) परसर्ग जोड़ा जाता है। (आज्ञावाचक का नेतिवाचक रूप अलग ढंग से बनाया जाता है।) जैसे --

करौँ	: नकरौँ	करिछौँ	: कबा नाम्प
दिउँ	: निदिउँ	दिछौँ	: दिया नाम्प
थाय	: नाथाय	थाम्पछौँ	: थोरा नाम्प
पट्टे	: नपट्टे	पट्टिछे	: पटा नाम्प
पट	: नपट	देथिछ	: देथा नाम्प

3. असमिया अन्यपुरुष के सर्वनाम में कुछ भेद है। यह निम्नप्रकार के हैं।

	एकवचन		बहुवचन	
	समिप्य में	दूर में	समिप्य में	दूर में
तुच्छार्थ	म्प (पुरुष) एम्प (स्त्री)	सि (पुरुष) ताम्प (स्त्री)	म्पहँत एम्पहँत	सिहँत ताम्पहँत/सिहँत
सामान्यार्थ	एउँ	तेउँ	एउँलोक	तेउँलोक
मान्यार्थ	एथेत	तेथेत	एथेतसकल	तेथेतसकल

4. विभक्ति जोड़ने पर इनका रूप निम्नप्रकार परिवर्तन होता है।

कर्मकाबक	सम्बन्ध
म्प + -क > मोक	म्प + -ब > मोब

তম্প + -ক >	তম্প + -ৰ >
তোক	তোৰ
তুমি + -ক > তোমাক	তুমি + -ৰ > তোমাৰ
আপুনি + -ক >	আপুনি + -ৰ >
আপোনাক	আপোনাৰ
সি + -ক > তাক	সি + -ৰ >
	তাৰ

এনাজৰী

মিত্রতা কা বঁধন

মিচেচ শম্পকীয়া: এয়া মিচেচ পাণ্ডে
যে! আপোনালোক নগাওঁলৈ
কেতিয়া আহিল?

শ্রীমতী সাঙ্কিয়া : ओ! श्रीमती पांडे हैं
(क्या)? आप नगांव कब
आई?

মিচেচ পাণ্ডে : আমি যোৱা মাহত স্পয়ালৈ
আহিলোঁ। আপোনাৰ ভাল
নে?

श्रीमती पांडे : मैं पिछले महीने यहाँ
आई। आपके यहाँ सब
ठीक हैं न?

মিচেচ শম্পকীয়া: আছোঁ আৰু
একপ্রকাৰ। ঘৰটো কাৰ
বাৰু?

श्रीमती साङ्किया : हाँ, सब ठीक ही हैं। यह
घर किसका है?

মিচেচ পাণ্ডে : কোনোবা বিকাশ বৰুৱাৰ।
ঘৰৰ কাম পূৰা হোৱা নাস্প।
আমি জোৰকৈ ললোঁ।

श्रीमती पांडे : किसी विकास बरुआ का
है। घर का काम पूरा
नहीं हुआ था। हम ने
जोर जार कर ले लिया
है।

মিচেচ শম্পকীয়া: হয় নেকি? কেনে
পাম্পছে বাৰু?

श्रीमती साङ्किया : ऐसा है क्या! पर ज्यादा
दिक्कत तो नहीं है?

মিচেচ পাণ্ডে : ভালেন্স। আহক ভিতৰলৈ।
ঐ বিনয়, কলৈ গলি অ?
দুকাপ চাহ আন।

श्रीमती पांडे : आइए, अंदर आइए।
अरे विनय! तू कहाँ है?
दो कप चाय ला।

মিচেচ শম্পকীয়া: আপুনি ভাল

श्रीमती साङ्किया : आप अच्छी असमिया

অসমীয়া কৈছে।

বোল रही हैं।

মিচেচ পাণ্ডে : অলপ অচৰপ কওঁ আৰু।
বিনয়ৰ পৰাম্প শিকিছোঁ।
চুবুৰীয়া মানুহ কেম্পঘৰো
ভাল। সকলোৱে সহায়
কৰে।

শ্রীমতী পাণ্ডে : थोड़ा बहुत बोल लेती
हूँ। विनय से ही सीख
लिया है। पड़ोसी भी
भले हैं। सभी सहायता
करते हैं।

মিচেচ শম্পকীয়া: হয় নেকি?

श्रीमती साइकिया : यह तो बहुत अच्छी बात
है।

মিচেচ পাণ্ডে : এম্প ‘আদিপাঠ’খন মিচেচ
নাথে দিলে। মিচেচ
চহৰীয়াৰ পৰা দুটা গীতো
শিকিলোঁ।

श्रीमती पांडे : मुझे यह ‘आदिपाठ’
श्रीमती नाथ ने दिया है।
श्रीमति सहरिया से दो
गीत भी सीख लिए हैं।

মিচেচ শম্পকীয়া: বৰ আনন্দৰ কথা।
এফাঁকি গীত গাওকনা,
শুনোঁ।

श्रीमती साइकिया : बड़ी खुशी की बात है।
एक पंक्ति गुनगुनाइए न!
हम सुने।

মিচেচ পাণ্ডে : ভালকৈ নোৱাৰোঁ। তথাপি
গাওঁ বাৰু।
জীৱন এঁ

श्रीमती पांडे : ठीक से नहीं आता है,
फिर भी गाती हूँ।
यह जीवन
समाप्त न होने वाली
मधुर कहानी है।
होठों की हँसी
आँख के आँसू
दूर तार वाणी है।

শেষ নোহোৱা

विनय : दीदी ! चाय।

মধুৰ সাদুকথা,
ওঁঠৰ হাঁহি, চকুৰ পানী

श्रीमती पांडे : खाली चाय? मिठाई नहीं
लाया?

আঁহে আঁহে গঁথা।

विनय : ला रहा हूँ, दीदी।

বিনয় : বাম্পদেউ, চাহ।

श्रीमती पांडे : आप लोग हिन्दी बोलते

मिचेच पाण्डे : खालि चाह दिलि। मिठाप्प
नानिलि?

बिनय : आनि आछौं बाप्पदेउ।

मिचेच पाण्डे : आपोनालोके हिन्दी कय।
आमि आनन्द पाउँ। आमि
असमीया कउँ। आपोना-
लोके ভাল पाय। सेयाप्प
आमाक एक कबिछे।

हैं, हमें खुशी होती है।
मैं असमिया बोलती हूँ,
आप लोग खुश होते हैं।
इसी ने हमें जोड़ कर
रखा है।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	अर्थ
केतिया	कब
आहिल	आए
आहिलौं	आई (हूँ)
प्रकाब	तरह
कोनोबा	कोई
काम	काम
पूबा	संपूर्ण
जोब	ज़ोर/दबाव
पाप्पछे	(आपको) मिल गया है
भितबलै	अन्दर
कलै	किधर

গলি	গई
কৈছে	बोल रहे हैं
অলপ অচৰপ	थोडा बहुत
শিকিছোঁ	सीख रहा हूँ
চুবুৰীয়া	पड़ोसी
সকলোৱে	सभी लोग
গীতো	गीत भी
ভালকৈ	ठीक से
শেষ নোহোৱা	समाप्त नहीं होने वाली
সাধুকথা	कहानी, लोक कथा
ওঁঠৰ	होंठ का, ओठ का
হাঁহি	हँसी
চকুৰ	आँख का
পানী	पानी

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. পাণ্ডেইঁত নগাওঁলৈ কেতিয়া আহিল?
2. পাণ্ডেইঁতৰ ঘৰটো কাৰ বাৰু?
3. ঘৰৰ কাম পূৰা হৈছে নে?
4. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে 'আদিপাঠ'খন দিলে?
5. তেওঁ কাৰ পৰা গীত শিকিলে?
6. বিনয়ে চাহৰ লগত মিঠাম্প দিলে নে?
7. মিচেচ পাণ্ডে অসমীয়া কয় নে?

8. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে সহায় কৰে?
9. মিচেচ পাণ্ডেৰ ওচৰ চুবুৰীয়া মানুহবোৰ কেনে?
10. বিনয়ে মিচেচ শম্পকীয়াইঁতৰ কাৰণে কি আনিলে?

II. উদাহৰণ কে অনুসার নীচে दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহৰণ:

(ক) আপোনালোক নগৰলৈ কেতিয়া আহিল?

→ তহঁত নগৰলৈ কেতিয়া আহিলি?

1. আপুনি কলৈ গ'ল?
2. আপুনি কাৰপৰা অসমীয়া শিকিলে?
3. আপুনি এফাঁকি গীত গাওক।
4. আপুনি কিয় মিঠাম্প নানিলে?
5. আপোনালোকে এম্প কিতাপখন কেনে পালে?

(খ) তম্প চাহ আনিলি।

→ মম্প চাহ আনিলোঁ।

1. তম্প স্কুললৈ গলি।
2. তম্প চাহ নানিলি।
3. তম্প মিচেচ চহৰীয়াৰ পৰা গীত শিকিলি।
4. আপুনি জোৰকৈ ঘৰটো ললে।
5. মিচেচ নাথে মিচেচ পাণ্ডেক 'আদিপাঠ' এখন দিলে।

(গ) তম্প চাহ আনিলি।

→ তম্প চাহ নানিলি।

1. তম্প মিঠাম্প আনিলি।
2. তেওঁ সাধুকথা কলে।

3. মস্প ঘৰলৈ গলোঁ।
4. চুবুৰীয়া মানুহে আমাক সহায় কৰিলে।
5. তেখেতে মোক কিতাপখন দিলে।
6. আমি গীত শুনিলোঁ।

III. কোষ্টক মেন্ দিএ গএ শব্দোঁ মেন্ সে সহী শব্দ চুনকর वाक्य पूरे कीजिए।

1. ঘৰৰ কাম পূৰা _____ নাম্প। (হোৱা, হয়)
2. এম্প ঘৰটো _____ বিকাশ বৰুৱাৰ। (কোনো, কোনোবা)
3. মস্প অসমীয়া অলপ _____ কওঁ। (চলপ, অচৰপ)
4. মিচেচ নাথে মোক এম্প _____ দিলে। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. মিচেচ _____ মোক ‘আদিপাঠ’খন দিলে। (নাথ, নাথে)

IV. কোষ্টক মেন্ দিএ গএ শব্দোঁ কে उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি স্পয়ালৈ কালি _____। (আহ)
2. আপোনালোক এম্পটো ঘৰলৈ যোৱাকালি _____ নেকি ? (আহ)
3. তেওঁ মোক ‘আদিপাঠ’খন _____। (দি)
4. আমি ঘৰটো জোৰকৈ _____। (ল)
5. মস্প তেওঁৰ পৰা দুটা গীত _____। (শিক)

V. उदाहरण के अनुसार वाक्यांश मिला कर सही वाक्य बनाइए।

उदाहरण

(ক) বৰ আনন্দৰ : সাধুকথা

(খ) জীৱন এঁ মধুৰ : কিতাপ

: কথা

→ (ক) বৰ আনন্দৰ কথা।

→ (খ) জীৱন এঁ মধুৰ সাধুকথা।

1. চুবুৰীয়া মানুহ : হাঁহি

2. মধুৰ এফাঁকি : গীত
3. ছোৱালীৰ চকুৰ : পানী
4. মানুহৰ ওঁঠৰ : কেম্পঘৰ
5. শেষ নোহোৱা : সাধুকথা
: জীৱন

VI. উদাহৰণ কে অনুসাৰ দিএ গাএ শব্দোঁ কো সহী ক্ৰম মেঁ ৰখকৰ বাক্য বনাঈ।

উদাহৰণ:

আপোনালোক কেতিয়া আহিল অসমলৈ

→ আপোনালোক কেতিয়া অসমলৈ আহিল?

1. চাহ দুকাপ বনোৱা তুমি
2. ভাল চুবুৰীয়া খুওব আমাৰ
3. অন্তহীন জীৱনটো এঁ কাহিনী
4. কৰি জোৰ লৈ ললোঁ মম্প

VII. বিস্তাৰ সে উত্তৰ দীজিএ।

1. শ্ৰীমতী পাণ্ডেৰ বিষয়ে দুম্প চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
2. শ্ৰীমতী শম্পকীয়াৰ বিষয়ে তিনি চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
3. ভিন্ন ভাষী মানুহক এক জোঁ কৰাত কি কি বিষয়ে সহায় কৰে?

पढ़िए और समझिए।

যোৱাকালিৰ কথা

শিক্ষকে অনিলক হোমৱৰ্কৰ বিষয়ে সুধিলে। সি তলমূৰ কৰিলে। কাৰণ সি অঙ্ক কেম্পা কৰিব নোৱাৰিলে। অঙ্ক কেম্পা দৰাচলতে বেচান। তাৰোপৰি সি যোৱা দেওবাৰে সমনীয়াৰ

লগত চিৰিয়াখানালৈ গ’ল। চিৰিয়াখানা চহৰৰ ভিতৰতে। সিহঁত অ’টোৰে চিৰিয়াখানালৈ গ’ল। তাত সিহঁতে বাঘ, হাতী, জেব্রা, সিংহ, ভালুক, ময়ূৰ আদি নানান জীৱজন্তু দেখিলে। সিহঁতে ঘৰিয়াল, অজগৰ আৰু বহুত চৰাম্প চিৰিকতি দেখিলে।

অনিলহঁতে চিৰিয়াখানা ভালেম্প পালে। তাত সিংহটোৱে এবাৰ হঠাতে খুব জোৰেৰে গোজৰণি মাৰিলে। সিহঁত ভয়তে দৌৰিলে। সিহঁত আৰু তাত নাথাকিল। সিহঁত এখন চাহৰ দোকানত সোমাল আৰু চাহ মিঠাম্প খালে। আবেলি সিহঁত বাছেৰে উভতি আহিল। অনিলে শিক্ষকক সুধিলে, ‘আপুনি যোৱাকালি কেনি গ’ল?’

শিক্ষকে কলে, ‘‘ম্প ল’ৰা-ছোৱালী কেম্পাক বজাৰলৈ নিলোঁ। সিহঁতৰ সাজ-পোচাক কিনিলোঁ। নুমলীয়া ল’ৰাটোৰ কাৰণে কিছুমান খেলনা চালোঁ। কিন্তু নিকিনিলোঁ। কাৰণ বস্তুবোৰৰ দাম বৰ বেছি। তাৰোপৰি বস্তুবোৰ বেয়া।’ এনেতে প্ৰধান শিক্ষক সেম্পপিনে আহিল। শিক্ষকে কলে, ‘কথা চোবাবলৈ বাদ দিয়া। গণিতৰ বহী বাহিৰ কৰা।’ সকলোৱে এম্পবাৰ অংকৰ বহী উলিয়ালে।

নযে শাব্দ

অসমিয়া শাব্দ	হিন্দী অৰ্থ
বিষয়ে	কে বিষয় में
তলমূৰ কৰিলে	সিৰ झुकाना
দৰাচলতে	दर असल
বহী	खाता, बही, नोटबुक
নোৱাৰিলে	न कर पाए
মান	कठिन
সমনীয়া	दोस्तों
চিৰিয়াখানা	चिड़ियाघर
কিহেৰে	किस (वाहन) से

সিংহ	सिंह
জেব্রা	जेब्रा
ভালুক	भालू
ময়ূৰ	मोर
ঘৰিয়াল	मगरमच्छ
অজগৰ	अजगर
চৰাম্প চিৰিকতি	चिड़िया
গোজৰণি	सिंह की दहाड़
দেখিলোঁ	देखा
ভয়ভে	भय से
দৌৰিলোঁ	भाग गया
আবেলি	शाम के समय
উভতি আহিল	लौटकर आया
নাথাকিলোঁ	नहीं रुकना
সোমালোঁ	(अंदर) गया
বজাৰ	बाज़ार
কেনি	कहाँ
সাজ-পোচাক	वेश-भूषा
নুমলীয়া	कनिष्ठ/छोटा
খেলা	खेलना
বেয়া	खराब
কাৰণ	कारण
তাৰোপৰি	इसके अलावा
কথা চোবাবলৈ	बातें बनाना
বাদ দে	छोड़ो
	गणित

গণিত

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. অনিল কালি কেনি গ'ল?
2. চিৰিয়াখানাত সিংহটোৱে কি কৰিলে?
3. অনিলে ভয়তে কি কৰিলে?
4. সিংহটোৱে অনিলক আঁচুৰিলে নে?
5. শিক্ষকে ল'ৰাইঁতৰ কাৰণে কি কিনিিলে?
6. শিক্ষকে কিয় খেলনা নিকিনিিলে?
7. চিৰিয়াখানালৈ অনিলহঁত কেনেকৈ গ'ল?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. সিংহটোৱে জোৰেৰে _____ মাৰিলে।
2. মম্প ভয়তে _____।
3. শিক্ষকে ল'ৰাইঁতৰ _____ কিনিিলে।
4. তেওঁ ল'ৰাটোৰ কাৰণে খেলনা চালে _____?
5. অঙ্ককম্পা বৰ _____ আছিল।
6. আমি এখন দোকানত _____।
7. দোকানৰ খেলনাবোৰ _____।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

দেওবাৰে আমি কাজিৰঙালৈ গলোঁ। আমি বহুত জীৱ-জন্তু দেখিলোঁ। কিন্তু আমি সিংহ নেদেখিলোঁ। আমি তাত দিনটো কালোঁ। কিন্তু তাত ৰাতি নাথাকিলোঁ। ৰাতিটো চুমোৰে উভতিলোঁ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मेहरा जी छात्रों के साथ बाज़ार गए। उन्होंने पिकनिक के लिए बहुत सारा सामान खरीदा। उन्होंने अपने बच्चों के लिए कुछ नहीं खरीदा। वापस जाते समय सबने एक रेस्टोरेंट में चाय पी। दीपक की तबीयत खराब थी। इसलिए उसने कुछ नहीं खाया।

टिप्पणियाँ

1. भूत काल वाचक प्रत्यय -अल् (-इल्)/ -ल (-ल) : यह असमिया भाषा का साधारण भूत काल वाचक प्रत्यय है। व्यंजनांत धातु के साथ -अल् (-इल्) और स्वरांत धातु के साथ -ल (-ल) जोड़ा जाता है। इसके बाद पुरुष वाचक विभक्ति जोड़ी जाती है। जैसे --

মৰা আহ + -অল্ + -ওঁ > আহিলোঁ
আমি শা + -ল্ + -ওঁ > শালোঁ

2. मध्यम पुरुष की विभक्ति : भूत काल में मध्यम पुरुष (तुच्छार्थ में) -अ (-इ) युक्त होता है। नित्य वर्तमान में जो विभक्ति लगती है वही भूत काल में भी (आदरार्थ और सम्मानार्थ में) लगती है। जैसे --

তৰা আন + -অল্ + -অ > আনিলি
আমি শা + -ল্ + -অ > শালি

3. या- (जा-) : जा- धातु का रूप भूत काल में हिन्दी के समान ही होता है। या- (जा-) बदलकर ग- (ग-) हो जाता है। ग- (ग-) के साथ कालवाचक प्रत्यय का प्रयोग होता है। जैसे --

মৰা যা- > গ- + -লোঁ > গলোঁ

प्रि या- > ग- + -ल > ग'ल

4. अन्य पुरुष की विभक्ति : भूत काल में अन्य पुरुष की विभक्ति वर्तमान काल की विभक्ति से अलग है। केवल सकर्मक क्रिया के साथ -ए (-ए) का प्रयोग होता है। जैसे --

प्रि कब + -अन् + -ए > कबिले

प्रि था + -ल् + -ए > थाले

प्रि आह + -अन् + -Ø > आहिल

5. पार- धातु की विशेषता : 'पार-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप (नोवार-) होता है और इसके साथ ही कालवाचक विभक्तियों का प्रयोग होता है। जैसे --

पारबौ > नोराबौ

पारबिलौ > नोराबिलौ

पारबिलि > नोराबिलि

6. -ना (-ना) : आज्ञावाचक क्रिया के साथ -ना (-ना) का प्रयोग करने पर अनुरोध में नम्रता और आदेश का बोध होता है।

7. वाक्याब आर्हिब विषये (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में विद्यार्थियोंको साधारण भूत काल में प्रयोग में आने वाले वाक्योंसे परिचित करवाया गया है। इसके अलावा 'पार-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप में प्रयोग भी सिखाया गया है।

पाठ पाठ

8

मेरा भारत महान

आमाৰ महान ভাৰতবৰ্ষ

मिचेच जेना : राजू, रुमा, गरमर बरुटो
तोमालोके केनेकै कौला?
किवा नतून किताप-पाति
पढिला ने?

राजू : আমি ১৫ দিন ভাৰত ভ্রমণ
কৰিলোঁ। যোৱা দেওঁবাৰে
উভতিলোঁ

मिचेच जेना: ভাৰত ভ্রমণত কি কি
দেখিলা? ক'ত ক'ত
থাকিলা?

राजू : আমি কলিকতা, কোণার্ক,
পুৰী আৰু মহীশূৰ চালোঁ।
জানা বাম্পদেউ, কলিকতা
মহানগৰীত বৰ ভিৰ। তাত
পৰুৱাৰ লানি যেন মানুহৰ
শাৰী। মানুহবোৰ কেৱল
দৌৰেহে। কোণার্ক উৰিষ্যাৰ
চন্দ্ৰভাগাৰ তীৰত অৱস্থিত।
সীমাহীন বালুকা-ৰাশিৰ

श्रीमती जेना: राजू, रुमा गर्मी की छुट्टी
तुमलोगों ने कैसे बिताई? क्या
तुमलोगों ने कोई नई पुस्तक-
पत्रिका पढ़ी?

राजू : हमने १५ दिन भारत भ्रमण
किया। पिछले रविवार को
लौटे हैं।

श्रीमती जेना: भारत भ्रमण में क्या क्या
देखा? कहाँ कहाँ रुके?

राजू : हमने कलकत्ता, कोणार्क, पुरी
और मैसूर देखा। जानती हो
दीदी, कलकत्ता बड़ा भीड़-भाड़
वाला शहर है। यहाँ चींटी की
तरह लोगों की कतारे दिखती
हैं। हर आदमी वहाँ केवल
दौड़ता ही दिखता है। कोणार्क
उड़ीसा में चन्द्रभागा के किनारे
स्थित है। असीम बालू के ढेरों
में झाँउँ झण्डियों की तरह
दिखते हैं। सुई की तरह
नुकीली पत्तियाँ हवा में नाचती

माजत शाबी शाबी

झाँगछ। बेजि येन
जोडा जोडा पात। ताते
बताहब सौ सौरनि, माजे
माजे चराम्पब किबिलि, ताब
माजत युगब साक्षीस्वरूप
कोणार्क सूर्यमन्दिर।

मिचेच जेना: तौमालोके कोणार्कब फटौ
ल'लाने? बाति क'त
थाकिना? आमाब घर
कोणार्कब ओचरते।

तौमालोके आमाब तालै
न'गला किय?

रुमा : आमि नाजानौ नहय। आमि
पास निवासते थाकिलौ।

मिचेच जेना: पूबीत कि कबिला? तात चाँगे
बाति नाथाकिना?

रुमा : पूबीत सागरत गा धूलौ।
माछमबीयाबोबब काम काज
उपभोग करिलौ। ताब
पाछत जगन्नाथ मन्दिर चालौ।
तात अगणन भक्तब भिब।

रहती हैं। बीच बीच में चिड़ियों
की चहचहाहट। इन सबके
बीच स्थित है -- युगों का साक्षी
कोणार्क सूर्यमन्दिर।

श्रीमती जेना: तुमलोगों ने कोणार्क के फोटो
नहीं लिए क्या? रात कहाँ
रहे? हमारा घर कोणार्क के
पास ही है। तुमलोग हमारे
यहाँ क्यों नहीं गए?

रुमा : हमलोग जानते ही नहीं थे।
हम पंथ निवास में रुके थे।

श्रीमती जेना: पुरी में क्या किया? वहाँ शायद
रात नहीं रुके?

रुमा : पुरी में हमने सागर स्नान
किया। मछुआरों के कार्यकलाप
का आनन्द लिया। उसके बाद
जगन्नाथ मन्दिर देखा। वहाँ
अनगिनत भक्तों की भीड़ थी।
मुख्य मन्दिर बहुत ऊँचा है।
पास में अनेक छोटे बड़े मन्दिर
हैं। हमारी आखों के सामने ही
एक आदमी मन्दिर के शिखर
पर चढ़ गया। शिखर पर
पताका बांधी। पुरानी पताका

মূল মন্দিৰটো বেচ ওখ।
 কাষত অগণন সৰু চাপৰ
 মন্দিৰ। আমাৰ চকুৰ আগতে
 এজন মানুহ মন্দিৰৰ ওপৰত
 উঠিল। শিখৰত পতাকা
 বান্ধিলে। পুৰণি পতাকা তলত
 পেলাম্প দিলে। তাৰ পাছত
 সৰ সৰাম্প নামি আহিল।
 আমি তথা লাগিলোঁ।

মিচেচ জেনা: শেষত চাটৈ মহীশূৰ
 পালগৈ? তাত চাটৈ বেচ
 মজা কৰিলা।

ৰাজু : হয় বাম্পদেউ। মহীশূৰ বৰ
 শূৱনি ঠাম্প। আলিবৌৰ
 দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে কৃষ্ণচূড়া। কি
 কীয়া ৰঙা ফুলৰ ভৰত দোঁ
 থাম্প আছে। ঠায়ে ঠায়ে ওখ
 ওখ স্পউক্লিপোচ। বৃন্দাবন-
 গাৰ্ডেনত আকৌ বগা,
 হালধীয়া, নীলা আৰু
 গোলাপী ৰঙৰ নানা ফুলৰ
 বাহাৰ। ফুলে ফুলে ৰং চঙীয়া

কো নীচে ফেঁক দিয়া। উসকে
 বাদ সর সৰাকৰ নীচে
 উতৰ
 আয়া। হমলোগ দেখতে হী ৰহ
 গএ।

শ্রীমতী জেনা: অঁত মঁ শায়দ মৈসূৰ পহুঁচে
 হোগে? বহাঁ তো বড়া আনন্দ
 আয়া হোগা?

ৰাজু : হাঁ দীদী, মৈসূৰ বহুত সুন্দৰ হৈ।
 সড়কো কে কিনাৰে গুলমোহৰ কে
 পেড় হৈ। গাড়ে লাল ফুলোঁ কে
 ৰাৰ সে পেড় झुक गए हँ। स्थान
 स्थान पर लंबे लंबे युकलिपटस
 भी हँ। वृन्दावन-गार्डन में तो
 सफेद, पीले, नीले और
 गुलाबी हर रंग के फूलों की
 बाहार है। फूल-फूल पर रंग
 बिरंगी तितलियाँ उड़ती रहती
 हँ। पूरे बाग में पानी के फव्वारे
 हँ।

श्रीमती जेना: तब तो तुमलोगों ने छुट्टी का
 बहुत अच्छा प्रयोग कर लिया।
 अच्छा अब इस विषय में दोस्तों

পথিলা। গোটৈম্প বাগিছাত
 অজস্র পানীৰ ফোঁৱাৰা।
 মিচেচ জেনা: তোমালোকে তেনেহলে বন্ধটো
 বৰকৈ উপভোগ কৰিলা।
 বাকু, এম্প বিষয়ে বান্ধবীলৈ
 এখন চিঠি লিখা।

কো চিঠী লিখনা।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অর্থ
গৰম	গৰ্মী
কেনেকৈ	কৈসে
নতুন	নয়া
কিতাপ-পাতি	পুস্তক আদি
দুসপ্তাহ	দো হপ্তে
দেওবাৰ	রবিবার
উভতিলোঁ	वापस आया हूँ, लौटा हूँ
থাকিলা	(तुम) रहे
চালোঁ	(मैंने) देखा
সবাতোকৈ	सबसे
পৰুৱা	चींटी
লানি	कतार
শাৰী	पंक्ति
দৌৰে	दौड़ते हैं

ভীৰত	কিনারে, তীৰ পৰ
বেজি	সুই
জোঙা	নুকীলী
বতাহ	হবা
সোঁ সোৱনি	সাং-সাং, সর-সর
চৰাম্প	চিড়িয়া
কিৰিলি	চহক, চহচহানা
ল'লা	(তুম) লিয়া
ওচৰতে	পাস মেন্ হী
গা ধুলোঁ	(মেন্) নহায়া
মাছমৰীয়া	মচুআৰে
ওখ	উঁচা
ওপৰত	উপৰ
তলত	নীচে
সৰসৰাম্প	সর सराकर
তথা লাগিলোঁ	दीखती रह गई
মজা	आनन्द
দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে	किनारे किनारे
কি কীয়া	गाढ़ा रंग का
ভৰ	भार
দোঁ থাম্প আছে	झुक जाते हैं
বগা	सफेद
হালধীয়া	पीले, हल्दिया रंग में
নীলা	नीला
	गुलाबी

गोलापी	रंगका
बङ्ग	तितलियाँ
पथिला	उड़ती फिरती हैं
उबि फुबिछे	पूरे
गोटैम्प	सहेली
बाक्कवी	चिट्ठी
चिट्ठी	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. गबमब बक्कत बाजुईते कि कि कबिले?
2. कोने कोने कलिकता, पूबी आदि चाले?
3. बाउ गछब पातबोब केनेकुरा?
4. सूर्य मन्दिर क'त अरस्थित?
5. ब्रमाईत बाति क'त थाकिल?
6. ब्रमाईते पूबीत कि चाले?
7. मानुहजने मन्दिरब शिखरत कि बाक्किले?
8. गछबोब किय दौं थाम्प पबिछे?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. दोकानब सम्मुखत मानुहब दीघल _____ ।
2. बाउ गछब पात बेज्जीब दबे _____ ।
3. सागबब पाबत _____ मानुहे माछ बेचिछे।
4. जगन्नाथ मन्दिर बब _____ ।

5. ৰাস্তাৰ _____ কৃষ্ণচূড়া।
6. ফলৰ ভৰত আমগছ _____ থাম্পছে।
7. ফুলে ফুলে _____ পখিলা।
8. তোমাৰ বন্ধুলৈ এখন _____ লিখা।

III. কোষ্টক মেন্ দিএ गए शब्दों मैन से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(नहय, चाँगे, ना, चोन, हे, बा)

1. আমি পুৰী নহয়, কোণাৰ্ক _____ চালো।
2. মম্প _____ কি কলো?
3. তোমালোকে _____ বৰ মজা কৰিলা।
4. তুমি এখন চিঠি লিখা _____।
5. আমি পুৰী দেখা নাম্প _____
6. গোৱা _____, গীত ঐ গোৱা।

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरणः

(क) बिनय, तम्प क'लै गलि?

→ बिनय, तूमि क'लै ग'ला?

1. तम्प क'त घर ललि?
2. तम्प काब पबा गीत शिकिलि?
3. तम्प किय मिठाम्प नानिलि?
4. आपुनि पुरीत क'त थाकिल?
5. आपुनि चाँगे बब मजा कबिले!

6. তম্প চাটৈ বহুত ফটো ললি!

(খ) আমি কলিকতা দেখিছোঁ।

—> আমি কলিকতা দেখিলোঁ।

1. মম্প ঐ গীত গাম্পছোঁ।
2. তেওঁ মিচেচ নাথৰ পৰা শিকিছে।
3. তেওঁলোক মহীশূৰলৈ গৈছে।
4. ফুলৰ ভৰত গছ দোঁ খাম্প পৰিছে।
5. তোমালোকে সাগৰত গা ধুস্পছানে?
6. তম্প চিঠি লিখিছনে?
7. আপুনি সূৰ্য মন্দিৰ চাম্পছনে?

V. উদাহরণ के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

(क) बहीबोर मम্প परीक्का चालोँ

—> मम্প परीक्का बहीबोर चालोँ।

1. মম্প শুনিলোঁ গীত এম্পটো বহুতবার
2. মম্প আহিলোঁ যোৱা দেওবাৰে দিল্লীৰ পৰা
3. নেদেখিলোঁ তেওঁক কতো মম্প
4. ফটো বৃন্দাবন তুমি গাৰ্ডেনৰ তুলিলানে

VI. नीचे दिए गए वाक्यों में विपरीत अर्थ देनेवाले शब्दों को रेखांकित कीजिए और इनका वाक्योंमें प्रयोग कीजिए:

তেওঁ কেতিয়াবা থিয়োৰ চায় ; কিন্তু কেতিয়াও চিনেমা নাচায়। তেওঁলোক এম্পবাৰ
অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ভাল পালে ; কিন্তু শিৱসাগৰ বেয়া পালে।

তেওঁলোক গুৱাহাটীলৈও গ'ল। কামাখ্যা আৰু উমানন্দ চালে। কামাখ্যা মন্দিৰ পাহাৰৰ ওপৰত ; কিন্তু দেবীৰ পীঠ মাৰি তলত। উমানন্দ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ মাজত ; কিন্তু শুল্কেশ্বৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ কাষত।

VII. বিস্তাৰ সে উত্তৰ দীজিএ :

1. কলিকাতাৰ বিষয়ে দুামান বাক্য লিখক।
2. উৰিষ্যাৰ চন্দ্ৰভাগা নদীৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে লিখক।
3. বৃন্দাবন গাৰ্ডেনৰ বিষয়ে কেম্পশাৰীমান লিখক।

पढ़िए और समझिए।

সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান

কালি কলাক্ষেত্ৰত সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান হ'ল। সেম্প অনুষ্ঠানত উমাম্প ভৰত ন্যাম নাচিলে। কালি অনুষ্ঠানৰ মাজত লাম্প গ'ল। তেতিয়া তাত হুলস্থুল লাগিল। পিছত পুলিচ আহিল। সকলো শান্ত হ'ল। অনুষ্ঠান আকৌ আৰম্ভ হ'ল। কালিৰ অনুষ্ঠানত উমাম্প প্ৰথম পুৰস্কাৰ পালে। কালি পুৰস্কাৰ ঘোষণাহে কৰিলে; কিন্তু নিদিলে। ৰাতি উমা দেউতাকৰ লগত উভতি আহিল।

আজি ৰাতিপুৱা উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ কাৰ্য্যালয়লৈ গ'ল। আবেলি গীতা আহিল। তাম্প কালিৰ অনুষ্ঠানলৈ নগ'ল। অনুষ্ঠানৰ কথা তাম্প পাহৰি গ'ল। গীতাম্প উমাক সুধিলে -- “তম্প সত্ৰীয়া নাচিলিনে ভাৰত ন্যাম?” তেতিয়া উমাম্প কলে -- “মম্প ভাৰত ন্যামহে নাচিলোঁ; সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।” তেনেতে উমাৰ মাক আহিল। তেওঁ গীতাক সুধিলে -- “গীতা, কেতিয়া আহিলা, চাহপানী খালা নহয়?” গীতাম্প তেতিয়া কলে, “চাহ পানী ক'ত খালোঁ, এম্পমাত্ৰ আহিছোঁহে।”

উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। মহিলা সমিতিয়ে এখন প্ৰদৰ্শনীৰ আয়োজন কৰিছে।
গীতাৰ মাকো মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। আহিবৰ সময়ত উমাৰ মাকে গীতাক সুধিলে -- “তোমাৰ
মাৰায়ে কিবা ক’ং বা চিলাম্প কৰিছে নেকি?” তেতিয়া গীতাম্প উত্তৰ দিলে -- “জানোঁ, মম্প
ভালকৈ নাজানোঁ।”

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
লাম্প	লাইট/বিজলী
হুলস্থুল	শোরগোল
শান্ত	শান্ত
ঘোষণাছে	ঘোষণা হী
ৰাতিপুৱা	সবেৰে
আবেলি	শামকো
এম্পমাত্র	অभी अभी
সদস্যা	সदस्या
আয়োজন	आयोजन
মাৰায়ে	(तुम्हारी) माँ भी
ভালকৈ	अच्छी तरह

অভ্যাস

I. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ ।

1. উমা কলা ক্ষেত্ৰলৈ গ’লনে?
2. উমাম্প কি নাচ নাচিলে?
3. প্ৰথম পুৰস্কাৰ কোনে পালে?
4. উমাৰ মাক ক’লৈ গৈছিল?

5. মহিলা সমিতিয়ে কিহৰ আয়োজন কৰিছে?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেপ্প, চোন, তো, হে, ও, নহয়, দেখোন)

1. মম্প ভৰত নৌম _____ নাচিলোঁ, সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।
2. বাকু, ক _____ পুৰস্কাৰ কোনে পালে।
3. মম্প _____ আশাম্প কৰা নাছিলোঁ।
4. মম্প চাহ ক'ত খালোঁ, মম্প _____ এম্পমাত্ৰ আহিছোঁ।
5. তোমাৰ মাৰা মহিলা সমিতিলৈ গৈছিল, আমাৰ মা _____ তালৈ গৈছিল।
6. বাকু অলপ বহা _____, মম্প চাহ কৰি আনোঁ।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

তেওঁলোক এম্পবাৰ অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান চালে। কাজিৰঙা এশিঙীয়া গড়ৰ কাৰণে প্ৰসিদ্ধ। তাৰ পাছত তেওঁলোক দেৰগাৱলৈ গ'ল। দেৰগাৱত নেঘেৰিঙি শিৱদ'ল চলে। এম্প শিৱদ'ল ঐা সৰু লিাৰ ওপৰত অবস্থিত। দেৰগাওঁাউনৰ পৰা নেঘেৰিঙিলৈ ৬ কি. মি. মান দূৰ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल हमलोग कन्याकुमारी गए थे। हमने वहाँ समुद्र में स्नान किया। गांधी मंडपम् देखा। फिर एक बड़ी नाव में बैठकर विवेकानन्द शिला पर पहुँचे। वहाँ से समुद्र का दृश्य देखने लायक था। शाम को हम समुद्र तट पर जा बैठे। वहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखा।

V. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. কলাম্পেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ বিষয়ে লিখা।
2. কলাম্পেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ পুৰস্কাৰ বিতৰণৰ বিষয়ে দুআমাৰ লিখা।
3. উমাৰ মাকৰ বিষয়ে যি জানা লিখা।

टिप्पणियाँ

1. **ह** : असमिया वाक्य में किसी शब्द पर बल या जोर देने के लिए ‘-ह’ (-हे) का प्रयोग किया जाता है। जैसे -- **मानुह** **दोबेह** (मानुहे दौरेहे) ‘आदमी दौड़ता है’। हिन्दी (ही) के अर्थ में इसका प्रयोग होता है।
2. **-टैक** (i) विशेषण शब्द के साथ ‘-टैक’ (-कोइ) जोड़कर असमिया में क्रिया विशेषण बनाया जाता है। जैसे- **बब** + **-टैक** = **बबटैक** **लाह** + **-टैक** = **लाहटैक**
 (ii) तुलना के लिए भी {**-टैक**} का प्रयोग होता है। इस स्थिति में अधिकरण का ‘-त’, ‘-अत’ (-त, -अत) जोड़ने के बाद {**-टैक**} जोड़ा जाता है।
 जैसे -- **बिभला** + **-त** + **-टैक** = **बिभलातैक**
 पूबी + **-त** + **-टैक** = **पूबीतैक**
 घब + **-अत** + **-टैक** = **घबतैक**
3. **ए** : युग्म शब्दों में ‘-ए’ (-ए) जोड़कर असमिया में अधिकरण कारक बनाया जाता है। जैसे --
 फूल फूल = **फूले फूले**
 दाँति दाँति = **दाँतिये दाँतिये**
4. **नहय** : असमिया भाषा में इस शब्द का नकारात्मक अर्थ के अतिरिक्त सकारात्मक निश्चयार्थक अर्थ भी होता है। जैसे --
 तुमि खाम्पछा नहय -- तुमने खाया ना।
 तुमि दिछा नहय -- तुमने दिया ना।
5. **चालौ** : **देथिलौ** : दोनों का हिन्दी अर्थ ‘देखना’ होता है। लेकिन दोनों के असमिया अर्थ में अंतर है। जैसे --
 चालौ -- ध्यान से देखना।

देखिलौं -- सामान्य रूप से देखना।

6. बाकाब आहिब बिषये (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में भूत काल का ही विस्तृत प्रयोग दिखाया गया है। मध्यम पुरुष के सामान्य और मान्यार्थ दोनों रूपों का अधिक प्रयोग हुआ है। साथ ही कुछ नकारात्मक वाक्यों के प्रयोग भी दिखाए गए हैं।

পাঠ 9 পাঠ

ডাক্তৰ বিচাৰি

ডাকটর की खोज में

মি. পাণ্ডে : নমস্কাৰ, ডাক্তৰ মহাশয়।

श्रीमान पांडे : नमस्कार डाक्टर साहब?

ডা. বৰুৱা: অ' নমস্কাৰ। আহক, আপোনাৰ
আকৌ কি হ'ল?

डॉ. बरुआ : नमस्कार। आइए, बताइए,
आपको क्या हुआ है?

মি. পাণ্ডে : যোৱা কালি বন্ধু এজনৰ ঘৰলৈ
গৈছিলোঁ। তেওঁ মাছ মাংস
দুয়োম্পি যোগাৰ কৰিছিল।
অলপ বোধহয় বেছিকৈ খালোঁ।
পেটো ঘু ঘুাম্প আছে।

श्रीमान पांडे : कल एक दोस्त के घर गया
था। उन्होंने मांस मछली की
व्यवस्था की थी। लगता है
कुछ ज़्यादा खा लिया। पेट में
गुड़ गुड़ाहट हो रही है।

ডা. বৰুৱা: শৌচ পেচাব কেনেকুৱা?

डॉ. बरुआ : टट्टी पेशाब का क्या हाल है?

মি. পাণ্ডে : আগৰাতি তিনিবাৰ পাতল শৌচ
কৰিছিলোঁ। তাৰ পিছত আৰু
হোৱা নাম্প। কেৱল পেটোহে
বিষাম্প আছে।

श्रीमान पांडे : आधी रात तक तीन बार पतले
दस्त हुए। उसके बाद दस्त
नहीं हुए। केवल पेट में दर्द है।

ডা. বৰুৱা: এতিয়া স্পিয়াতে অকণমান শুম্প
দিয়ক। আপোনাৰ জিভাখন
চাওঁ। এবাৰ দীঘলকৈ উশাহ
লওক।

डॉ. बरुआ : यहाँ लेट जाइए। अपनी जीभ
दिखाइए। जरा लंबी सांस
लीजिए। अपना हाथ
निकालिए।रक्तचाप भी

চাওঁ, হাতখন দিয়ক।
.....ৰক্তচাপও ঠিকেম্প
আছে। কেৱল অজীৰ্ণ। আগতে
আপোনাৰ কেতিয়াবা এনেকুৱা
হৈছিল নে?

মি. পাণ্ডে : যোৱা বছৰ এবাৰ হৈছিল।
নিজে নিজে ভাল হ'ল। আৰু
চাওক। এম্প আঙুলিতো ঘাঁ
হৈছে।

ডা. বৰুৱা : ঘাঁ কেনেকৈ হ'ল?

মি. পাণ্ডে : ব্লেডে কাঁছিল।

ডা. বৰুৱা : অলপ চেপ্তিকৰ নিচিনা হৈছে।
কোনো কথা নাম্প। মম্প ঔষধ
লিখি দিছোঁ।

মি. পাণ্ডে : ধন্যবাদ। আপোনাৰ ফিজটো
লওক।

ডা. বৰুৱা : ধন্যবাদ।

ঠীক হৈছে। কেবল অজীৰ্ণ হৈছে।
আপকো পহলে কৰ্মী এচা হুআ
থা কয়া?

শ্ৰীমান পাণ্ডে : পিচলে সাল, একবাৰ হুআ
থা। এচা হী ঠীক হো গয়া থা।
দেখিএ ইস উংলী মেন্ ঘাব হো
গয়া হৈছে।

ডা. বৰুআ : ঘাব কৈচে হো গয়া?

শ্ৰীমান পাণ্ডে : ব্লেড সে কট গয়া থা।

ডা. বৰুআ : থোড়া সেপ্টিক-সা হো গয়া হৈছে।
কোই বাত নহী, মেন্ দবাঈ
লিখ দী হৈছে।

শ্ৰীমান পাণ্ডে : ধন্যবাদ। যহ লীজিএ আপকী
ফীস।

ডা. বৰুআ : ধন্যবাদ।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ
আকৌ

হিন্দি অর্থ
ফিৰ

কালি

মাছ

মাংস

ঘু ঘুাম্প

শৌচ

পেচাব

আগৰাতি

পাতল

কেরল

বিষাম্প আছে

কিবা

শুম্প দিয়ক

দীঘল

উশাহ

হাত

বক্তচাপ

অজীর্ণ

আগতে

কেতিয়াবা

এনেকুরা

যোরা বছর

নিজে নিজে

আঙুলি

ঘাঁ

কল (বীতা हुआ)

मछली

मांस

गुड़ गुड़ कर

टट्टी

पेशाब

रातका पहला भाग

पतला

केवल

पीड़ा, दर्द हो रहा है

क्या

लेट जाइए

लंबी

सांस

हाथ

रक्तचाप

अजीर्ण

पहले

कभी

ऐसा

पीछले साल

अपने आप

उंगली

घाव

कट गया

कॉहिल	अल्प, थोड़ा
अलप	जैसा
निचिना	कोई
कोनो	दवाई
औषध	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) मम्प एदिन चिबियाखानाँले गलौं।

→ मम्प एदिन चिबियाखानाँले गैछिलौं।

1. मम्प म्पयाँले आहिलौं।
2. मम्प कामटौ करिलौं।
3. मम्प आजि बहूत खालौं।
4. आमि गछ जोपा काँलौं।
5. मम्प कितापखन दिलौं।

(ख) तेऊँ चिठिखन लिखिले।

→ तेऊँ चिठिखन लिखिछिले।

1. तेऊँ कितापखन दिले।
2. तेऊँर हातखन काँले।
3. तेऊँलोकै भात खाले।
4. योरा राति खुब बरषुण ह'ल।
5. तेऊँ कामटौ करिले।

II. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

बेछि

दीघल

पिछ

बहुत

अलप

III. सही जोड़े बनाइए।

পে	জন
কিতাপ	গৰাকী
মানুহ	জনী
ছোৱালী	টো
মহিলা	খন

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. যোৱা ৰাতি মি. পাণ্ডে কেনি গৈছিল?
2. মি. পাণ্ডেয়ে কি কি খাম্পছিল?
3. পাণ্ডেৰ আচলতে কি অসুখ হৈছে?
4. পাণ্ডেৰ ৰক্তচাপ ঠিক আছেনে?
5. পাণ্ডেৰ হাতত কেনেকৈ ঘাঁ হৈছিল?

V. वाक्य बनाइए :

আগত	আগতে
চালে	দেখিলে

किहवाँस्प	किहे
केतियावा	केतियाँ
आछिलौं	थाकिलौं

VI. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

बेछि

दीघल

बहृत

उथ

डाल

पढ़िए और समझिए।

बतब

सेम्पदिना राति आकाशत मेघे गाजिछिल, माजे माजे बिजुली टेबेकनिओ मारिछिल। तेतियाँले मिचेच बरुराब भात हैछिल। तेँ सकलोकें मातिछिल। दीपा आरु बीता आहिछिल। किन्तु बातुल अहा नाछिल। माके आकौ मातिछिल, ‘बातुल, बेगेते आह।’ बातुल आहिछिल। माके सुधिछिल -- ‘तम्प कि करि आछिलि? स्पमान देबि किय अहा नाछिलि?’ ‘मम्प पढ़ि आछिलौं’ - बातुले कले। ताब पाछत सि भितबत बहिछिल। हठाँ जोबेबे बरघुण दिछिल। लगे लगे मिचेच बरुराँस्प दुराब थिबिकिबोब बन्न करि दिछिल। एनेते घन घन कै घरब कलिं बेल बाजिछिल। मिचेच बरुराँस्प दुराब खुलिछिल। मि. बरुरा बाहिबत बै आछिल। मिचेच बरुराँस्प सुधिछिल -- ‘तुमि स्पमान देबी क’त आछिला?’ बरुराँस्प लाहेकै कैछिल -- ‘मम्प

দত্তৰ ঘৰত আছিলোঁ’। মিচেচ বৰুৱাম্প কৈছিল -- ‘এতিয়া আহা, কাপোৰ সলোৱা
আৰু ভাত খোৱাহি।’

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
সেম্প দিনা	उस दिन
ৰাতি	रात
আকাশত	आकाश में
মাজে মাজে	बीच बीच में
মেঘ	बादल
বিজুলী	बिजली
ঢেৰেকনি	कौंध, गड़गड़ाहट
সকলোৱে	सभी को
বেগেতে	जल्दी
সুখিছিল	पूछा था
অহা নাছিল	आया नहीं था
বহিছিল	बैठा था
হঠাৎ	अचानक
লগে লগে	साथ साथ में
পাছত	पीछे
দুৱাৰ	द्वार
খিৰিকি	खिड़की
ঘন ঘনকৈ	बार बार
বাজিছিল	बजा था

দেৰি	বিলম্ব
সলোৱা	বদলনা
খোৱাহি	আকৰ খাও

অভ্যাস

I. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ :

1. মিচেচ বৰুৱাৰ ল'ৰা ছোৱালী কেম্পা?
2. ৰাতুল কিয় অহা নাছিল?
3. কেনেকুৱা বৰষুণ হৈছিল?
4. মি. বৰুৱা স্পমান দেৰীলৈ ক'ত আছিল?
5. মিচেচ বৰুৱাৰ তেতিয়া ভাত হৈছিল নে?

II. পাঠ কে আধাৰ পৰ ৰিক্ত স্থানোঁ কী পূৰ্তি কৰ বাক্য বনাড়ু।

1. আকাশত মেঘে _____ ।
2. মাজে মাজে বিজুলী _____ মাৰিছিল।
3. তেওঁ দীপা, ৰীতা আৰু ৰাতুল _____ মাতিছিল।
4. মাকে সুধিলে 'তম্প স্পমান _____ কি কৰিছিলি।'
5. মিচেচ বৰুৱাস্প দুৱাৰ _____ বন্ধ কৰিছিল।
6. মিচেচ বৰুৱাস্প কলে -- 'আঁহা কাপোৰ _____ ।'

III. বিলোম শব্দ লিখিএ।

ওপৰ, নতুন, আগে, স্পয়াত, ছুঁ, ওখ, বেয়া

II. হিন্দি মেন্ অনুবাদ কীজিএ :

মৰ্প কালি কামাখ্যা মন্দিৰলৈ গৈছিলোঁ। মোৰ লগত বন্ধু বলীনো গৈছিল। আমি মন্দিৰত পূজা কৰিছিলোঁ। তাৰ পাছত আমি নামি আহিছিলোঁ। আহোঁতে অলপ অলপ বৰষুণ পৰিছিল। আমি গধূলি ঘৰ পাম্পছিলোঁ। মায়ে সুধিছিল -- ‘কিয়ম্পমান দেৰি হল?’ আমি কৈছিলোঁ -- ‘বীত বৰষুণ আহিছিল।’

IV. অসমিয়া মেন অনুবাদ কীজিএ :

मैं कल अपने दोस्त के घर गया था। दोस्त के घर भोज का आयोजन था। भोज में बढ़िया चीज़ें पेश की गईं। खाने में पूड़ी-कचौड़ी के साथ दोसा भी था। दाल-भात के साथ हलवा भी था। रसगुल्ले के साथ मालपुआ भी था। मैं कुछ ज़्यादा ही खा गया। नतीजा हुआ पेट की गड़बड़ी। डॉक्टर ने दो दिनों तक कुछ न खाने की हिदायत दी। आराम करने के लिए मैंने एक दिन की छुट्टी भी ली।

टिप्पणियाँ

1. पूर्णभूत कालर क्रिया (पूर्ण-भूत काल की क्रिया) : धातुके साथ {-म्पछ्+म्पल्} जोड़ कर पूर्ण-भूत काल का गठन किया जाता है। इसी ढंग से गठित धातु के साथ उत्तम पुरुष में {-उँ}

(-ओं), मध्यम पुरुष तुच्छार्थ और समानार्थ में क्रमशः {-म्प} (-इ), {-आ} (-आ) जोड़ा जाता है। लेकिन मध्यम पुरुष मान्यार्थ और अन्यपुरुष में {-Ø} कोई पुरुष विभक्ति नहीं लगती। इस में सकर्मक और अकर्मक का कोई भेद नहीं होता। जैसे --

मम्प कब + -म्पछ् + -म्पल् + -उँ = कबिछिलोँ

आपुनि था + -म्पछ् + -म्पल् + -Ø = थाम्पछिल

बबषुण ह + -म्पछ् + -म्पल् + -Ø = हैछिल

1. बाक्यर आर्शिब विषये (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में पूर्ण-भूत काल की क्रिया का प्रयोग बताया गया है।

অৱসৰ পোৱাৰ পিচত

सेवा निवृत्ति के बाद

মি. গুপ্তা : নমস্কাৰ শম্পকীয়া দেৱ।
আপোনাক আজি কালি দেখা
নাপাওঁ।

মি. শম্পকীয়া : যোৱা জানুৱাৰীত মম্প
অৱসৰ পালোঁ। কাজেম্প বেছি
সময় ঘৰতে থাকোঁ। মাজে
মাজে অবশ্যে দিছপুৰলৈ তাঁত
বাতি কৰি থাকিব লাগে।

মি. গুপ্তা : কিয় বা?

মি. শম্পকীয়া : মোৰ পেঞ্চনৰ কামখিনি
হোৱাগৈ নাম্প। প্ৰথমতে
কেৰাণী, তাৰ পাছত বৰবাবুৰ
পিছে পিছে ঘূৰিব লাগে।
শেষত অফিছাৰ-কো সন্তুষ্ট
কৰিব লাগে। এম্পদৰে ভালে
কেম্পদিন হয়গৈ।

মি. গুপ্তা : আমাৰ পিছে এম্পটো চিন্তা
নাম্প। পেঞ্চন সময়মতেম্প হয়।

শ্ৰী গুপ্তা : নমস্কাৰ সঙ্কিয়া জী।
আপকো আজকল নহী দেখ পা
ৰহা হুঁ।

শ্ৰী সঙ্কিয়া : পিচ্চলী জনবৰী মেন্ মুঞ্জে সেবা
সে অবকাশ মিল গয়া হৈ।
ইসসে অধিক সময় ঘৰ মেন্ হী
ৰহতা হুঁ। बीच बीच में मुञ्जे
दिसपुर का चक्कर अवश्य
लगाना पड़ता है।

শ্ৰী গুপ্তা : ऐसा क्यों?

শ্ৰী সঙ্কিয়া : मेरा पेंशन का काम तो लटका
हुआ ही है। पहले क्लर्क, फिर
बड़े बाबू के पीछे-पीछे घूमना
पड़ता है। बाद में अफसरों को
खुश करना पड़ता है। इस
तरह चक्कर काटते-काटते
महीनों गुजर जाते हैं।

श्री गुप्ता : हमारे साथ इस तरह की
परेशानी नहीं है। पेंशन
के

कागज़ात समय पर तैयार
मिलते हैं।

मि. शम्पकीया : आपोनालोक चेष्टेलब
चाकबि-याल। तात
सेम्पटोरेम्प डाल। पिछे
आपुनि केतिया अरसब लब?

मि. गुप्ता : मम्प अहा जूनत अरसब
ल'म।

मि. शम्पकीया : हय नेकि? आपुनि चाँगे
निजब ठाम्पलै याब।

मि. गुप्ता : नहय, मम्प म्पयातेम्प
थाकिम। तेजपुरब ओचबते
मॉ दुकठा लैछें। अहा माहत
ताते घर आबस्तु करिब।
बाम्पवेबेलिलै आरु नायाँ।

मि. शम्पकीया : बब डाल कथा। निजब
ठाम्पनो आरु कि? गोटेम्प
डारतबर्षम्प आमाब निजब।
घरब काम कोने चोरा-चिता
करिब? आपुनि निजेम्प करिब
नेकि?

मि. गुप्ता : मोब खुलशालिजन अभियन्ता।
प्रथमते तेँ चोरा चिता
करिब। शेषत मयो योग दिम।
तलब महलात एखन गहनाब

श्री सङ्किया : आपलोग तो केन्द्रीय सरकार
के कर्मचारी हैं, न ! वहाँ ये
ही सुविधाएँ हैं। वैसे भी आप
कब सेवा निवृत्त हो रहे हैं?

श्री गुप्ता : अगले जून में मेरा भी
सेवा से अवकाश हो जाएगा।

श्री सङ्किया : ऐसा है? आप शायद अपने
स्थान पर रहने चले जाएँगे।

श्री गुप्ता : नहीं, मैं यहीं रहूँगा। तेजपुर
के पास करीब दो कट्ठा
जमीन ली है। अगले माह वहाँ
घर बनाना आरम्भ करूँगा।
अब मैं रायबरेली वापस नहीं
जाऊँगा।

श्री सङ्किया : बड़ी अच्छी बात है। अपना
स्थान क्या है? पूरा भारतवर्ष
ही हमारा अपना है। घर का
काम देख-रेख कौन करेगा?
आप खुद करेंगे क्या?

श्री गुप्ता : मेरे साले महोदय अभियन्ता
हैं। पहले वही देख-रेख करेंगे।
बाद में मैं भी साथ दूँगा।
नीचली मंजिल में एक गहने
की दुकान खोलूँगा।

श्री सङ्किया : मैं भी जनवरी के बाद एक
अंग्रेज़ी विद्यालय आरम्भ

দোকান খুলিম।

মি. শম্পকীয়া : আমিও জানুৱাৰীৰ পৰা
এখন স্পংৰাজী মাধ্যমৰ
বিদ্যালয় আৰম্ভ কৰিম। মোৰ
পত্নী প্রধান শিক্ষয়িত্ৰী হব। মম্প
বাহিৰৰ কাম- কাজখিনি চাম।

মি. গুপ্তা : ভালেম্প হব। আমি অৱসৰ
কালীন আমনি আৰু অনুভৱ
নকৰোঁ। ব্যস্ততাম্প অৱসৰ
জীৱন মধুময় কৰিব।

কৰুঁগা। মেৰী পত্নী
প্রধানাধ্যাপিকা হোঁগী। মঁ
बाहर का काम काज देखूँगा।

श्री गुप्ता : अच्छा रहेगा। हमें अवकाश
के खाली समय का अनुभव
नहीं होगा। व्यस्तता सेवा-
निवृत्त जीवन को मधुमय
बनाएगी।

शब्दार्थ

অসমিয়া শব্দ

আজি কালি

সময়

অৱসৰ

কাজেম্প

তাঁত বাতি

কামখিনি

প্রথমতে

কেৰাণী

বৰবাবু

हिंदी अर्थ

आजकल

समय

सेवा निवृत्ति

इसलिए

इधर से उधर चक्कर लगाना

ढेर सारे काम

पहले

क्लर्क

बड़े बाबू

পিছে পিছে	पीछे-पीछे
ঘূৰিৰ লাগে	घूमना पड़ता
শেষত	अंत में
সন্মুখে	संतुष्ट
ভালেকেম্পদিন	कई दिन
সময়মতে	समय पर
চিন্তা	चिन्ता, सोचना
চাটৈ	शायद
মোঁ	जमीन, भूमि
কঠা	कट्टा, भूमि का माप
গোটম্প	पूरा
নিজৰ	अपना
চোৱাচিতা	देख-रेख
গহনা	गहना
তলৰ	नीचली
মহলা	मंजिल
আৰম্ভ	आरम्भ
বাহিৰ	बाहर
আমনি	ऊब
বাস্ততা	व्यस्तता
মধুময়	मधुमय, मनोहर

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) मम्प घरलै याउँ।

—→ मम्प घरलै याम।

1. मम्प झूलत काम करौं।
2. मम्प झप्यात थारौं।
3. आपुनि निजै ठाम्पलै याय।
4. ल'बटोरै काम काज चाय।
5. झूलशालीयै झप्यात चारुबि करै।

(ख) मम्प घरत थारौं।

—→ मम्प घरत नाथारौं।

1. आपोनाक सदाय देखा पाउँ।
2. आमि आमनि अनुभर करौं।
3. मम्प बजारलै सदाय याउँ।
4. तेउँ घरत काम चोरारुचिता करै।
5. तेउँ पिछवेला दोकानलै याय।

II. 'क' स्तम्भ के शब्दों के साथ 'ख' स्तम्भ में दिए गए प्रत्ययों में से सही प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए:

'क'	'ख'
बाँझा	थन
दोकान	तै
गाम्प	कोछा
गरु	जनै
छाबि	तै

ডাল

III. কোষ্টক মেন্ দিএ গএ শব্দোঁ কে সহী ৰূপ প্ৰয়োগ কৰ বাক্য বনাওঁ।

1. মম্প আজিকালি বেছি সময় ঘৰতেম্প _____। (থাক)
2. মম্প অহা জানুৱাৰীত অৱসৰ _____। (লব)
3. মম্প অহা বছৰ এখন দোকান _____। (খোল)
4. আপুনি অহা মাহত নিজৰ ঠাম্পলৈ _____ নেকি? (যা)
5. তেওঁ অহা মাহত কাম আৰম্ভ _____। (কৰোঁ)

IV. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ :

1. মি. শম্পকীয়া আজিকালি কিয় বেছি সময় ঘৰতেম্প থাকে?
2. মি. গুপ্তা অৱসৰৰ পিচত নিজৰ ঠাম্পলৈ যাব নে?
3. মি. গুপ্তাম্প তলৰ মহলাত কি কৰিব?
4. মি. শম্পকীয়াৰ স্কুলৰ প্ৰধান শিক্ষয়িত্ৰী কোন হব?
5. তেওঁলোকৰ অৱসৰ জীৱন কিহে মধুময় কৰিব?
6. মি. গুপ্তাৰ মূল ঘৰ (জন্মস্থান) ক'ত?

V. উদাহৰণ কে অনুসৰ বাক্য বনাওঁ।

উদাহৰণ:

যোৱা মাহত জানুৱাৰী পালোঁ অৱসৰ মম্প

→ যোৱা জানুৱাৰী মাহত মম্প অৱসৰ পালোঁ।

1. নাম্প হোৱাগৈ কামখিনি মোৰ পেঞ্চনৰ
2. দুকঠা মাঁ লৈছোঁ ওচৰতে তেজপুৰৰ
3. নিজৰ ঠাম্প সমগ্ৰ আমাৰ ভাৰতবৰ্ষখনেম্প

4. বিদ্যালয় জানুৱাৰীৰ পৰা আমি অহা এখন আৰম্ভ স্পংৰাজী মাধ্যমৰ কৰিম
- VI. বিস্তাৰ সে উত্তৰ দীজিএ।

1. শম্পকীয়াৰ সমস্যা সম্পৰ্কে দু-আঘাৰ লিখা।
2. কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ চাকৰিয়ালৰ সুবিধা সম্পৰ্কে আলোচনা কৰা।
3. অৱসৰৰ পিছত মি. শম্পকীয়াস্প কি আঁচনি লৈছে?
4. অৱসৰৰ পিছত মি. গুণ্ডাম্প কি কৰিব বুলি ভাবিছে?

পঢ়িএ ঔৰ সমজিএ।

কলেজ দিৱস

ৰাতিপুৱা অতনুৱে মাকক সুধিলে -- “মা, তুমি আজি কেতিয়া কলেজলৈ যাবা?” মাকে ক’লে, “মম্প আজি অলপ দেৰীকৈ যাম।”

আজি অতনুৰ মাকৰ কলেজৰ ‘কলেজ দিৱস’। সেয়েহে আজি ল’ৰা ছোৱালীয়ে ক্লাচ নকৰে, অতনুৰ মাকহঁতেও ক্লাচ নলয়। আজি কলেজত খেল-ধেমালি, নাচ-গান আদিৰ নানান প্ৰতিযোগিতা হ’ব। তাৰে কিছুমানত অতনুৰ মাক বিচাৰক। আন কিছুমানত পৰিচালক। তেওঁ তাতেম্প খাব। আবেলি তেওঁ ঘৰলৈ গুচি নাহে। আবেলি তৰ্ক প্ৰতিযোগিতা আছে। মাত্ৰ গধূলি অলপ সময়ৰ বাবে ঘৰলৈ আহিব। সাজ-পোচাক সলনি কৰিব। তাৰ পাছত আকৌ যাব। গধূলি এখন বিচিত্ৰানুষ্ঠান আছে। সেম্পখন তেওঁ উদ্বোধন কৰিব। তেওঁক অতনুক গধূলিৰ বিচিত্ৰানুষ্ঠানলৈ লগত লৈ যাব। তেওঁ ছয় বজাত ঘৰলৈ আহিব। তেতিয়া অতনু ঘৰত সাজু হৈ থাকিব। তেওঁলোকে অটো বা বাছেৰে নাযায়। অতনুহঁতক দেউতাকে গাড়ীৰে তাত থব। তেওঁলোকে ৰাতি দেৰীকৈ উভতিব।

অতনু উল্লাসিত হ’ল। সি হাততালি মাৰিলে। মাকে তেতিয়া কলে -- “নাচিব নালাগে, ঘৰত দেউতাৰাও নাম্প। যা, মোৰ কাৰণে এখন অটো আন। বহুত দেৰি হ’ল।”

অতনু তিনি আলিলৈ দৌৰ মাৰিলে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
অলপ	थोड़ा सा
ক্লাছ	क्लास
নকৰে	नहीं करेंगे
নলয়	नहीं लेगा
নানান	विभिन्न
প্রতিযোগিতা	प्रतियोगिता
তাৰে	उसमें से
কিছুমানত	किसी किसी में
বিচাৰক	विचारक
আন	अन्य, दूसरा
দুপৰীয়া	दोपहर
আশাৰ	खाना
আবেলি	शामको
গুছি	चले
সাজ-পোচাক	वेशभूषा
বিচিত্রানুষ্ঠান	विचित्रानुष्ठान/विविधा
উদ্বোধন	उद्बोधन
লগত	साथमें
সাজু	तैयार
দেউতাক	(उसकी) पिताजी
থব	रख आएगा
	ताली

ହାତତାଳି	ନାଚେଁଗେ
ନାଚିବ	ଲାଓ
ଆନ	ତିରାହା ତକ
ତିନିଆନିଲେ	

ଅଭ୍ୟାସ

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ଲ'ବା ଛୋରାଲୀୟେ କ୍ଲାଛ କିୟ ନକରେ?
2. ଅତନୁର ମାକେ ଦୁପବୀୟା ଆହାର କ'ତ ଥାବ?
3. ତର୍କ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କେତିୟା ହବ?
4. ଅତନୁର ମାକ କଲେଜଲେ ଆବେଲି କିହେବେ ଯାବ?
5. ବିଚିତ୍ରାନୁଷ୍ଠାନକ୍ଷନ କୋନେ ଉଦ୍ଘୋଧନ କବିବ?

II. हिन्दी में अर्थ बताइए।

ଦେବୀକୈ
 ବିଚାରକ
 ଖୁଛି
 ବିଚିତ୍ରାନୁଷ୍ଠାନ
 ମାଜୁ

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

दिछपुब असमब बाजधानी। आमि एबाब गुवाहाटील याम। तात थका कामाथा मन्दिर
 चाम। ब्रह्मपुत्रब वुकुत थका उमानन्दउ चाम। उमानन्द पृथिवीब भितरते ओम्पतकै झुद्र
 नदी- द्वीप।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं कल तेजपुर जाऊँगा। मेरे साथ मेरा छोटा भाई जाएगा। हम ब्रह्मपुत्र में नहाएँगे।
 ब्रह्मपुत्र में नौका-विहार भी करेंगे। बड़ा मज़ा आएगा। वहाँ से हम तवाँग भी जाएँगे। तवाँग
 हम बस से जाएँगे। तवाँग स्वीट्जरलैंड की तरह सुंदर है।

V. आप गर्मी की छुट्टियों में किसी दर्शनीय स्थान की सैर पर जा रहे हैं। इस बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. भविष्य कालब प्रत्यय (भविष्य काल के प्रत्यय) : असमिया भाषा में भविष्य काल के दो प्रत्यय हैं। उत्तम पुरुष में ‘-अम’ (-इम) / ‘-म’ (-म) तथा मध्यम और अन्य पुरुष में ‘-अव’ (-इब) / ‘-व’ (-ब) लगाया जाता है। व्यंजनांत शब्दों के साथ ‘-अम’ (-इम) और ‘-अव’ (-इब) तथा स्वरांत शब्दों के साथ ‘-म’ (-म) और ‘-व’ (-ब) लगाया जाता है।
2. पुरुष विभक्ति (पुरुष विभक्ति) : भविष्य काल में सर्वनाम पदों के विभिन्न पुरुष रूपों में लगनेवाली विभक्तियों की सारणी नीचे दी जा रही है --

उत्तम पुरुष :-

-Ø (शून्य), कुछ नहीं लगता।

मध्यम पुरुष :

तुच्छार्थ ‘-अ’ (-इ)

बड़ा बड़ी ‘-आ’ (-आ)

आदरार्थ 'अ' (-अ)

अन्य पुरुष :

आदरार्थ 'अ' (-अ)

ऊपर दिए गए प्रत्यय जोड़ने से क्रिया के रूप इस प्रकार बनते हैं --

मम्प खुल + -म्पम + -Ø > खुलिम

मम्प था + -म + -Ø > थाम

तम्प आन + -म्पद + -म्प > आनिदि

आपुनि या + -द् + -अ > याद

तेउँ पढ़ + -म्पद् + -अ > पढ़िद

3. नो (नो) : प्रश्नवाची वाक्यों में किसी शब्द के ऊपर विशेष बल देने के लिए उसके साथ 'नो' (नो) जोड़ा जाता है। जैसे --

(क) तेउँनो कि जाने?

(ख) तेउँ किनो जाने?

‘क’ में बल ‘मम्प’ के ऊपर है और ‘ख’ में बल ‘कि’ के ऊपर है।

4. भविष्य काल नेतिवाचक रूप (भविष्य काल का नेतिवाचक रूप) : असमिया में साधारण भविष्य काल की क्रिया का नेतिवाचक रूप बनाने के लिए सामान्य वर्तमान काल का नेतिवाचक रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

मम्प याम > मम्प नायाउँ।

आमि कबिम > आमि नकबौँ।

तेउँ आहिद > तेउँ नाहे।

लेकिन विशेष बल देने के लिए उक्त रूपों का प्रयोग नहीं हो सकता है। तब भविष्य काल की क्रिया के आगे नेतिवाचक 'न-' उपसर्ग लगता है। जैसे --

মঙ্গ নকৰিম নে? (मैं नहीं करूँगा क्या?) इसका अर्थ होता है -- मঙ্গ कबिमेम
(मैं अवश्य करूँगा)।

উদ্যোগ

उद्योग

লীলা : বাম্পদেউ যে! কিবা কামত
আহিছে?

মিচেচ পাণ্ডে: ছোৱালীজনীয়ে চুলি কোঁবি।
তুমি স্পয়াত কি কৰি আছা?

লীলা : বাম্পদেউ, এস্পখন বিউঁ
পাৰ্লাৰ ময়ে খুলিছোঁ। বয়-বস্তুৰ
দাম দিনক দিনে বাঢ়ি গৈ
আছে। ল'ৰা-ছোৱালী লাহে
লাহে ডাঙৰ হৈছে। ঘৰৰ
খৰছো বাঢ়ি আহিছে। এজনৰ
উপাৰ্জনেৰে আৰু ঘৰ নচলে।

মিচেচ পাণ্ডে: ভালেকৈ কৰিছা। কাম কৰি
খোৱাত লাজ নাস্প। শ্ৰমৰ
মৰ্যাদা সদায় আছে। আমিও
এখন গহনাৰ দোকান খুলিব
খুজিছোঁ। স্পমান দিনে চকু
মুদি আছিলোঁ। এতিয়া মেল
থাম্পছে।

লীলা : দীদী, কয়া কিসী কাম সে
আই হৈঁ?

শ্ৰীমতী পাণ্ডে : লড়কী কে বাল কটবনা হৈ।
তুম যहाँ क्या कर रही हो?

লীলা : দীদী, यह ब्यूटी पार्लर मैंने ही
खोला है। चीज़ों के दाम दिन-
ब-दिन बढ़ रहे हैं। बच्चे बड़े
हो गए हैं। घर का खर्च भी
बढ़ गया है। एक ही आदमी
की कमाई से अब घर नहीं
चल सकता।

श्रीमती पाण्डे : अच्छा ही किया है। काम
करके खाने में (कोई) लज्जा
नहीं होनी चाहिए। श्रम का
सम्मान सदैव होता है। मैं भी
एक गहनों की दुकान खोलना
चाह रही हूँ। इतने दिनों तक
हमारी आँखें बंद थीं। अब
खुल गई हैं।

লীলা : কৰক, কৰক, আমি প্ৰেৰণা

লীলা : कीजिए, कीजिए। हमें भी
प्रेरणा मिलेगी।

পাম।

মিচেচ পাণ্ডে: এৰা, জীৱন দুৰ্বিসহ হৈ
আহিছে। গাখীৰ দহঁকাত লৈ
আছিলোঁ। হঠাৎ চৌধ্য ণ্কা
হ'ল। বহৰ দাম্পল চৌবিশ
ণ্কাত লৈ আছিলোঁ। এতিয়া
বত্ৰিছ ণ্কা হ'ল। ঘৰ ভাৰা
ডেৰহেজাৰ দি আছিলোঁ। এম্প
মাহৰ পৰা আট্টে হেজাৰ
কৰিলে।

লীলা : আপোনালোকে বোধ হয়
স্পয়াত ঘৰ সজাম্প আছে?

মিচেচ পাণ্ডে: এৰা, কিন্তু কাম বহুত বাকী।
অহা মাহত নিজৰ ঘৰলৈ যাম।
বাকী কাম হৈ থাকিব।

লীলা : ঘৰ লোৱালৈ আমাকো মাতিব
আকৌ।

মিচেচ পাণ্ডে: নিশ্চয় মাতিম। তোমালোক
আহিবা কিন্তু। ... বাকু এতিয়া
পম্পচাখিনি লোৱা। যাওঁ দেম্প।

লীলা : ভাল বাকু। বাম্পদেউ,
আপোনাৰে দোকান। আহি
থাকিব কিন্তু।

শ্রীমতী পাণ্ডে : অৱে জীনা মুশকিল হো গয়া
হৈ। দুধ দস ৰুপয়ে মেন্ লেতী
থী, অব চৌদহ ৰুপয়ে হো গয়া
হৈ। অৱহৰ দাল চৌবীস ৰুপয়ে
মেন্ লেতী থী। অব বত্ৰীস
ৰুপয়ে হৈ। ঘৰ কা ভাড়া ডেড়
হজাৰ দে ৱহী থী। ইস মাহ সে
অড়াই হজাৰ কৰ দিয়া হৈ।

লীলা : লগতা হৈ আপনে अपना घर
বনা ৱহে হেন্।

শ্রীমতী পাণ্ডে : হাঁ, কিন্তু কাম কাফী বাকী
হৈ। অগলে মহীনে अपने घर में
चले जाएँगे। बाकी काम होता
रहेगा।

লীলা : गृह प्रवेश के समय हमें भी
ज़रूर बुलाना।

শ্রীমতী পাণ্ডে : जरूर बुलाऊंगी। तुम भी
जरूर आना। ... ये लो, पैसे
ले लो। अब मैं चलती हूँ।

লীলা : जी ठीक है। किन्तु दीदी
दुकान आपकी ही है। आते
रहिँगा।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
छुलि	बाल
दिनकदिने	दिन-ब-दिन
बाढ़ि	बढ़ रहा है
दाम	दाम
खबच	खर्च
उपार्जन	कमाई
लाज	लाज
श्रम	श्रम
मर्यादा	सम्मान
चकु मुदि	आँखें बंद करके
मेल थाप्पछे	खुल गया
प्रेरणा	प्रेरणा
दुर्विग्रह	बहुत भारी
गाथीब	दूध
का	रुपया
इठाँ	अचानक
बहब दाम्पल	अरहर की दाल
चोबिंश	चौबीस
बत्रिछ	बत्तीस
घब भाबा	घर का किराया
डेब हेजाब	डेढ़ हज़ार
आटे हेजाब	अढ़ाई हज़ार
	लगता है

বোধহয়	বনা रहे हैं
সজাম্প আছে	हाँ
এৰা	बाकी
বাকী	गृहप्रवेश
ঘৰলোৱা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) तুমि म्पयात कि कबिछा?

→ तুমि म्पयात कि कबि आछा?

1. बसुब दाम खुब बाटिछे।
2. चकु मेल थाम्पछे।
3. मम्प बसुटो किनिछे।
4. आपुनि बल्लत कथा कैछे।
5. तम्प कि पटिछ?

(ख) मम्प भात थाम्पछिलौ।

→ मम्प भात थाम्प आछिलौ।

1. तুমि कि कबिछिला?
2. आपुनि कलै गैछिल?
3. तम्प कि लिखिछिलि?
4. सि दुराबखन खुलिछिल।
5. आमि गाथीर छँकत लैछिलौ।

(ग) मम्प काम्पलै म्पमान समयत तेजपुरलै याम।

→ मम्प काम्पलै म्पमान समयत तेजपुरलै गै थाकिम।

1. मम्प कामटो लाहे लाहे करिम।

2. তুমি চুলি পিছত কাঁৰি।
3. বাকী কাম নিজে নিজে হব।
4. আপুনি মোক পম্পছাখিনি মাহে মাহে দিব।
5. তম্প মাজে সময়ে চিঠি দিবি।

II. कोष्ठक में दो शब्द दिए गए हैं। उनमें से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. এজনৰ ----- ঘৰ নচলে। (উপার্জনেৰে, উপার্জনত)
2. আমি এখন দোকান ----- খুজিছোঁ। (খুলিব, খুলিবলৈ)
3. মোৰ ----- চুলি কাঁৰি। (ছোৱালীজনীয়ে, ছোৱালীজনী)
4. আমাৰ ----- আহিবা। (ঘৰ লোৱাত, ঘৰ লোৱালৈ)
5. অহা মাহত নিজৰ ----- যাম। (ঘৰলৈ, ঘৰত)

III. प्रत्येक स्तम्भ से एक एक शब्द चुनकर सही जोड़ी बनाइए।

ল'ৰা	কাজ
কা	চিতা
কাম	ছোৱালী
চোৱা	বস্তু
বয়	পম্পচা

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. মিচেচ পাণ্ডেপ লীলাক ক'ত লগ পাম্পছিল?
2. লীলা তালৈ কিয় আহিছিল?

3. মিচেচ পাণ্ডেইতে কিহৰ দোকান খুলিব খুজিছে?
4. আগতে গাখীৰৰ দাম কিমান আছিল?
5. মিচেচ পাণ্ডে কেতিয়া নিজৰ ঘৰলৈ যাব?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দাম আছে বাঢ়ি গৈ দিনকদিনে বয়-বস্তুৰ
বয়-বস্তুৰ দাম দিনকদিনে বাঢ়ি গৈ আছে।

1. দোকান গহণাৰ খুজিছোঁ আমি এখন খুলিব
2. জোৰেৰে আছিল প্ৰথমতে নাও বাম্প নাৱৰীয়াটোৱে
3. আছিলোঁ চাম্প তেতিয়া পাহাৰৰ মম্প ফালে
4. নাৱেৰে এদিন দেউতাৰ লগত উমানন্দলৈ গৈ আছিলোঁ।

पढ़िए और समझिए।

আম্পতাৰ কথা

চোতালৰ পৰা নাতিয়েকে আম্পতাকক মাতি আছিল। আম্পতাকে ৰান্ধনি ঘৰত ভাত ৰান্ধি আছিল। তেওঁ নাতিয়েকৰ মাত শুনা নাছিল। নাতিয়েক নিজেম্প পাকঘৰলৈ সোমাম্প গৈছিল। সি আম্পতাকক কৈছিল, ‘আম্পতা, ঐ সাধু কোৱা না....।’

আম্পতাকে কৈছিল, “অলপ ৰ। মম্প ভাতখিনি নমাম্প থওঁ।” অলপ পিছত আম্পতাক ওলাম্প আহিছিল। চোতালত চাৰি এখনও বহি লৈছিল। নাতিয়েক কাষত বহিছিল। আম্পতাকে কৈছিল, “আজি মোৰ ল’ৰালিৰ সঁচা কথাকে ঐ কওঁ। মনোযোগাদি শুন। মম্প তেতিয়া সৰু ছোৱালী আছিলোঁ। এদিন দেউতাৰ লগত গুৱাহাটীৰ পৰা উমানন্দলৈ নাৱেৰে গৈ আছিলোঁ।”

নাতিয়েকে সুধিছিল, “কিয় ফেৰীৰে যোৱা নাছিল? নাৱত যাওঁতে ভয় লগা নাছিল?” আম্পতাকে কৈ গৈছিল, ‘সেম্প সময়ত ফেৰী চলাম্প নাছিল। অ শুন -- নাৱৰীয়াটোৱে প্ৰথমতে

নাও জোৰেৰে বাষ্প আছিল। তেতিয়া লাহে লাহে বতাহ মাৰি আছিল। পাছত জোৰেৰে বতাহ মাৰিছিল। তেতিয়া সি খৰকৈ বঠা মাৰিব খুজিছিল, কিন্তু পৰা নাছিল। অলপ আগত ঐ চাকনৈয়া আছিল। নাওখন চাকনৈয়াত পৰি ঘূৰিব ধৰিছিল। মস্প তেতিয়া ভয়তে দেউতাৰ হাতত ধৰি আছিলোঁ। তেনেতে সকলোৱে চিঞৰি উঠিছিল।’

‘নাৱৰীয়াটো কিন্তু বিতত হোৱা নাছিল। সি বৰ কষ্টেৰে নাওখন চাকনৈয়াৰ বাহিৰলৈ আনিছিল। আমি স্বস্তিৰ নিশ্বাস পেলাম্পছিলাঁ। নাতিয়েকে কৈছিল, “তোমালোকে ভাল সাৰিলা। তোমালোকনো কিয় বাৰিষা নাৱেৰে গৈছিলো? খৰালি যাব লাগিছিল।”

আম্পতাকে কৈছিল, “গ’ল কথা শুচিল। যা, এতিয়া ভাত খাটগৈ।”

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
চোতাল	আংন
আম্পতা	দাদী
মাতি আছিল	বুলা रहा था
ৰান্ধনি ঘৰত	रसोई घर में
ৰান্ধি	खाना पकाना
ভাত	भात
নাতি	नाति
চাৰি	दरी
ল’ৰালি	बचपन
সঁচা	सत्य
কাহিনী	कहानी
মনোযোগ	मनोयोग

তেতিয়া	तब
নারত	नाव से
গৈ আছিলোঁ	जा रही थी
ফেৰী	फेरी
নারৰীয়া	केवट / नाविक
বাম্প আছিল	खे रहा था
লাহে লাহে	धीरे धीरे
খৰকৈ	तेज़ी से
দুৰ্ঘনা	दुर्घटना
ঘালি	घट गई
চাকনৈয়া	भँवर
বিতত	डर के मारे अस्थिर
স্বস্তিৰ নিশ্বাস	जान बच जाने का आनंद
বাৰিষা	वर्षाकाल
খৰালি	सूखा

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. नातियेके आम्पताकक कि अनुबोध करिछिल?
2. आम्पताक नारेबे क'ले गैछिल?
3. नाउखन क'त डुबिब खुजिछिल?
4. नारबीयाटारे प्रथमते बठा केनेकै मारिछिल?
5. आम्पताके डयते कि करिछिल?

II. विलोम शब्द बनाइए।

সঁচা

জোৰেৰে

খৰকৈ

দূৰ

কান্দে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং অসমৰ এখন স্বাস্থ্যকৰ ঠাম্প। গুৱাহাটীৰ পৰা স্পয়ালৈ ৰেলেৰে যাব পাৰি।
প্ৰায় পোন্ধৰোমান সুৰংগৰ তলেৰে ৰেল পাৰ হৈ যায়। এম্প ৰেলৰ যাত্ৰা বৰ
আনন্দদায়ক। হাফলঙৰ ওপৰত বহুত কবিতা লিখা হৈছে। কালিলৈ তোমালোকক
মম্প ঐ কবিতা শুনাম।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

एक सौदागर था। वह व्यापार करने निकला। उसने डिब्रूगढ़ जाने के लिए किराये
पर एक नाव ली। अचानक ब्रह्मपुत्र में बाढ़ आ गई। सौदागर तो बच गया लेकिन
उसका सारा माल बह गया। वह बड़ा उदास था। एक आदमी ने कहा -- जान बची
और लाखों पाए, लौटकर बुद्धू घर को आए।

V. ‘मैं भी ब्यूटी पार्लर खोलूंगी’ पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. -जनी (-जनी) : यह स्त्रीलिंग वाचक प्रत्यय है। पुलिंग में जहाँ ‘-जन’ (-जन) होता है वहाँ स्त्रीलिंग में ‘-जनी’ (-जनी) होता है।

2. अपूर्ण भूतकाल : अपूर्ण भूतकाल की क्रिया बनाने के लिए मुख्य धातु के साथ ‘-ञ्’ (-इ) जोड़ा जाता है और इसके बाद ‘आइ’ (आस) धातु का साधारण भूतकाल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

मञ् कब + -ञ् आछिलौं > कबि आछिलौं।

तुमि ल + -ञ् आछिला > लै आछिला।

मि मुद + -ञ् आछिल > मुदि आछिल।

3. अपूर्ण भविष्य : अपूर्ण भविष्य काल की क्रिया बनाने के लिए धातु के साथ ‘-ञ्’ (-इ) जोड़ा जाता है और बाद में ‘थाक’ (थाक) धातु का साधारण भविष्य काल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

काम ह + -ञ् > है थाकिब।

आपुनि आह + -ञ् > आहि थाकिब।

मञ् था + -ञ् > थाम्प थाकिम।

4. क्रिया वाचक विशेष (क्रिया वाचक संज्ञा) : धातु में ‘-आ’ (-आ) जोड़कर क्रिया वाचक संज्ञा बनाई जाती है। आकारान्त और उकारान्त धातुके साथ यह ‘-उआ’ (-ओवा) के रूप में, और इकारान्त धातु के साथ ‘-या’ (-या) रूप में जोड़ा जाता है। जैसे --

या + -आ > योआ

था + -आ > थोआ

कब + -आ > कबा

5. निमित्तार्थक क्रिया (क्रियार्थ क्रिया) : असमिया में क्रियार्थ क्रिया अंग्रेज़ी जैसी दो प्रकार की होती है। पहला प्रकार होता है साधारण निमित्तार्थक। दूसरे में केवल धातु में ‘-ञ्’ (-इ) लगाया जाता है और बाद में सहायक धातु का उचित काल और पुरुष का रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

मञ् + थोल + -ञ् > थुलिब थुजिछौं।

तेउं + पढ़ + -ञ् > पढ़िब थुजिछे।

तुमि + या + -ब > याब पाबिबा।

7. बाकाब आहिब बिषय (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में अपूर्ण भूतकाल की क्रिया और सामान्य कालकी क्रिया वाले वाक्योंका प्रयोग किया गया है।

পাঠ 12 পাঠ

মহাভাৰতৰ পম খেদি

महाभारत के बारे में बातचीत

মোমায়েক : ম'পনাহঁত, তোমালোকে 'ি. ভি.
চাম্প আছা নেকি?

ভাগিনহঁত : মোমাম্পদেউ, আহক আহক।

মোমায়েক : তোমালোকে 'ি. ভি. কেতিয়া
ল'লা?

ভাগিনহঁত : তিনি বছৰমান হল আৰু।
নিজৰ 'ি. ভি.ত মহাভাৰত
ধাৰাৱাহিক চালোঁ। অৱশ্যে
লোকৰ 'ি. ভি.ত মাজে মাজে
ৰামায়ণ চাম্পছিলোঁ।
মোমাম্পদেউ আপুনি যে
অকলে আহিল! লীনাহঁতক
নানিলে?

মোমায়েক : পৰহি সিহঁত ভিনিহিয়েকৰ ঘৰ
পালেগৈ। অহা পূজাৰ বন্ধত
স্পয়ালৈ আহিব। বাৰু
কোৱাচোন, তোমালোকে তো
মহাভাৰত চাম্পছা; স্পয়াৰ
আম্পতকৈ ডাঙৰ

মামাজী : প্যারে বচ্চো, क्या तुम टी. वी. देख
रहो?

भांजे : हाँ मामाजी! आइए, आइए।

मामाजी : तुम लोगों ने टी. वी. कब लिया?

भांजे : लगभग तीन साल पहले। अपने
टी. वी. पर महाभारत धारावाहिक
देख रहे हैं। रामायण जरूर दूसरों
के टी. वी. पर देखते थे। मामाजी
आप अकेले ही आए हैं क्या?
लीला और मामी को नहीं लाए
क्या?

मामाजी : वे परसों अपनी दीदी के घर चले
गये हैं। वे अगली पूजा की छट्टियों
में यहाँ आएँगे। अच्छा बताओ,
महाभारत तो तुमने देखा; उसका
सबसे बड़ा वीर पुरुष कौन है?

वीर कोन आছিল?

दीपक : মোৰ মতে কৰ্ণ আছিল
আম্পতকৈ ডাঙৰ বীৰ। কিন্তু
অদৃষ্টে তেওঁক নানা ধৰণে
চলনা কৰিছিল। ফলত কৰ্ণৰ
পৰাজয় হৈছিল।

মোমায়েক : আৰু অৰ্জুন?

দীপালি : অৰ্জুনৰ নিজৰ সামৰ্থ সীমিত
আছিল। কৃষ্ণ আছিল অৰ্জুনৰ
শক্তি। কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুনে
একো কৰিব নোৱাৰিছিল।

মোমায়েক : বাঃ, বঢ়িয়া সমালোচনা কৰিছা।

দীপালি : দুর্যোধন আছিল খাঁ
ভিলেম্পন। তেওঁ পাণ্ডৱক
হিংসা কৰিছিল। সেম্প কথা
লুকাম্প ৰখা নাছিল। তেওঁ
শেষ পৰ্যন্ত তেওঁৰ দস্ত ত্যাগ
কৰা নাছিল।

দীপক : কৌৰৱে আগতে অন্যায়
কৰিছিল সঁচা। কিন্তু অভিমন্যু
বধৰ পাছত একো অন্যায় কৰা
নাছিল। পাণ্ডৱেহে কৰিছিল।

মোমায়েক : অহা পৰহিৰ পৰা হেনো ি.

দীপক : मुझे लगता है सबसे बड़ा वीर
कर्ण। किन्तु नियति ने उसके साथ
खिलवाड़ किया। फलस्वरूप कर्ण
पराजित हुआ।

मामाजी : और अर्जुन?

दीपाली : अर्जुन की शक्ति सीमित थी। कृष्ण
ही थे अर्जुन की शक्ति। कृष्ण नहीं
होते तो अर्जुन कुछ करने में भी
समर्थ नहीं थे।

मामाजी : वाह! बढ़िया बात कही।

दीपाली : दुर्योधन था पूरा खलनायक।
उसकी पांडवों के प्रति हिंसा की
प्रवृत्ति थी। यह बात उसने छिपाई
भी नहीं। अंत तक उसने अपना
दंभ नहीं छोड़ा।

दीपक : सच में कौरवों ने पहले अन्याय
किया था, पर अभिमन्यु वध के
बाद उन्होंने अन्याय नहीं किया।
बाद में अन्याय पांडवों ने ही किया
था।

मामाजी : सुना है -- (अगले) परसों से
'श्रीकृष्ण' टी. वी. में
दिखाएँगे।

ভি.ত ‘শ্রীকৃষ্ণ’
দেখুৱাব।

वह भी बड़ा अच्छा धारावाहिक
होगा। तुम लोग ज़रूर देखना।

সম্পথনো বৰ ভাল
ধাৰাবাহিক হব। তোমালোকে
মনযোগ সহকাৰে চাবা।

दीपाली : क्या यह आप हमसे कह रहे हैं?
हम जरूर देखेंगे।

(दीपाली की माँ का प्रवेश)

দীপালি : আমাক কব লাগে নে? আমি
নিশ্চয় চাম।

माक : ओ! बड़े भैया आए हैं। मुझे पता
ही नहीं। दीपाली, तुम लोगों ने भी
मुझसे नहीं कहा। मामाजी को चाय
पिलाई या नहीं। आइए भैया, पहले
हाथ पैर धो लीजिए। बादमें बातें
होंगी।

(এনেতে দীপালিৰ মাকৰ
প্ৰবেশ)

মাক : অ’ ককাম্পদেউ আহিছা!
মম্প গমেম্প নাপাওঁ। ঐ দীপালি,
তইঁতে কিয় মোক আগতে
নকলি? মোমায়েৰক চাহ একাপ
দিলি নে?আহা
ককাম্পদেউ, প্ৰথমে হাত
ভৰি ধোৱাহি। পিছত
কথা পাতিম।

मामाजी : ठीक है! चलो। दीपक बेटे, चाय
के बाद तुम लोगों के साथ फिर
बातें होंगी।

মোমায়েক : ব’ল বাকু। দীপক মম্পনা, চাহৰ
পাছত আকৌ কথা পাতিম
দেম্প।

शब्दार्थ

असमिया शब्द

মম্পনাহঁত

নিজৰ

লোকৰ

মোমাৰ্পদেউ

পূঁজা

আঁম্পতকৈ

বীৰ

অদৃষ্ট

ধৰণে

নিৰস্ত

ফলত

পৰাজয়

অবিহনে

বঢ়িয়া

সমালোচনা

খাঁঁ

হিংসা

লুকাৰ্প

শেষ

দস্ত

তাগ

অন্যায়

যুদ্ধত

हिंदी अर्थ

प्यारे बच्चो!

अपना

अन्य लोगों का

मामा

पूजा

सबसे

वीर

अदृष्ट

प्रकार से

निरस्त्र

फलस्वरूप

पराजय

के अभाव में

बढ़िया

समालोचना

पूरी तौर पर,

शुद्ध

हिंसा

छिपा कर

अंत

दंभ

त्याग

अन्याय

युद्ध में

(बीता हुआ)

পৰহি	परसों
মনোযোগ	मनोयोग, ध्यान से
সহকাৰে	के साथ
গম	पता
প্রথমে	पहले
ভৰি	पैर
হাত	हाथ

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : तेउँ नाहिल, कारण _____ । (गा बेया)

→ तेउँ नाहिल, कारण तेउँर गा बेया।

1. तौमालोक धाबावाहिक श्रीकृष्ण चावा, कारण _____ । (धाबावाहिक)
2. तेउँलौके लौकर ि. डि.त बाभायण चासपहिल, कारण _____ । (ि. डि. नाहिल)
3. लीनाइत बापेकर लगत नाहिल, कारण _____ । (तिनिस्त्रियेक घर)
4. अर्जुनर शक्ति सीमित आहिल, कारण _____ । (श्रीकृष्णशक्तिर मुल)
5. दुर्योधने शेष पर्यन्त दन्त त्याग कबा नाहिल, कारण _____ । (तेउँ तिलेस्पन)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : (क) महाभारतर डाण्डर बीर कर्ण।

→ महाभारतर डाण्डर बीर आहिल कर्ण।

1. মহাভাৰতৰ প্ৰধান ভিলেম্পন দুৰ্যোধন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুন শক্তিহীন।
3. মহাভাৰত ধাৰাবাহিকৰ প্ৰেৰণা ৰামায়ণ।
4. মথুৰা ‘শ্ৰীকৃষ্ণ’ৰ জন্মভূমি।
5. দীপালিহঁতৰ মহাভাৰতৰ সমালোচনা বৰ বঢ়িয়া।

(খ) সেম্পখন এখন ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

→ সেম্পখন এখন ভাল ধাৰাবাহিক হব।

1. ৰামায়ণৰ আদৰ্শত বহুতো পৌৰাণিক ধাৰাবাহিক ওলাল।
2. ককাম্পদেউ তুমি কেতিয়া আহিলা?
3. আমি লোকৰ ঘৰত ফি. ভি. চাম্পছিলোঁ।
4. তম্প মোৰ কাৰণে চাহ আনিলি।
5. ‘মহাভাৰত’খন বৰ ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

(গ) কৃষ্ণৰ জন্মস্থান দ্বাৰকা।

→ দ্বাৰকা কৃষ্ণৰ জন্মস্থান।

1. দুৰ্যোধন আছিল প্ৰকৃত ভিলেম্পন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে একো কৰিব নোৱাৰিছিল অৰ্জুনে।
3. নিজৰ কি আছিল অৰ্জুনৰ?
4. কৰ্ণ আছিল মহাভাৰতৰ আঁতৰতকৈ ডাঙৰ বীৰ।
5. ফি. ভি. তোমালোকে কেতিয়া ল’লা?

III. वाक्य में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर सही वाक्य बनाइए।

उदाहरण : আমি যোৱা বছৰ ফি. ভি. ললোঁ। (অহা)

—► আমি অহা বছৰ 'ফি. ভি. লম।

1. যোৱা মাহত মোমাম্পদেউ আহিছিল। (অহা)
2. যোৱা কালি তিনিহিয়েৰ ঘৰলৈ গ'ল। (পৰহি)
3. পৰহিৰ পৰা 'শ্ৰীকৃষ্ণ' দিব। (যোৱাকালি)
4. প্ৰথমৰ পৰা দুৰ্যোধনে দস্ত ত্যাগ কৰা নাছিল। (শেষ)
5. মোমাম্পদেউ, আপুনি 'মহাভাৰত' চালে? (লীনাহঁত)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গম, বঢ়িয়া, লোকৰ, আঁম্পতকৈ, দেম্প, চোন, নেকি)

1. কৰ্ণ আছিল _____ ডাঙৰ বীৰ।
2. এম্প কথাৰ মম্প _____ নাপাওঁ।
3. অৱশ্যে _____ 'ফি. ভি. ত মাজে মাজে ৰামায়ণ চাম্পছিলোঁ।
4. দীপালিহঁতৰ সমালোচনা বৰ _____।
5. ককাম্পদেউ আহা, ভৰি হাত _____।
6. পিছত তোমালোকৰ লগত কথা পাতিম _____।

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण : চালোঁ নিজৰ ধাৰাবাহিক 'ফি. ভি. ত ৰামায়ণ

—► নিজৰ 'ফি. ভি. ত ধাৰাবাহিক ৰামায়ণ চালোঁ।

1. সিহঁত বায়েকৰ পালেগৈ ঘৰ পৰহি
2. কৃষ্ণ বন্ধু বিপদৰ সকলোৰে
3. অভিমন্যু বীৰ মহাভাৰতৰ এজন
4. দিবা মোমায়েকাক চাহ তোমালোকে

VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य से जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण : मम्प सदाय बातिपुरा छय बजात शुम्प उठौ।

- > मम्प केम्पबजात शुम्प उठौ?
- > छय बजात कोन शुम्प उठौ?
- > मम्प छय बजात कि कर्बौ?

1. सि सदाय फुबल खेलि ভাল पाय।
2. मादक द्रव्य स्वास्थ्यर बावे फ्रतिकर।

पढ़िए और समझिए।

প্রকৃত যোৰ

এসময়ত এজন সন্যাসীয়ে এখন অৰণ্যত তপস্যা কৰি আছিল। এদিন হঠাৎ কাউৰীৰ মুখৰ পৰা ঐ নিগনি পোৱালি তেওঁৰ হাতত পৰিল। তেওঁ নিগনি পোৱালিটোক ঘৰলৈ নিলে। ঘৈণীয়েকৰ অনুৰোধত তেওঁ নিগনিটোক এজনী দিপলিপ ছোৱালীত পৰিণত কৰিলে। ছোৱালীজনীৰ নাম ৰাখিলে মুষিকা।

মুষিকা লাহে লাহে গাভৰু হল। মাকে দৰা বিচাৰিলে। বাপেককো তাগিদা দিলে। সন্যাসীয়ে প্ৰথমতে দৰা হিচাপে সূৰ্যক মাতিলে। দৰাম্প কম্পনা চালে। দৰাম্প ছোৱালী পচন্দ কৰিলে। কিন্তু নকৰিলে মুষিকাম্প। তাম্প কলে, ‘এওঁ বৰ উজ্বল। এওঁতকৈ ভাল আৰু ডাঙৰ কোনো নাম্প নে?’ সন্যাসীয়ে এম্পবাৰ মেঘক মাতি আনিলে। মুষিকাম্প কলে, ‘এওঁ ঠিকেম্প আছিল। পিছে বৰ ক’লা। এওঁতকৈ ভাল আৰু বলবান কোনো নাম্প নে?’ সন্যাসীয়ে এম্পবাৰ ধুমুহাক আনিলে। মুষিকাম্প দেউতাকক কলে, ‘দেউতা, তুমি কেনেকুৱা দৰা আনিলা? এওঁ বৰ চঞ্চল। এওঁতকৈ ধীৰ স্থিৰ কোনো নাম্প নে?’ এম্পবাৰ সন্যাসীয়ে পৰ্বতক আনিলে। মুষিকাম্প কলে, ‘দেউতা বেয়া নাপাবা। এম্পজন দৰাও মোৰ পচন্দ নহ’ল। এওঁতকৈ ডাঙৰ আৰু কোনো নাম্প নে?’ সন্যাসীৰ খং উঠিল। ঘৈণীয়েকে গিৰিয়েকক কলে, ‘আৰু এবাৰ চেষ্টা কৰক।

এম্পটোৱে আমাৰ শেষ চেষ্টা হব।’ সন্যাসীয়ে খঙতে ঐ নিগনি পোৱালি ধৰি আনিলে। তেওঁ জীয়েকক কলে, ‘শেষ বাৰৰ বাবে এম্পজন দৰা আনিলোঁ। মম্প আৰু নোৱাৰিম। তম্প মনটোক সুস্থি চা।’

দৰাম্প কম্পনা চালে। ছোৱালীয়ে দৰা দেখিলে। এম্পবাৰ মৃষিকাৰ আনন্দম্প পাৰ নধৰা হ’ল। তাম্প উলাহতে এপাক নাচিলে। বাপেকক কলে, -- ‘এম্পজন মোৰ কাৰণে উপযুক্ত দৰা হব। এওঁৰ লগতে মম্প বিয়া হম। তোমালোকে ততালিকে বিয়াৰ দিহা কৰা।’ সন্যাসীৰ হিয়ামন জুৰ পৰিল। তেওঁ সকলো কথা বুজিলে। তেওঁ মৃষিকাক মন্ত্ৰৰ বলত পুনৰ ঐ নিগনি পোৱালিত পৰিণত কৰিলে।

নযে শাব্দ

অসমিয়া শাব্দ	হিন্দী অৰ্থ
এসময়ত	এক সময়
সন্যাসী	সন্যাসী
অৰণ্য	অৰণ্য, জংল
তপস্যা	তপস্যা
কাউৰী	কাঁআ
নিগনি	চুহা
পোৱালি	বচ্চা
দিপলিপ	বহুত সুন্দৰ
অনুবোধ	অনুবোধ
মন্ত্ৰ	মন্ত্ৰ
গাভৰু	(জবান) লড়কী
দৰা	বৰ
কম্পনা	বধূ
কন্যা	কন্যা

উজ্জ্বল	उज्ज्वल
মেঘ	মেঘ
বলবান	बलवान
বেনেকুৱা	कैसे
খং	गुस्सा, क्रोध
উঠিল	उठ गया
চেষ্টা	कोशिश
মন	मन
উলাহ	उल्लास
উপযুক্ত	उपयुक्त
বিয়া	शादी
হম	हूँगी
দিহা	सलाह
হিয়া	हिया, हृदय
জুৰ	ठंडक
পৰিণত	परिणत

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. সন্যাসীয়ে মুষিকাক ক'ত পালে?
2. সন্যাসীয়ে প্রথমতে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
3. মেঘক কিয় ছোৱালীজনীয়ে অপচন্দ কৰিলে?
4. সন্যাসীৰ মতে মেঘতকৈ কোনজন দৰা ভাল?
5. সন্যাসীয়ে শেষবাৰৰ বাবে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
6. নিগনিক দেখি ছোৱালীজনীয়ে কি কলে?

II. प्रश्न क्रम 1 में दिए गए वाक्यों में आए नये शब्दों पर घेरा लगाइए।

III. दोनों स्तम्भों में दिए गए शब्दों के सही जोड़े बनाइए।

दबा	श्विब
धीब	कम्पना
हिया	घैणीयेक
लाहे	मन
गिबियेक	धीबे

IV. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

জিম কৰবৈ এজন বিখ্যাত চিকাৰী আছিল। তেখেতে কুমায়ুন ৰেঞ্জত কেম্পবোৱাও নৰখাদক বাঘ বধ কৰিছিল। তেখেতে নিজৰ চিকাৰ কাহিনীৰ ওপৰত কেম্পবাখনো কিতাপ লিখিছিল। জিম কৰবৈ ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান তেখেতৰ নামেৰে নামাকৰণ কৰা হৈছিল। আমি কালি তাইলৈ গৈছিলোঁ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल मैं कामाख्या मंदिर गया था। मेरा दोस्त हरि भी मेरे साथ गया था। हमलोगों ने मंदिर में पूजा की और प्रसाद चढ़ाया। उसके बाद हमलोग नीचे उतर आए। आते समय थोड़ी बारिश भी हुई। हमलोग भीग गए। शाम को हमलोग घर पहुँचे। माताजी ने पूछा -- 'इतनी देर क्यों हुई?' हमने उन्हें पूरा हाल बता दिया। उनका गुस्सा शांत हो गया।

VI. 'रामायण' सीरियल के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. १ से १२ तक पाठों में आए भूत और भविष्य काल के वाक्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया है। इस संदर्भ में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक सारणी नीचे दी जा रही है।

सर्वनाम	सामान्य भूत	पूर्ण भूत	अपूर्ण भूत	भविष्य	अपूर्ण भविष्य
ম্প	আহিলোঁ	আহিছিলোঁ	আহি আছিলোঁ	আহিম	আহি থাকিম

তম্প	খালি	খাম্পছিলি	খাম্প আছিলি	খাবি	খাম্প থাকিবি
তুমি	চালা	চাম্পছিলি	চাম্প আছিলি	চাবা	চাম্প থাকিবা
মি	পালে	পাম্পছিলি	পাম্প আছিলি	পাবা	পাম্প থাকিবা
আপুনি	দিলে	দিছিল	দি আছিল	দিব	দি থাকিব

3. असमिया में बहुवचन बनाने के लिए तीन प्रकार की विभक्तियाँ लगती हैं। जैसे 'तुमि', 'तेओं', 'आपुनि' के साथ '-लोक', तुच्छार्थ बोधक विशेष्य पदों के साथ '-बोर' और 'तइ', 'सि', 'एइ', 'ताइ' सर्वनाम और संबंधवाचक विशेष्य पदों के साथ '-हँत' का प्रयोग किया जाता है। जैसे --

एकवचन	बहुवचन
तुमि	तोमालोक
आपुनि	आपोनालोक
तेओं	तेओंलोक
तइ	तहँत
सि	सिहँत
एइ	एइहँत
ताइ	ताइहँत / सिहँत *
लोरा	लोराबोर
किताप	कितापबोर
घर	घरबोर

* कभी कभी 'लड़की' या 'स्त्री' का बहुवचन रूप बनाने के लिए 'सिहँत' का प्रयोग होता है।

किताप बिचारि

पुस्तक की खोज में

मि. शुक्ला : महाशय, म्पयात असमीया
किताप आछे ने? म्प
एखन प्राथमिक असमीया
पाठ्यपुथि चाव थोर्जे।

मि. गोस्वामी : सेम्पफाले सोमाम्प याँक।
सौबोब 'आदि पाठ', 'कुँहि-
पाठ', 'मौकोँह'। आपोना-
लोके आन पुथिओ चाव
पाबिब। सौँफाले सेम्पबोब
हिन्दी कितापब रेक।
बाँफाले एम्पबोब म्पम्बाजी
किताप। आपोनालोकक कि
लागे निजे चाँक।
* * * *

(किताप चोराब पाछत)

मि. शुक्ला : आमाक असमीया शिकिबब
काबणे सहायक पुथि लागे।

किन्तु एने पुथि तात
नाम्प। आपुनि कबबाब पबा

मि. शुक्ला : श्रीमान जी, क्या यहाँ
असमिया की पुस्तकें मिल
जाएँगी? मुझे असमिया सीखने
के लिए प्रवेशिका चाहिए।

मि. गोस्वामी : उधर जाइए। वहाँ
'आदिपाठ', 'कुँहिपाठ', 'मौ
काँह' (आदि) हैं। वहाँ आप
अन्य पुस्तकें भी देख सकेंगे।
दाई ओर हिंदी पुस्तकों के
रैक हैं और बाई ओर अंग्रेज़ी
की पुस्तकें हैं। जो भी चाहें
देख सकते हैं।

* * * *

(पुस्तकें देखने के बाद)

मि. शुक्ला : मुझे असमिया सीखने की
प्रवेशिका चाहिए। ऐसी कोई

पुस्तक वहाँ नहीं है। आप
कहीं से मँगवा सकते हैं
क्या?

आनि दिव पाबिबने?

मि. गोस्वामी : किय नोराबिम? अलप
आगधन दिव लागिब।
आपोनालोकक आरु किवा
लागिब?

मि. महालिङ्गम : मोक एखन असमीया-हिन्दी
अभिधान लागे। एखन
असमीया बाकबणो लागे।

मि. गोस्वामी : आपोनालोक अलप बहिव
लागिब। मम्प भितरत विचारि
चाउँ।

* * * * *

मि. गोस्वामी : एम्प केम्पखन किताप
एतिया नाम्प। किन्तु
आपोनालोकेतो सुन्दर
असमीया कब पाबे।
एम्पबोर एतिया आपोना-
लोकक किय लागे?

मि. शुक्ला : मम्प कबहे पाबौं। किन्तु
मम्प लिखिबउ नोराबौं,
पढ़िबउ नोराबौं।

मि. गोस्वामी : क्यों नहीं? थोड़ा
अग्रिम देना होगा। आप को
और कुछ चाहिए क्या?

मि. महालिङ्गम : मुझे एक असमिया-हिन्दी
कोष चाहिए। एक असमिया
व्याकरण की पुस्तक भी
चाहिए।

मि. गोस्वामी : आपलोगों को थोड़ा इंतज़ार
करना पड़ेगा। मैं देखकर
बता सकूँगा।

* * * * *

मि. गोस्वामी : माफ कीजिए। इनमें से
एक भी नहीं है। किन्तु
आपलोग तो अच्छी
असमिया बोल लेते हैं। ये
सब आपलोगों को क्यों
चाहिए?

मि. शुक्ला : मैं केवल बोल लेता हूँ। किन्तु
लिख नहीं पाता, पढ़ भी नहीं
सकता।

মি. মহালিংগম: মোৰো একেম্প দশা। ময়ো
অসমীয়াত নিৰক্ষৰ।

মি. গোস্বামী : আপোনালোকে ঠিকেম্প
ভাবিছে। আপোনালোক
সোমবাৰে আহিব পাৰিবনে?
ম্পতিমধ্যে মম্প এম্প
কিতাপখন কেম্পখন গৌম্প
থম।

মি. শুক্লা : ভাল বাৰু, ধন্যবাদ।

মি. গোস্বামী: ধন্যবাদ, আকৌ আহিব।

मि. महालिंगम : मेरा भी यही हाल है। एक
तरह से असमिया में मैं
निरक्षर हूँ।

मि. गोस्वामी : आप लोग ठीक ही कह रहे
हैं। ऐसा कीजिए, आपलोग
अगले सोमवार को आ
जाइए। इसी बीच मैं मैं उन्हें
मँगवा लूँगा।

मि. शुक्ला : जरूर। धन्यवाद।

मि. गोस्वामी : धन्यवाद! फिर आइए।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
प्राथमिक	प्राथमिक/प्रवेशिका
पुथि	पुस्तक
सेम्पफाले	उधर
सोमाम्प	घुसकर
सोबोब	वे
कुँहि	कोमल, किशलय
मो	मधु
कौह	कोश

शिकिवब काबणे	सीखने के लिए
सहायक	सहायक
कबबाब पबा	कहीं से
आगधन	अग्रिम
दिव लागिव	देना होगा
अभिधान	कोश
ब्याकबण	व्याकरण
डितबत	भीतर में
सुन्दर	सुन्दर
कब पाबे	बोल सकते हैं
एम्पबोब	ये सब
कबहे पाबौ	बोल ही सकता हूँ
लिथिव नोराबौ	लिख नहीं सकता
पटिवउ नोराबौ	पढ़ भी नहीं सकता
डाबिछे	सोच रहे हैं
सोमबाबे	सोमवार को
म्पतिमधे	इसी बीच में
गौम्प थम	संग्रह करूँगा

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) मम्प এখন অসমীয়া পুথি চাওঁ।

—> मम्प এখন অসমীয়া পুথি চাব খোজোঁ।

1. মম্প কাম্পলৈ গুৱাহাটীলৈ যাওঁ।
2. তেওঁ চিনেমাখন চাম্পছে।
3. মম্প স্পয়াত বহোঁ।
4. আমি ভাত খাওঁ।
5. আমি এতিয়া গান গাওঁ।

(খ) আপুনি অলপ বহক।

—►আপুনি অলপ বহিব লাগিব।

1. আপুনি তলৈ যাওক।
2. তম্প একাপ খা।
3. আপুনি কিতাপখন দিয়ক।
4. তুমি আমাৰ স্পয়াত ভাত খোৱা।
5. তেওঁ নিজে কিতাপ কেম্পখন চাওক।
6. আপুনি আগধন দিয়ক।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए:

1. আপোনাক কিবা _____ নেকি? (লাগিছে, লাগিব)
2. আপুনি আনিব _____ নে? (পাৰিব, লাগিব)
3. মম্প অসমীয়া লিখিব _____ ।
(নাপাৰোঁ/নোৱাৰোঁ)
4. তুমি অহা সোমবাৰে আহিব _____ নে? (পাৰিছা, পাৰিবা)

5. মস্প কেলেক্স কব _____? (নোৱাৰিম,
নোৱাৰোঁ)
6. মস্প ভিতৰলৈ সোমাব _____ নে? (পাৰোঁ. খোজোঁ)

III. সৰী শব্দ চুনকৰ শব্দোঁ কী জোড়ী বনাওঁ।

চোৱা	পস্পছা
কাম	বস্তু
দিনক	চিতা
বয়	কাজ
কা	দিনে

IV. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজিওঁ :

1. মি. শুল্কাম্প কি চাব খোজে?
2. মি. শুল্কাব প্ৰয়োজনীয় বস্তু গোস্বামীৰ দোকানত আছেনে?
3. মি. মহালিংগমক সেক্স কিতাপবোৰ কিয় লাগে?
4. মি. শুল্কাম্প অসমীয়া কব পাৰেনে?
5. মি. মহালিংগমে অসমীয়া লিখিব পঢ়িব পাৰেনে?

V. উদাহৰণ কে অনুসৰ দিওঁ গাওঁ শব্দোঁ কো সৰী ক্ৰম মঁ ৰখকৰ বাক্য বনাওঁ।

উদাহৰণ :

বাংলা হাতপুথি দিয়া এখন
→ এখন বাংলা হাতপুথি দিয়া।

1. স্পংৰাজী কাষত ৰেক কিতাপৰ বাংলা আছে কিতাপৰ
2. ভাল কৰ আপোনালোকেতো পাৰে বাংলা
3. দিল্লীৰ মস্প আনিম কিতাপ কেম্পখন পৰা
4. অভিধান অসমীয়া মোক এখন দিয়া

VI. উদাহৰণ কে অনুসার নীচে दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

जिम कबबै एजन विख्यात चिकारी आছিল।

- >जिम कबबै कौन आছিল?
- >जिम कबबै क'त चिकार करिছিল?
- >जिम कबबै कुमायुन ৰেঙত কি करिছিল?
- >जिम कबबै कुमायुन ৰেঙত চিকार करिছিল।

1. আকবৰ এজন মোগল সম্রা আছিল
2. গোস্বামীৰ দোকানত কিতাপ পোৱা যায়

पढ़िए और समझिए।

খোৱাৰ পৰত (ভোজন কে সময়)

মীনা, ৰীণা, পুতুল আৰ মাক খোৱা মেজত বহিল। প্ৰথমতে মীনাম্প অলপ ভাত খুজিলে। তাম্প অলপ তেতেলীও খাব বিচাৰিলে। ৰীণাম্প অলপমান আচাৰ বিচাৰিলে। মাক চকীৰ পৰা উঠিল। তেনেতে পুতুলে কাঁম্প পেলাবৰ কাৰণে সৰু কাঁহি এখন আৰু মীনাম্প অমলে খাবৰ বাবে এখন কাঁ চামুচ বিচাৰিলে। মাকে সিহঁতক অলপ সময় ববলৈ কলে। কাৰণ

বাহিৰত কী চামুচও নাস্প সৰু কাঁহীও নাস্প। সেম্পবিলাক আলমাৰীতহে আছে। আচাৰৰ বেলটোও আলমাৰিতে আছে। তাৰ পৰা আনিব লাগিব।

মাকে আলমাৰী খোলাৰ যো-জা কৰিলে। পুতুলে হাত ধুস্প মাকৰ কাম পালেহি। সি মাকক সুধিলে -- ‘মা মস্প আলমাৰিটো খুলি দিব লাগিব নেকি ?’ পুতুলৰ কথা শুনাৰ লগে লগে মীনাস্প কলে -- ‘স্পস, পুতুলে যেনিবা খুলিব পাৰিবহে! সি ছাবি ঘূৰাবতো নোৱাৰেস্প, গধুৰ দুৱাৰখনো খুলিব নোৱাৰিব।’ তেতিয়া পুতুলে কলে -- ‘ৰীণা বাস্পদেৱেও খুলিব নোৱাৰিব।’

মাকে স্পতিমধ্যে বিচনাৰ তলৰ পৰা ছাবি কোচা উলিয়ালে। আলমাৰিৰ চাৰিপাত ঘূৰাস্প পকাস্প চালে। চাৰিপাত বেঁকা হৈ আছে। এস্পবাৰ তেওঁ গিৰিয়েকক বিচাৰিলে। এস্পবোৰ কাম তেওঁহে কৰিব পাৰে। কিন্তু তেওঁ তেতিয়া ঘৰত নাছিল। গতিকে ছাবিও ঠিক নহ’ল, আলমাৰিও খুলিব নোৱাৰিলে। মীনাস্প কীচামুচ নাপালে, পুতুলে সৰু-কাঁহীও নেদেখিলে। সকলোৱে তেনেকৈয়ে দুপৰীয়াৰ ভাত-গৰাহ খালে।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অর্থ
তেতেলী	इमली
অলপ	थोड़ा सा
আচাৰ	अचार
কাঁস্প	काँटा
পেলাবৰ বাবে	फँकन के लिए
কাঁহী	थाली
চামুচ	चम्मच
আলমাৰি	अलमारी
যো-জা	तैयारी
যেনিবা	मतलब, जैसे
	चाबी

ছাবি	वजनदार
গধুৰ	खींच नहीं सकेगा
কিয়ানিব নোৱাৰিব	विस्तर
বিচনা	घुमाफिरा कर
ঘৃণাম্প-পকাম্প	तिरछा
বেঁকা	

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. মীনাক কি লাগে?
2. বীণাম্প কি খাব খুজিছে?
3. পুতুলক কিয় কাঁহী লাগে?
4. ষ্টিলৰ থাল ক'ত আছে?
5. পুতুলে আলমাৰীৰ দুৱাৰখন কিয় কিয়ানিব নোৱাৰে?
6. পুতুল বীণাৰ ভায়েক নে ককায়েক?

II. विलोम शब्द लिखिए :

সৰু
গধুৰ
ওখ
অলপ
লাহে লাহে

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

মস্প কালিলৈ মাজুলীলৈ যাব লাগিব। তাত মস্প এজন মানুহক লগ ধৰিব লাগিব। তেখেত আউনীআঁ সত্ৰৰ সত্ৰাধিকাৰ। তেখেতৰ লগত মস্প সত্ৰৰ বিষয়ে কথা পাতিব লাগিব। মস্প সত্ৰৰ ওপৰত এা অধ্যয়ন কৰি আছোঁ। তাৰ পৰা মস্প কালিলৈ ঘূৰি আহিব লাগিব। পৰহিলৈ মস্প মৰাণলৈ যাম। তাত মোৰ অলপ কাম কৰিবলগীয়া আছে।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मैं कल तुम्हारे घर नहीं आ पाऊँगा। कल मैं एक जरूरी काम से बड़ापानी जाऊँगा। बड़ापानी में मुझे किसी से मिलना है। बाद में वहीं एक वनभोज में शामिल होऊँगा। इसमें मेरे कुछ अन्य दोस्त भी शामिल होंगे। वनभोज के बाद सब लोग नार्चेंगे-गाएँगे। बड़ा मज़ा आएगा। मैं कविता सुनाऊँगा। सब लोग वाह-वाह करेंगे। शाम तक हमलोग वापस लौट आएँगे।

V. ‘मेरी प्रिय पुस्तक’ पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. **এপ্প, স্রেপ্প, স্রৌ** : असमिया ‘एइ’ और ‘सेइ’ का प्रयोग हिन्दी भाषा के ‘यह - इस’ और ‘वह - उस’ के समान है। असमिया में ‘सौ’ का प्रयोग अधिक दूरी के लिए होता है।
2. **‘-স্পব’** का प्रयोग : जिस तरह हिन्दी में *खाने के लिए, जाने के लिए* आदि का प्रयोग होता है असमिया में यह **‘-স্পব (-इब)ब काबणे’** जोड़कर किया जाता है।

আহ্ + -স্পব + ব	>	আহিবব কাবणे	आने के लिए
শিক্ + -স্পব + ব	>	শিকিবব কাবणे	सीखने के लिए
খা + -ব + ব	>	খাবব কাবणे	खाने के लिए

3. **‘लाग’ क्रिया** : (क) हिन्दी ‘चाहिए’ की तरह असमिया ‘लाग’ क्रिया का भी दो अर्थों में प्रयोग होता है -- (i) मूल क्रिया के रूप में (प्रयोजन के अर्थ में) और (ii) सहायक क्रिया के रूप में (उचितार्थ में) जैसे :

(i) মোক কাপোৰ লাগে : मुझे कपड़ा चाहिए

(ii) बांमे पढ़िब लागे : रामको पढ़ना चाहिए

(थ) इस पाठ में हिन्दी के ‘करना होगा, देना होगा, देना पड़ेगा’ आदि के अर्थ में असमिया रूप ‘दिब लागिब, बहिब लागिब’ आदि का प्रयोग दिखाया गया है। असमिया ‘लाग’ क्रिया का यह एक विशेष प्रयोग है। इस स्थिति में असमिया वाक्य में कर्ता का मूल रूप प्रयुक्त होता है, जबकि हिन्दी में कर्ता में कर्मकारक का ही रूप प्रयुक्त होता है। जैसे :

- (i) आपूनि अलप आगधन दिब लागिब।
आपको थोड़ा अग्रिम देना होगा (पड़ेगा)।
- (ii) आपूनि अलप बहिब लागिब।
आपको थोड़ा बैठना होगा।

शिवसागरबलै याँ आहक

आइए, शिवसागर चलें

मिचेच बरुवा: अहा पूजाब बरुत आमि
शिवसागर चाबलै याम। बीत
काजिबङ्गा चाबलै पाम।
आपोनालोको ओलाव।

श्रीमती बरुवा : आगामी पूजा की छुट्टियों में
हम शिवसागर जाएँगे।
रास्ते में काजिरंगा भी देख
सकेंगे। आपलोग भी चलें।

मिचेच पाण्डे: बरु भाल कथा। आमिओ बरुत
दिनब पबा भावि आछें।
ओलावहे पबा नाम्प।
छोरालीजनीये फुबिबलै स्पच्छा
करे। ल'बाटारे फटा तुलिबलै
भाल पाय। आमार तेखेतब
आको पिकनिकतहे च्छ। बिधे
बिधे बरु खाबलै भाल पाय।

श्रीमती पांडे : बहुत अच्छी बात है। हम भी
बहुत दिनों से सोच रहे थे।
लेकिन जा नहीं सके। बेटी
को घूमना पसंद है। बेटे को
फोटो खींचना अच्छा लगता
है। हमारे उनको (पति को)
पिकनिक का बड़ा शौक है।
तरह-तरह के पकवान खाने
के भी शौकीन हैं।

मिचेच बरुवा: आमि बनभोजो खाम।
जयसागर पुखुबीर पारत
त्रिकुवा निमाओमाओ ठाम्प आछे।
चोधुबीहंत योरा बरुत तालै
फुबिबलै गैछिल।

श्रीमती बरुवा : हम पिकनिक भी मनाएँगे।
जयसागर तालाब के किनारे
एक बड़ी सुनसान जगह है।
चौधुरीलोग पिछले साल वहीं
घूमने गए थे।

मिचेच पाण्डे: अ' हय नेकि? तात चाँगे
बरुतो चाबलगीया मठ मन्दिब

श्रीमती पांडे : ओह! ऐसा है क्या? वहाँ
शायद और भी दर्शनीय

आछे।

मिचेच बरुवा: हय, शिरसागरब शिरद'ल,
विष्णुद'ल आरु देवीद'ल
चाबलगीया। एम्प दलकेम्पा
शिरसागर पुखुरीब पारत
अरस्थित। शिरद'लटो असमर
भितरत सवातोकै ओख द'ल।
शिरसागरब गाते लगा
जयसागर। तार जयसागर
पुखुरी आरु पारब जयद'ल
बर प्रसिद्ध।

मिचेच पाण्डे: तात थाकिबलै ताल होलै बा
यात्री निवास आछे ने?

मिचेच बरुवा: आपोनालोक कबलै
पाहबिछौं। तात मोर मार
घर। आपोनालोक प्रोग्राम
करक। मम्प देउतलै लिखिम।
तेऊ आपोनालोकक निबलै
बाह आस्थानलै आहिव।

मिचेच पाण्डे: शिरसागरब ओचरे-पाजरे
आरु किवा दर्शनीय स्थान
आछेने?

स्थान होंगे।

श्रीमती बरुवा : जरूर हैं। शिवसागर का
शिवदोल, विष्णुदोल और
देवीदोल बेहद दर्शनीय हैं।
ये दोल शिवसागर पुखुरि के
किनारे ही हैं। इनमें
शिवदोल असम में सबसे
ऊँचे शिखरवाले मंदिर हैं।
जयसागर शिवसागर से
लगा हुआ ही है। जयसागर
पुखुरि और उसके किनारे
पर स्थित जयदोल भी बड़ा
प्रसिद्ध है।

श्रीमती पांडे : क्या वहाँ रहने के लिए
अच्छा होटल अथवा यात्री-
निवास मिल जाएगा?

श्रीमती बरुवा : आपको बताना भूल गई।
वहाँ मेरी माँ का घर है।
आप कार्यक्रम बनाएँ। मैं
अपने पिताजी को लिख
दूँगी। वे आपलोगों को लेने
के लिए बस अड्डे पर आ
जाएँगे।

श्रीमती पांडे : उसके अलावा शिवसागर के
पास और क्या देखने लायक
है?

श्रीमती बरुवा : हाँ, आप रङ्गघर और
कारेङ्गघर भी देख सकते
हैं। ये दोनों रंगपुर में हैं। ये

মিচেচ বৰুৱা: অ' আপুনি ৰংঘৰ আৰু
কাৰেংঘৰ চাব পাৰে।
এম্পকেম্পো ৰংপুৰত অৱস্থিত।
শিউনৰ পৰা মাত্ৰ চাৰি কি.মি.
দূৰত। ম্প শিৱসাগৰ আৰু
জয়সাগৰৰ মাজত।

মিচেচ পাণ্ডে: আৰু গড়গাঁও নামৰ ঠাম্পৰ
কথাও শুনিছিলো?

মিচেচ বৰুৱা: অ', গড়গাঁও শিৱসাগৰৰ পৰা
মাত্ৰ বিশ কিল'মিাৰ দূৰত।
তাত আহোম ৰজাৰ কাৰেংঘৰ
আছে। আৰু চৰাম্পদেউ চল্লিশ
কিল'মিাৰ হ'ব। তাত আহোম
ৰজা আৰু ডাঙৰীয়াসকলৰ
মৈদাম আছে।

মিচেচ পাণ্ডে: শিৱসাগৰৰ পৰা তালৈ যাবলৈ
যান-বাহন পোৱা যায়নে?

মিচেচ বৰুৱা: অ' পাব। খুওব কম সময়ৰ
মূৰে মূৰে তালৈ বাছ চলি
থাকে।

মিচেচ পাণ্ডে: ভালেম্প হ'ল। আপুনি সকলো
কথা বুজাম্প দিলে। আমি

শিবসাগৰ সে চাৰ কি. মী.
দূৰ স্থিত হৈ। যহ
শিবসাগৰ আৰু জয়সাগৰ
কী बीच में है।

श्रीमती पांडे : और यह गढ़गाँव कहाँ है?
मैंने इसके बारे में काफी
सुना है।

श्रीमती बरुवा : हाँ, गढ़गाँव शिवसागर से
20 कि.मी. दूर है। वहाँ
आहोम राजाओं के महल
हैं। वहाँ से सराईगाँव 40
कि.मी. दूर है। यहाँ आहोम
राजाओं और राज्याधि-
कारियों की समाधियाँ हैं।

श्रीमती पांडे : शिवसागर से इन स्थानों के
लिए वाहन मिल जाते हैं,
क्या?

श्रीमती बरुवा : हाँ मिलते हैं। थोड़ी-थोड़ी
देर के बाद यहाँ के लिए
बसें मिलती हैं।

श्रीमती पांडे : बढ़िया है। आपने हमें
विस्तार से सब कुछ बता
दिया है। हम जरूर जाएँगे।

निश्चय याम।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
भावि	सोचकर
फुबिबलै	घूमने के लिए
म्पच्छा	इच्छा, इरादा
तुलिबलै	उठाने के लिए
भाल पाय	पसंद करता है
चथ	शौक
बिधे बिधे	विविध प्रकार के
पुथुबी	तालाब
पाब	किनारा
त्रु'कुबा	एक टुकड़ा
निमा'उमा'उ	सुनसान
ठा'म्प	जगह
चाबलगीया	देखने लायक
दर्शन (कबिबलगीया)	दर्शनीय
द'ल	दोल (मंदिर)
गाते लगा	लगा हुआ, पास ही
पाबब	किनारे का
उथ	ऊँचा
प्रसिद्ध	प्रसिद्ध
दर्शनीय	दर्शनीय
	(निमित्त) मात्र

মাত্র	রাজা
	(দাঙঅরিয়া) রাজ্য-অধিকারী
ৰজা	সমাধি
ডাঙৰীয়া	বাহন
মৈদাম	ভুল গৰ্হ
যানবাহন	
পাহৰিছোঁ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) আমি শিৱসাগৰলৈ যাম, তাত শিৱদ'ল চাম।

→ আমি শিৱদ'ল চাবলৈ শিৱসাগৰলৈ যাম।

1. আমি যোৱা বছৰ দিল্লীলৈ গৈছিলোঁ; তাত বহুত ফুৰিলোঁ।

2. তেওঁ হোটেললৈ গৈছিল; তাত চাহ-মিঠাম্প খালে।

3. মম্প আজি ৰীণাৰ ঘৰলৈ যাম; কিতাপখন ঘূৰাম্প দিম।

4. সি কাজিৰঙালৈ যাব; তাত গঁড় চাব।

5. মোৰ দেউতা বাছ-আস্থানলৈ আহিব; মোক ঘৰলৈ লৈ যাব।

(খ) শিৱসাগৰ ঠাম্পখন চাবলৈ যাব লাগে।

→ শিৱসাগৰখন চাবলগীয়া ঠাম্প।

1. অসম ৰাজ্যখন ভ্ৰমণ কৰিবলৈ যাব লাগে।

2. কাজিৰঙা অভয়াৰণ্যখন চাব লাগে।

3. শিৱদ'ল বিষ্ণুদ'ল আৰু দেৱীদ'ল দৰ্শন কৰিব লাগে।

4. এম্প কামটো কৰিব লাগে।

5. এম্প কথাটো মনত ৰাখিব লাগে।

II. কোষ্টক মেন্দি এ গু শব্দোঁ মেন্দি সহী শব্দ চুনকৰ বাক্য পূৰে কীজিএ।

1. জয়সাগৰৰ _____ বৰ প্ৰসিদ্ধ। (জয়দ'লটো, জয়দ'লখন)
2. মোৰ সৰু _____ ঘৰত নাম্প (ল'ৰাটো, ল'ৰাগৰাকী)
3. তেখেতৰ ডাঙৰ _____ কলৈজলৈ গৈছে। (ছোৱালীটো, ছোৱালীজনী)
4. তোমাৰ _____ মম্প পঢ়িলোঁ। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. শিৱসাগৰ _____ দেখিবলৈ বৰ ধুনীয়া। (ঠাম্পটো, ঠাম্পখন)

III. বিলোম শব্দ ৰতাড়এ।

ভাল

ডাঙৰ

ওচৰ

ছুঁ

লাগে

IV. এক বাক্য মেন্দি উত্তৰ দীজিএ :

1. মিচেচ পাণ্ডেৰ ল'ৰাটোৱে কি কৰি ভাল পায়?
2. শিৱসাগৰৰ কি কি স্থান দৰ্শন কৰিবলগীয়া?
3. জয়সাগৰ ক'ত আছে?
4. কাৰেংঘৰ ক'ত আছে?

5. মিচেচ বৰুৱাৰ মাকৰ ঘৰ ক'ত?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

याम श्विलङ्ग बन्धत आमि पूजाৰ चावलै

→ आमि पूजाৰ बन्धत श्विलङ्गत चावलै याम।

1. বৰাপানীত খাম পিকনিক আমি
2. বিশ্বদ্বীপে তুলিব শ্বিলঙত ফটা
3. বিহুত কুমুদে বাঁহী এম্পবাৰ বজাব
4. তোমালোকো অসমৰ চাবলৈ এবাৰ বিহু আহিবা

VI. ‘क्या’, ‘कौन’, ‘कहाँ’, ‘कब’, ‘क्यों’, ‘कैसे’ का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जीतने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. মোৰ বন্ধু কালিলৈ ৰেলেৰে বাংগালোৰলৈ যাব।
2. আমি কালিলৈ বনভোজলৈ যাম বুলি ভাবিছোঁ।

पढ़िए और समझिए।

শ্বিলং ভ্ৰমণ

নিতুল শ্বিলঙলৈ যাবলৈ ওলাম্পছে। তাত তাৰ মাহীয়েক থাকে। মহাকে শ্বিলঙত চাকৰি কৰে। মাহীয়েকৰ ঘৰত চাৰিদিনমান থাকিব আৰু ভালকৈ শ্বিলং চাব। মাহীয়েক আৰু মহাকৰ লগত সি চেৰাপুঞ্জীও চাবলৈ যাব।

নিতুলৰ ঘৰ নলবাৰীত। নিতুল গুৱাহাটীলৈকে ৰেলত আহিল। শ্বিলঙলৈ ৰেল নচলে, বাছহে চলে। গুৱাহাটীৰ পৰা টেক্সিৰেও শ্বিলঙলৈ যাব পাৰি। কিন্তু নিতুল গুৱাহাটীৰ পৰা বাছেৰেহে শ্বিলঙলৈ যাব। সি আগতীয়াকৈ কি কালৈ। শ্বিলঙলৈ যোৱা ৰাস্তাটো বৰ একাবেঁকা। সেম্প ৰাস্তাত বাছৰ জোকাৰণিত বহুত মানুহে বমি কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰে। গতিকে সেম্পটো ৰাস্তাত সাৱধান হ'ব লাগে। বমি নহ'বৰ বাবে নিতুলক মাকে ঐ দৰব দিছে। লগতে শুঙি থাকিবলৈ চাৰি নেমুটেঙাও দিছে। বীত খাবলৈ বিধে বিধে খোৱা বস্তুও তৈয়াৰ কৰি দিছে, কাৰণ ৰাস্তাত ভাল খোৱা বস্তু পাবলৈ বৰ কঠিন।

নিতুলৰ বন্ধুৰ নাম বুবুল। তাৰো শ্বিলং চাবলৈ খুওব স্পৃহা আছে। শ্বিলঙৰ বিষয়ে বুবুলে বহু কথা পঢ়িছে। শ্বিলং এখন ধুনীয়া ঠাম্প। একাবেঁকা ৰাস্তাৰে পাহাৰত উঠিব পাৰি। ৰাস্তাৰ কাষত ধুনীয়া ধুনীয়া দৃশ্য চাব পাৰি। পিছত পাহাৰ বগাবলৈকো যাব পাৰি। তাৰ পৰা আপাৰ-শ্বিলঙৰ দৃশ্য বৰ মনোৰম দেখি।

নিতুলৰ লগত বুবুলো যাবলৈ ওলাল। কিন্তু তাৰ কপাল বেয়া। সি কি নাপালে। সেয়েহে নিতুলৰ বেয়া লাগিল। সি তাৰ কি বাতিল কৰিলে। পিছৰ দেওবাৰে দুয়ো লগলাগি শ্বিলঙলৈ যাব। সন্ধিয়া মাহীয়েকক ফোনত জনাম্প দিলে। মাহীয়েকেও ভালেম্প পালে। কাৰণ সিদিনা এজন বন্ধুৱে তেওঁলোকক ৰাতিৰ আহাৰ খাবলৈ মাতিছিল।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অর্থ
একা বেঁকা	টেক্সি-মেটা
উঠিবলৈ	চড়নে
জোকাৰণি	হিলনে-ডুলনে का कार्य
বমি	कै, वमन, उल्टी

সার্বধান	सावधान
দৰব	दवा
তৈয়াৰ	तैयार
কাষৰ	किनारे का, पास का
দৃশ্য	दृश्य
পাহাৰ	पहाड़
বগাবলৈ	चढ़ने
মনোৰম	मनोरम
বাতিল	स्थगित करना

अभ्यास

I. नीचे दिए गए असमिया शब्दों के हिन्दी अर्थ बताइए।

স্পৰ্শা
 নিমাওমাও
 কপাল
 একা বেঁকা
 মনোৰম

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. নিতুল কেনি যাবলৈ ওলাস্পছে?
2. নিতুল কিহেৰে যাব?

3. বুৰুল কিয় নিতুলৰ লগত যাব নোৱাৰে?
4. নিতুলৰ মাকে কিয় দৰব খাবলৈ কৈছে?
5. শ্বিলঙত নিতুলৰ কোন আছে?

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

कालिले सि कोकोबाबाबले याव। कोकोबाबाब जिला असमर उतुब-पश्चिम सीमाञ्चत। तात सि बडो जनगोष्ठीर लोकसकलक लग पाव। तेङुलोक असमर पूबणि बासिन्दा। तेङुलोकब संस्कृति बर चहकी। पबर्हिले बडो सकले त्रा उंसर पालन करिब। सि तात बडो सकलर नाचगान चाबले पाव।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

अगले रविवार को हम नैनीताल जाएँगे। नैनीताल में देखने के लिए बहुत कुछ है। नैनीताल में नौका विहार बड़ा आह्लादकारी है। मालरोड की चहल-पहल में पर्यटक खो जाता है। रोप वे से चाइना पीक पर जा सकते हैं। यहाँ से हिमाच्छादित चोटियाँ दिखाई देती हैं।

V. ‘मेरी पहली रेल यात्रा’ पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

प्रस्तुत पाठ में ‘-ले’ और ‘-लगीश’ का प्रयोग दिखाया गया है।

1. : असमिया में भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ ‘-ले’ जोड़कर हिन्दी के ‘के लिए’ का अर्थ बताया जाता है। हिन्दी में ‘जाने’ या ‘जाने के लिए’ के लिए

असमिया में 'शाबटैल' (शा + भविष्य कालब विभक्ति + -टैल) का प्रयोग होता है।
जैसे :

शाबटैल (खाने के लिए) शाबटैल (जाने के लिए)
कबटैल (कहने के लिए) आदि।

2. 'टैल' : के प्रयोग द्वारा भविष्य की सूचना मिलती है। खासकर *पबहि*, *कालि* आदि समयवाचक शब्दों में 'टैल' जोड़ा जाता है। जैसे :

पबहि	परसों (पिछला)
पबहिटैल	परसों (आगामी)
कालि	कल (पिछला)
कालिटैल/ काल्पटैल	कल (आगामी)

3. 'लगीशा' : भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ 'योग्य के' अर्थ में 'लगीशा' का प्रयोग होता है। जैसे :

शाब + -लगीशा	= शाबलगीशा	खाने योग्य
छाब + -लगीशा	= छाबलगीशा	देखने योग्य
पढ़िब + -लगीशा	= पढ़िबलगीशा	पढ़ने योग्य

4. आहोम : एक जनजाति जो दक्षिणी चीन (बार्मा) से आकर असम में बसी तथा जिसने सन् 1228 से 1826 तक राज्य किया। इन लोगों ने अपनी भाषा, धर्म और संस्कृति को छोड़कर अपनी प्रजा की भाषा, धर्म, संस्कृति आदि को अपनाया।
5. रङ्पुर : आहोम राज्य की राजधानी।
6. कारेङ्घर : आहोम राजाओं के महल।

7. रङ्घर : आहोम राजाओं द्वारा निर्मित प्रेक्षा-गृह।
8. जयसागर : मानव निर्मित एशिया का सबसे बड़ा एक तालाब जो लगभग 172 एकड़ पृथ्वी क्षेत्र में फैला हुआ है।
9. मैदाम : आहोम राजाओं और राज्याधिकारियों की समाधियाँ जिनकी आकृति बौद्ध स्तूपों जैसी है।
10. कालिंटेल : आजकल 'आगामी कल' के लिए 'कालिंटेल' (कालिलोई) के विकल्प के रूप में 'कालिंटेल' (कालिलोई) का प्रयोग होने लगा है।

असमीया जीरन आरु संस्कृति

असमिया जीवन और संस्कृति

ममता : सुबति, असमीया तुमि केनेकै
शिकिला?

सुबति : मम्प लक्ष्मी भारतीया भाषाकेन्द्रत
असमीया शिकिलौ। तात बांला,
माबाठी, तमिल, तेलेणु आदि
भाषाओ शिकाय।

ममता : तौमालोकक भाषा कोने शिकाय?
ने कम्पिउाबत शिका?

सुबति : एगबाकी असमीया बाप्पदेरे
शिकाय। तेउँ माजे माजे आमाक
असमीया बोलछवि देखुराय। योरा
सगुहत्त 'कणिकाब रामधेनु'
देखुराले। काप्पलै किछुमान
असमीया गीतो शुनाव।

ममता : हय नेकि? तेनेहले मयो
असमीया शिकिम। बाप्पदेरे आमाक
असमीया संस्कृतिब विषये
पटुराबने?

ममता : सुरभि, तुमने असमिया कैसे
सीखी?

सुरभि : मैंने लखनऊ के भारतीय भाषा
केन्द्र में असमिया सीखी है। केन्द्र
में बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु
आदि भाषाएँ भी सिखाई जाती हैं।

ममता : तुमलोगों को भाषा कौन सिखाते
हैं? क्या कम्प्यूटर से भी भाषा
सीखते हो?

सुरभि : एक असमिया की अध्यापिका
सिखाती हैं। बीच बीच में वे हमें
असमिया फिल्म भी दिखाती हैं।
पिछले सप्ताह हमें 'कनिकार
रामधेनु' दिखाई थी। कल कुछ
गीत भी सुनाएँगी।

ममता : ऐसा है क्या? तब तो मैं भी
असमिया सीखूँगी। अध्यापिका क्या
हमें असम की संस्कृति के बारे में
भी पढ़ाएँगी?

सुबति : अ' पटुराब। बिह गीत, बरगीत

सुरभि : हाँ पढ़ाएँगी। बिहु गीत, बरगीत भी

শুনাব, বিহু নাচ দেখুৱাব। বিয়া
সবাহৰ কথা বুজাম্প কব। জানা,
অসমৰ বিয়াত যৌতুক নাম্প।
দৰাঘৰেহে কম্পনাৰ আ-অলংকাৰ,
সাজ-পাৰ দিয়ে। স্পয়াক ‘জোৰণ’
বোলে।

মমতা : হয় নেকি? তাত তেনেহলে মহিলাৰ
বৰ সন্মান।

সুৰভি : এৰা, আগৰে পৰা তাত মহিলাৰ
বৰ সন্মান। এসময়ত অসমত
মহিলাস্প ৰাজপী চলাস্পছিল।
এতিয়াও বিয়া-সবাহত মহিলাস্প
আগভাগ লয়। নামঘৰত নাম-কীৰ্তন
কৰিব পাৰে। আজিকালি
প্ৰায়বিলাক পৰিয়ালে ছোৱালীক
‘ভাৰত নোম’, ‘সত্ৰীয়া নৃত্য’
আদি শিকায়।

মমতা : মস্প কিবা ‘দেওধনী’ নৃত্যৰ কথা
শুনিছিলোঁ। এস্প বিষয়ে তুমি কিবা
জনানে?

সুৰভি : অ’ অসমৰ বড়োসকলে ‘খেৰাম্প’
নামে এটা পূজা পাতে। তাত

সুনাঐগী। বিহু নৃত্যৰ
দিখুৱাঐগী। বিবাহৰ
আদিৰে পৰিচিত
কৰুৱাঐগী।
জানতে হও, অসম
কে বিবাহৰ
দেহে নহী হওত।
বৰ কে ঘৰুৱালে
লড়কীক
‘জোৱন’
মৈ বস্ত্ৰ,
আভূষণ
আদি দেতৈ হৈ।

মমতা : यह सच है क्या? इसका मतलब है
कि वहाँ महिलाओं का बड़ा सम्मान
है।

सुरभि : हाँ, वहाँ महिलाओं का पहले से ही
बड़ा सम्मान है। एक समय था
जब असम में महिलाएँ राज काज
चलाती थीं। सभी शादी-ब्याह में
महिलाएँ बढ-चढकर भाग लेती हैं।
नामघर में कीर्तन भी करती हैं।
आजकल हर परिवार लड़कियों को
‘भरत-नाट्यम’ और ‘सत्रीयानृत्य’
सिखाता है।

ममता : मैंने ‘देवधनी’ नृत्य के बारे में
सुना है। वह क्या होता है?

सुरभि : असम की बोरो जनजाति ‘खेराइ’
नाम का पर्व मनाती है। इस पर्व
पर देवधनी नचाया जाता है। पहले

निचले असम में मारे पूजा या
काली पूजा पर देवधनी नृत्य होता
था।

তেওঁলোকে দেওধনী নচুৱায়।
আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজা
বা কালী পূজাত দেওধনী
নচুৱাম্পছিল।

মমতা : তেনেহলে অসমৰ সংস্কৃতি বৰ
বিচিত্ৰ। বলা, আমি অসমৰ কৃষ্টি-
সংস্কৃতি নিজ চকুৰে এবাৰ চাম্প
আহোঁ।

ममता : तब तो असम की संस्कृति बड़ी
विविधतापूर्ण है। चलो, हम असम
की इस विविधापूर्ण संस्कृति को
अपनी आँखों से देखें।

शब्दार्थ

অসমিয়া শব্দ	हिंदी अर्थ
কেনেকৈ	कैसे
শিকিলা	सीखा
ভাষা কেন্দ্ৰ	भाषा केन्द्र
শিকায়	सिखाता है
মাজে মাজে	बीच बीच में
বোলছবি	फिल्म
সপ্তাহত	सप्ताह में
দেখুৱালে	दिखाया
শুনাব	सुनाएगा
সংস্কৃতি	संस्कृति
বিয়া	विवाह/शादी
যৌতুক	दहेज
	वर का घर

দৰাঘৰ	वस्त्र आदि
সাজপাৰ	आभूषण, गहने
আ-অলংকাৰ	तब
তেনেহলে	सुना है
হেনো	महिला
মহিলা	राजकाज
ৰাজপী	नाम घर (पूजा स्थल) में
নামঘৰত	अगुआ
আগভাগ	निचला
নামনি	भविष्य वाणी
ভবিষ্যৎ বাণী	परंपरा
কৃষ্টি	नृत्य करवाना
নচুৱাঙ্গছিল	बलि का प्रसाद (मांस, खून)
বলিৰ প্ৰসাদ	अनिवार्यता, जबरदस्ती
বাধ্য বাধ্যকতা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

বাম্পদেৱে মোক অসমীয়া শিকায়।

→ বাম্পদেৱে মোক অসমীয়া শিকালে।

1. 'ি. ভি.ত অসমীয়া বোলছবি দেখুৱায়।
2. মাকে ল'ৰাটোক ভাত খুৱায়।
3. তেওঁ মোক গান শুনায়।
4. হেডমাষ্টেৰে স্পংৰাজী পঢ়ুৱায়।

5. সি বান্দৰ নচুৱায়।
6. বাম্পদেৱে ল'ৰাইতক গান শুনায়।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. 'ি. ভি.ত প্রত্যেক সপ্তাহতে একোখন বোলছবি _____ । (দেখ)
2. কাম্পলৈৰ পৰা 'চাণক্য' খন _____ ।
(দেখ)
3. অহা বছৰৰ পৰা আমাক দাস চাৰে অসমীয়া _____ ।
(পঢ়)
4. অহা সপ্তাহৰ পৰা হেনো ৰেডিঅ'ত অসমীয়া গান _____ । (শুন)
5. মাকে ল'ৰাটোক এম্পমাত্র ভাত _____ । (খা)

III. नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के असमिया अर्थ बताइए।

দহেজ
সিনেমা
বিবাহ
গহনা
জবৰদস্তী

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. সুৰভিয়ে অসমীয়া ক'ত শিকিলে?
2. সুৰভিক অসমীয়া কোনে শিকালে?
3. 'অৰণ্য' বোলছবি ক'ত দেখুৱালে?
4. অসমৰ বিয়াত যৌতুক আছে নে নাস্প?
5. অসমৰ প্রধান নাচটোৰ নাম কি?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দেখুৱায়নে চিনেমাও তোমালোকক

→ তোমালোকক চিনেমাও দেখুৱায়নে?

1. মানুহৰ চিনেমাম্প প্ৰতিফলিত জীৱন কৰে
2. চাবলৈ সত্ৰীয়া নৃত্য তোমালোক যাবা নে
3. চলাম্পছিল মহিলাম্প ৰাজপী অসমৰ
4. নহয়নে বিচিত্ৰ সংস্কৃতি বৰ অসমৰ

VI. ‘क्या’, ‘कौन’, ‘कहाँ’, ‘कब’, ‘किसको’ का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. আজিকালি বেছিভাগ পৰিয়ালে ছোৱালীক নাচগান শিকায়।
2. আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজাত দেওধনী নচুৱাম্পছিল।

पढ़िए और समझिए।

বসন্ত ৰোগ (চেচক)

মিচেচ হাজৰিকাম্প ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক বিচাৰি আহিছিল। ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক তেওঁ লগ নাপালে। কাৰণ গধূলি সময়ত তেখেত ক্লিনিকতহে বহে। মিচেচ বৰঠাকুৰে তেওঁক তামোল চালি দিলে। তেওঁ মিচেচ হাজৰিকাৰ বেমেজালিৰ কথা সুধিলে। মিচেচ হাজৰিকাম্প সকলো বিবৰি কলে। তেওঁৰ ল’ৰাটোৰ যোৱাকালিৰে পৰা গা বেয়া, খুব জ্বৰ আৰু তাৰ গাত কেম্পবীও ফোঁহা দেখা গৈছে।

মিচেচ বৰঠাকুৰে মিচেচ হাজৰিকাক কেম্পামান সজ কথা কলে। বৰ্তমান কেউফালে আম্পসকল ওলাম্পছে। তাৰো হয়তো মাজু আম্পয়েম্প ওলাম্পছে। গতিকে ডাক্তৰক মতাৰ

প্ৰয়োজন নাস্প। কেস্পামান কথা মানি চলিবহে লাগে। আস্পসকল আপোনা-আপুনি ঠিক হৈ যাব।

হাজৰিকাস্প ব্যগ্ৰ হৈ সুধিলে, ‘কওকচোন বাৰু কি কি কৰিব লাগিব?’

মিচেচ বৰঠাকুৰে কলে, ‘তাক পাতল বস্তু খুৱাব। ভজা-পোৰা বস্তু একেবাৰে নুখুৱাব। ঠাণ্ডা লগাব নালাগে। প্ৰথম কেস্পদিন গা নুধুৱাব। গাত চাবোন-পাউদাৰ আদি নলগাব। তাক একো কাম কৰিবলৈ নিদিব। তাক সময়মতে খুৱাব আৰু সময়মতে শুৱাব। সকলো ঠিক হৈ যাব। চিন্তা নকৰিব।’

মিচেচ বৰঠাকুৰৰ সজ উপদেশত মিচেচ হাজৰিকাস্প সন্তুষ্টি প্ৰকাশ কৰিলে। তেওঁ মিচেচ বৰঠাকুৰক নমস্কাৰ জনাস্প বিদায় ললে। যাবৰ পৰত কলে, ‘ভাল বাস্পদেউ, আপোনাৰ উপদেশবোৰ আখৰে আখৰে পালন কৰিম।’

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
গধূলি সময়ত	শাম কে সময়
তামোল-চালি	তাঁবুল, পান বগৈৰহ
বেমেজালি	উলটা-সীধা
বিবৰি	বৰ্ণন কৰনা
গা-বেয়া	তৰীয়ত খৱাব হোনা
জ্বৰ	জ্বৰ, বুখাৰ
ফোঁহা	ফুঁসী
সজ উপদেশ	সদুপদেশ
বৰ্তমান	বৰ্তমান
আমনি	বিরক্তি
কেউফালে	चारों तरफ
	माताएँ, चेचक

আম্প সকল	खसरा
माझू আম্প	प्रयोजन
प्रयोजन	मान लेने पर
मानि चलिले	अपने आप
आपोना आपुनि	व्यग्र
बाग्र	अच्छा, जी
बारू	खिलाना
खुरावा	जला-भुना
ভজা-পোৰা	नहीं खिलाना
নুখুরাৰা	नहीं नहलाना
নুধুরাৰা	साबुन
চাবোন	नहीं लगाना
নলগাৰা	समय पर
সময়মতে	सुलाइए
শুৰাৰা	संतुष्टि
সন্তুষ্টি	विदाई
বিদায়	आक्षरिक रूप से
আথৰে আথৰে	

अभ्यास

I. एक वाक्य मे उत्तर दीजिए।

1. काब ल'बाब ज्वर हैछे?
2. डा. बरठाकुर गधूनि समयत क'त থাকे?
3. मिचेच हाजबिकाम्प ल'बाटोब गात कि देखिले?
4. ल'बाटोक केनेकुरा बस्तु खुराब नालागे?

5. आम्पब ढोगीये गा धुव पाबेने?

II. विलोम शब्द बनाइए।

डाल

लाहे लाहे

आगते

योराबार

अहाबार

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

बिह असमब जातीय उंगसब। बिह तिनि प्रकारब। बहाग बिह, काति बिह आरु माघ बिह। माघ बिहत थोरा लोराब ब्यरस्था बेछि থাকे। अग्नि पूजा माघ बिहब एा प्रधान अंग। माघ बिहक भोगाली बिह बुलिउ कय। बिहब आग दिनाक उरुका बुलि कोरा हय। माघ बिहत ल'बा-डेकाम्प हेबालि घब बा भेलाघब साजि भोज भत खय।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

आज महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे हैं। प्रशासनिक पदों पर भी काम कर रही हैं। वे सेना और पुलिस में उच्चपदों पर आसीन हैं। कला और साहित्य के क्षेत्र भी उन्होंने नाम कमाया है। वे रेल से लेकर ट्रक चला रही हैं। वे हवाई जहाज भी उड़ा रही हैं। श्रीमती इंदिरा गाँधी भारत की प्रधान-मंत्री थीं। वे कल्पना-चावला ने अंतरिक्ष यात्रा के क्षेत्र में अपना स्थान बनाया। जीवन के हर क्षेत्र में वे पुरुषों से टक्कर ले रही हैं।

V. 'नारी तुम अबला हो' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में प्रेरणार्थक क्रिया का प्रयोग सिखाया गया है। हिन्दी की तरह ही असमिया की मूल क्रिया में 'आ', 'उवा' जोड़कर प्रेरणार्थक रूप बनाया जाता है। जैसे :

‘शिक्’ (सीख) प्रेरणार्थक (प्रेरणार्थक) क्रिया

शिक् + -आ + -अछे = शिकाअछे

शिक् + -आ + -अछिल = शिकाअछिल

शिक् + -आ + -व = शिकाव

लेकिन,

‘पढ़’ (पढ़) पढ़ + -उवा + -व = पढ़ुवाव

था + -उवा + -व = थुवाव

2. ‘प्रकलो’ : इस असमिया शब्द में विभक्ति लगाने पर हमेशा विभक्ति जोड़ने के बाद (-ए) स्वर का प्रयोग आभास होता है। जैसे :

-ब : प्रकलो + -ब + -ए = प्रकलोबे

-क : प्रकलो + -क + -ए = प्रकलोके

3. हेनो : इस का प्रयोग असमिया में हिन्दी के ‘सुना जाता है, कहा जाता है’ आदि के अर्थ में होता है। हिन्दी शब्द ‘मानों’ से इसका अर्थ पृथक है। जैसे :

तुमि हेनो नपठा : सुना है तुम पढ़ते नहीं; लोग कहते हैं तुम पढ़ते नहीं।

4. वरगीत : यह धर्ममूलक ध्रुपदीय संगीत है। इसका आधार नव रस है। नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने जनता को आकर्षित करने के लिए इस तरह के गीत पहली बार लिखे थे। उनके शिष्य माधवदेव ने भी कुछ गीत लिखे हैं। इन दोनों महापुरुषों के लिखे गीतों को ही *वरगीत* कहा जाता है। वरगीत की भाषा ब्रजवुलि है, जो ब्रजभाषा और प्राचीन असमिया का मिश्रण है।
5. बिहुगीत और बिहुनाच : असम में बिषुव संक्रांति के समय सात दिन तक ‘रंगालि बिहु’ उत्सव मनाया जाता है। इस समय वसंत ऋतु का आगमन होता है। पृथ्वी शस्य-श्यामला होती है। इस अवसर पर युवा-युवतियाँ आनन्दित होकर नाचती और गाती हैं। इस तरह के बिहु गीतों का मूल भाव प्रेम होता है।
6. जोरन : यह असमिया विवाह का एक अनुष्ठानिक मांगलिक कार्य है। यह आम तौर पर विवाह के एक दिन पहले मनाया जाता है। इसमें दूल्हे के घर से कुछ पुरुष और स्त्रियाँ दुल्हन के लिए कपड़े, आभूषण, सिंदूर, नारियल, सुपारी आदि लेकर जाते हैं।

7. सवाह : उत्सव आदि धार्मिक, मांगलिक कार्य।
8. सत्रीया नृत्य : यह एक ध्रुपदीय नृत्य है जिसका प्रारंभ नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने किया था।
9. बरो : असम की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी जनजाति का एक समूह।
10. खेराइ : बोरो लोगों के द्वारा अपने समाज की उन्नति के लिए किया जाने वाला अनुष्ठान जिसमें पशु-बलि भी दी जाती है।
11. देवधनी : शक्ति पूजा के समय नृत्य करनेवाली नर्तकी।

পৰিবেশ আমাৰ বন্ধু

নৰেশ : ডাক্তৰবাবু, আজি কিছুদিনৰ পৰা
গাঁওখনৰ ঘৰে ঘৰে বেমাৰ। নিৰুপায়
হৈ আপোনাৰ ওচৰলৈ আহিলোঁ।

ডাক্তৰ : আপোনালোক বহু। এম্প একে
কাৰণতে ময়ো বৰ চিন্তিত। আমাৰ
মানুহৰ সৰহ ভাগ বেমাৰ-আজাৰৰ
কাৰণ দূষিত পৰিবেশ। গতিকে
পৰিবেশ নিৰ্মল ৰখাটো বৰ
প্ৰয়োজনীয়।

মহেশ : পৰিবেশনো কি? আমাক অলপ
সহজ ভাষাত বুজাম্প ক'বনে?

ডাক্তৰ : পৰিবেশৰ ঐা প্ৰধান উপাদান হল
পানী। পানীয়েম্প সৰহভাগ ৰোগৰ
বীজাণু কঢ়িয়ায়। নৈ আৰু পুখুৰীৰ
পানী এনেয়ে খোৱাটো বেয়া। কেৱল
উতলোৱা পানীহে খাব লাগে।

গোবিন্দ : আজিকালি আমি বালি আৰু
এঙাৰৰ কলহত পানী বিশুদ্ধ কৰোঁ।

ডাক্তৰ : বৰ ভাল কথা। দ্বিতীয় কথা হল ---

বাতাবৰণ হমাৰা মিত্ৰ

নৰেশ : ডাক্তৰ বাবু, পিছলে কুচ দিনোঁ সে
গাঁও মেন্ ঘৰ-ঘৰ বীমাৰী ফৈলী হৈ।
নিৰুপায় হোকেৰ হম আপকী শাৰণ
মেন্ আএ হৈঁ।

ডাক্তৰ : আপলোগ বৈঠেঁ। ইস বাত সে তো মেন্
মী চিন্তিত হুঁ। হমলোগোঁ কী
অধিকাংশ বীমাৰিয়োঁ কা কাৰণ হৈ
দূষিত পৰ্যাবৰণ। ইসলিএ পৰ্যাবৰণ
কো নিৰ্মল ৰখনা অত্যন্ত আবশ্যক
হৈ।

মহেশ : পৰ্যাবৰণ সে আপকা মতলব ক্যা
হৈ? হমেন্ থোড়ী সৰল ভাষা মেন্
সমজাইএ।

ডাক্তৰ : পৰ্যাবৰণ মেন্ কই বাতেন্ শামিল হৈঁ।
ইনমেন্ মুখ্য হৈ পানী। পানী কে
কাৰণ ৰোগোঁ কে জীবাণু ফৈলতে হৈঁ।
নদী তথা তালাবোঁ কা পানী বিনা
উবালে (কচ্চা) পীনা হানিকাৰক
হোতা হৈ। কেবল উবলা হুআ পানী
হী পীনা চাহিএ।

গোবিন্দ : আজকল হম বালু ঔৰ কোয়লে সে
পানী সাফ কৰতে হৈঁ।

ডাক্তৰ : বহুত অচ্চী বাত হৈ। দূসৰী বাত হৈ

য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰা
বেয়া। এম্প দুৱ পৰাও ৰোগ
বিস্তাৰিত হয়। গতিকে চেনিতেৰি
পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে।
এম্পবোৰ কথা আপোনা-লোকে
জানিলেম্প নহব, ৰাম্পজকো বুজোৱা
উচিত।

নৰেণ : গোঁহালিত ধোঁৱা দিওঁ। আবেলি
ঘৰত ধূনা দিওঁ। এম্পবোৰত একো
অসুবিধাতো নাম্প?

ডাক্তৰ : বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰখাটো আমাৰ
সকলোৰে কৰ্তব্য। বায়ুৰ পৰা আমি
অক্সিজেন লওঁ। গতিকে আমি বায়ু
বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে। গছৰ পাত,
আবৰ্জনা আদি পুৰি পেলোৱাটো
বেয়া। এম্পবোৰৰ পৰা পচন সাৰ
উৎপাদন কৰিব লাগে। ঘৰত ধূনা
কম পৰিমাণেহে দিব লাগে।

মোহন : গাওঁত মহ মাথিৰো বৰ উৎপাত।
ৰাতি শুব নোৱাৰি।

ডাক্তৰ : মহ মাথিয়েও বেমাৰ বিয়পায়। মহে
কামোৰাটো বিপদজনক। মেলেৰীয়া,
ফাম্পলেৰীয়া আদি ৰোগ মহে

কি ইধৰ-উধৰ টটী-পেশাব কৰনা
भी बुरी बात है। इन दोनों से भी
बीमारी फैलती है। इसलिए पक्का
शौचालय बना लेना चाहिए। केवल
आप लोगों के लिए ही यह
जानकारी काफी नहीं है। यह बात
जनता को भी समझाना होगा।

नरेन : घर में जहाँ पशुओं को रखते हैं
वहाँ धुआँ करते हैं। शाम को अपने
घर में 'धूना' करते हैं। इसमें कोई
बुराई तो नहीं है?

डॉक्टर : वायु-मंडल को शुद्ध रखना हम सब
का कर्तव्य है। वायु से हम
ऑक्सीजन लेते हैं। फलतः वायु
को शुद्ध रखना चाहिए। पौधों के
पत्ते कूड़े आदि को जला देना
गलत बात है। इन सबसे ख़ाद
बनाना चाहिए। घर में धूना कम
मात्रा में ही देना चाहिए।

मोहन : गाँव में मक्खी-मच्छरों का बड़ा
उत्पात है। रात को सो नहीं पाते।

डॉक्टर : मक्खी-मच्छरों से भी बीमारी
फैलती है। मच्छर का काटना भी
खतरनाक है। मलेरिया,
फाइलेरिया आदि मच्छरों से फैलते
हैं।

मक्खियाँ भी हमारी खाने की चीज़ों
को विषाक्त बना देती हैं। इसलिए

বয়পায়।

মাথিয়েও আমার খোঁরা বস্তু
বিষাক্ত করে। গতিকে মহ মাথিৰ
বৃদ্ধিহে বোধ কৰিব লাগে। মহৰ
উৎপত্তিস্থল নলা নৰ্দমা। গতিকে নলা
নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ ৰখা, জাৰৰ জোখৰ
পুৰি পেলোৱা আৰু লেতেৰা হবলৈ
নিদিয়াটো অতি প্ৰয়োজনীয় কথা।

মহেশ : এম্পবোৰ বৰ জানিবলগীয়া কথা।
আপুনি এদিন আমাৰ ৰাম্পজক
এখন সভাত এম্পবোৰ কথা বুজাম্প
কোৱা ভাল হব।

ডাক্তৰ : ঠিক আছে। আপোলোকে বন্দবস্ত
কৰক। মম্প নিশ্চয় যাম।

মহেশইত: ডাক্তৰ চাহাব! বহুত ধন্যবাদ।

कोशिश करें कि मक्खी-मच्छर पैदा
ही न हों। मच्छरों के पैदा होने के
स्थान हैं -- नालियाँ, गड्ढे,
गंदगी। हमें चाहिए कि नालियों को
साफ रखें, गड्ढों को पूर दें और
गंदगी न होने दें।

महेश : ये सब बातें जानने लायक हैं।
कृपया आप एक दिन ये सब बातें
ग्राम सभा में जनता को भी समझा
दें तो अच्छा होगा।

डॉक्टर : ठीक है। आपलोग व्यवस्था
कीजिए, मैं जरूर आऊंगा।

महेश : डॉक्टर साहब! बहुत-बहुत
धन्यवाद।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ

ঘৰে ঘৰে

বেমাৰ-আজাৰ

বেমাৰী

हिंदी अर्थ

घर घर में

बीमारी

बीमार

किवा	कुछ
নিৰুপায়	निरुपाय
একে	एक ही
কাৰণ	कारण
চিহ্নিত	चिंतित
সৰহ	अधिकांश
দূষিত	दूषित
নিৰ্মল	निर्मल
ৰখা	रखना
প্রয়োজন	आवश्यक
পানী	पानी
বীজাণু	जीवाणु
কঢ়িয়ায়	फैलाते हैं
নৈ	नदी
পুখুৰী	तालाब
এনেয়ে	यों ही
বেয়া	अनुचित, खराब
উতলোৱা	उबालना
বালি	बालू
এঙাৰ	कोयला
কলহ	कलश, घड़ा
বিশুদ্ধ	शुद्ध
	दूसरा
	इधर-उधर, जहाँ-तहाँ

द्वितीय	विस्तारित
य'ते त'ते	फलस्वरूप, इसलिए
विस्तारित	गड्ढा
गतिके	गंदगी
गाँत	शौचालय
लेतेबा	जानते हो
पायथाना	समझना
जाना	घर में पशुओं को बाँधने की जगह
बुजा	धुआँ
गोहालि	देना
धौंरा	धूना
दिया	जानता हूँ
धूना	के विषय में
जानो	दो शब्द
विषये	वायुमंडल
दुआषाब	सब
वायुमण्डल	कर्तव्य
प्रकलो	वायु
कर्तव्य	रखना
वायु	फैलाते हैं
बाथ	रोग
बियपाय	विषाक्त
	पैदा होना
	रोकना

ৰোগ	জাননে লায়ক
বিষাক্ত	জনতা
বৃদ্ধি	বন্দোবস্ত
ৰোধ	
জানিবলগীয়া	
ৰাম্পজ	
বন্দোবস্ত	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ কে অনুসার নীচে दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

উদাহৰণ :

(ক) পৰিবেশ নিৰ্মল ৰখাটো প্ৰয়োজন।

→ পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে।

1. উতলোৱা পানী খোৱাটো ভাল।
2. য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰাটো বেয়া।
3. বালি আৰু এঙাৰেৰে পানী বিশুদ্ধ কৰাটো প্ৰয়োজন।
4. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰখাটো প্ৰয়োজনীয় কথা।
5. নলা নৰ্দমাত মহ মাখি বৃদ্ধি ৰোধ কৰা প্ৰয়োজন।

(খ) আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ আহিব লাগে।

→ আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ অহাটো প্ৰয়োজন/উচিত।

1. এম্পবোৰ কথা গাওঁত ৰাম্পজে জানিব লাগে।
2. খোৱা বস্তুত মাখি পৰিবলৈ দিব নালাগে।

3. জীৱ-জন্তুক মহৰ কামোৰৰ পৰা বচাম্প ৰাখিব লাগে।
4. গছৰ পাত, গোবৰ আদি পুৰিব নালাগে।
5. আমি সকলোৱে বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে।
6. আমি নৈ বা পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খাব নালাগে।

II. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজিএ :

1. গাওঁৰ মানুহ বিলাকৰ কি হৈছে?
2. গাওঁৰ মানুহৰ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণে আৰু কোন চিকিত্ত?
3. বেমাৰ আজাৰ নহবৰ কাৰণে প্ৰয়োজনীয় কথা কি?
4. কেনেকুৱা পানী খোৱাটো ভাল?
5. আজিকালি গাওঁৰ মানুহে কেনেকৈ পানী বিশুদ্ধ কৰে?
6. আমাৰ সকলোৰে কৰ্তব্য কি?
7. কিহৰ পৰা সাৰ উৎপাদন কৰিব পাৰি?
8. মেলেৰীয়া, ফাম্পলেৰীয়া আদি কিহে বিয়পায়?

III. কোষ্টক মঁ দিএ গএ শব্দোঁ মঁ সে সহী শব্দ চুনকৰ বাক্য পূৰে কীজিএ।

(স্প, টা, তো, এম্প, নো, হে)

1. মাথিয়ে _____ আমাৰ খোৱা বস্তু বিষাক্ত কৰে।
2. এম্পবোৰ কথা দুস্প এজনে জানিলে _____ নহব।
3. নৈ আৰু পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খোৱা _____ বেয়া।
4. আমি কেবল উতলোৱা পানী _____ খাব লাগে।
5. পানীয়ে সৰহ ভাগ ৰোগৰ _____ বীজাণু কঢ়িয়ায়।
6. পৰিবেশ _____ কি?

IV. पाठ में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমাৰ মানুহৰ _____ ভাগ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণ দূষিত পানী।
2. পুখুৰীৰ পানী _____ খোৱাটো বেয়া।
3. গছ পুৰিলে _____ হয়।
4. অসমত মানুহে গৰু _____ বান্ধে।
5. বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ কৰাটো আমাৰ _____ কৰ্তব্য।
6. মহৰ উৎপত্তিস্থল নলা _____।
7. মহ মাথিয়ে বেমাৰৰ বীজানু _____।
8. গুৱাহাটীত মহৰ বৰ _____।
9. ডাক্তৰে এখন সভাত _____ স্বাস্থ্য ৰক্ষাৰ কথা বুজাম্প কোৱা উচিত।

V. पाठ के आधार पर उपयुक्त शब्द/वाक्यांश जोड़कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ডাক্তৰ বৰ চিন্তিত; কাৰণ।
2. আমি পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে; কাৰণ।
3. খোৱা পানী বিশুদ্ধ হব লাগে; কাৰণ।
4. মহে কামোৰাটো বিপদজনক; কাৰণ।
5. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; কাৰণ।
6. ডাক্তৰে ৰাম্পজক স্বাস্থ্যৰ কথা কব লাগে; কাৰণ।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বতাহ হাওফাওৰ সেৱনেম্প ৰোগৰ দূষিত কাৰণ

→ দূষিত বতাহ সেৱনেম্প হাওফাওৰ ৰোগৰ কাৰণ।

1. ৰোগৰ প্ৰধান পানীয়েম্প কাৰণ
2. বিশুদ্ধ প্ৰধান কৰাৰ পানী উপায়বোৰ কি কি
3. পচন সাৰ উপাদান বাবে শস্যৰ ভাল
4. বিয়পে মেলেৰীয়া মহৰ পৰা
5. কথা এম্পবোৰ বৰ সঁচাকৈয়ে জানিবলগীয়া

VII. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. অসমীয়া মহিলাম্প তাঁতত বোৱা পৌমুগাৰ কাপোৰ পৃথিৱী বিখ্যাত।
2. বাঁহ-বেতৰ আচবাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

पढ़िए और समझिए।

জামিলাৰ চিঠি

জামিলা বেগম
সিজুবাৰী, গুৱাহাটী-৩৮
৩ এপ্ৰিল, ৯২

পূজনীয়া মা,

পোন প্ৰথমে মোৰ সেৱা লবা। খোদাৰ দোঁৱাত মম্প ম্পয়াত ভালেম্প আছোঁ। আশা কৰোঁ ঘৰত তোমালোক আঁয়ে ভালে আছা।

কলেজত পৰিবেশ সম্বন্ধে কিছু নতুন কথা শিকিলোঁ। সেম্পবোৰ ভাম্পা-ভিহঁতৰ বাবে লিখি পঠালোঁ।

জানা মা, পৰিবেশ আমাৰ ডাঙৰ বন্ধু। স্পয়াক বিশুদ্ধ কৰি ৰখাটো অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা। আমি জখে মখে গছ গছনি কৈ অনুচিত। গছে বায়ুৰ পৰা এঙাৰ গেচ শুহি লয়, বিশুদ্ধ অক্সিজেন আমাৰ কাৰণে এৰি দিয়ে। গছে পৰিবেশ শীতল আৰু নিৰ্মল কৰি ৰাখে। স্প আমাক ছাঁ, ফলমূল আৰু কাঠ দিয়ে। সেয়ে আমি ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে।

জানা মা, আমি জাবৰ-জোঠৰ, গছৰ পাত আদি পুৰিব নালাগে। সেম্পবোৰ পুতি থব লাগে। তাৰ পৰা ভাল পচন সাৰ হয়। গোবৰ পুৰিব নালাগে। গোবৰ পুৰিলে ধোঁৱা উৎপন্ন হয় আৰু স্প পৰিবেশ দূষিত কৰে। বৰং গোবৰৰ সাৰ খেতিত দিব লাগে।

মুকলি ঠাম্পত শৌচ পেচাব কৰা বেয়া। স্প ৰোগ বিয়পায়। গতিকে আমি ঐ চেনিতেৰি পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰি লব লাগে। ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধোৱা অনুচিত। তাত কাপোৰ ধোৱাও ঠিক নহয়।

নলা বা বন্ধ পানীত মহ মাখি ওপজে। স্পইতে ৰোগৰ বীজাণু বাঢ়িয়ায়। গতিকে বন্ধ পানী উলিয়াম্প দিব লাগে।

মাঁ, কথাবোৰ ভাস্পৰ্হিতক কৰা। বন্ধত আমি লগ লাগি এস্পবোৰ কাম কৰিম। বিশুদ্ধ পৰিবেশে মানুহৰ স্বাস্থ্য ভালে ৰাখে।

বেছি লিখি আমনি নকৰোঁ। পুনৰ সেৱা জনাম্প স্পমানতে সামৰিলোঁ।

স্পতি

তোমাৰ মৰমৰ

জামিলা

প্ৰতি

শ্ৰীমতী হাচিনা বেগম

গাওঁ : ঢেকীয়াখোৱা

পো: আ: - ভূৰাগাওঁ

জিলা : মৰিগাওঁ

অসম

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দি অর্থ
আশা কৰোঁ	আশা करता हूँ
সম্বন্ধে	के संबंध में
কিছু	कुछ
ভাৰ্পোঁ	छोटा भाई
ভৰি	बहन
পঠালোঁ	भेज दिया
বন্ধু	बन्धु
অতিশয়	अधिकता
জখে মখে	जहाँ-तहाँ
গছ-গছনি	पेड़-पौधे
কৈ	काटना
অনুচিত	अनुचित
এঙাৰ গেছ	कार्बन डाइ-अक्साईड
শুহি	सोख लेते हैं
অক্সিজান	ऑक्सीजन
শীতল	शीतल
	छाया

ছাঁ	फल-मूल
ফলমূল	लकड़ी, काठ
কাঠ	लगाना, रोपना
বোৱা	जलाना
পুৰিব	गाड़ना
পুতি	कंपोस्ट खाद
পচন সাৰ	गोबर
গোবৰ	जला, भुना
পোৰা	उत्पन्न
উৎপন্ন	दूषित
দূষিত	खुला, खुली
মুকলি	रोग
ৰোগ	जनता
ৰাজহুৱা	पोखर
পুখুৰী	धुआँ
ধোঁৱা	कपड़ा
কাপোৰ	बन्द
বন্ধ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) पर्विवेश विशुद्ध बाखिब लागे। म्प अतिशय प्रयोजनीय कथा।

—► পৰিবেশ বিশুদ্ধ ৰখাটো অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা।

1. ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে; স্প জনহিতকৰ কাম।
2. পুখুৰীৰ পানী পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; স্প স্বাস্থ্যৰ কাৰণে ভাল।
3. সদায় গা ধুব লাগে। স্প স্বাস্থ্যৰ বাবে ভাল।
4. মানুহে সময়মতে খাব লাগে; স্প বৰ ভাল কথা।
5. জাবৰ জোঠৰ পুতি থব লাগে; স্প বৰ প্ৰয়োজনীয় কথা।

(খ) জখে মখে গছ-গছনি কাঁৰি নালাগে; স্প অনুচিত কথা।

—► জখে মখে গছ-গছনি কঁটো অনুচিত কথা।

1. আমি গোবৰ পুৰিব নালাগে; স্প বৰ বেয়া কথা।
2. ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধুব নালাগে; স্প ঠিক কথা নহয়।
3. বন্ধ পানী ৰাখিব নালাগে; স্প মহ মাখিৰ বংশ বৃদ্ধিৰ সহায়ক।
4. মাংস বেছিকৈ খাব নালাগে; স্প পেৰ কাৰণে বেয়া।
5. বেছিকৈ ফি. ভি. চাব নালাগে; স্প চকুৰ কাৰণে হানিকাৰক।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. স্প ৰোগ _____ । (বিয়পা)
2. জখে মখে গছ-গছনি _____ নালাগে। (কৌ)
3. বন্ধ পানী সদায় _____ দিব লাগে। (উলিয়া)
4. গছৰ পাত _____ থব লাগে। (পোত)
5. পুখুৰীত গা _____ অনুচিত। (ধো)

III. विलोम शब्द बनाइए।

বন্ধ

দীঘল

কম

চাপৰ

ডাঙৰ

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. গছে বায়ুৰ পৰা কি শুহি লয়?
2. গছে আমাক কি কি দিয়ে?
3. ৰাস্তাৰ দাঁতিত কিয় গছ ৰুব লাগে?
4. বন্ধ পানীত কি হয়?
5. মহ মাথিয়ে কি কৰে?
6. জামিলাৰ মাকৰ নাম কি?

V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

অসমৰ মানুহ পৰিবেশ সচেতন। অসমৰ গাওঁবোৰ পৰিষ্কাৰ আৰু আহল বহল। গাওঁৰ মানুহবোৰ সহজ সৰল আৰু বন্ধুত্ব পৰায়ণ। অসমীয়া মহিলাসকল তাঁতত বৰ সুন্দৰ কাপোৰ বৰ পাৰে। অসমৰ পৌ-মুগাৰ কাপোৰ পৃথিৱী বিখ্যাত। কাঁহ-পিতল আৰু হাতী-দাঁতৰ শিল্পৰ বাবেও অসম প্ৰসিদ্ধ। বাঁহ-বেতৰ আচৰাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

VI. असमिया में अनुवाद कीजिए।

दिन-ब-दिन हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। हमें पर्यावरण के प्रति सचेत रहना चाहिए। पर्यावरण का संबंध हवा और पानी से है। प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को चाहिए कि वे नई तकनीक अपनाएँ। धुआँ छोड़ने वाले वाहनों में सी. एन. जी का प्रयोग करना चाहिए। इससे

हवा साफ रहेगी। हमें ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ही हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

VII. 'शोर भी प्रदूषण है' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. '-नो' (-नो) : प्रश्नार्थक वाक्यों में जिस शब्द पर बल देना होता है उसके बाद '-नो' (-नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

'तूमिनो केतिशा आशिला?' में तूमि (तुम) पर बल दिया जाता है। किन्तु 'केतिशानो आशिला' में केतिशा (कब) पर बल दिया जाता है।

2. '-उन्ना' (-ओवा) : धातु के साथ '-उन्ना' (-ओवा) जोड़कर भूतकाल वाचक विशेषण बनाया जाता है। जैसे :

उतल + -उन्ना > उतलोनन्ना (पानी) उबला हुआ पानी

पढ़ + -उन्ना > पढ़ोनन्ना (विषय) पढ़ा हुआ विषय

3. '-आ' (-आ) : मूल धातु के साथ '-आ' (-आ) जोड़कर क्रियावाची संज्ञा बनाई जाती है। आकारांत शब्दों में '-आ' जोड़ने पर अन्तिम स्वर \bar{a} (आँ) में बदल जाता है। ऐसे क्रिया निर्देशात्मक अर्थ प्रकट करने के लिए संज्ञा के साथ '-टो' (-तो)' युक्त होता है। जैसे :

कब + -आ > कबा + टो = कबाटो

या + -आ > योरा + टो = कबाटो

कामोब + -आ > कामोबा + टो = कामोबाटो

बिहू

बिहु

बमेन : अ' चूबाया, आहक, आहक; आजि
आकौ ल'बा-छोरालीकेम्पा घरत
नाम्प।

चूबाया : कलै ग'ल सिहँत?

बमेन : सिहँत कालि माकब लगत गारब
घबलै गैछे। कालिलैब पबा
आमाब बिहू।

चूबाया : आपोनालोकब प्रधान उँस्र बिहू
नेकि?

बमेन : हय। तिनि ऋतुत आमि तिनि बिहू
पालन करौ।

चूबाया : तिनिउा बिहू एके धबणे ने बेलेग
बेलेग धबणे मना हय ?

बमेन : असमीया नतून बछब सङ्क्रान्ति
प्रथमौ बिहू हय। दक्षिण
भाबतब

रमेन : आइए! आइए सुब्बायाजी! आज तो
बच्चे घर में नहीं हैं।

सुब्बाया : अरे! वे लोग कहाँ गए हैं?

रमेन : वे अपनी मम्मी के साथ कल गाँव
चले गए हैं। कल से हमलोगों का
बिहु शुरु हो रहा है।

सुब्बाया : आप का मुख्य उत्सव बिहु है
क्या?

रमेन : हाँ, है। तीन ऋतुओं में तीन बिहु
मनाए जाते हैं।

सुब्बाया : तीनों बिहु एक ही तरह मनाए
जाते हैं, या अलग अलग?

रमेन : असमिया नववर्ष की संक्रान्ति पर
प्रथम बिहु मनाते हैं। यह दक्षिण
भारत के उगादि उत्सव की
तरह

उगादि आदिब दबे। म्पयाक
बहाग बिहू बोले। उँतब भाबतब

है। इसे बहाग बिहु कहा जाता है।
उत्तरी भारत की होली से यह
मिलता जुलता है। इस बिहु में
युवक युवतियाँ खुले मैदान में

হোৱা উৎসৱৰ লগত স্পৰ্শৰ মিল আছে। ডেকা-গাভৰুৱে মুকলি পথাৰত বিহু নাচে, সন্ধিয়া ঘৰে ঘৰে হুঁচৰি গায়। ৰং ধেমালি কৰা হয় বাবে স্পৰ্শক ৰঙালী বিহু বুলিও কোৱা হয়।

চুৰায়া : এম্প সকলোবোৰ একে দিনাম্প হয়নে?

ৰমেন : নহয়। আগতে এম্প বিহু এমাহ ধৰি পালন কৰা হৈছিল। আজিকালি এসপ্তাহ, দহদিনতকৈ বেছি মনা নহয়। এম্প বিহুৰ প্ৰথম দিনটোক গৰু-বিহু বুলিও কোৱা হয়। সেম্পদিনা গৰু-ম'হক গা ধুওৱা হয়। নতুন পঘা দিয়া হয় আৰু ভাল খাদ্য খাবলৈ দিয়া হয়।

চুৰায়া : মানুহৰ বাবে একো নাম্প নেকি?

ৰমেন : আছে, আছে। দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু। সেম্পদিনা মানুহে মাহ-হালধি ঘাঁহি গা ধোৱে। ভগৱানৰ মূৰ্তি ধুওৱাৰ পিছত নতুন কাপোৰ দিয়া হয়। নামঘৰৰ থাপনা নতুনকৈ

নাচতে-গাতে হৈ। শাম কো ঘৰ-ঘৰ মেন্ জাকৰ যে 'হুসৰী' গাতে হৈ। মাহৌল ৰংগীন হোতা হৈ; ইসলিএ ইসে ৰংগালী বিহু মী কহতে হৈ।

সুৰায়া : তো क्या यह सब एक ही दिन में हो जाता है?

रमेन : नहीं। बहुत पहले यह बिहु महीने भर मनाया जाता था। आजकल एक सप्ताह या दस दिन तक मनाया जाता है। इस बिहु के प्रथम दिन को गो-बिहु कहते हैं। उस दिन पालतू गाय-भैंसों को नहलाया जाता है, उनके गले में नई रस्सियाँ बँधी जाती हैं और विशेष भोजन कराया जाता है।

सुर्वाया : आदमियों के लिए कुछ भी नहीं है क्या?

रमेन : है, जरूर है। दूसरे दिन मानव बिहु होता है। उस दिन आदमी पिसी हुई उड़द-हल्दी मलकर नहाते हैं। भगवान की मूर्ति को स्नान कराने के बाद नए कपड़े पहनाते हैं। पूजाघर को विशेष रूप से सजाया जाता है। विशेष नैवेद्य

चढ़ाए जाते हैं। छोटे-बड़े सभी नये कपड़े पहनते हैं। स्त्रियाँ खुद बुने हुए गमछे पुरुषों को भेंट करती हैं। उसे 'बिहुवान' कहते हैं।

सजोरा

हय। तात नैबद्य उ०सर्ग कबा
हय। सेम्पदिना स० डण्ड
सकलोरे नतुन कापोर पिन्ने,
तिबोतासकले निजेम्प वै पुरुषक
गामोछा दिये। म्पयाक बिहरान
बोले।

चुम्बाया : तात माप्पकी मानुहे कापोर बय
नेकि? आमाब म्पयात मता
मानुहेहे कापोर बय।

बमेन : हय। दुम्प तिनि माह आगरे पबा
तिबोताबिलाके बिहब कापोर
बबले आबस्तु करे।

चुम्बाया : बाकी दूा बिह केतिया पालन कबा
हय?

बमेन : द्वितीय बिहटोक काति बिह बुलि
कोरा हय। आहिन आरु काति
माहब संक्रान्ति म्पयाक पालन कबा
हय। एम्प समयत खाद्य शस्यब
प्राचुर्य कम हय बावे म्पयाक
कङ्गाली बिह बुलिओ कोरा हय।

सुब्बाया : क्या वहाँ औरतें कपड़े बुनती हैं?
हमारे यहाँ तो पुरुष ही कपड़े
बुनते हैं।

रमेन : हाँ, दो तीन महीने पहले से औरतें
बिहु के कपड़े बुनना प्रारंभ कर
देती हैं।

सुब्बाया : फिर बाकी दो बिहु कब-कब मनाए
जाते हैं?

रमेन : दूसरे बिहु को काति बिहु बोला
जाता है। आश्विन और कार्तिक की
संक्रान्ति पर इसे मनाया जाता है।
उस समय खान-पान की चीज़ों का
प्राचुर्य नहीं रहता है। इसलिए इसे
कंगाली बिहु भी कहा जाता है।
कहा जाता है उस दिन धान में
पहली बाली आती है। शामको खेत
में और तुलसी के सामने थाले में
नैवेद्य चढ़ाया जाता है और दीपक
जलाया जाता है।

सुब्बाया : तीसरा बिहु कैसे और कब मनाया
जाता है?

रमेन : असम का तीसरा बिहु माघ बिहु
जो पूस और माघ की संक्रान्ति पर
मनाया जाता है। इस बिहु से पहले

তেতিয়া ধানে ঠোৰ মেলেহে। সন্ধিয়া
পথাৰত আৰু তুলসীৰ তলত
নৈবদ্য দিয়া হয় আৰু চাকি
জ্বলোৱা হয়।

চুৰ্কায়া : তৃতীয় বিহুটো কেনেকৈ আৰু
কেতিয়া পালন কৰা হয় বাৰু?

ৰমেন : অসমৰ তৃতীয় বিহু মাঘ বিহু। পুহ
আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিত স্পয়াক
পালন কৰা হয়। বিহুৰ আগে আগে
খেতি চপোৱা হয়। সেয়ে ধান, মাহ,
শাক পাচলিৰে মানুহৰ ঘৰ উঠেনদী
হয়। ঘৰে ঘৰে নানান তৰহৰ পিঠা
পনা কৰা হয়।

চুৰ্কায়া : স্পয়াৰো বেলেগ নাম আছে নেকি?

ৰমেন : আছে। স্পয়াক ভোগালী বিহু বুলি
কোৱা হয়। এম্প বিহুৰ প্ৰধান
বৈশিষ্ট্য হল ভোগ। সেয়ে স্পয়াক
ভোগালী বোলা হয়। বিহুৰ
আগদিনা ৰাতি পথাৰত ৰাজহুৱা
ভাবে ভোজভাত খোৱা হয়।

চুৰ্কায়া : বিহুলৈ আমাক নামাতে নেকি?

ৰমেন : আপুনি মোৰ লৰাটোৰ ঘৰুৱা

খেত কা অনাজ ঘৰ আ জাতা হৈ।
ইসলিএ ধান, উড়দ, সাগ-সব্জী
আদি কা প্ৰাচুৰ্য্য হোতা হৈ। ঘৰ-ঘৰ
মেন্ বিবিধ প্ৰকাৰ কে গুঞ্জিয়া আৰু
লড়ু বনতে হেন্।

সুৰ্কায়া : ইসকা ধী অলগ নাম হৈ ক্যা?

ৰমেন : জী হাঁ, হৈ। ইসে ভোগালী বিহু কহা
জাতা হৈ। ইস বিহু কী মূল
বিশেষতা হৈ -- ভোগ। ইসলিএ ইসে
ভোগালী বিহু কহা জাতা হৈ। ইস
বিহু কে পহলে দিন ৰাত কো খুলে
মৈদান মেন্ সামূহিক ভোজ হোতা হৈ।

সুৰ্কায়া : বিহু কে লিএ হমেন্ নহী বুলিআগে
ক্যা?

ৰমেন : আপ হমারে বেটে কো পড়াতে হেন্।
আপকো ক্যো নহী বুলিআগে? আপ
একবার ভোগালী বিহু পৰ হমারে
গাঁৱ মেন্ অৱশ্য আএঁ। ইস বিহু পৰ
প্ৰত্যেক গাঁৱ মেন্ মেজি বনায়ি জাতা
হৈ। বিহু কে দিন বড়ি সবেরে ইসে
জলায়ি জাতা হৈ। মেজি মেন্ উড়দ,

তিল, নারিয়ল, সুপাৰী আদি
চড়াইয়ি জাতা হৈ। আপ এক ৰা
জৈসে ধী হো অৱশ্য আএঁ।

শিক্ষক। আপোনাক নামাতিমনে? সুব্বায়া : জরুর আঁঙা।
 আপুনি এবাৰ ভোগালী বিহুত
 আমাৰ গাঁৱলৈ ওলাব।
 এম্প বিহুত গাঁৱে গাঁৱে মেজি
 সজা হয়। বিহুৰ দিনা

ঢলপুৱাতে মেজি জ্বলোৱা হয়।
 মেজিত মাহ, তিল, নাৰিকল,
 তামোল আদি উৎসৰ্গা কৰা হয়।
 আপুনি যেনে তেনে এবাৰ আহিবলৈ
 চেষ্টা কৰিব।

চুৰায়া : ভাল বাৰু।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দি অর্থ
লৰালৰি	জল্দি-জল্দি
উৎসৱ	উৎসব
বিহু	বিহু (অসম মেন্ মনায়া জানেৱালা লোকেত্‌সৱ)
ঋতু	ঋতু
পালন কৰা	পালন কৰনা
মনা হয়	পালন কিয়া জাতা হৈ / মনায়া জাতা হৈ
সংক্ৰান্তি	সংক্ৰান্তি
উগাদি	দক্ষিণ ভাৰত (কৰ্ণাটক, অন্ধ্ৰ) কা নএ বৰ্ষ কা উৎসৱ

नानान	विविध
ब१ ब१म्पच	रंग-रेलियाँ
ब१ धेमालि	रंग-रेलियाँ
पथाब	खेत
श्चबि	बिहु-गीत से पहले गाए जानेवाला मांगलिक गीत
धेमालि	खेलकूद
बङाली	रंगीन
गढ विल्	गो-बिहु
गढ	गो
म'ह	भैंस
पघा	पगहा (रस्सी)
थादा	खाद्य
माह शालधि	उड़द-हल्दी (उबटन सामग्री)
घँहि	मलकर
गोअँम्प	गोसाईं (भगवान की मूर्ति)
धूराँम्प	स्नान कराकर
नतून	नवीन, नया
कापोब	कपड़ा
गामोचा	गमछा
बिल्बान	बिहु के दिन भेंट किया जानेवाला वस्त्र
वय	बुनती है
आहिन	आश्विन
काति	कार्तिक
प्राचूर्या	प्रचुरता, प्राचुर्य
	कंगाली

कङ्गाली	धान
धाने	बाली
ठोब	निकलते हैं
मेलेहे	संध्या
सक्रिया	आधार
र्जो	तुलसी
तुलसी	दीपक
चाकि	जलाना
ज्वलोर्रा	पौष माह
पुह	माघ
माघ	आगे-आगे, पहले
आगे आगे	खेत
थेति	संग्रह करना
चपोरा	उड़द
माह	प्राचुर्य
उँडेनदी	घर घर में
घरे घरे	गुझिया आदि
पिठापना	भोगाली
भोगाली	विशेषता
वैशिष्ट्य	भोग
भोग	पहले दिन
आगदिना	सामूहिक
बाजलूरा	भोज
भोजभात	घरेलू
घरूरा	बाँस आदि से बनाया गया मंदिरनूमा ढाँचा
	बड़े सवेरे, पौ फटते ही

মেজি	তিল
ঢলপুৰা	নারিয়ল
তিল	चढ़ाना
নাৰিকল	
উৎসৰ্গা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

तिनि। ऋतुत तिनि। बिह पालन करे।

→ तिनि। ऋतुत तिनि। बिह पालन कबा हय।

1. बिहृत खुब बं धेमालि करे।
2. बिहृत बावे नतुन कापोर वय।
3. बिहृत गरुक नतुन पया दिये।
4. बहाग बिहृत बङाली बिह वुलिओ कय।
5. माघ बिहृत मेजि जुलाय।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. बिह _____ पाछते ह'ब। (एकमाहब, एमाहब)
2. मप्प सकलो काम _____ करिम। (एदिनाम्प, एकेदिनाम्प)
3. बिहृत दिना तिबोता सकले पुरुषक गामोचा दिये, _____ बिहृतान
बोले। (म्पयाक, एम्पटोक)

4. বঙালী বিহুৰ দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু; _____ সকলোৱে নতুন কাপোৰ
পিন্ধে।

(সেম্পদিনা, সেম্পটোদিনা)

5. তাৰ পিছত ভোগালী বিহু; _____ বিহুত ঘৰে ঘৰে মেজি সজা হয়।

(স্প, এস্প)

III. বিলোম শব্দ বনাই।

নতুন

মতামানুহ

ডাঙৰ

ৰাজহুৱা

স্পপাৰ

IV. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজি।

1. অসমৰ প্ৰধান উৎসৱ কি?
2. বহাগ বিহুৰ আন এটা নাম কি?
3. বহাগ বিহুৰ প্ৰথম দিনটোক কি বিহু বোলে?
4. বিহুৰ গামোচাৰ আন এটা নাম কি?
5. কাতি বিহুৰ আন এটা নাম কি?
6. মেজি কোনটো বিহুৰ সময়ত সজা হয়?
7. মাঘ বিহুক কিয় ভোগালী বিহু বোলা হয়?
8. ৰাজহুৱা ভাৱে ভোজভাত কোন দিন খোৱা হয়?
9. চুৰায়া কাৰ ঘৰুৱা শিক্ষক?
10. মেজিত কি কি উৎসৰ্গা কৰা হয়?

V. উদাহৰণ কে অনুসৰ দি়ে গঢ় শব্দৰ্ণী কো সহী ক্ৰম মঁ ৰখকৰ বাক্য বনাই।

উদাহৰণ :

জাতীয় অসমৰ বিহু উৎসৱ

→ বিহু অসমৰ জাতীয় উৎসৱ।

1. বহাগ উপাদান বিহুৰ লুচৰি প্ৰধান ঐ।
2. কৃষি উৎসৱ প্ৰধান কৰা হয় বহাগত পালন বিহু
3. মাস্পকী তাঁতত অসমৰ মানুহে বয় কাপোৰ
4. বিহু হয় হিচাপে গামোচা বিহুৱান দিয়া

VI. নীচে দিএ गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. গৰু বিহুৰ দিনা গৰুক মাহ-হালধিৰে গা-ধুৱাম্প নতুন পঘা দিয়া হয়।
2. ভোগালী বিহুৰ দিনা ভেলাঘৰত ৰাজহুৱা ভাৱে ভোজভাত খোৱা হয়।

पढ़िए और समझिए।

বিহুৱান

বিহু অসমৰ প্ৰধান উৎসৱ। স্প অসমীয়াৰ বাপতি সাহোন। বিহু তিনি। তিনিওঁ বিহু তিনি। বিভিন্ন ঋতুত পালন কৰা হয়।

বসন্ত ঋতুৰ চ’ত আৰু বহাগ মাহৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনাৰ পৰা ‘বহাগ বিহু’ পালন কৰা হয়। স্পয়াক ‘ৰঙালী বিহু’ও বোলা হয়। প্ৰথম দিনা গৰু ম’হক গা ধুওৱা হয়। নতুন পঘাৰে বন্ধা হয়। দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু। সেম্পদিনা তিৰোতা সকলে পুৰুষসকলক নতুন কাপোৰ-কানি দিয়ে। তাকে ‘বিহুৱান’ বোলে। ৰঙালী বিহুত বৰকৈ ৰং ধেমালি কৰা হয়। ডেকা গাভৰুৱে মুকলি পথাৰত বিহু নাচে। সন্ধিয়া ল’ৰাবোৰে ঘৰে ঘৰে লুচৰি গায়।

শৰৎকালত আহিন আৰু কাতি মাহৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনা ‘কাতি বিহু’ পালন কৰা হয়। এম্প বিহুক ‘কঙালী বিহু’ও বোলে। তেতিয়া ধানে ঠোৰ মেলে। সন্ধিয়া পথাৰত নৈৱদ্য দিয়া হয় আৰু দীপ জ্বলোৱা হয়। ঘৰত সাধাৰণ পিঠা-পনা কৰা হয়।

শীত কালত পুহ আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনা ‘মাঘ বিহু’ পালন কৰা হয়। খোৱা বস্তুৰ প্ৰাচুৰ্য্যৰ বাবে এম্প বিহুক ‘ভোগালী বিহু’ও বোলে। এম্প বিহুত দুম্প তিনিদিন আগৰে পৰা মানুহৰ ঘৰে ঘৰে নানা তৰহৰ পিঠা-পনা কৰা হয়। বিহুৰ আগদিনা ডেকাইঁতে পথাৰত ভেলাঘৰ আৰু মেজি বনায়। বিহুৰ দিনা বোৱাৰী পুৱাতে মেজি জলোৱা হয়। মেজিত মানুহে মাহ, তিল, সৰিয়হ, তামোল, নাৰিকল উৎসৰ্গা কৰে। গাঁৱৰ ল’ৰাবিলাকে মেজিৰ ওচৰত নানান খেল ধেমালি কৰে। মাঘ বিহুত মহৰ যুঁজ পতা হয় আৰু কণী-যুঁজ খেলো খেলা হয়।

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
বাপতি	পৈতৃক
সাহোন	জায়দাদ, ধৰোহৰ
বসন্ত	বসন্ত
কাপোৰ-কানি	কপড়া-লত্তা
শৰৎকালত	শৰদকাল
দীপ	দীপক
শীত	শীত
ফচল	ফসল
কণী	অঁড়া
বোৱাৰী পুৱা	বহুত সুবহ

অভ্যাস

I. এক বাক্য মে উত্তৰ দীজিএ।

1. বহাগ বিহু কোন ঋতুত পালন কৰা হয়?

2. বিহত নতুন কাপোৰ কোনে কাক দিয়ে?
3. কঙালী বিহু কেতিয়া পালন কৰা হয়?
4. ভোগালী বিহুৰ সময়ত মানুহৰ ঘৰে ঘৰে কি থাকে?
5. বিহুৰ দিনা মেজি কোন সময়ত জ্বলোৱা হয়?

II. विलोम शब्द बनाइए।

মুকলি

আগদিনা

এম্পফালে

ওচৰত

বহল

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

দেশৰ স্বাধীনতা আন্দোলনত অসমেও আগ ভাগ লৈছিল। তৰুণৰাম ফুকনহঁতে গান্ধীজীক সহযোগ দিছিল। এম্প আন্দোলন গাঁৱে ভুঁঞাও বিয়পি যায়। কুশল কোঁৱৰক এম্প আন্দোলনত ফাঁচি দিয়া হয়। অসমীয়া ছোৱালী বোৱাৰীয়েও এম্প আন্দোলনত যোগ দিছিল। আন্দোলন কৰাৰ বাবে ভোগেশ্বৰী ফুকননীক স্পংৰাজে গুলিয়াম্প মাৰিছিল। মুকুন্দ কাকতিহঁতক জেলত দিয়া হৈছিল। ওঠৰ বছৰীয়া কণকলতাকো গুলিয়াম্প হত্যা কৰা হৈছিল।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। स्वाधीनता संग्राम के दौरान देश को जोड़ने का काम हिंदी ने ही किया। हमारे नेताओं ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया। इनमें महात्मा गांधी, गोपालकृष्ण गोखले, केशवचन्द्र सेन, सुभाषचन्द्र बोस आदि प्रमुख हैं। संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है। इसके अनुसार हिंदी को राजकाज की भाषा बना दिया गया है। आजकल

केन्द्रीय सरकार के दस्तावेज हिंदी में भी तैयार किए जाते हैं। हिंदी उत्तरोत्तर उन्नति कर रही है।

V. 'बुरा न मानों, होली है' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. कर्मवाच्य की क्रिया : असमिया में कर्मवाच्य की क्रिया बनाना बहुत आसान है। धातु में '–आ' (–आ) जोड़कर, इसके बाद वर्तमान काल की सहायक क्रिया '–इय' (–हय) या '–शय' (–जाय) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

कब् + –आ + इय = कबा इय किया जाता है।

दि + –आ + इय = दिआ इय दिया जाता है।

2. अकारांत या आकारांत धातु का रूप –आ जोड़ते समय कुछ बदल जाता है। जैसे :

क + –आ + इय = कोआ इय बोला जाता है।

था + –आ + इय = थोआ इय खाया जाता है।

3. सहायक क्रिया काल के अनुसार बदलती है। जैसे :

कबा गैछिल --- किया गया था।

कबा याव --- किया जाएगा।

4. श्रुबि (हुसरि) : बिहु के समय पुरुषों के द्वारा घर-घर में मांगलिक गीत गाया जाता है जिसमें आशीर्वाद का भाव होता है। इसमें स्त्रियाँ या लड़कियाँ भाग नहीं लेतीं। यह बिहु का ही एक अंग है।
5. बिह्वान (बिहुवान) : रंगाली बिहु पर स्त्रियाँ (लड़की, बेटी, पत्नी) उपहार के रूप में स्वयं का बुना हुआ वस्त्र पुरुषों को देती हैं। इसे 'बिहुवान' कहते हैं।
6. मेजि (मेजि) : बांस, फूस, पेड़ की टहनियों आदि से बनाया गया मंदिरनुमा ढाँचा जिसे भोगाली बिहु के दिन सुबह जलाया जाता है।

7. **भैँसे-यूँज (भैँसे की लड़ाई) :** असम में माघ बिहु के दिन भैँसे लड़ाए जाते हैं। यह एक पारंपरिक खेल है। आजकल यह शौक बढ़कर प्रतिद्वंद्विता का रूप ले रहा है।
8. **कणी-यूँज (अंडे की लड़ाई) :** माघ बिहु के ही दिन लोग मजे के लिए अंडे लड़ाते हैं। वे अंडे हाथ में लेकर उन्हें प्रतिद्वन्द्वी के अंडे से टकराते हैं। जिसका अंडा पहले फूट जाता है वह हारा हुआ माना जाता है। हारा हुआ व्यक्ति शर्त के अनुसार निश्चित संख्या में अंडे जीतने वाले को देता है।

পাঠ 18
পাঠ

মেলা

মেলা

মাক : তুলতুল, মুনমুন, তইঁতক অথনিবে
পৰা খাবলৈ মাতি আছোঁ। অহা
নাম্প কয়?

তুলতুল : গৈছোঁ, বৰা।

মাক : বেগেতে আহ। ককাৰকো
আহিবলৈ ক।

মুনমুন : ককাম্প তেওঁৰ কাৰণে জলপান
দিবলৈ মানা কৰিছে। ময়ো
জলপান অলপহে খাম।

মাক : কয়? কৰবাত কিবা খালি নেকি
তইঁতে?

তুলতুল : আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ
গৈছিলোঁ। আমি জোনবিল মেলা
পালোঁগৈ।

মুনমুন : মেলাত ককাম্প আমাক ভেলপুৰী
আৰু বসগোল্লা খুৱালে। আমিও
ককাক আম্পচক্ৰিম খুৱালোঁ।

মাক : মেলাত ৰেষ্টুৰেণ্ট আছে নেকি?

মাঁ : তুলতুল, মুনমুন খানে কে লিএ
তুম্হেঁ কব সে বুলা रही हूँ। आए
नहीं।

तुलतुल: आ रहे हैं।

माँ : जल्दी आओ। दादाजीको भी आने
के लिए कह दो।

मुनमुन : दादा ने जलपान के लिए मना
किया है। मैं भी जलपान थोड़ा ही
लूँगी।

माँ : क्यों? कहीं कुछ खा लिया है क्या
तुम लोगोंने?

तुलतुल: हम दादाजीके साथ घूमने गए थे।
हम जोनबिल मेले में पहुँच गए।

मुनमुन : मेले में दादाजीने हमें भेल-पुरी और
रसगुल्ला खिलाया। हमने भी
दादाजी को आइसक्रीम खिलाई।

माँ : मेले में रेस्टोरेंट भी है क्या?

तुलतुल : आछे आकौ। तात ये आरु
किमान खेल धेमालि देखुराम्पछे।
एठास्पत एजने बान्दर
नछुराम्पछिल। अन्य एजने
एठास्पत यादु देखुराम्पछिल। तात
जायेँ छम्पलर काष्ठत बेछि तीर
आछिल, सेम्पटो कोनोवाम्प
एम्प अलपते मोस्वाम्पर परा
अनाम्पछे।

माक : कथा पिछतो चोबार पारिबि।
एतिया थोरा मेजलै आह।
नहले थोरा बसु ठाणु हव।

मुनमुन : जाना मा, मेलात बहत दोकान
पोहार दिछे। पाकघर
लागतिवाल सकलो बसु पोरा
याय। कुला चालनि, बेलना --
नोपोरा बसु एको नाम्प।

माक : मेलात सोमाबलै कि लागे
नेकि?

तुलतुल : ग्रन्ध मेलातहे लागे। बाकी ठाम्पत
नालागे। अवश्ये चार्काच, यादु
आदिब बाबे बेलगे कि लव
लागे। आगते कि विजया

तुलतुल : हाँ है। वहाँ कई तरह के खेलकूद
हो रहे थे। एक जगह बंदर को
नचवाया जा रहा था। एक जगह
मैजिक (जादू) का खेल दिखाया
जा रहा था। वहाँ जायेंट क्लील
देखनेवालों की भीड़ थी जिसे अभी
अभी बोम्बे से मँगवाया गया है।

माँ : बातें बाद में होती रहेंगी। अब जल्दी
से खाने की मेज पर आओ। खाना
ठंडा हो जाएगा।

मुनमुन : जानती हो माँ। मेलेमें बहुत दुकानें
हैं। रसोई घर के लिए जरूरी सभी
चीज़ें वहाँ मिलती हैं। सूप, छलनी,
बेलन वगैरह -- वहाँ ऐसी कोई
चीज़ नहीं है जो न मिलती हो।

माँ : मेले में प्रवेश करने के लिए टिकट
भी लगता है क्या?

तुलतुल : टिकट पुस्तक मेले में ही लगता है।
बाकी जगह ज़रूरत नहीं है। सर्कस,
जादू आदि के लिए भी टिकट
चाहिए। पहले टिकट विजया
स्टुडिओ में ही बिकता था।

आजकल, टिकट काउन्टर मेले में ही
है। तुम भी जाओगी क्या माँ?

- ষ্টুডিঅ'ত বিক্ৰি কৰিছিল। আজি
কালি কাউণ্টাৰতহে কি বেচা হয়।
তুমিও যাবা নেকি মা?
- মাক : চাওঁচোন, খুৰীয়েৰাক কাম্পটেল
আহিবলৈ কৈছোঁ। দুয়ো
একেলগে যাম বুলি ভাবিছোঁ।
- তুলতুল : মা, দেওবাৰে যোৱাটো ঠিক নহব।
সেম্পদিনা বৰ ভীৰ হব। সেম্পদিনা
চি বাছত উঠাটোও বৰ কঠিন।
- মাক : চাওঁচোন, কি কৰিব পাৰোঁ। তোক
লুচি লাগিব নেকি? মুনমুনক
ভাজি দিম?
- মুনমুন : তোমাৰ কাৰণে দেখোন একোৱেম্প
নেথাকিব। আমাকহে হেঁচি হেঁচি
খুওৱা। নিজৰ বাবে দেখোন
একেবাৰেম্প নাৰাখা।
- মাক : মোৰ কাৰণে হব দে। লুচি আছে
নহয়।
- মাँ : देखती हूँ। चाची को कल आनेके
लिए कहा है। दोनों ने एक साथ
जाना तय किया है।
- तुलतुल: माँ रविवार को जाना ठीक नहीं
होगा। उस दिन बहुत भीड़ होती है।
उस दिन सिटी बस में चढ़ना भी
मुश्किल होगा।
- माँ : देखूँ, क्या कर सकती हूँ। तुम्हें पूरी
चाहिए क्या? मुनमुन, तुम्हें सब्जी दूँ
क्या?
- मुनमुन: तुम्हारे लिए तो कुछ भी नहीं बचेगा।
हमें ही टूँस-टूँस कर खिलाती हो।
अपने लिए कुछ भी नहीं रखती हो।
- माँ : मेरे लिए चल जाएगा, पूरी है न?

शब्दार्थ

असमिया शब्द
अथनिबे पबा
बेगेते

हिंदी अर्थ
इतनी देर से
जल्दी ही

ककाबक	(तुम्हारा) दादाजी को
आहिबलै	आने के लिए
क	बुलाओ
दिबलै	देने के लिए
बाबण	मना करना
फुबिबलै	घूमने के लिए, टहलने
मेला	मेला
लुचि	पूरी/पूड़ी
बसगोल्ला	रसगुल्ला
धेमालि	खेलकूद
बान्दब	बंदर
नचुरास्पछिल	नचवाया था
सक्रिया	शाम, संध्या
लगे लगे	साथ-साथ
यादू	जादू
देखुरास्पछे	दिखवाया है
जायेँ लस्पल	जायेंट व्हील
चोबाबि	बातें करना
मेज	मेज़
ठांठा	ठंडा
लागतिआल	ज़रूरत की चीज़ें
कुला	सूप
	छलनी
	बेलन

চালনি	न मिलनेवाली चीज़
বেলনা	प्रवेश करने के लिए
নোপোৱা বস্তু	टिकट
সোমাবলৈ	पुस्तक मेला
কি	अलग से
গ্রন্থমেলা	बिक्री होती है
বেলেগে	जाना
বেচা হয়	भीड़
যোৱাটো	उठना
ভীৰ	सब्जी
উঠাটোও	दूँस दूँस कर
ভাজি	
ঠেলি ঠেলি	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) আমি বসগোলা খুঁজলোঁ।

→ আমি বসগোলা খুঁজাৰুছিলোঁ।

1. এজনে বান্দৰ নচুৱালে।

2. এজনে যাদু দেখুৱালে।

3. বমেশে জায়েষ্ট হুস্পল উলিয়ালে।
4. তেওঁলোকে এখন আলোচনী উলিয়ালে।
5. তেওঁ আমাক জলপান খুৱালে।

(খ) তেওঁ বসগোল্লা খালে।

→ মস্প তেওঁক বসগোল্লা খুৱালোঁ।

1. বান্দৰটো নাচিছিল।
2. এখন আলোচনী ওলাস্পছিল।
3. লৰাটোৱে বিজ্ঞান পঢ়িলে।
4. ছোৱালীজনীয়ে পুৰী দেখিছে।
5. ককাদেউতাস্প আস্পচক্ৰিম খালে।

(গ) তাত সকলো বস্তু পাওঁ।

→ তাত সকলো বস্তু পোৱা যায়।

1. মেলাত কুলা চালনি আদি পাওঁ।
2. 'কি বিজয়া ষ্টুডিঅ'ত পায়।
3. তালৈ তিৰোতাকো যাবলৈ দিয়ে।
4. স্পয়াৰ পৰা উমানন্দ ভালকৈ দেখোঁ।
5. অসমীয়া কিতাপ ক'ত পাম?

II. উদাহৰণ কে অনুসৰ দিএ গএ বাক্যোঁ কো জোড়কৰ নয়া বাক্য বনাভ্ৰএ।

উদাহৰণ :

আমি মেলালৈ যাম। তাত চাৰ্কাচ চাম।

→ আমি চাৰ্কাচ চাবলৈ মেলালৈ যাম।

1. আমি নগৰলৈ যাম। তাত কিতাপ কিনিম।
2. ককা মেলালৈ গ'ল। তাত ভেলপুৰী খালে।
3. মুনমুনে লুচি খায়। সি লুচি ভাল পায়।
4. তম্প মেলালৈ আহিবি। বান্দৰ নাচ চাবি।
5. তুমি মেলালৈ আহিবা। লাগতিয়াল বস্তুবোৰ কিনিবা।

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. মা, তুমি _____ যোৱাটো ঠিক নহব। (দেওবাৰ)
2. সন্ধিয়া চিঁ বাছত _____ বৰ'ান। (উঠা)
3. ৰাজু, _____ লুচি লাগিব নে? (তম্প)
4. মম্প _____ খুৰীয়েৰক আহিবলৈ কৈছোঁ। (অহাকালি)
5. মেলাত _____ কি লাগে নেকি? (সোমা)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গৈ, নহয়, ও, টা, দেখোন, চোন, বা)

1. মোৰ কাৰণে _____ নায়েম্প।
2. তোমাৰ কাৰণে লুচি আছে _____ ?
3. খুৰীৰ লগত তুমি _____ যাবা নেকি?
4. আমি বজাৰ পালোঁ _____ ।
5. মম্প দেওবাৰে ঘৰলৈ যোৱা _____ ঠিক কৰিছোঁ।
6. চাওঁ _____ , মেলালৈ যাব পাৰোঁ নেকি?

V. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. তুলতুলহঁত কোন মেলা পালেগৈ?
2. তুলতুলহঁতক মেলাত ককায়েকে কি খুৱালে?
3. মেলাৰ জায়েঞ্ লুপ্পল ক'ৰ পৰা অনাস্পছে?
4. তুলতুলহঁতৰ মাকে খুৰীয়েকক কেতিয়া আহিবলৈ কৈছে?
5. কোনদিনা বাছত বৰ ভীৰ?

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

আমি ককাৰ ফুৰিবলৈ লগত যাম

→ আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ যাম।

1. নিজে আমি কৰিব খেলধেমালি লাগে
2. আমি পৰা গ্ৰন্থমেলাৰ কিনিম কিতাপ
3. ময়ে বসগোল্লা ভাস্পঁয়ে খাম
4. চাম মেলাত আমি যাদু খেল
5. খুৱালে আমাক ককাস্প ভেলপুৰী মেলাত

पढ़िए और समझिए।

गाउँँर उँसर

মেলা আৰু সবাহে জন জীৱনক আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে। গাওঁ অঞ্চলত ধনী-দুখীয়া, ডেকা-বুঢ়া সকলো মানুহ মেলালৈ যায়। মেলাত নানা ধৰণৰ দোকান-পোহাৰ দিয়া হয়। ঘৰৰ গৃহিনীয়ে ঘৰুৱা সামগ্ৰী, যেনে -- কুলা, পাচি, খৰাহি, মাকো, ৰাহ (ৰাঁচ), গাৰী (টোলোঠা) আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়। খেতিয়কে মেলাত নাঙলৰ কুৰ, মৈ, খালৈ, দা-কাৰী, কাঁচি আদি

কিনিবলৈ সুযোগ পায়। ল'ৰা-ছোৱালীয়ে খেলিবলৈ নানা সা-সৰঞ্জাম পায়। ডেকা-গাভৰুহঁতে গধূলি ভাওনা, থিয়োৰ চাবলৈ পায়। দুম্প একে তাত ভাগ লবলৈও সুবিধা পায়।

মেলাত নানা জনে নানা ধৰণে পম্পচা ঘট। কোনোবাম্প ভালুক, বান্দৰ নচুৱায়, কোনোবাম্প বা কুস্তি দেখুৱায়। দুম্প একে নানা খোৱা বস্তু উলিয়ায়। চানাচুৰ, চানপাপৰি, বৰফ, খিলিপান অদি উলিয়ায়। দুম্প একে হাতী বা গাধও মেলালৈ আনে। ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা গাধৰ পিঠিত তোলায়।

এনেকুৱা মেলা গাৱে গাৱে বছৰি এবাৰকৈ পতা হয়। ম্পয়াৰ কাৰণে চৰকাৰী অনুদান পোৱা নাযায়। বাম্পজৰ বৰঙনিৰে এম্পবোৰ চলে। আগতে মেলাৰ লগত মাঠে পূজা আদি অনুষ্ঠিত কৰা হৈছিল। ঠায়ে ঠায়ে এনেধৰণৰ মেলাত পুতলা নাচো দেখুওৱা হয়। পুতলা নাচৰ পুতলা কুঁহিলা বা কাপোৰৰ পৰা তৈয়াৰ কৰা হয়। এম্প পুতলা সুতাৰে আঙুলিত বান্ধি নচুওৱা হয়। ম্প অসমৰ ঐা প্ৰাচীন আৰু জনপ্ৰিয় লোককলা।

আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ওজাপালিও উঠিছিল। তাত ছোৱালীৰ ওজাপালিও আছিল। আজিকালি পুৰুষৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি দেখা যায়। ছোৱালীৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি বৰকৈ দেখা নাযায়। ম্প প্ৰায় বিলুপ্তিৰ পথত। কলা-কৃষ্টিৰ লগত জড়িত সংস্থা বিলাকে এম্প লোককলাসমূহৰ সংৰক্ষণৰ বাবে উপযুক্ত পদক্ষেপ লোৱা উচিত। চৰকাৰো এম্পবোৰ সংৰক্ষণৰ প্ৰতি সচেতন হোৱা উচিত।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
সবাহ	মাংগলিক কাৰ্য
জন-জীৱন	জন-জীবন

मुखर	मुखर
डेका	युवक
बूढ़ा	बूढ़ा
धबण	तरह-तरह के
पोशाब	दुकान
गृहिणी	पत्नी/घरवाली
खबाहि	टोकरी
माको	ढरकी, जुलाहों का शटल
बाह	करघे का कूँच या कंघा
गाबी	करघे का बेलन
थेतिग्रक	किसान
कूब	हल का एक हिस्सा
मै	परेला
थाँल	मछली रखने की टोकरी
दा	गँडासा
कै।बी	कटार
काँचि	हँसिया
गधूलि	गोधुलि वेला
भाउना	अभिनय
भाग	भाग
घटे	कभी कभी होता है
चानाचूब	दाल मोठ
	सोन पापड़ी
	बर्फ

চানপাপৰি	पान, बीड़ा
বৰফ	गधा
খিলিপান	पीठ
গাধ	चढ़ाता है
পিঠি	बुलाता है
তোলায়	अनुदान
পতা হয়	दान
অনুদান	पुतला
বৰঙনি	बोतल का डार बनाने के सामान
পুতলা	धागा
কুঁহিলা	प्राचीन
সূতা	लोकप्रिय
প্রাচীন	लोक कला
জনপ্রিয়	विलुप्त
লোককলা	लोक-संस्कृति
বিলুপ্ত	शामिल
কলাকৃষ্টি	संस्था
জড়িত	संरक्षण
সংস্থা	उपयुक्त
সংৰক্ষণ	कदम
উপযুক্ত	सतर्क
পদক্ষেপ	

সচেষ্ট

অভ্যাস

I. এক বাক্য মঁ উত্তৰ দীজিএ।

1. জন জীৱনক কিহে আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে?
2. কোন মেলালৈ যায়?
3. মেলাত কি কি কিনিবলৈ পোৱা যায়?
4. মেলাত কিছুমানে কেনেকৈ পম্পচা ঘট?
5. মেলাৰ বাবে চৰকাৰী মঞ্জুৰী দিয়া হয়নে?
6. পুতলা কেনেকৈ তৈয়াৰ কৰা হয়?
7. আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ছোৱালীয়ে কি পৰিবেশন কৰিছিল?

II. পাঠ মঁ আএ শব্দোঁ কী সহায়তা সে বাক্যোঁ কো পূৰে কীজিএ।

1. জন জীৱনক আনন্দ _____ কৰি ৰাখে।
2. ঘৰৰ গৃহিণীয়ে কুলা _____ আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়।
3. গাভৰুহঁতে _____ ভাওনা থিয়োৰ চায়।
4. ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা _____ পিঠিত তোলায়।
5. এম্পবোৰ ৰাম্পজৰ _____ চলে।
6. পুতলা নাচ আৰু ওজাপালিৰ দৰে লোককলাৰ সংৰক্ষণৰ বাবে _____ চেষ্টা কৰা উচিত।

III. হিন্দী মঁ অনুবাদ কীজিএ।

জ্যোতিপ্ৰসাদৰ বিষয়ে তোমালোকে জানানে? জ্যোতিপ্ৰসাদ আগৰৱালা অসম তথা ভাৰতৰে এজন প্ৰসিদ্ধ শিল্পী আছিল। তেওঁ প্ৰথম অসমীয়া বোলছবি নিৰ্মাতা আছিল। ১৯৩৬ চনত তেওঁ প্ৰথমখন অসমীয়া বোলছবি ‘জয়মতী’ নিৰ্মাণ কৰিছিল। জ্যোতিপ্ৰসাদৰ সকলো গীত, কবিতা, নৌক আৰু প্ৰবন্ধ গৌম্প ‘জ্যোতিপ্ৰসাদৰ ৰচনাবলী’ প্ৰকাশ কৰা হৈছে। জ্যোতিপ্ৰসাদৰ গীতবিলাকক ‘জ্যোতিসংগীত’ নামৰে জনা যায়। এম্পবিলাক অসমীয়া লোকসংগীতৰ সুৰৰ আধাৰত ৰচিত। আজিকালি ৰেডিঅ’ আৰু দূৰদৰ্শনত জ্যোতিপ্ৰসাদৰ নৌক, গীত আদি প্ৰচাৰ কৰা হয়।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

असम चाय का पर्यायवाची है। असम के एक चौथाई भाग में चाय बागान हैं। मोनाबाड़ी एशिया का सबसे बड़ा चाय बागान है। यह विश्वनाथ सारियाली क्षेत्र में स्थित है। मनिराम देवान ने असम में सबसे पहले चाय का बाग लगाया था। असम के चाय बागान हजारों मज़दूरों की रोजी-रोटी का साधन हैं। चाय बागानों के आसपास ही चाय के कारखाने हैं। इनमें भी सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। असम चाय विदेशों को भी भेजी जाती है। चाय के विदेशी व्यापार का एक केन्द्र गुवाहाटी में है। यहाँ चाय की नीलामी होती है। नीलामी के समय देश-विदेश के सैकड़ों व्यापारी यहाँ इकट्ठे होते हैं।

V. ‘ब्रह्मपुत्र’ के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

- क्रियावाचक संज्ञा : असमिया में धातु के साथ ‘-आ’ (आ) जोड़कर क्रियावाचक संज्ञा बनाई जाती है। ऐसे शब्द अन्य संज्ञा शब्दों के समान विभिन्न कारकों में रूपांतरित होते हैं। अकारांत य आकारांत धातु ‘-आ’ (-आ) जोड़ने पर ‘-उ’ (-ओ) कारांत हो जाते हैं। जैसे :

कब्	+	-आ	>	कबा
लिख्	+	-आ	>	लिखा
था	+	-आ	>	थोरा

क + -आ > कोड़ा

2. गोहालि : असम में गाय, बकरी, बैल आदि पालतू जानवरों को बांधने के लिए हर परिवार में एक अलग मकान रहता है। इसे गोहालि (गोशालि) कहते हैं। इसे गोसार के बराबर माना जा सकता है।
3. मेला : सर्दी के दिनों में (खासकर माघ से लेकर बैसाख महीने तक) अनेक अवसरों पर मेलों का आयोजन होता है। इसके द्वारा लोग आनन्द उल्लास को प्रकट करते हैं और दूसरी ओर अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदते हैं।
4. बोआ-कटा : असम की संस्कृति की यह एक विशेषता है। असम के घर-घर में हथ-करघे की व्यवस्था है। हर स्त्री कपड़ा बुनना जानती है। वह अपने परिवार के लिए आवश्यक वस्त्र खुद बुन लेती है। करघे के लिए सभी ज़रूरी सामग्री बाँस से बनाई जाती है। असमिया बिहुगीतों और वनगीतों में करघे से संबंधित अनेक छंद हैं।
5. जोनबिल मेला : असम के मोरी गाँव जिले के जागीरोद नामक स्थान पर अप्रैल माह में यह मेला लगता है। इस मेले में पहाड़ और मैदान के लोगों के बीच चीज़ों का आदान-प्रदान होता है। इसका मतलब है चीज़ों के बदले दूसरी चीज़ें प्राप्त करना।
6. ओजा पाली : यह एक गीति-नृत्य धर्मी प्रदर्शन कला है। इसमें 'ओजा' मूल कहानी को गीत के द्वारा प्रस्तुत करता है और 'पाली' जो चार - पाँच लोगों का समूह होता है -- इसे दोहराते हैं।

ৰূপহী অসম

গোবিন্দন : বাম্পদেউ, চাৰে হেনো কিছুদিন
অসমত চাকৰি কৰিছিল।
তেখেতে বহুত ঠাম্প ঘৰিছিল,
আপুনিও হেনো লগত
আছিল। অসমৰ বিষয়ে
অক'ণমান কওক না।

মিচেচ দুৱা : অ', তইতে কোনেও অসম
দেখা নাষ্প নেকি? তেনেহলে
শুনা। অসমখন বৰ বিতোপন
ঠাম্প। ষ্প সেউজীয়া গছ গছনি
আৰু পৰ্বত-পাহাৰেৰে আগুৰা।
অসমৰ উত্তৰে সুউচ্চ হিমালয়।

ৰংগনাথ : বাম্পদেউ, অসমৰ পৰা
হিমালয় ভালকৈ দেখি নেকি?
তাৰ গছ- গছনি আৰু বৰফে
ঢকা হিঁ ভালকৈ মণিব পাৰি
নে?

মিচেচ দুৱা : ভালকৈ মণিব নোৱাৰি। কিন্তু
হিমালয়ৰ আকাৰটো ধৰিব

গোবিন্দন : দীদী, সুনাই সৰ নে কুচ সময়
তক অসম মেন নৌকৰী কী থী। বে
বহুত জগহ ঘূমে থে, আপ মী
সাথ থী। অসম কে বাৰে মেন কুচ
বতাইএ ন।

শ্ৰীমতী দুআ: আহ! তুম লোগোঁ মেন সে কিসী নে
অসম দেখা নহী হৈ ক্যা? তব
সুনো। অসম এক মনোৰম জগহ
হৈ। যহ হৰে মৰে পেড়-পৌধোঁ আৰু
পহাড়-পৰ্বতোঁ সে ঘিৰা হৈ। অসম
কে উত্তৰ মেন হিমালয় হৈ।

ৰংগনাথ : দীদী, অসম সে হিমালয় অচ্চী
তৰহ দিখাই দেতা হৈ ক্যা?
হিমালয় কী বৰ্ফ সে ঢকী
চোটিয়াঁ বহোঁ সে অচ্চী তৰহ
দেখী জা সকতী হেন ক্যা?

শ্ৰীমতী দুআ: অচ্চী তৰহ সে তো নহী
দিখতী। কিন্তু হিমালয় কা

পাৰি। বৰফে ঢকা শিবোৰো
দেখি।

মালতী : অসমৰ সীমান্তত অৰুণাচল
আৰু নাগালেণ্ড। তালৈ
যেতিয়াম্প তেতিয়াম্প যাব
পাৰিনে?

মিচেচ দুৱা : অৰুণাচললৈ অসমৰ পৰা
অনায়াসে খৰালি যাব পাৰি।
বাৰিষা বানপানী, ভূমিস্থলন
আদি হয়। গতিকে বাৰিষা
নিৰ্ভয়ে যাব নোৱাৰি।
নগালেণ্ডলৈ যাবলৈ অনুমতি
লাগে। অৰুণাচললৈ যাবলৈও
অন্তৰ্দেশীয় অনুমতি লব লাগে।

গোবিন্দন : শ্বিলং হেনো চালে চকু ৰোৱা
ঠাম্প! আমাৰো তালৈ যাবৰ
মন গৈছে।

মিচেচ দুৱা : এৰা। শ্বিলং বৰ্তমান
মেঘালয়ৰ ৰাজধানী। ম্প এখন
ঠাণ্ডা, মনমোহা আৰু স্বাস্থ্যকৰ
ঠাম্প। তালৈ বাছেৰে বা
টেক্সিৰে যাব

আকাৰ সাফ দেখা জা সকতা
হৈ। বৰ্ফ সে ঢকী চোটিয়াঁ ধী
দিখতী হৈঁ।

মালতী : অসম কে সীমান্ত পর है --
अरुणाचल और नगालैंड। क्या
वहाँ आसानी से जाया जा
सकता है?

श्रीमती दुआ: शीतकाल में आसानी से असम
से जाया जा सकता है। बरसात
में बाढ़, भूस्खलन आदि होते
हैं। इसलिए बरसात में निश्चित
होकर नहीं जा सकते। नगालैंड
जाने के लिए अनुमति ज़रूरी
है। इसी प्रकार अरुणाचल जाने
के लिए भी इनरलाइन परमिट
लेना पड़ता है।

गोविन्दन : दीदी! सुनते हैं शिलंग एक
खूबसूरत जगह है। हम भी वहाँ
जाना चाहेंगे।

श्रीमती दुआ: हाँ, शिलंग वर्तमान मेघालय
की राजधानी है। यह एक ठंडी,
मनोरम और स्वास्थ्यप्रद जगह
है। वहाँ बस या टैक्सी से जाया
जा सकता है। शिलंग का
ऊपरी भाग ऊपरी शिलंग है।
वहाँ

राजधानी का शोरगुल सुनाई
नहीं पड़ता।

পাৰি। শ্বিলঙৰ

ওপৰভাগ ‘আপাৰ শ্বিলং।’
তাৰ পৰা ৰাজধানীৰ হাস্প
উৰুমি নুশুনি।

মালতী : মেঘালয়ৰ অধিবাসী হ’ল
খাচী আৰু গাৰো জনগোষ্ঠী।
তেওঁ-লোকৰ সমাজখন
মাতৃপ্ৰধান সমাজ। তাত স্তেনা
বিয়াৰ পিছত দৰাহে ছোৱালীৰ
ঘৰত থাকিবলৈ যায়। সা-
সম্পত্তিৰ উত্তৰাধিকাৰ সৰু
জীয়েকে পায়, ল’ৰাস্প নাপায়।
ছোৱালীজনীৰ হৈ মোমায়েকে
সা-সম্পত্তিৰ চোৱাচিতা কৰে।

মিচেচ দুৱা : এৰা, তাত মহিলাক বৰ
সন্মান দিয়া হয়। যৌতুকৰ নাম
গোন্ধ নাস্প। আৰু জানা, তাত
অতিথিক মৌ, কল, আনাৰস,
কমলা, তামোল আদি ফল
খুওৱা হয়।

ৰংগনাথ : তেনেহলে বাস্পদেউ, চাৰক
কৰচোন। তেখেতে সোনকালে
আমাক তালৈ নিয়াৰ বন্দোবস্ত

মালতী : মেঘালয়ৰ কে নিবাসী গাৰো আৰু
খাচী জনজাতিৰ কে হৈ। উনকা
সমাজ মাতৃপ্ৰধান সমাজ হৈ।
সুনা হৈ বহা শাদী হোনে পৰ
দুহা হী দুহনে কে ঘৰ বহনে
জাতা হৈ। সম্পত্তি আদি কী
উত্তৰাধিকাৰিণী ছোটী বেটী হোতী
হৈ, বেটা নহী। লড়কী কা মামা
লড়কী কা তৰফ সে সম্পত্তি কী
দেখৰেখ কৰতা হৈ।

শ্ৰীমতী দুআ: হাঁ, বহা নারী কা বড়া सम्मान
किया जाता है। दहेज का
नामोनिशान नहीं है। और
जानते हो -- वहाँ अतिथि के
लिए शहद, केला, अनन्नास,
संतरा और सुपारी पेश की
जाती है।

मालती : तब दीदी सर को कहिएगा -- वे
हमें जल्दी ही वहाँ ले जाने की
व्यवस्था करें।

কৰক।

शब्दार्थ

অসমিয়া শব্দ

हिंदी अर्थ

চাকৰি

नौकरी

তেখেত

वे

তেনেহলে

तब

অক'ণমান

थोड़ा सा/कुछ

বিতোপন

सुन्दर/मनोरम

বৰফ

बर्फ

ঢকা

ढका हुआ

শি

शिखर, चोटियाँ

মণিব পাৰি

पहचाना जा सकना

আকাৰ

आकार

ধৰিব পাৰি

अनुमान कर सकते हैं

শুকুলা

श्वेत/सफेद

তুলা

कपास

যেতিয়াস্প তেতিয়াস্প

जब-तब

খৰালি

वर्षा के बाद का समय, शरदकाल

অনায়াসে

अनायास

বানপানী

बाढ़

ভূমিস্থলন

भू-स्खलन

নিৰ্ভয়ে

निर्भय

वर्षा

ବାବିଷା	ବିନା
ବିନା	ଅନୁମତି
ଅନୁମତି	ଅନ୍ତର୍ଦେଶୀୟ, ଇନର ଲାଇନ
ଅନ୍ତର୍ଦେଶୀୟ	ଆକର୍ଷକ
ଚକ୍ର ବୋରା	ଇଚ୍ଛା ହୁଇଁ
ମନ ଟିକେ	ରାଜଧାନୀ
ରାଜଧାନୀ	ଠଣ୍ଡା
ଠାଣ୍ଡା	ସୁନ୍ଦର/ଆକର୍ଷକ
ମନୋମୋହ	ସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟକର
ସ୍ବାସ୍ଥ୍ୟକର	ଶୋରଗୁଲ
ହାମ୍ପ ଉଠୁମି	ନହିଁ ସୁନା
ନୁଞ୍ଚି	ନିବାସୀ
ଅଧିବାସୀ	ସମାଜ
ସମାଜ	ମାତୃପ୍ରଧାନ
ମାତୃ ପ୍ରଧାନ	ଦୁଲ୍ହା
ଦବା	ରହେ
ଥାକିବଟି	ଜମିନ-ଜାୟଦାଦ
ମା-ମମ୍ପତି	ଉତ୍ତରାଧିକାର
ଉତ୍ତରାଧିକାର	(ଉସକୀ) ବେଟି
ଜିୟେକ	(ଉସକା) ମାମା
ମୋମାୟେକ	ଦେଖରେଖ
ଚୋରାଚିତା	ଔରତ, ନାରୀ
ମହିଳା	ନାମୋନିଶାନ
ନାମ ଗୋବିନ୍ଦ	ଅତିଥି
ଅତିଥି	ଶହଦ/ମଧୁ
	ସନ୍ତରା

মৌ	অনন্নাৱ
কমলা	সুপাৰী
আনাৰস	ব্যৱস্থা
তামোল	
বন্দোবস্ত	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া বাক্যবিলাক পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণ:

(ক) অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ দেখা যায়।

—> অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ দেখি।

1. যোৰহাটৰ পৰা নাগালেণ্ডলৈ যাব পৰা যায়।
2. সিংহৰ গৰ্জন বহুত দূৰৰ পৰা শুনা যায়।
3. নগালেণ্ডলৈ বিনা অনুমতিত যাব পৰা নাযায়।
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদী নগাওঁৰ পৰা দেখা নাযায়।
5. মাংস বেছিকৈ খাব পৰা নাযায়।
6. বৰ হাম্প উৰুমি, একো শুনা নাযায়।

(খ) অৰুণাচললৈ বাৰিষা যাব পাৰি।

—> অৰুণাচললৈ বাৰিষা যাব পাৰি নে?

1. শ্বিলং গুৱাহাটীৰ পৰা দেখি।
2. আপাৰ শ্বিলঙত ৰাজধানীৰ হাম্প উৰুমি নুশুনি।

3. মেঘালয়ত পুৱা সূৰ্য নেদেখি।
4. নাগালেণ্ডলৈ বিনা অনুমতিত যাব নোৱাৰি।
5. অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ নেদেখি।

II. ‘ক’ স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত ‘খ’ স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

‘ক’ স্তম্ভ	‘খ’ স্তম্ভ
1. স্পয়াৰ পৰা হিমালয়	ভালকৈ শুনি
2. শ্বিলঙলৈ ৰেলেৰে	মণিব নোৱাৰি
3. গধূলি দূৰৰ পাহাৰ	ভালকৈ নমনি
4. বাৰিষা অৰুণাচললৈ	মণিব নোৱাৰি
5. স্পয়াত পুৱা চৰাম্পৰ মাত	যাব পাৰি যাব নোৱাৰি

III. বন্ধনিৰ পৰা উপযুক্ত শব্দ বিচাৰি লৈ খালি ঠাম্প পূৰণ কৰক।

1. তেখেতে অসমত _____ কৰিছিল। (চাকৰি, ‘কা)
2. অসমখন বৰ _____ ঠাম্প। (শুকুলা, বিতোপন)
3. হিমালয়ৰ _____ বৰফে ঢকা। (ইং, গা)
4. হিবোৰ _____ তুলাৰ পাহাৰ যেন দেখি। (শুকুলা, সেউজ)
5. তালৈ _____ তেতিয়াম্প যাব নোৱাৰি। (তেতিয়াম্প, যেতিয়াম্প)
6. স্পয়াৰ পৰা বাহিৰৰ হাম্প _____ বৰকৈ নুশুনি। (উৰুমি, গছনি)

IV. বিপৰীত শব্দ দিয়ক।

ঠাণ্ডা	ছোৱালী
তাত	ভালকৈ
দৰা	বাৰিষা

V. ঐ বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. হিমালয় অসমৰ কোনফালে?
2. অৰুণাচললৈ কেতিয়া যাব পাৰি?
3. শ্বিলঙলৈ কেনেকৈ যাব পাৰি?
4. খাচী সমাজত সা-সম্পত্তিৰ অধিকাৰী কোন?
5. ৰংগনাথ আগতে অসমলৈ গৈছে নে?

VI. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া শব্দবোৰ ঠিক ক্ৰমত বহুৰাস্প বাক্য ৰচনা কৰক।

উদাহৰণ:

প্ৰাকৃতিক অসমৰ উত্তৰে সৌন্দৰ্য্যৰে ভৰপূৰ সুউচ্চ হিমালয়

→ প্ৰাকৃতিক সৌন্দৰ্য্যৰে ভৰপূৰ অসমৰ উত্তৰে সুউচ্চ হিমালয়।

1. অলপ দেখি অসমৰ পৰা শুকুলা িং অলপ বৰফে ঢকা হিমালয়ৰ
2. শ্বিলঙৰ পৰা নুশুনি মেঘালয়ৰ ৰাজধানী আপাৰ শ্বিলঙৰ হাস্পউৰুমি
3. উত্তৰাধিকাৰ নিয়মমতে খাচীসমাজৰ ছোৱালীজনীক দিয়া হয় ঘৰৰ সৰু সা-সম্পত্তিৰ
4. পাৰৰ সমগ্ৰ ভাৰতত প্ৰসিদ্ধ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ নীলাচল পাহাৰত কামাখ্যা তীৰ্থ অৱস্থিত

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

মহাবাহু ব্ৰহ্মপুত্ৰ

অসম ভাৰতবৰ্ষৰ উত্তৰ পূৱত অৱস্থিত এখন ক্ষুদ্ৰ ৰাজ্য। স্প এখন অতি বিতোপন ঠাম্প। কেউফালে সেউজীয়া গছ-গছনি। অসমৰ প্ৰায়বিলাক উদ্ভিদে স্প চিৰ-সেউজীয়া প্ৰকৃতিৰ। স্পয়াৰ পৰা হিমালয়ৰ বৰফে ঢকা শুকুলা িং অলপ অলপ দেখি। অসমৰ মাজেৰে পূৱৰ পৰা পশ্চিমলৈ বৈ গৈছে বিশাল ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদ; স্প নদী নহয়, মহানদ। পৃথিৱীৰ ভিতৰত স্পয়ে স্প

একমাত্র নদ (পুৰুষ নৈ)। স্পয়াৰ আন ঐ নাম ‘লুপ্ত’। কোনো কোনোৱে স্পয়াক ‘বৰ লুপ্ত’ও বোলে।

অসমৰ কেম্পবাখনো প্ৰধান চহৰ -- ধুবুৰী, গুৱাহাটী, তেজপুৰ, ডিব্ৰুগড় -- স্পয়াৰ দাঁতিত অৱস্থিত। গুৱাহাটীৰ ওচৰত ব্ৰহ্মপুত্ৰ আঁস্পতকৈ ঠেক। স্পয়াতেম্প জালুকবাৰী আৰু আমিনগাওঁক সংযোগ কৰি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ ওপৰত প্ৰথমখন দলং বনোৱা হৈছিল। স্পয়াক *শৰাস্পঘাট দলং* বোলা হয়। স্প দুখলপীয়া। তলেদি ৰেল আৰু ওপৰেদি মৈৰ গাড়ী চলে। ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত নীলাচল পাহৰত অৱস্থিত কামাখ্যা তীৰ্থ সমগ্ৰ ভাৰততে প্ৰসিদ্ধ। উমানন্দ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ মাজত আৰু দৌলগোবিন্দ, শুক্ৰেশ্বৰ, অশ্বক্লান্ত আদি তীৰ্থস্থান স্পয়াৰ দাঁতিত অবস্থিত। গুৱাহাটীৰ পৰা শ্ৰৱালকুছি আৰু পলাশবাৰীলৈ ব্ৰহ্মপুত্ৰস্পদি নাৱৰ যোগেদি যাতায়ত আৰু বেহাবেপাৰ কৰা হয়। শ্ৰৱালকুছি পী-মুগা আৰু পলাশবাৰী কাঠৰ বাবে বিখ্যাত।

তেজপুৰ চহৰৰ কেম্পবাখনো দৰ্শনীয় স্থান ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত। ‘অগ্নিগড় পাহাৰ’, ‘বামুণীপাহাৰ’, ‘ভৈৰৱীমন্দিৰ’, ‘গণেশঘাট’ আদি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত। অগ্নিগড় পাহাৰ আৰু গণেশঘাটৰ পৰা ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত সূৰ্যাস্তৰ দৃশ্য বৰ মনোৰম দেখি। তেজপুৰ আৰু কলিয়াবৰক সংযোগ কৰি ‘কলিয়াভোমোৰা দলং’ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে। গণেশঘাটৰ পৰা কলিয়াভোমোৰা দলঙৰ দৃশ্য বৰ সুন্দৰ দেখি।

ডিব্ৰুগড় নগৰৰ নিচেম্প কাষেদি ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদ বৈ গৈছে। স্পয়াত ব্ৰহ্মপুত্ৰক বহল দেখি। স্পপাৰৰ পৰা সিপাৰ মণিৰ নোৱাৰি। ‘অসম চিকিৎসা মহাবিদ্যালয়’, ‘জালান মন্দিৰ’ আদি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত অৱস্থিত। ডিব্ৰুগড়ৰ বগীবিলৰ পৰা উত্তৰ পাৰলৈ ‘বগীবিল দলঙ’ৰ নিৰ্মাণ কাৰ্য্য চলি আছে। অসমৰ পশ্চিম সীমান্তত অবস্থিত ধুবুৰী চহৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ নিচেম্প দাঁতিত অবস্থিত। স্প পশ্চিম অসমৰ শিক্ষা, সংস্কৃতি আৰু বাণিজ্যৰ ঐ প্ৰধান কেন্দ্ৰ। স্পয়াৰ কিছুদূৰত যোগীঘোপা আৰু পঞ্চৰত্নক সংযোগ কৰি ‘নৰনাৰায়ণ সেতু’ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে। এম্প দলঙৰ নিৰ্মাণৰ ফলত ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ দুয়োপাৰৰ মানুহৰ মাজত যোগাযোগ ঘনিষ্ঠ হৈ পৰিছে। ব্যৱসায়-বাণিজ্যৰ সুচল হৈছে। আজিকালি জম্মু-কাশ্মীৰৰ নৌকা-গৃহৰ (House Boat) আহিত অসমতো পৰ্য্যটকৰ বাবে নৌকাযাত্ৰাৰ বন্দবস্ত কৰা হৈছে। বৰ্তমান গুৱাহাটী আৰু ডিব্ৰুগড়ৰ

মাজত বিলাস-বহুল ফেৰী-বিহাৰৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে। অসমৰ বিভিন্ন স্থানত ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত ওপঙা ৰেঙুৰা তৈয়াৰ কৰা হৈছে। এম্প আঁচনিসমূহে পৰ্য্যক আৰু স্থানীয় লোকৰ মাজত জনপ্ৰিয়তা লাভ কৰিছে।

নদীকেন্দ্ৰিক অসমীয়া সভ্যতা আৰু সংস্কৃতি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰতে ঠন ধৰি উঠিছে। সেয়েহে বিখ্যাত গীতিকাৰ আৰু গায়ক ড. ভূপেন হাজৰিকাম্প গাম্পছে --

মহাবাহু ব্ৰহ্মপুত্ৰ

মহামিলনৰ তীৰ্থ

কত যুগ ধৰি আহিছে প্ৰকাশি

সমগ্ৰৰ অৰ্থ.....

নये शब्द

অসমিয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
দিশ	दिशा
বিতোপন	अति सुंदर
সেউজীয়া	हरा
উদ্ভিদ	अपने आप उगने वाला
প্ৰকৃতিৰ	स्वभाव से
বৰফ	बर्फ
শুকুলা	सफेद
বিশাল	विशाल
নদ	नद
কোনো কোনোৱে	कोई-कोई
প্ৰধান	प्रधान
দাঁতিত	पास ही
ঠেক	सँकरा
	संयोग

संयोग	पुल
दलं	दोमंजिला
दुखलपीया	नीचे से
तलेदि	ऊपर से
उपरेदि	तीर्थ
तीर्थ	समग्र
समग्र	बीच में
माजत	यातायात
यातायत	काठ
काठ	फैला हुआ
बहल	उत्तरी तट
उत्तर पार	सीमांत
सीमांत	पास ही
निचेस्प	वाणिज्य
वाणिज्य	योगायोग
योगायोग	घनिष्ठ
घनिष्ठ	आसान
सूचल	नाव घर
नौकागृह	अनुकृति
आर्हि	पर्यटक
पर्यटक	नाव यात्रा
नौकायात्रा	बंदोबस्त
बन्दोबस्त	आरंभ
आरंभ	तैरता हुआ
तैरता	तैयार
तैयार	सारणी
सारणी	

তৈয়াৰ	জনপ্ৰিয়তা
আঁচনি	বিলাসী
জনপ্ৰিয়তা	নৌকা বিহাৰ
বিলাসবহুল	নদী কেন্দ্ৰিত
ফেৰী-বিহাৰ	অচ্চী তেজ বাড়/বৃদ্ধি
নদীকেন্দ্ৰিক	গীতকাৰ
ঠন ধৰি	
গীতিকাৰ	

অভ্যাস

I. ত্ৰী বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

১. ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত অৱস্থিত চহৰ কেম্পখনৰ নাম কি কি?
২. গুৱাহাটীৰ পৰা ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ ঠেক অংশটো নে বহল অংশটো দেখি?
৩. কলিয়া ভোমোৰা দলঙেৰে ক'ৰ পৰা কলৈ যাব পাৰি?
৪. ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদীৰে ক'ৰ পৰা কলৈ যাব পাৰি?
৫. ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ আন দুটা নাম কি?
৬. কামাখ্যা মন্দিৰ ক'ত?

II. বিপৰীত শব্দ দিয়ক।

ঠেক	স্পপাৰ
মুকলি	গধুৰ
ওচৰ	গৰম
খৰালি	বেছি

III. পাঠত শব্দকোষ বিচাৰি উলিয়াও তলত আঁচনক।

চকুত পৰে	আঁস্পতকৈ
গা কৰি	বহল
মুকলি	জাহাজ
ক'ত	সেয়েহে

IV. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

অসমীয়া সংগীত জগতত ভূপেন হাজৰিকাক গুৰুত্বপূৰ্ণ স্থান দিয়া হয়। তেওঁ একেধাৰে গীতিকাৰ, সুৰকাৰ আৰু গায়ক। বিগত প্ৰায় পাঁচ ছয় দশক ধৰি অসমীয়া সংগীতলৈ সেৱা আগবঢ়োৱা ভূপেন হাজৰিকা ভাৰতৰে এজন স্বনামধন্য সংগীত শিল্পী। ভাৰতৰ কথাছবি জগতলৈ আগবঢ়োৱা অৱদানৰ বাবে তেওঁক *দাদা চাহেব ফালকে* বঁটা দিয়া হয়। ‘ৰুদালি’ৰ সংগীত পৰিচালনাৰ বাবে তেওঁক শ্ৰেষ্ঠ সংগীত পৰিচালকৰ বঁটাও দিয়া হয়। ‘বিস্তৰ্ণ পাৰৰে’ তেওঁৰ এটা বিশেষ গান। কবিতা আৰু প্ৰবন্ধ পাতিৰ বাবেও ভূপেন হাজৰিকাৰ বিশেষ সন্মান আছে। তেওঁৰ গানত অসমীয়া জন-জীৱন প্ৰতিফলিত হোৱাটো দেখা যায়। চাহবাগিছাৰ বনুৱাক লৈ লিখা ‘এটা কলি দুটি পাত’ তেনে এটা গান। প্ৰেমৰ ওপৰতো ভূপেন হাজৰিকাৰ বহু গান শুনিবলৈ পোৱা যায়।

V. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

শংকৰদেব কা জন্ম असम में *आलि पुरुरि* में सन 1449 में हुआ था। वे नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक थे। बचपन से ही वे अत्यंत प्रतिभाशाली थे। मामूली अक्षर ज्ञान होते ही उन्होंने गंभीर कविताएँ लिखना शुरू कर दिया था। ‘करतल कमल कमल दल नयन’ उनकी प्रथम कविता थी। यह कविता उन्होंने बारह साल की आयु में लिखी थी। उन्होंने दो बार तीर्थाटन किया था। पहली बार उन्होंने उत्तर भारत की यात्रा की थी। दूसरी बार उन्होंने दक्षिण के तीर्थ-स्थानों की यात्रा की थी। इसके बाद उन्होंने ‘सत्र’ नामक सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठान की स्थापना की। उन्होंने ‘कीर्तन’, ‘नाम घोषा’, ‘भागवत’ आदि ग्रंथों की रचना की। वे आजीवन अपने विचारों का प्रचार करते रहे। एक सौ बीस की आयु में बरपेटा के पास पात-बाँउसी में उनका स्वर्गवास हो गया।

VI. ‘অসমৰ হস্তশিল্প’ৰ ওপৰত অসমীয়াত ঐ অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. জঁতুৱা ঠাচৰ কৰ্মবাচ্য : অসমীয়াত কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদ কেনেকৈ গঠন কৰা হয় সেম্পটো শিকাৱৰে আগৰ পাঠত শিকিছে। এম্প পাঠত কেৱল আন এক প্ৰকাৰৰ কৰ্মবাচ্যৰ আৰ্হিহে দেখুওৱা হৈছে। ধাতুত -ম্প প্ৰত্যয় যোগ কৰি এনে ধৰণৰ কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদ গঠন কৰা হয়। এনে ধৰণৰ ক্ৰিয়াম্প কেৱল ওয় পুৰুষৰ লগতহে অণুয় দেখুৱায়। মন কৰিবলগীয়া যে কেৱল দেখ-, শুন-, বুজ-, পাৰ- আদি কেম্পামান ধাতুৰ পৰাহে এনে ধৰণৰ কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদ গঠন কৰিব পাৰি। যেনে --

দেখ + -ম্প > দেখি = ‘দেখা যায়’

শুন + -ম্প > শুনি = ‘শুনা যায়’

2. -ৰে : কাৰণ কৰকত ‘-ৰে’ বিভক্তি যুক্ত হয়। স্বৰান্ত শব্দৰ পাছত ম্প পোনে পোনে লগ লাগে। ব্যঞ্জনান্ত শব্দৰ পাছত ম্প ‘-এৰে’ ৰূপত লগ লাগে। যেনে --

ভৰি + -ৰে > ভৰিৰে

জাহাজ + -এৰে > জাহাজেৰে

3. হেনো : কোনো উদ্ধৃত মন্তব্য সংক্ষেপে উল্লেখ কৰিবৰ কাৰণে ‘হেনো’ৰ সংযোগ কৰা হয়। ‘হেনো’ যুক্ত বাক্যৰ মূল কথা কোনোবাম্প কোৱা বা কৰবাত শুনা।

4. বাক্য গঠনৰ আৰ্হি : এম্প পাঠত জঁতুৱা কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদ থকা বাক্য ব্যৱহাৰ কৰা হৈছে। বাক্যৰ গঠনৰ ফালৰ পৰা ম্প পূৰ্বত ১৭ নম্বৰ পাঠত দিয়া বাক্যৰ আৰ্হিৰ।

5. অন্তৰ্গীমা অতিক্রম অনুমতি : অৰুণাচল বা নাগালেণ্ডলৈ কোনো কামত যাব লাগিলে তাৰ চৰকাৰৰ পৰা আগতে অনুমতি লব লাগে। অনুমতি পত্ৰ নাথাকিলে কাকো তালৈ যাবলৈ দিয়া নহয়।

प्राग्बयस्क शिक्षा

शिक्षा : बाप्पज, आपोनालोके
निश्चय

विषया शिक्षा गुरुत्व विषये
जाने। शिक्षा मानुह विचकु।
शिक्षा सहायत मानुहे
बहिर्जगतक चिनिब पाबे। जीरन
निर्वाह सुगम आरु मधुर करि
तुलिब पाबे।

बुदुराम : शिक्षा लाभर कारणे एकौ वयस
थाके। आमि प्रायथिनिस्प
दुकुबिब देउना पार हैछे। चकुत
चलिहा पबिछे।

विषया : सेम्पटो कोनो कथा नहय।
चलिहा पबि मानुह कारणे चचमा
दियाब ब्यरस्था करि हैछे। लिखा-
पटा शिकावर कारणे गाँवे भूँछे

शिक्षा : सज्जनो, आप लोग शिक्षा के
अधिकारी महत्व के बारे में जानते ही
हैं। शिक्षा मनुष्य को दृष्टि देती
है। शिक्षा की सहायता से
मनुष्य बहिर्जगत को पहचान
सकता है। इसके द्वारा जीवन-
निर्वाह सुगम और मधुर किया
जा सकता है।

बुदुराम : शिक्षा के लिए उम्र की एक
सीमा होती है। हम प्रायः सभी
चालीस की सीमा पार कर गए
हैं, आँखों में कम दिखने लगा
है।

अधिकारी : यह कोई बाधा नहीं। कम
दिखने पर व्यक्ति के लिए चश्मे
की व्यवस्था है। लिखना-पढ़ना
सिखाने के लिए गाँव-गाँव में
केन्द्र खोले गए हैं। यहाँ 'अ',
'आ', 'क', 'ख' के अलावा
हिसाब भी सिखाया जाता है।
किताब-कापियाँ मुफ्त में दी
जाती हैं।

শিক্ষাকেন্দ্ৰ খোলা হৈছে। তাত
‘অ’, ‘আ’, ‘ক’, ‘খ’ৰ
বাহিৰেও যোগ-বিয়োগ কৰিবলৈ
শিকোৱা হয়। কিতাপ বহীও
বিনামূলীয়াকৈ বিতৰণ কৰা হয়।

কনপাম্প : আমাক শিকোৱাতকৈ
মাম্পকী মানুহবিলাকক শিকোৱা
ভাল। আমি ঘৰত নথকা সময়ত
ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহ-
বিলাকক বৰকৈ ঠগায়। আগৰ
দিনততো ছোৱালীক স্কুললৈ
পঠোৱা নাছিল। ফলত
তেওঁলোকে জোখ-মাখ
‘কাম্পচাৰ হিচাপ ভালকৈ
নাজানিছিল।

বিষয়া : মাম্পকী মানুহৰ কাৰণেও কিছুমান
বিশেষ কেন্দ্ৰ আছে। আকৌ আন
কিছুমান কেন্দ্ৰলৈ মতা-মাম্পকী
উভয়কে আহিবলৈ দিয়া হয়।
তেওঁলোকক নানা ঠাম্প দেখুওৱা
হয়, বোলছবি দেখুওৱা হয়।
থলুৱা গীত মাত, শিক্ষা সংস্কৃতিৰ

কনপাই : हमें सिखाने के बदले हमारी
घरवालों को सिखाना अच्छा
होगा। हमारे घर पर न रहने
पर फेरीवाले औरतों को खूब
ठगते हैं। पुराने जमाने में
लड़कियों को स्कूल भेजा नहीं
जाता था। घर पर भी नहीं
पढ़ाते थे। फलतः वे निरक्षर
बनी रहीं।

अधिकारी : स्त्रियों के लिए कुछ विशेष केन्द्र
हैं। कुछ केन्द्रों में पुरुष-स्त्रियाँ
दोनों आते हैं। उन्हें आसपास के
स्थान दिखाए जाते हैं। सिनेमा
दिखाया जाता है। तरह-तरह के
स्थानीय गीत, शिक्षा-संस्कृति
संबंधी केसेट सुनाए जाते हैं।

निधिराम : ऐसा है क्या? तब तो हमारी
घरवाली भी यहाँ आ सकती है।
मर्द और औरतों को एक ही
साथ एक ही तरह के पाठ भी
पढ़ाए जाएँगे क्या?

কেছে শুনোৱা হয়।

নিখিৰাম : হয় নেকি? তেনেহলে আমাৰ
ঘৰৰজনীও স্পয়ালৈ আহিব
পাৰিব। মতা তিৰোতাক একেলগে
একে কথা পঢ়ুওৱা হবনে?

বিষয়া : নহয়। বেলেগে বেলেগে পঢ়ুওৱা
হব। শিক্ষকো বেলেগ। বিষয়বস্তু
আৰু সা-সৰঞ্জামো বেলেগ।
আপোনালোকে এম্প সুযোগ
নেহেৰুৱাব।

ৰাম্পজ : নিদিওঁ, নিদিওঁ। আমি দলে বলে
তালৈ যাম।

অধিকাৰী : নহী। অলগ অলগ পঢ়ায়া
জাএগা। শিক্ষক ধী অলগ অলগ
হোঁগে। বিষয় বস্তু ঔৰ পুস্তকেঁ
ধী অলগ হী। ঐপ লোগ ইস
অবসৰ কো হাথ সে মত জানে
দীজিএ।

সৰলোগ : নহী জানে দেঁগে, নহী জানে দেঁগে।
হমলোগ দল-বল সহিত যহাঁ
আঁগে।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অর্থ
প্ৰাপ্তবয়স্ক	প্ৰৌড়
ৰাম্পজ	জনতা/লোগ
গুৰুত্ব	মহত্ব
বিতচকু	চহমা/এনক
সহায়ত	কী সহায়তা সে
বহিৰ্জগত	বহিৰ্জগত
চিনিব	পহচাননা

সুগম

মধুর

বয়স

কুৰি

চলিহা

শিকাবৰ কাৰণে

শিকোৱা হয়

বিনামূলীয়া

ফেৰীৱালা

মাম্পকী

ঠগায়

পঠোৱা নাছিল

জোখ-মাখ

দেখুওৱা হয়

থলুৱা

গীত মাত

শুনোৱা হয়

মতা

তিৰোতা

সা সবঞ্জাম

সুযোগ

দলে বলে

सुगम

मधुर

उम्र, वय

बीस

कम दिखना

सिखाने के लिए

सिखाया जाता है

मुफ्त

फेरीवाला

औरत

ठगते हैं

भेजा नहीं था

नाप-तौल

दिखाया जाता है

स्थानीय

गीत आदि

सुनाया जाता है

पुरुष

औरत

साज-सामान/पुस्तक आदि

अवसर

दल-बल सहित

অভ্যাস

I. ঐ বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. শিক্ষাক কিহৰ লগত তুলনা কৰা হৈছে?
2. কিহে জীৱন সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে?
3. চলিহা পৰা মানুহৰ কাৰণে কিহৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে?
4. প্ৰাপ্তবয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি শিকোৱা হয়?
5. কনপাম্পৰ মতে কাক লিখাপঢ়া শিকোৱা ভাল?
6. প্ৰাপ্তবয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি শিকোৱা হয়?
7. সকলো কেন্দ্ৰত মতা-তিৰোতাক একেলগে পঢ়ুওৱা হয় নে?

II. তলৰ অসম্পূৰ্ণ বাক্যকেম্পা একোটা কাৰণ বুজোৱা সৰু বাক্য যোগ কৰি সম্পূৰ্ণ কৰক।

1. বুদ্ধামৰ চকুত চলিহা পৰিছে, কাৰণ
2. চলিহা পৰা মানুহৰো কোনো সমস্যা নাপ, কাৰণ
3. মতা মানুহক শিকোৱাতকৈ তিৰোতাক শিকোৱা বেছি ভাল, কাৰণ
4. আগৰ দিনত তিৰোতাম্প জোখ-মাখ, কাপম্পচাৰ হিচাপ পত্ৰ নাজানিছিল, কাৰণ
5. নিধিৰামৰ ঘৰৰ জনী শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ আহিব পাৰিব, কাৰণ

III. উদাহৰণ অনুসৰি ‘বহুবচন’ বা ‘স্পত্যাদি’ বুজোৱা শব্দ গঠন কৰক।

উদাহৰণ:

সৰঙাম —→ সা-সৰঙাম

1. ডাঙৰীয়া
2. খবৰ
3. চিনাকি
4. বাতৰি
5. জলপান

IV. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া বাক্যবোৰ পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণ:

শিক্ষাকেন্দ্ৰত যোগ বিয়োগ কৰিবলৈ শিকোৱা হয়।

→ শিক্ষাকেন্দ্ৰত যোগ বিয়োগ কৰিবলৈ শিকা হয়।

1. স্পয়াৰ পৰা হিমালয়ৰ ঠি দেখুওৱা হয়।
2. ভাষা কেন্দ্ৰত গীত শুনোৱা হয়।
3. ভাষা কেন্দ্ৰত চাহ-জলপান খুওৱা হয়।
4. তালৈ বিদেশী বোলছবি অনোৱা হয়।
5. কেন্দ্ৰলৈ সা-সৰঞ্জাম অনোৱা হয়।
6. সদায় লুচি তৰকাৰী খুওৱা হয়।

V. উদাহৰণ অনুসৰি বন্ধনিত দিয়া শব্দৰ উপযুক্ত ৰূপেৰে বাক্যৰ ৰেখাংকিত শব্দ সলনি কৰক। বাক্যৰ অন্য শব্দৰ প্ৰয়োজনীয় সালসলনি কৰিব পাৰিব।

উদাহৰণ:

আপোনালোকে এম্প সুযোগ হাতৰ পৰা যাবলৈ নিদিব।(তোমালোক)

→ তোমালোকে এম্প সুযোগ হাতৰ পৰা যাবলৈ নিদিব।

1. আমাৰ তিৰোতাজনী স্পয়ালৈ আহিব পাৰিব। (ল'ৰা)
2. শিক্ষা কেন্দ্ৰত ছায়াছবি দেখুওৱা হয়। (নাচ-গানৰ কেটে)
3. ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহক বৰকৈ ঠগায়। (ঘৰৰ মানুহক)
4. শিক্ষা কেন্দ্ৰত 'অ' 'আ' লিখিবলৈ শিকোৱা হয়। (যোগ-বিয়োগ)
5. আমাক শিকোৱাতকৈ মাম্পকী মানুহবিলাকক শিকোৱা ভাল। (পঢ়--)

VI. পাঠত দিয়া শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি বাক্য সম্পূৰ্ণ কৰক।

1. শিক্ষা মানুহৰ _____।
2. প্ৰায়খিনি মানুহে ম্প দুকুৰিৰ _____ পাৰ হৈছে।
3. তেওঁৰ বয়স দুকুৰি ; গতিকে চকুত _____ পৰিছে।
4. প্ৰাপ্ত বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কিতাপ বহী _____ দিয়া হয়।
5. ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহক বৰকৈ _____।
6. মতা তিৰোতাক _____ একে কথা পঢ়ুওৱা হয় নে?
7. আপোনালোক কেন্দ্ৰলৈ _____ আহক।

I. তলৰ ভঁকাটোৰ আলম লৈ ঐা পৰিচ্ছেদ লিখক।

আজিকালি --- স্ত্ৰী শিক্ষাৰ প্ৰসাৰ --- গাঁৱে গাঁৱে স্কুল --- অশিক্ষিত ছোৱালী নাম্প
 --- আজিকালি বিদ্যাত সমান অধিকাৰ --- আগতে ছোৱালী বিদ্যালয় --- যোৱা
 নাছিল --- ছোৱালীতকৈ ল'ৰাক বেছি মূল্য --- আজিকালি সমান --- এতিয়া
 ছোৱালী উচ্চ শিক্ষা --- ডাঙৰ ডাঙৰ চাকৰি --- পুলিচ বিষয়া --- বৈদেশিক বিষয়া
 --- গতিকে পঢ়া --- কৈ --- ডাঙৰ কাম --- ল'ৰাছোৱালীৰ কাৰণে --- নাম্প।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

ঐা প্ৰধান মাধ্যম

জ্ঞান লাভৰ ঐা প্ৰধান মাধ্যম হ'ল শিক্ষা। সকলো শিক্ষা লাভৰ মূলতে হ'ল ভাষা শিক্ষা। ভাষা শিক্ষা সম্পূৰ্ণ হলেহে অন্য শিক্ষা লাভ কৰিব পাৰি। শিক্ষাৰ জৰিয়তে মানুহে বহিৰ্জগতক চিনিব পাৰে। জীৱন নিৰ্বাহ সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে। শিক্ষা লাভৰ কাৰণে কোনো ধৰাবন্ধা বয়স নাস্প। বিয়া বাৰু কৰাম্পয়ো লিখা পঢ়া শিকিব পাৰি। আজিকালি বয়সীয়া মানুহক শিক্ষা দিবৰ কাৰণে বহুতো কেন্দ্ৰ খোলা হৈছে। তাত মাতৃভাষা লিখিবলৈ আৰু পঢ়িবলৈ, আৰু অংক কৰিবলৈ শিকোৱা হয়। এম্পবোৰ শিকা একোঁান কাম নহয়। সমগ্ৰ কেৰেলাত, পশ্চিমবংগৰ বৰ্দ্ধমান জিলাত আৰু কৰ্ণাটকৰ দক্ষিণ কানাড়া জিলাত আজি কোনো নিৰক্ষৰ নাস্প। বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ কাকো জোৰকৈ পঠোৱা নহয়। তাত চাহ বিস্কুত খুওৱা নহয়। কেৱল পুথি পাঁজি আৰু কাগজ কলম বিনামূলীয়াকৈ দিয়া হয়। আজৰি পৰতহে পঢ়ুওৱা হয়।

আগতে আমাৰ স্পয়াত মানুহে ছোৱালীৰ শিক্ষাত গুৰুত্ব দিয়া নাছিল। ছোৱালীক স্কুললৈ পঠোৱা নাছিল। ঘৰতো সকলোকে পঢ়ুওৱা নাছিল। ছোৱালীক কেৱল ঘৰৰ কাম কাজ শিকাম্পছিল। দূৰ অতীজত কিন্তু এনেকুৱা নাছিল। বৈদিক যুগত গাৰ্গী, মৈত্ৰেয়ীৰ দৰে দুম্প এগৰাকী মহিলাম্প পুৰুষৰ সমানে উচ্চ শিক্ষা লাভ কৰিছিল। তেওঁলোক কোনো গুণে পুৰুষতকৈ কম নাছিল। গতিকে এতিয়াও পুৰুষ-স্ত্ৰী উভয়ে বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ যোৱা উচিত আৰু তাত পঢ়া শুনা কৰা উচিত।

নযে শাব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অর্থ
মূলতে	মূলতঃ
চিনিব	পহচাননা
ধৰাবন্ধা	নির্ধারিত/নিশ্চিত
বয়সীয়া	উম্ম্বালে
অংক	গণিত/হিসাব
শিকোৱা	সিখানা
কঠিন কাম	কঠিন কাম
জোৰকৈ	জবরদস্তী
বয়স্ক	বয়স্ক/প্রৌঢ়
খুওৱা	খিলানা
বিস্কৃত	বিস্কুট
পুথিপাঁজি	পোথী-পত্ৰা
আজৰি পৰত	विश्राम के समय
পঢ়ুওৱা	पढ़ाना
অতীজত	अतीत काल में

অভ্যাস

I. ঐ বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. সকলো ধৰণৰ শিক্ষা লাভৰ মূলতে কি?
2. কিহে জীৱন নিৰ্বাহ সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে?
3. শিক্ষা লাভৰ বিশেষ বয়স আছে নেকি?
4. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি দিয়া হয় আৰু কি দিয়া নহয়?

5. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কেতিয়া পঢ়ুওৱা হয়?
6. আগতে ছোৱালীক স্কুললৈ পঠোৱা হৈছিল নে?
7. আগতে ছোৱালীক ঘৰত কি শিকোৱা হৈছিল?

II. পাঠত দিয়া উপযুক্ত শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি বাক্য পূৰণ কৰক।

1. শিক্ষাৰ _____ মানুহে বহিৰ্জগতক চিনিব পাৰে।
2. শিক্ষাম্প জীৱন নিৰ্বাহ _____ কৰি তুলিব পাৰে।
3. লিখা পঢ়া শিকা একো _____ কাম নহয়।
4. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ কাকো _____ পঠোৱা নহয়।
5. শিক্ষা কেন্দ্ৰত কাগজ কলম _____ দিয়া হয়।
6. তাত _____ পৰতহে শিক্ষা দিয়া হয়।
7. পুৰুষ-স্ত্ৰী উভয়ে বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত _____ কৰা উচিত।

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

কাতিৰামৰ সপোন

বহুদিনৰ আগৰ কথা। এসময়ত কাতিৰাম নামে এজন লুভীয়া আৰু এলেহুৱা স্বভাৱৰ লোকে বঢ়মপুৰ গাঁৱত বাস কৰিছিল। কাতিৰামে খুজি মাগি জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল। শোৱনি কোঠাৰ হেঁদালি এখনতে এা মাৰি কলহত তেওঁ খুজি পোৱা চাউলৰ এা অংশ সাঁচি থৈছিল। জমা অংশৰ কৈলিটো চাম্প চাম্প কাতিৰামে দিনটোৰ বেছিভাগ সময় কল্লনা কৰিয়েম্প কাম্পছিল। কল্লনাত বিভোৰ হৈ কাতিৰামে ভাবিছিল, এদিন তেওঁ চাউলখিনি বজাৰত বেচিব আৰু সেম্পকাৰে এা হাঁতী কিনিব। হাঁতীটোত উঠি তেওঁ মাজে মাজে নগৰলৈ ফুৰিবলৈ যাব। নগৰৰে এজন ধনী মানুহৰ ছোৱালীক তেওঁ বিয়া

কৰাব। ঘৈণীয়েকে তেওঁক ডাঙৰ মানুহ বুলি সমীহ কৰি চলিব আৰু তেওঁৰ সকলো কথা নিৰ্বিবাদে মানি চলিব। যদি ঘৈণীয়েক অবাধ্য হয় তেন্তে তাম্পক কোবাম্প ঘৰৰ পৰা খেদি দিব।

ঘৈণীয়েকক কোবোৱাৰ চিন্তাত বিভোৰ হৈ কাতিৰামে দুৱাৰৰ দাঙডালেৰে হেঁদালিখনতে মাৰ সোধালে। হেঁদালিখন হ্ৰ-হ্ৰাম্প ভাঙি পৰিল। মাঁৰি কলহটো মাঁতি পৰি ডোখৰ ডোখৰ হ'ল। কাতিৰামৰ সপোনবোৰো ভাঙি চুৰমাৰ হ'ল।

IV. তলৰ চিঠিখন অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

বিশ্বজীত বৰুৱা
দ্বাৰা শ্ৰী ডী.পী. বৰুৱা
109 সেক্টৰ 12, পুষ্পবিহার
নई দিল্লী -- 110017

12.02.04

প্ৰিয় দেৱাশীষ,

খুশা ৰহো!

হম লোগ গুৱাহাটী সে চলকৰ দুসৰে দিন দিল্লী পহুঁচ গএ। মেৰে তীনাঁ দোস্ত বিশ্ব যুবক কেন্দ্ৰ মেন্ ঠহৰে হেন্। মেন্ যহাঁ চাচাজী কে পাস ঠহৰা হুন্। যহাঁ সে বিশ্ব যুবক কেন্দ্ৰ কে লিএ সীধী বস জাতী হৈ। ইসসে চলকৰ মেন্ ৰোজ যুবক কেন্দ্ৰ পহুঁচ জাতা হুন্। বহাঁ সে হমলোগ এক সাথ ঘূমনে নিকল পড়তে হেন্। কল হমলোগ প্ৰগতি মৈদান গএ থে। প্ৰগতি মৈদান মেন্ দেশ কে সমী ৰাজ্যোঁ কে মন্ডপ হেন্। যহাঁ কোই ন কোই মেলা লগতা ৰহতা হৈ। দো দিন পহলে যহাঁ *বিশ্ব পুস্তক মেলা* শুরু হুআ হৈ।

ইস *বিশ্ব পুস্তক মেলা* মেন্ সমী ৰাৰতীয ৰাষাওঁ কী পুস্তকোঁ কে স্টোল হেন্। ইসকে অলাৱা জৰ্মনী, জাপান, চীন, ব্ৰিটেন আদি দেশোঁ কী পুস্তকোঁ মী প্ৰদৰ্শিত হেন্। হম কিসী মী পুস্তক কো উলট-পলট কৰ দেখ সকতে তথা চাহেন্ তো খৰীদ সকতে হেন্। পুস্তকোঁ পৰ 15 সে 20 প্ৰতিশত ছুট মী দী জাতী হৈ।

दो-तीन स्टॉलों पर असमिया पुस्तकें भी थीं। मैंने वहाँ से *हिंदी-असमिया कोश* खरीदा है। मेले में बच्चों की पुस्तकें ही नहीं सुंदर-सुंदर खेल आदि भी उपलब्ध हैं। बच्चों की पुस्तकों का एक अलग मंडप है। मैंने मिनी के लिए एक इलेक्ट्रानिक गेम खरीदा है।

कल हमलोग *कतुब मीनार* और *हुमायूँ का मकबरा* देखने जाएँगे। अभी तीन-चार दिन हमारे पास हैं। दिल्ली में देखने के लिए बहुत कुछ है। हम ज़्यादा से ज़्यादा स्थान देखने की कोशिश करेंगे। समय निकालकर हम दिल्ली-मेट्रो में भी सफर करेंगे।

दोस्तों के साथ मैं 22 फरवरी को वापस लौटूँगा।

मम्मी, पापा को प्रणाम!

तुम्हारा भाई,
विश्वजीत

श्री देवाशीष
द्वारा श्री बी.पी. बरुवा
कनकलता पथ, बी.टी. कॉलेज बाई लेन
लासितनगर, गुवाहाटी -- 78 007

V. বানপানী সমস্যা সমাধানৰ বাবে জনমত গঢ়ি তুলিবলৈ বাতৰি কাকতৰ সম্পাদকলৈ
অসমীয়াত এখন চিঠি লিখক।

টোকা

1. पाचनि वा प्रयोजक क्रिया कर्मवाच्य रूप : आगते शिकारक कर्मवाच्य क्रियापद गठन शिकोरा हैछे। तेउँलोकक पाचनि वा प्रयोजक क्रिया रूप गठनो शिकोरा हैछे। केतियावा पाचनि क्रिया कर्मवाच्यतो ब्यरहाब कबिबलगीया हय। तेतियाहले धातुब लगत प्रथमे पाचनि प्रताय 'आ' वा 'उरा' योग कबि पाचनि धातु गठन कबा हय। एस्प पाचनि धातुत आको कर्मवाच्य 'आ' योग कबि ताब पिछफाले सहायकारी क्रिया 'हय' वा 'याय' युक्त कबा हय। येने --

था + -उरा + -आ > खुउरा हय

পঢ় + -উৱা + -আ > পঢ়ুওৱা হয়

আন + -আ + -আ > অনোৱা হয়

2. নিজন্ত ক্ৰিয়াৰ লগত কৰ্মবাচ্যৰ সংযোগ : শিকাৰুৱে আগতে নিজন্ত বা নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়াপদ গঠন কৰিবলৈ শিকিছে। তেনে নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়া পদ কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদৰ আগফালে ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। এম্প পাঠত তাকে দেখুওৱা হৈছে। যেনে --

কৰ + -ম্পব + -লৈ দি + -আ হয় >

কৰিবলৈ দিয়া হয়

খা + -(ম্প) ব + -লৈ দি + -আ হয় > খাবলৈ দিয়া হয়

3. পাচনিৰ ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য ৰূপ : শিকাৰুৱে আগতে ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য পদ গঠন কৰিবলৈ শিকিছে। এম্প পাঠত তেনে পাচনি ধাতুৰ পৰা কেনেকৈ ক্ৰিয়া বাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয় তাকে দেখুওৱা হৈছে। পূৰ্ব বৰ্ণিত নিয়মে পাচনি ধাতু গঠন কৰাৰ পিছত তাত ‘-আ’ যোগ কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ লগত নিৰ্দেশাত্মক ‘-টা’ যুক্ত হব পাৰে। যেনে --

শিক + -আ + -আ > শিকোৱা + -টা = শিকোৱাটো

পঢ় + -আ + -আ > পঢ়ুওৱা + -টা = পঢ়ুওৱাটো

4. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে : এম্প পাঠত ব্যৱহাৰ কৰা বাক্যৰ আৰ্হি ১৭ নম্বৰ পাঠত দিয়া বাক্যৰ নিচিনাম্প। কেৱল পাচনি আৰু নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়াৰ লগত কৰ্মবাচ্যৰ ব্যৱহাৰ হ’লে কেনেকুৱা ৰূপ হয় তাকে দেখুওৱা হৈছে। কবলৈ গলে এম্প পাঠ ১৭ নম্বৰ পাঠৰে সম্প্ৰসাৰণ।

5. ৰাম্পজ : ৰাম্পজ মানে এক জন সমাগম। স্প এনেয়ে বহুবচনৰ ভাৱ সূচনা কৰে।
গতিকে স্পয়াত আকৌ বহুবচনৰ বিভক্তি যোগ কৰা নিৰ্ৰথক।

পাঠ 21 পাঠ

চিত্ৰাভিনেত্ৰীৰ সাক্ষাৎকাৰ

প্ৰতিনিধি : নমস্কাৰ, ৰবীনাৰ্জী।

পত্ৰকাৰ : নমস্কাৰ ৰবীনা জী!

ৰবীনা : অ' নমস্কাৰ, আহক

ৰবীনা : নমস্কাৰ! আइए!

প্ৰতিনিধি : মস্প অসমৰ বোলছবি
আলোচনী 'পূবালী'ৰ প্ৰতিনিধি।
অসমৰ কলামোদী ৰাম্পজৰ
বাবে আপোনাৰ ঐ সাক্ষাৎকাৰ
লব খুজিছোঁ।

পত্ৰকাৰ : মঁ অসমিয়া ফিল্মী পত্ৰিকা
'পূবালী' কা প্ৰতিনিধি হুঁ। অসম
কে কলা-প্ৰেমী লোগোঁ কে লিএ আপকা
সাক্ষাৎকাৰ লেনা চাহতা হুঁ।

ৰবীনা : সাক্ষাতকাৰ দি দি মস্প বিৰক্ত
হৈ পৰিছোঁ। তাৰোপৰি মস্প কওঁ
কিবা ঐ, আপোনালোকে লিখে
কিবা ঐ।

ৰবীনা : সাক্ষাৎকাৰ দে-দেकर तो मँ तंग आ
गई हूँ। मँ बोलती कुछ हूँ, आपलोग
लिखते कुछ हैं।

প্ৰতিনিধি : মস্প আপোনাক কেস্পোমান
প্ৰয়োজনীয় কথাহে সুধিম। ৰাৰু
কওকচোন, আজৰি পৰত

পত্ৰকাৰ : মँ आपसे कुछ उपयोगी बातें ही
पूछूंगा। अच्छा, बताइए आप अपना
खाली समय कैसे गुजारती हैं?

আপুনি কি কৰি ভাল পায়?

ৰবীনা : মস্প আলোচনী পঢ়ি ভাল
পাওঁ।

মোৰ ‘স্বপ্নিং’ কৰিও ভাল লাগে।
তাৰ বাবে কেতিয়াবা চিংগাপুৰ
আৰু কেতিয়াবা ডুবাম্পলৈ যাওঁ।

প্ৰতিনিধি : কল্পনা লাজমীৰ ‘দমন’ত
অভিনয় কৰি আপোনাৰ কেনে
লাগিছিল? তাত আপোনাক
সাম্পলাথ অসমীয়া বোৱাৰীৰ দৰে
লাগিছিল।

ৰবীনা : ‘দমন’ত কল্পনাজী আৰু ভূপেন
হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ
পোৱাটো মোৰ সৌভাগ্য বুলি
ভাবোঁ। তেওঁলোকৰ পৰা
শিকিবলগীয়া বহুত কথা আছে।

প্ৰতিনিধি : ‘দমন’ত মুগাৰ মেখেলা চাদৰ
পিন্ধি আপুনি অভিনয় কৰিছিল।
মেখেলা চাদৰ পিন্ধি আপুনি

ৰবীনা : খালী সময় মেন্ মুন্নে পত্ৰিকাঐ পড়না
অচ্চা লগতা হৈ। মুন্নে খৰীদাৰী কা
মী শৌক হৈ। খৰীদাৰী কে লিঐ মেন্
কমী-কমী সিংগাপুৰ ঐৰ দুবৰ্ই মী
জাতী হুঁ।

পত্ৰকাৰ : কল্পনা লাজমী কী ‘দমন’ মেন্
কাম কৰতে হুঐ আপকো কৈসা লগা
থা? উসমেন্ তো আপ পূৰী অসমিয়া
বহু জৈসী হী দিখতী থী!

ৰবীনা : ‘দমন’ মেন্ কল্পনা লাজমী ঐৰ
মুপেন হজাৰিকা কে সাথ কাম
কৰনা মেৰে লিঐ সৌভাগ্য কী বাত
থী। উন লোগোঁ সে সীখনে কে লিঐ
বহুত কুচ্চ হৈ।

পত্ৰকাৰ : ‘দমন’ মেন্ আপনে মুঁগা কী মেখলা-
চাদৰ পহন কৰ অভিনয় কিয়া থা।
মেখলা-চাদৰ পহনকৰ আপকো
কৈসা লগা, কুচ্চ बताएँगी।

ৰবীনা : অসম কী মুঁগা মেখলা-চাদৰ কী
অপনী হী ঐক খাসিয়ত হৈ। ঐসে
সোনে কী তৰহ চমকতে কপড়্ভে ভারত

केनेकुरा पाले कबने?

बबीना : असमब मुगाब मेथेला चादबब
 एा निजस्व विशेषत आछे। एने
 केँचा सोण-बबगीया कापोब
 भाबतब क'तो पोरा नायाय।
 मेथेला-

चादब पिन्कि मोब निजके
 असमीया येन लागिछिल। असमब
 संस्कृति बब अनुपम। म्पयाब
 शबाप्प, गामोचा आदिये मानुहब
 मन मुहि नियो। म्पयाब
 लोकसकलो खुव
 अतिथिपरायण, संस्कृतिबान आब
 सहज सबल। सेये असमले
 आहि मोब खुव भाल लागिछे।

प्रतिनिधि : 'दमन'ब शूँं कबौते आपुनि
 असमब बहत ठाम्प घुबिछे।
 असमब प्राकृतिक सौन्दर्याब
 बिषये आपोनाब केने अनुभव
 ह'ल?

बबीना : असमथन बब बितोपन। म्प एा

में कहीं भी नहीं मिलते। मेखला-
 चादर पहनकर मुझे असमिया जैसा
 ही लगा। असम की संस्कृति बड़ी
 अनूठी है। यहाँ की सराई-गमछा
 आदि तो लोगों का मन मोह लेते
 हैं। यहाँ के लोग भी बड़े ही
 अतिथि-प्रेमी, संस्कृति-प्रेमी और
 सहज-सरल हैं। इसलिए असम
 आना मुझे अच्छा लगता है।

पत्रकार : 'दमन' की शूटिंग के दौरान आप
 असम में कई जगह घूमी हैं। असम
 की प्राकृतिक सुंदरता के बारे में
 आपका क्या अनुभव है?

रबीना : असम बड़ा खूबसूरत है। लेकिन
 मुझे एक बात समझ में नहीं आती,
 उत्तर-पूर्व में इतनी सुंदर जगह होने
 पर भी हमारे यहाँ के फिल्म
 डायरेक्टर स्वीट्जरलैंड या
 मारीशस क्यों जाते हैं? यहाँ पर भी
 तो बहुत सारी फिल्मों की शूटिंग
 हो सकती है।

पत्रकार : भूपेन हजारिका की तरह बहुत सी
 फिल्मी-हस्तियाँ चुनाव में उतरी थीं।

কথা বুজি নাপাওঁ -- উত্তৰ-পূৰ্বা-
ঞ্চলত স্পমান সুন্দৰ সুন্দৰ ঠাম্প
থকা স্বত্বেও আমাৰ পৰিচালনক
সকল চুস্পজাৰলেও, মৰিচাচলৈ
কিয় দৌৰি আছে। স্পয়াতেস্পতো
বহু চিনেমাৰ শ্ৰুং হব পাৰে।

প্ৰতিনিধি : যোৱা নিৰ্বাচনত ভূপেন
হাজৰিকাৰ দৰে চিনেমা জগতৰ
লগত জড়িত বহুতো লোক
নিৰ্বাচনত নামিছিল।

কোনোবা পাঁয়ে আপোনাক
ধৰিলে আপুনি নিৰ্বাচনত
নামিবনে?

ৰবীনা : কোনোবা ডাঙৰ পাঁয়ে কলেও
মস্প নিৰ্বাচনত নানামোঁ। মস্প
ভাবোঁ যে অভিনয় এটা কলা
আৰু ৰাজনীতি এটা কৌশল।
স্পহঁতক একেলগ নকৰাম্প ভাল।

প্ৰতিনিধি : বিয়াৰ পাছত আপোনাক ৰূপালী
পৰ্দাত দেখা নাম্প। আপুনি

অগৰ কোই বড়ী পাৰ্টি আপসে চুনাৱ
লড়নে কে লিএ কহে তো ক্যা আপ
भी

चुनाव लडेंगी?

रवीना : कोई बड़ी पार्टी भी कहती तो भी मैं
चुनाव नहीं लडूँगी। मेरे विचार में
अभिनय एक कला है और
राजनीति एक कौशल। दोनों को
मिलाना ठीक नहीं है।

पत्रकार : शादी के बाद आपको रूपहले पर्दे
पर नहीं देखा। क्या आपने अभिनय
से संन्यास लेने का मन बना लिया
है?

रवीना : नहीं संन्यास लेने का नहीं सोच
रही हूँ। अभिनय तो मेरे खून में है।
अभी नाम तय नहीं हुआ है लेकिन
तीन-चार फिल्मों के लिए तो मैं
अनुबंध भी कर चुकी हूँ। भविष्य में
एक असमिया फिल्म में भी काम
करने का इरादा है।

पत्रकार : समय देने के लिए बहुत-बहुत
धन्यवाद!

रवीना : धन्यवाद!

অভিনয় বাদ দিব নেকি?

ৰবীনা : নাস্প। বাদ দিব খোজা নাস্প।
 অভিনয় মোৰ তেজত আছে।
 স্পতিমধ্যে মস্প নাম থিৰ
 নোহোৱা তিনি চাৰিখনমান ছবিত
 চহী কৰিছোঁ। ভবিষ্যতে এখন
 অসমীয়া ছবিতো অভিনয় কৰাৰ
 মন আছে।

প্ৰতিনিধি : সময় দিয়াৰ বাবে কৃত বহুত
 ধন্যবাদ ৰবীনাজী।

ৰবীনা : ধন্যবাদ।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
प्राक्षाङ्काब	साक्षात्कार
कलामोदी	कलाप्रेमी
लव खुजिछेँ	लेना चाहता हूँ
दि दि	दे-देकर
बिबङ्ग	विरक्त, तंग आ जाना
ताबोपबि	उसके ऊपर
आन किवा	दूसरे और कोई
लागतिगाल	आवश्यक
आजबि	खाली समय
पबत	समय पर
आलोचनी	पत्रिका
साम्पलाथ	हूबहू
बोराबी	वधू
सौभाग्य	सौभाग्य
कौँचा सोगवबणीया	कच्चा सोना जैसा
निजस्व	अपना
मुहि न्गि	मन मोह लेता है
अतिथि पबयण	अतिथि-प्रेमी
सहज प्रबल	सहज-सरल
स्वतेउ	के बावजूद
	निर्देशक

পৰিচালক	দৌড়
	জুড়া হুআ
দৌৰ	কলা
জড়িত	রাজনীতি
কলা	কৌশল
ৰাজনীতি	রূপহলা-পর্দা
কৌশল	खून में (होना)
ৰূপালী পৰ্দা	दस्तखत कर चुका हूँ, अनुबंध हो चुका हूँ
তেজত	भविष्य में
চহী কৰিছোঁ	
ভবিষ্যতে	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দৰ পৰা একোটা অৰ্থ-ভিত্তিক শব্দশৃংখল তৈয়াৰ কৰক।

(স্পয়াৰ দ্বিতীয়, তৃতীয় আৰু চতুৰ্থ শব্দৰ আগফালৰ আৰু পিছফালৰ শব্দৰ লগত সম্বন্ধ থাকিব।)

উদাহৰণ:

ফুল

→ ফুল -- সুবাস -- আঁতৰ -- দামী -- ৰেচম

1. খবৰ

2. বোলছবি

3. শৰাম্প
4. অসমীয়া
5. বিতোপন

II. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোঁকৈ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. সাম্পলাখ : বিতোপন
2. কিবা : কিহবা
3. আজৰি : আমনি
4. আলোচনী : আলোচনা
5. বাদ : বাজ

III. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণ:

মম্প বাৰে বাৰে সাক্ষাৎকাৰ দি বিৰক্ত হৈছোঁ।

→ মম্প সাক্ষাৎকাৰ দি দি বিৰক্ত হৈছোঁ।

1. বোলছবিখন বাৰে বাৰে চাম্প বৰ আমনি লাগিল।
2. অনবৰতে কিতাপ পঢ়ি চকু বিষাল।
3. দিনৰ পিছত দিন বহি খাব নোৱাৰি।
4. একেৰাহে কাম কৰি ভাগৰ লাগিল।
5. শিক্ষকজনৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰ দি তৎ পোৱা নাম্প।

IV. ‘ক’ স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত ‘খ’ স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

‘ক’ স্তম্ভ

1. মম্প নিজকে কেতিয়াও গ্লেমাৰ গাৰ্ল
2. মম্প নিজকে কেতিয়াবা গ্লেমাৰ গাৰ্ল
3. তেওঁ বিহুৰ পাছত কলিকতালৈ
4. অসমখন স্পমান ধুনীয়া ঠাম্প বুলি মম্প কেতিয়াও
5. মম্প কেতিয়াবা নিৰ্বাচনত

‘খ’ স্তম্ভ

- যাত্ৰা কৰিলে
- উঠিম বুলি ভাবোঁ
- বুলি ভাবিছিলোঁ
- বুলি ভবা নাছিলোঁ
- ভবা নাছিলোঁ

V. তলত দিয়া উদাহৰণ অনুসৰি দুটা বাক্য লগ লগাম্প এটা কৰক।

উদাহৰণ:

মম্প ঘৰলৈ আহি আছিলোঁ। এনেতে এটা দুৰ্ঘনা ঘলি।

→ মম্প ঘৰলৈ আহি থাকোঁতে এটা দুৰ্ঘনা ঘলি।

1. হেমা কলেজত পঢ়ি আছিল। সেম্প সময়তে চিনেমাত নামিবলৈ সুযোগ পালে।
2. হেমাম্প নলবাৰী কলেজত পঢ়িছিল। তেতিয়াম্প ‘গ্লেমাৰ গাৰ্ল’ শব্দটো শুনিছিল।
3. মম্প ভাত খাম্প আছিলোঁ। এনেতে লাম্প গ’ল।
4. তম্প তেতিয়া ১ম মানত। সেম্প বছৰত দেউতাৰ ঢুকায়।
5. খবৰ কাগজখন পঢ়ি আছোঁ। কেতিয়াবা টোপনি আহিল।

VI. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া প্ৰতিটো বাক্য ভাঙি প্ৰয়োজনীয় শব্দৰ ব্যৱহাৰেৰে দুটাকৈ অৰ্থসূচক বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

উদাহৰণ:

হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ পোৱাটো মম্প মোৰ সৌভাগ্য বুলি ভাবোঁ।

→ মম্প হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ পাম্পছিলোঁ। সেম্পটো মোৰ সৌভাগ্য বুলি ভাবোঁ।

1. মস্প অসমৰ বোলছবি আলোচনী ‘পূবালী’ৰ পাঠকৰ কাৰণে আপোনাৰ ঐ সাক্ষাৎকাৰ লব খুজিছোঁ।
2. কল্পনা লাজমীৰ ‘দমন’ত আপোনাক সম্পলাখ অসমীয়া বোৱাৰীৰ দৰে লাগিছিল।
3. অসমৰ কেঁচা সোণ-বৰণীয়া মুগাৰ মেখেলা চাদৰ ভাৰতৰ ক’তো পোৱা নাযায়।
4. অসমত বহুতো ভাল ঠাম্প থকা স্বত্বেও পৰিচালক সকল বাহিৰলৈ যায় কিয়?

VII. তলৰ জঁকাটোক আশ্ৰয় কৰি পাঠৰ আৰ্হিত ঐ সাক্ষাৎকাৰ লিখা।

অমিতাভ : ভালে আছোঁ -- ৰাজীবৰ লগত দুৰ্ন স্কুলত পঢ়িছিলোঁ -- কলেজৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানত ভাগ লৈছিলোঁ -- পুৰস্কাৰ পাম্পছিলোঁ -- নেহেৰু খুৰাৰ লগত ৰাজকাপুৰ তালৈ আহিছিল -- ঋষি মোতকৈ এক শ্ৰেণী তলত আছিল -- তেওঁ প্ৰথম চিনেমালৈ নিলে -- বহুত ছবি কৰিলোঁ -- ৰাজীবৰ কাৰণে এম.পি.ও হলোঁ -- মস্প ৰাজনীতিত ফেম্পল। চিনেমাত গীত গাম্পছোঁ -- পৰিচালনা নকৰোঁ।

প্ৰতিনিধি : আপোনাৰ পঢ়া শুনা -- বন্ধু -- চিনেমালৈ কোনে নিয়ে -- ঋষিক চিনি পায় নে -- কিমান ছবি কৰিলে -- হি হ’ল -- তাৰ মূল অনুপ্ৰেৰণা কোন -- ৰাজনীতি কেনে লাগিল -- গীত গাব নেকি -- নে পৰিচালক হব?

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (I)

অধ্যাপকৰ কথা

এজন অধ্যাপকৰ কথা কওঁ শুনা। তেওঁ বৰ সহজ সৰল ব্যক্তি। কেতিয়াও কোন কথা নকয়। যিদিনা তেওঁৰ ক্লাচ থাকে, সেম্পদিনা লৰাহঁতৰ বৰ স্ফূৰ্তি। সিহঁতে ক্লাচত হাজিৰা দিয়েম্প গুচি যায়। এম্প কথাত অধ্যাপকৰ খং উঠিলেও কাকো একো নকয়। কেবল নিজে নিজে ভোৰ

ভোৰাম্প থাকে। এদিন তেওঁৰ বক্তৃতা শুনি এজন ছাত্ৰস্প কলে, ‘চাৰ, আপুনি যিবিলাক কথা কয়, সেম্পবিলাক এখন কাণেৰে সোমাম্প আনখনেৰে ওলাম্প শুচি যায়।’ ছাত্ৰজনৰ কথা শুনি অধ্যাপকে কলে, ‘এৰা যাবতো! মাজখণ্ডত তঁহতৰ কিবা থাকিলেহে।’ অধ্যাপকৰ ব্যংগোক্তি শুনি সিহঁতে লাজতে াপ মাৰিলে।

আন এি ঘৈনা। অধ্যাপক মহাশয় আৰু দুজনমান অধ্যাপকৰ সৈতে কমন ৰুমত বহি আছে। এজনে ৰতন নামৰ পিয়নজনক মাতিলে। ৰতন অহা দেখি অধ্যাপকজনে পেটৰ জেপত হাত সুমুৱালে। পেটৰ পকেটৰ পৰা চিঠি এখন আনি চোলাৰ জেপত থলে। আন কেম্পজনমান অধ্যাপকে সেম্প কথা লক্ষ্য কৰি আছিল। ৰ’ব নোৱাৰি এজন অধ্যাপকে সুধিলে, ‘চাৰ, চিঠিখননো কিয় পেটৰ জেপৰ পৰা চোলাৰ জেপত থলে।’ তেওঁ উত্তৰ দিলে, ‘অলপ আগবঢ়াম্প থৈছোঁ ৰবা। এম্পখন পৰহিয়ে শ্ৰীমতীয়ে ডাকত দিবলৈ কৈছিল। ৰতন আহোঁতেহে কথাটো মনত পৰিল। সেয়ে অলপ আগুৱাম্প থলোঁ।’

এম্প অধ্যাপকজন বৃদ্ধ হলেও আধুনিক চিন্তাধাৰা সম্পন্ন আছিল। ‘ফিৰিঙতি’ চিনেমাম্প ৰাষ্ট্ৰীয় পুৰস্কাৰ পাবৰ দিনা তেওঁৰ বৰ আনন্দ। সিদিনা শ্ৰেণীলৈ গৈ এি বক্তৃতাম্প দিলে। ‘বোপাম্পহঁত, আজি আমাৰ বৰ আনন্দৰ দিন। ভাৰতবৰ্ষৰ দ্বিতীয়খন সবাক চলচিত্ৰ নিৰ্মাতা জ্যোতিপ্ৰসাদৰ সপোন আজি সাৰ্থক হৈছে। ‘জয়মতী’ ওলাওঁতে আমাৰ গাত তত নোহোৱা হৈছিল। আজি ‘ফিৰিঙতি’য়ে দুাকৈ ৰাষ্ট্ৰীয় পুৰস্কাৰ পাওঁতে তোমালোকৰ অন্তৰত পুলক জগা নাম্পনে? মলয়া গোস্বামীৰ অভিনয় সঁচাকৈয়ে ভাল। নিৰুপা, মীনাকুমাৰী, সুচিত্ৰাৰ অভিনয়তকৈ কোনো গুণে কম নহয়। তেওঁ শ্ৰেষ্ঠ অভিনেত্ৰীৰ সৰ্বভাৰতীয় পুৰস্কাৰ পোৱাত অসমীয়া হিচাপে আমি আনন্দিত।’ এজন ছাত্ৰস্প মাজতে প্ৰশ্ন কৰিলে, ‘চাৰ আপুনি আম্পকেম্পখন অসমীয়া কথাছবি চাম্পছে নেকি?’ তেওঁ কলে, ‘নাম্প চোৱা’। আন এজনে সুধিলে, ‘চাৰ আপুনি চিনেমা চাওঁতে সংলাপলৈ মন কৰে নে গীতলৈ?’ তেওঁ বিৰক্ত হৈ কলে, ‘তোমালোকে মোৰ সাক্ষাৎকাৰ লব খুজিছা নেকি?’

এজনী ছোৱালীয়ে সুধিলে -- ‘চাৰ, আজি নহলে ছুইয়েম্প দি দিয়ক।’ অধ্যাপকজনে ছোৱালীজনীলৈ চালে। তেওঁ কোঠাটোত দুবাৰমান পাৰ্শ্বচাৰি কৰিলে আৰু শেষত চকীখনত বহিল। তেওঁ কবলৈ আৰম্ভ কৰিলে -- ‘তোমালোক যে খুউব প্ৰতিভাবান তাত কোনো সন্দেহ নাস্প। কিন্তু এম্পটো ভাবিয়ে মোৰ দুখ লাগিছে যে জাতিৰ গৌৰৱত আনন্দ কৰিব পৰাকৈও তোমালোকৰ সংসাহস নাস্প। জাতিৰ ঐতিহ্য, গৌৰৱ, সংস্কৃতি আমি নিজেম্প সংৰক্ষণ কৰিবলৈ সুদূৰপ্ৰসাৰী পদক্ষেপ নললে আন কোনে লব? প্ৰকৃত অৰ্থত তোমালোকেম্প দেশৰ ভবিষ্যৎ, আশা-ভৰসা।’

অধ্যাপকৰ কথা শুনি সকলোৱে তলমূৰ কৰিলে। এজনে থিয় হৈ কলে -- ‘চাৰ, আমাক ক্ষমা কৰি দিয়ক, আমাৰ ভুল হৈছিল।’ অধ্যাপকজনে সকলোকে ক্ষমা কৰিলে আৰু সকলোৱে তেওঁৰ ক্লাচত উপস্থিত থকাৰ সংকল্প ললে।

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
কওঁ	কহতা হুঁ
স্মৃতি	স্মৃতি
হাজিৰা	উপস্থিতি
গুচি যায়	চলা जाता है
এনে	ऐसा
কাকো	किसी को
ভোৰভোৰাম্প	बुद-बुदाकर
ওলাম্প	निकल जाता है
যাবতো	जाएगा तो
থাকিলেহে	रहने पर

ব্যংগোক্তি
 চাপ মাৰিলে
 চোলাৰ জেপ
 বুকুৰ জেপত
 থলে
 বব নোৱাৰি
 আগ বঢ়াম্প
 হৈছে
 ডাকত
 অলপমান
 দ্বৈৰত
 ফিৰিঙতি
 বক্তা
 বোপাম্পহঁত
 সৰাক
 সপোন
 তত নোহোৱা
 পুলক
 সংলাপ
 মন কৰে
 পাম্পচাৰি কৰা
 প্ৰতিভাৱান

व्यंग्योक्ति
 चुप रहा
 कुर्ते की, निचली जेब में
 ऊपर की जेब में
 रखें
 रुक न पाना
 आगे बढ़ाकर
 रखा है
 डाक में
 थोड़ा सा
 दूरी पर
 स्फुर्लिंग
 भाषण
 बच्चे
 सवाक्, बोलने वाला
 स्वप्न
 धीरज न रहना
 पुलक
 संलाप
 ध्यान देते हैं
 धूमना-फिरना
 प्रतिभावान
 साहस
 खड़े होकर

সং সাহস	সিৰ ভুকানা
থিয় হৈ	সংকল্য
তলমূৰ	বিরাসত
সংকল্প	স্থায়ী প্ৰভাবশালী
ঐতিহ্য	আশা-ভৰোসা
সুদূৰপ্ৰসাৰী	
আশা-ভৰসা	

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (II)

দিনাংক : 30 নবেম্বৰ, 2004

তেজপুৰ

প্ৰতি

মূৰব্বী প্ৰাধ্যাপক
সংস্কৃতি অধ্যয়ন বিভাগ
তেজপুৰ বিশ্ববিদ্যালয়

বিষয় : পাঁচ দিনৰ ছুঁি বিচাৰি আবেদন।

মহোদয়,

বিনীত নিবেদন এম্প যে মম্প শান্তিনিকেতনত অনুষ্ঠিত হ'বলগীয়া সৃজনীমূলক লিখনিৰ কৰ্মশালা এখনত ভাগ লবৰ বাবে ক'লকাতালৈ যাম। গতিকে মম্প অহা 2 ডিচেম্বৰ, 2004 ৰ পৰা 6 ডিচেম্বৰ, 2004 লৈ শ্ৰেণীকোঠাত উপস্থিত থাকিব নোৱাৰিম। গতিকে দয়ালু মহোদয়ক এম্প কেম্পদিনৰ ছুঁি মঞ্জুৰ কৰিবলৈ অনুৰোধ জনালোঁ।

দয়ালু মহোদয়ৰ ওচৰত এয়ে মোৰ সৰল গোহাৰি।

স্পতি

আপোনাৰ একান্ত বাধ্য ছাত্ৰ

বিদ্যুৎ বড়ো

ৰোল নম্বৰ - CT/02/17

সংস্কৃতি অধ্যয়ন বিভাগ

তেজপুৰ বিশ্ববিদ্যালয়

নये शब्द

অসমিয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
মূৰব্বী	मुखिया, प्रधान
প্ৰাধ্যাপক	प्राध्यापक
অধ্যয়ন	अध्ययन
বিভাগ	विभाग
আবেদন	आवेदन
দিনাংক	दिनांक
বিনীত	विनीत
নিবেদন	निवेदन
সৃজনীমূলক	सृजनमूलक
কৰ্মশালা	कार्यशाला
দয়ালু	दयालु
মঞ্জুৰ	मंजूर
সৰল	सरल
	प्रार्थना

গোহাৰি

একাঁত

একান্ত

আজ্ঞাকাৰী

বাধ্য

অভ্যাস

I. ঐ বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. অধ্যাপকজনৰ বিষয়ে কমেও চাৰিশাৰী লিখক।
2. কমনৱেলথ ঘা ঘনটোৰ বিষয়ে লিখক।
3. পাঠৰ আলম লৈ অসমীয়া চিনেমাৰ ওপৰত ঐ টোকা লিখক।

II. তলত দিয়া শব্দৰ সমাৰ্থক শব্দ উলিয়াও সেম্পবিলাকৰ প্ৰয়োগেৰে বাক্য ৰচনা কৰক।

কিয়

কেনি

খৰকৈ

বোলছবি

বাবে

বোপাম্পহঁত

আগবঢ়াম্প

দিগদাৰি

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

অসমৰ হস্ত-তাঁত শিল্প

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱৰ সময়তে অসমীয়া শিপিনীয়ে বৈ উলিওৱা এশ বিছ হাত দীঘল বৃন্দাবনী বস্ত্ৰ অসমৰ হস্ত তাঁত শিল্পৰ ঐতিহ্যৰ উৎকৃষ্ট উদাহৰণ। অসমীয়া বুৰঞ্জীৰ মতে অসমীয়া তিৰোতাম্প একে ৰাতিৰ ভিতৰতে সুতা কাঁচ কবচ কাপোৰ বৈ উলিয়াও প্ৰিয়জনক পিন্ধাম্প যুদ্ধলৈ পঠিয়াম্পছিল। জাতিৰ পিতা মহাত্মা গান্ধীয়েও বিদেশী বস্ত্ৰ

বৰ্জন আন্দোলনৰ সময়ত অসমীয়া শিপিনীৰ প্ৰতিভা উপলব্ধি কৰিব পাৰিছিল। অসমীয়া শিপিনীৰ তাঁতৰ পাতত সপোন ৰচিব পৰা ক্ষমতাত তেওঁ মুগ্ধ হৈছিল। আজিও অসমত মহিলাস্প নিজৰ প্ৰয়োজনীয় বস্ত্ৰ তাঁতত বৈ লোৱাৰ পৰম্পৰা অব্যাহত আছে। সাধাৰণতে মাকে জীয়েকহঁতক বোৱাকীৰ কাম শিকিবলৈ অনুপ্ৰাণিত কৰে। আজিও অসমৰ বিভিন্ন ঠাম্পত বিশেষকৈ গাওঁ অঞ্চলত, দোপতিৰ থৈথৈ শুনিবলৈ পোৱা যায়।

অতীজৰে পৰা অসম বিভিন্ন ৰেচম শিল্পৰ বাবে বিখ্যাত। আজিকালি কৰ্ণীক আৰু কাশ্মীৰৰ পৰা পী-সূতা অসমলৈ আমদানি কৰা হয় যদিও অসমত উৎপাদিত পী-সূতাৰ নিজস্ব বৈশিষ্ট্য আছে। স্পয়াৰ উপৰিও অসমত স্থানীয়ভাবে উৎপাদন কৰা মুগা আৰু এৰি সূতা সমগ্ৰ ভাৰততে দুৰ্লভ। পলু পোহাৰ পৰা লৌ বখলিয়াস্প সূতা উৎপাদন কৰালৈকে সমস্ত কামত অসমীয়া শিপিনীৰ নিপনতাৰ তুলনা নাস্প।

অসমৰ কামৰূপ জিলাৰ শ্ৰৱালকুছি অঞ্চল পী-মুগা শিল্পৰ বাবে অসমতে নহয়, সমগ্ৰ ভাৰততে বিখ্যাত। কেচা সোণবৰণীয়া মুগা ৰেচম ভাৰতৰ ভিতৰত কেৱল অসমতে উৎপন্ন হোৱাত বজাৰত স্পয়াৰ বিশেষ আদৰ আছে। অসমৰ পী-মুগাৰ ৰেচমৰ পৰা মেখেলা, চাদৰ, ৰিহা, চেলেং আদি তৈয়াৰ কৰাৰ দৰে এৰি ৰেচমৰ পৰা এৰীয়া চাদৰ, কৌচোলা আদি তৈয়াৰ কৰা কৌশলত অসমীয়া শিপিনী সঁচাকৈয়ে আগবঢ়ায়।

প্ৰতিদিনে বাঢ়ি অহা বস্ত্ৰ উদ্যোগৰ ক্ষেত্ৰখনত অসমীয়া শিপিনীৰ স্থান আজি চকুত লগা। বস্ত্ৰ উৎপাদনত দেখুওৱা উদ্ভাবনীয় ক্ষমতাৰ বাবে অসমীয়া শিপিনীয়ে ভাৰতীয় বস্ত্ৰ উদ্যোগত নিজৰ স্থান নিগাজি কৰিবলৈ সক্ষম হৈছে।

IV. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

होली रंगों का त्योहार है। इस समय पूरी धरती पर वसंत के फूलों की बहार छाई रहती है। होली के रंग इसे और भी रंगीन बना देते हैं। हर साल फागुन-पूणिमा को होली मनाई जाती है। इस दिन रात को होलिका या होलीदहन होता है।

होलिका दहन प्रतीकात्मक है। इस संबंध में भक्त प्रह्लाद की कथा प्रचलित है। हरिण्य कश्यपु एक अत्याचारी राजा था। वह स्वयं को ईश्वर मानता था। उसने अन्य किसी भी देवता की पूजा-आराधना पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन उसका ही पुत्र प्रह्लाद विष्णु की आराधना - पूजा करता था। हरिण्य कश्यपु ने उसे ऐसा न करने का आदेश दिया किन्तु प्रह्लाद ने अपनी पूजा-आराधना नहीं छोड़ी। राजा इतना क्रुद्ध हो गया कि उसने प्रह्लाद को मार डालने का निश्चय कर लिया। उसने अपनी बहन होलिका को राजी कर लिया कि वह ईधन-लकड़ी के ढेर पर प्रह्लाद को गोद में लेकर बैठेगी। बाद में लकड़ी के ढेर में आग लगा दी जाएगी। उस आग में प्रह्लाद जल जाएगा। होलिका का कुछ नहीं बिगड़ेगा। उसे वरदान मिला था कि आग उसे जला नहीं सकती।

योजना के अनुसार लकड़ी का एक बड़ा ढेर लगाया गया। उस ढेर पर होलिका बैठ गई। प्रह्लाद को पकड़कर उसने गोद में बैठा लिया। उधर लकड़ियों में आग लगा दी गई। आदेश के अनुसार ढोल-नगाड़े बजाए जाने लगे। लोग नाचने-कूदने लगे। लेकिन यह क्या? आग होलिका को जलाने लगी। उसने चिल्ला-चिल्लाकर कहा -- बचाओ! बचाओ! लेकिन ढोल-नगाड़े के शोर में उसकी आवाज किसी ने न सुनी। होलिका आग में जल मरी। प्रह्लाद का बाल बाँका भी नहीं हुआ। असत्य पर सत्य की जीत हुई। इसी की याद में हर साल होली का पर्व मनाया जाता है।

होली की तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है। जगह-जगह लकड़ी आदि जमा की जाती है। दुकानें रंग-गुलाल-पिचकारियों से सज जाती हैं। होली पर घरों में पकवान बनाए जाते हैं। बच्चे नये कपड़े पहनते हैं। स्त्री-पुरुष शाम को होली की पूजा करते हैं। चारों ओर गाने-बजाने का महील रहता है। देर रात होली जलाई जाती है।

दूसरे दिन घुरेंडी मनाई जाती है। सुबह से रंग-गुलाल का सिलसिला शुरू हो जाता है। सब एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ देते हैं। गुलाल लगाते हैं और कहते हैं -- बुरा न मानो होली है। इस दिन छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है। रंगों में नहाए बच्चों को देख-देखकर लोग खुश होते हैं। बच्चे भी हर किसी को पिचकारियों से रंग देते हैं। वे चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं -- बुरा न मानो होली हैं। 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे होली गीत हवाओं में तैरने लगते हैं।

V. (i) আপোনাৰ কাৰ্য্যালয়ৰ মূৰব্বীলৈ ঘৰুৱা অসুবিধাৰ বাবে এসপ্তাহৰ ছুটি বিচাৰি এখন আবেদন লিখক।

(ii) আপোনাৰ নিজ অঞ্চলৰ এটা উৎসৱৰ বিষয়ে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. ‘-স্প’ যুক্ত অসমাপিকা ক্ৰিয়াৰ যোগে বাক্য গঠনৰ দৃষ্টীকৰণ : এম্প পাঠত ‘-স্প’ যুক্ত ক্ৰিয়া পদৰ ব্যৱহাৰৰ যোগে একে কৰ্তাস্প কৰা দুটা ক্ৰিয়াৰ সংযোগ পুনৰ দেখুওৱা হৈছে। স্পয়াৰ দ্বিত্ব প্ৰয়োগৰ যোগে অসমাপিকা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য বাৰে বাৰে সংঘটিত হোৱা বুজোৱা হয়। যেনে --

(i) সাক্ষাৎকাৰ দি দি ভাগৰি পৰিছে।

(ii) নিৰামিষ খাম্প খাম্প আমনি লাগিছে।

(i) ত ‘দিয়া’ কাৰ্য্য আৰু (ii) ত ‘খোৱা’ কাৰ্য্য বাৰে বাৰে সংঘটিত হৈছে।

2. ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ দৃষ্টীকৰণ : এম্প পাঠত ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য পদৰ ব্যৱহাৰ দৃঢ় কৰা হৈছে। আগতে কোৱা হৈছে যে ধাতুত ‘-আ’ যোগ কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। স্পয়াৰ পাছত অন্য কাৰক বিভক্তি যুক্ত হব পাৰে। নিৰ্দিষ্টভাবে উল্লেখ কৰিব লাগিলে এনে পদত ‘-টো’ যোগ কৰা হয়। যেনে --

দি + -আ = দিয়া

থাক + -আ = থকা

কৰ + -আ + -টো = কৰাটো

পাৰ + -আ + -টো = পৰাটো

ন + -হ + -আ = নোহোৱা

মন কৰিবলগীয়া যে ‘-আ’ যোগ কৰিলে ব্যঞ্জনান্ত ধাতুৰ পূৰ্বৰ অক্ষৰত থকা ‘-আ’ ধ্বনি ‘-অ’ লৈ পৰিবৰ্তিত হয় আৰু -অকাৰান্ত ধাতু -ওকাৰান্ত হয়।

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা

মি. পাল : নমস্কাৰ মহাশয়। আমি
গুৱাহাটী দূৰদৰ্শনৰ তৰফৰ পৰা
আহিছোঁ।

ডা. নেওগ : আহক, আহক! ফুলনিতে বহোঁ।

মি. পাল : আপুনি লক্ষ্মীনাথ
বেজবৰুৱাৰ ওপৰত কিতাপ
এখন লিখি পুৰস্কাৰ পাম্পছে।
আপুনি আমাৰ দৰ্শকক
বেজবৰুৱাৰ লগত পৰিচয় কৰি
দিবনে?

ডা. নেওগ : লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা অসমৰ
এজন মূৰ্খা সাহিত্যিক।
তেখেতে নিজেম্প উল্লেখ কৰা
মতে ১৮৬৮ চনত তেওঁ ভূমিষ্ঠ
নহৈ নৌকাৰ্ঠ হয়। তেওঁৰ জন্মৰ
কিছুদিন আগতে দেউতাক
ডিবৰুৱাৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ
বদলি হয়।

মি. পাল : নমস্কাৰ মহাশয়। হম
গুৱাহাটী দূৰদৰ্শন কী তৰফ
সে আএ হৈঁ।

ডা. নেওগ : আइए, आइए, बगीचे में ही
बैठें।

মি. পাল : লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা পৰ
লিখী কিতাব পৰ আপকো
পুৰস্কাৰ মিতা হৈ। ক্যা আপ
হমারে দৰ্শকোঁ কা পৰিচয়
বেজবৰুৱাজী কে ব্যক্তিত্ব ঔর
কৃত্তিত্ব সে কৰা সৰ্কংগে?

ডা. নেওগ : বেজবৰুৱাজী অসম কে মূৰ্ধন্য
সাহিত্যকৰ হৈঁ। উনকা জন্ম
উনহী কে মুতাৰিক 1868 ই. মেন
জমীন পৰ ন হোকৰ নাব পৰ
হুআ থা। উনকে জন্ম কে
কুচুদিন পহলে উনকে পিতাজী
কা স্থানান্তৰণ ডিবৰু সে
গুৱাহাটী হুআ থা। নাব সে
আতে সময় উনকা জন্ম
ব্ৰহ্মপুত্ৰ কে बीच হুআ থা।

नौकाबे आहि थाकौते
ब्रह्मपुत्रब बुकुत तेउँब जन्म
हय।

मि. पाल : येतिया लक्ष्मीनाथब जन्म
हय, तेतिया असम बृह्मि
अधीन आछिल। येतिया तेउँ
बिद्याबस्तु करे, तेतिया
पढाशालित कि भाषा चलिछिल?

डा. नेओग : तेतिया केरल पढाशालिते
नहय, कछाबीतो बांग्ला भाषाहे
चलिछिल। तेउँ असमीया भाषाब
पुनब संह्वापनब बाबे अहो
पुरुषार्थ करिछिल।

मि. पाल : कलेजीया शिक्षा तेउँ क'त
लाभ करिछिल?

डा. नेओग : तेउँ एन्ट्रेंस पाछ करिलत
देउताके कलेजीया शिक्षा
लाभब कारणे तेउँक कलिकता
लै पठियाय। कलिकतात पढि
थाकौते तेउँ चन्द्रकुमार
आगबबालाईतब लग लागि
“असमीया भाषाब उन्नति
साधिनी

मि. पाल : लक्ष्मीनाथ जी का जब जन्म
हुआ था, तब असम भी अंग्रेजों
के अधीन था। उस समय
स्कूलों में कौन कौन सी भाषाएँ
पढ़ाई जाती थीं?

डा. नेओग : तब केवल पाठशालाओं में ही
नहीं, कचारियों में भी बंगला
भाषा ही चलती थी। उन्होंने
असमिया भाषा की पुनर्प्रतिष्ठा
के लिए महान कार्य किया था।

मि. पाल : उच्च शिक्षा उन्होंने कहाँ
प्राप्त की थी?

डा. नेओग : एंट्रेंस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर
उनके पिताजी ने उन्हें उच्च
शिक्षा के लिए कलकत्ता भेजा
था। कलकत्ते में पढ़ते समय ही
उन्होंने “असमिया भाषाब उन्नति
साधिनी सभा” (असमिया भाषा
की उन्नति करनेवाली सभा) की
स्थापना की थी। यही सभा आगे
चलकर असम साहित्य सभा के

रूप में परिणत हो गई।

सभा” प्रतिष्ठा करे। एम्प
सभाम्प पिछत 1971 चनत

असम

साहित्य सभालै मो सलाय।

मि. पाल : तेउं यदि गुबि
नधबिलेहेँतेन अ.भा.उ.सा.
बर्ति नाथाकिल- हेँतेन। तेउं
हेनो एखन आलोचनीउ
उलियाम्पछिल।

डा. नेओग : हय, तेउं बाँही नामर एखन
आलोचनीउ उलियाम्पछिल। यदि
बाँही नोलालहेँतेन, बहजन
असमीया लिखकर जन्याम्प
नह'ल हेँतेन।

मि. पाल : एतिया आमि तेउं
बैबाहिक जीवनर विषये
दू'षार सुनोचोन।

डा. नेओग : यिहेतु तेउं साहित्य चर्चा
करिछिल, कलिकतार ठाकुर
परियालर लगत तेउं घनिष्ठ
सम्पर्क हैछिल। तेउं ठाकुर
परियालर श्रीमती प्रज्ञा सुन्दरी

मि. पाल : अगर उन्होंने उस सभा की
जड़ें मजबूत न की होतीं तो
अ.भा.उ.सां. सभा जीवित नहीं
रहती। सुना है उन्होंने एक
पत्रिका भी निकाली थी?

डा. नेओग : जी हाँ, उन्होंने बाँही (वंशी)
नामक एक पत्रिका भी निकाली
थी। बाँही का प्रकाशन अगर
नहीं होता तो अनेक असमिया
लेखकों का जन्म भी नहीं होता।

मि. पाल : कृपया अब उन के
वैवाहिक जीवन के संबंध में भी
कुछ बताइए।

डा. नेओग : चूँकि वे साहित्य में भाग लेते
थे इसलिए कलकत्ते के ठाकुर
परिवार के साथ उनके घनिष्ठ
संबंध हो गए थे। उन्होंने ठाकुर
परिवार की श्रीमती प्रज्ञा सुंदरी
देवी से शादी की थी। इस तरह
उन्होंने असम-बंगाल के बीच
सौहार्द्र-सेतु का काम किया था।

मि. पाल : सुना है उन्होंने लकड़ी का

দেৱীক বিয়া কৰাম্পছিল।
এনেকৈ তেওঁ অসম-বেঙ্গলৰ
মাজত

সৌহাৰ্দ্যৰ সেতু বান্ধিছিল।

মি. পাল : তেওঁ হেনো কাঠৰ
ব্যৱসায়ো কৰিছিল। সঁচানে
বাৰু?

ডা. নেওগ : হয়, তেওঁ সম্বলপুৰত থাকি
কাঠৰ কাৰবাৰ কৰিছিল। তেওঁ
একেধাৰে ব্যৱসায়ী, কবি,
গল্পকাৰ, সাংবাদিক আৰু
সমাজকৰ্মী আছিল। মানুহে
যদিও তেওঁক *ৰসৰাজ* বোলে,
তেওঁ কেৱল *ৰসৰাজেম্প* নহয়,
তেওঁ অসমীয়াৰ মহান
সাহিত্যৰথীও।

মি. পাল : তেওঁ বহু কবিতাৰ উপৰিও
বহুতো গীতি-কবিতা ৰচনা কৰি
থৈ গৈছে। এম্প বিষয়ে আপুনি
কিবা মতামত দিব খোজে

ব্যবসায়ৰ কথা?

ডা. নেওগ : হাঁ, উল্হোনে সৰ্বলপুৰ মেন্‌ ৰহকৰ
লকড়ী কা ব্যবসায় কৰিয়া থা।
বে এক সাথ ব্যবসায়ী, কবি,
কহানীকাৰ, পত্ৰকাৰ তথা
সমাজ সেবক থে। লোগ যদ্যপি
উল্হেন্‌ *ৰসৰাজ* কহতে হৈঁ তথাপি বে
কেবল *ৰসৰাজ* হী নহীঁ থে। বে
অসমিয়া কে মহান সাহিত্যকাৰ
হী থে।

মি. পাল : উল্হোনে কবিতাওঁ কে সাথ
বহুত সারে গীত হী লিখে হৈঁ।
ইস কে বাৰে মেন্‌ আপ কুচ
বতাবুঁগে কয়া?

ডা. নেওগ : বেজবৰুবা এক সিদ্ধ-হস্ত
গীতকাৰ হী থে। উল্হোনে অসম
কে জাতীয় সংগীত কী ৰচনা কী
হৈ। জৈসে,

ओ! मेरे अपने देश
ओ! मेरे सुंदरतम देश
इतने मधुर
इतने सुफला

ओ! मेरे सर्व प्रिय देश!

इसके अलावा उनके द्वारा
लिखित एक अन्य गीत को

नेकि?

डा. नेओग : बेजबर्बरा एজন ওখথাপৰ
গীতিকবি আছিল। অসমৰ যিটো
‘জাতীয় সংগীত’ সেম্পটো
বেজ-বৰুৱাম্প ৰচনা কৰা।
সেম্পটো হল--

অ’ মোৰ আপোনাৰ
দেশ

অ’ মোৰ চিকুণী দেশ

এনেখন সুরলা

এনেখন সুফলা

এনেখন মৰমৰ দেশ....

স্পয়াৰ উপৰিও তেখেতৰ
আন ঐ গীতক ‘অসম
সংগীত’ বুলি কোৱা হয়।

মি. পাল : চাৰ, অনুগ্রহ কৰি ‘অসম
সংগীত’টো অলপমান গাম্প
দিব নেকি?

ডা. নেওগ : নিশ্চয়, নিশ্চয়... প্রথমতে তেওঁ
কৈছে --

আমি অসমীয়া, নহওঁ দুখীয়া
কিহৰ দুখীয়া হ’ম;

‘অসম-সংগীত’ কী মান্যতা
প্ৰাপ্ত হৈ।

মি. পাল : उस संगीत का भी थोड़ा
परिचय दे सकेंगे क्या?

डॉ. नेओग : ज़रूर, ज़रूर! उनके गीत की
पहली पंक्तियाँ हैं :-

हम असमिया, कभी न होंगे
दुखिया
किसके लिए होंगे दुखिया
सब कुछ था, सब कुछ है
पर इस सबसे बेभान हम।

अंत में वे कहते हैं --

बजने दो नगाड़े, बजने दे शंख
बजने दो खोल याकि मृदंग
असम फिर उन्नति पथ पर
जय आई असम बोल।

मि. पाल : आपके साथ बातें कर हमें
बहुत सारी बातों की जानकारी
मिली।

आपसे हमारे दर्शक भी बहुत
सारी बातें जान सके। दूरदर्शन
और मेरी तरफ से आपका बहुत
बहुत धन्यवाद।

সকলো আছিল, সকলো
আছে

নুশুনোঁ নলওঁ গম।

শেষত তেওঁ কৈছে

বাজক ডবা বাজক শংখ

বাজক মৃদংগ খোল;

অসম আকৌ উন্নতিৰ

পথত

জয় আশ্প অসম

বোল।

মি. পাল : আপোনাৰ লগত কথা
পাতি আজি আমি বহুত কথা

জানিলোঁ। দৰ্শকেও আজি

বহুত কথা জানিব পাৰিলে।

দূৰদৰ্শন আৰু

মোৰ নিজৰ তৰফৰ পৰা

আপোনাক শলাগ জনালোঁ।

নমস্কাৰ।

ডা. নেওগ : নমস্কাৰ।

ডা. নেওগ : নমস্কাৰ।

শব্দার্থ

অসমীয়া শব্দ

हिन्दी अर्थ

দূৰদৰ্শন

दूरदर्शन

তৰফ

तरफ

ফুলনি

फूलों का बगीचा

দৰ্শন

दर्शन

মৃধাফুঁ

मूर्धन्य, धुरंधर

নটৈ

न होकर

আগতে

पहले

বদলি

बदली, स्थानांतरण

নৌকাৰে

नाव से

আহি থাকোঁতে

आते समय

বুকুত

वक्ष पर, के बीच

জন্ম

जन्म

অধীনত

के अधीन में

পড়াশালি

पाठशाला

চলিছিল

प्रचलित था

পুনৰ

पुनः

সংস্থাপন

संस्थापना

আহোপুরুষার্থ

पुरुषार्थ, उद्योग

কবিলত

करने पर

উচ্চ শিক্ষা

उच्च शिक्षा

লাভৰ কাৰণে

लाभ के लिए

পঠিয়ায়

भेजते हैं

পড়ি থাকোঁতে

पढ़ते समय

उन्नति

उन्नति
 प्राधिनी
 प्रभा
 प्रतिष्ठा
 मो प्रनाय
 गुर्बि
 वर्ति
 आलोचनी
 बाँशी
 लिखक
 वैवाहिक
 दु-आषाढ
 यिहेतु
 घनिष्ठ
 बिग्या कबाम्पछिल
 सौहार्द
 काठब
 काबबाब
 एकेधाबे
 ब्यारप्रायी
 कवि
 गल्लकाब
 प्रांवादिक
 समाजकर्मो
 बसबाज

साधिनी (उन्नति करनेवाली)
 सभा
 प्रतिष्ठा
 रूप बदलता है
 जड़
 जीवित
 पत्रिका
 वंशी, बाँसुरी
 लेखक
 वैवाहिक, विवाह संबंधी
 दो बातें
 चूँकि
 घनिष्ठ
 शादी की थी
 सौहार्द्र
 लकड़ी का
 व्यवसाय
 एक ही साथ
 व्यवसायी
 कवि
 कहानीकार
 पत्रकार
 समाज सेवक
 रसराज
 महान
 साहित्यकार

মহান	गीत-कविता
সাহিত্যৰথী	गीतकार
গীতিকবিতা	टिप्पणी
গীতিকবি	सबसे सुंदर
মতামত	सुनने में मधुर
চিকুগী	फल-फूल से भरा हुआ
সুৰলা	
সুফলা	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য সলনি কৰক।

উদাহৰণ:

(ক) তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহ'ল, নৌকাষ্ঠ হ'ল।

→ তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহৈ নৌকাষ্ঠ হ'ল।

1. তেওঁ শিৱসাগৰলৈ নগ'ল, ডিব্ৰুগড়লৈ গ'ল।
2. তেওঁ ভাত নাখালে, ৰুটি খালে।
3. মম্প চিনেমা নাচালোঁ, চাৰ্কাচ চালোঁ।
4. তুমি কাম নকৰিলা, শুম্প থাকিলা।
5. মম্প কিতাপ মন নপঢ়িলোঁ, ঘৰাম্প দিলোঁ।

(খ) মম্প যেতিয়া পঢ়োঁ, তেতিয়া কথা নাপাতোঁ।

→ মম্প পঢ়োঁতে কথা নাপাতোঁ।

1. মম্প যেতিয়া পুৰীলৈ গৈছিলোঁ, তেতিয়া সাগৰ দেখিছিলোঁ।

2. মম্প যেতিয়া পাহাৰৰ থিয় গড়া ঐ বগাম্পছিলোঁ, তেতিয়া তলত পৰি গৈছিলোঁ।
3. তেওঁ যেতিয়া কাৰবাৰ কৰিছিল, তেতিয়া বহুত লাভ হৈছিল।
4. মম্প যেতিয়া শুম্প আছিলোঁ, তেতিয়াম্প ঐ প্ৰচণ্ড ভূমিকম্প আহিছিল।
5. শিক্ষকে যেতিয়া পঢ়াম্প আছিল, তেতিয়া ল'ৰা-ছোৱালীবোৰে বৰ কথা পাতিছিল।

(গ) বাছখন ৰ'ল, মানুহবোৰ নামিল।

→ বাছখন ৰ'লত মানুহবোৰ নামিল।

1. আলহী গ'ল; মম্পও ফুৰিবলৈ গ'লোঁ।
2. দেউতাকে তাক পম্পছা দিলে; সি কিতাপ কিনিলে।
3. তেওঁ এম.এ পাছ কৰিলে; চাকৰি কলেজত পালে।
4. তেওঁ “অসম দৰ্শন”খন পঢ়িলে; অসমৰ কথা বহুত গম পালে।
5. শিক্ষকজন বহিল; ক্লাছৰ ল'ৰা-ছোৱালীবোৰো বহিল।

II. তলত দিয়া শব্দৰ শাৰী বিলাকৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটকৈ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

- | | | | | |
|-------------|---|----------|---|--------|
| 1. ভূমিষ্ঠ | : | নৌকাষ্ঠ | : | ঘনিষ্ঠ |
| 2. তৰফৰ পৰা | : | ফালৰ পৰা | | |
| 3. হেতু | : | সেতু | | |
| 4. দোঁ | : | দ | | |
| 5. ক'ত | : | কতো | : | কৰবাত |

III. প্ৰয়োজনীয় শব্দৰ ব্যৱহাৰ কৰি প্ৰতিটো বাক্যৰ পৰা দুটাকৈ অৰ্থসূচক বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. আপুনি পুৰস্কাৰ পোৱা বেজবৰুৱাৰ কিতাপখনেৰে আমাৰ দৰ্শকক বেজবৰুৱাৰ লগত পৰিচয় কৰি দিব নে?
2. বেজবৰুৱাৰ দেউতাক ডিবৰুৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ সপৰিয়ালে নৌকাৰে আহি থাকোঁতে ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত তেওঁৰ জন্ম হয়।
3. পঢ়াশালি আৰু কাছাৰীত চলি থকা বাংলাভাষাৰ সলনি অসমীয়া ভাষাৰ পুনৰ সংস্থাপনত বেজবৰুৱাসম্প অহোপুৰুষাৰ্থ কৰিছিল।
4. বেজবৰুৱাসম্প অসমীয়া আলোচনী বাঁহী নুলিওৱাহেঁতেন বহুজন অসমীয়া লিখকৰ জন্ম নহ'লহেঁতেন।
5. ৰবীন্দ্ৰনাথ ঠাকুৰৰ পৰিয়ালৰ প্ৰজ্ঞাসুন্দৰী দেৱীক বেজবৰুৱাসম্প বিয়া কৰাসম্প অসম আৰু বেঙ্গলৰ মাজত সৌহাৰ্দ্যৰ সেতু বান্ধিছিল।

IV. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ বাক্য লগলগাসম্প ঐ বাক্য গঠন কৰক।

1. আপুনি বৰ্ণমালা নামৰ কবিতাৰ কিতাপৰ বাবে পুৰস্কাৰ পাম্পছে। কিতাপখনৰ কবিতাৰ বিষয়বস্তুৰ বিষয়ে অলপ বহলাসম্প কব নে?
2. তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহৈ নৌকাষ্ঠ হৈছিল। সেম্পসময়ত তেওঁৰ দেউতাক ডিবৰুৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ বদলি হৈছিল।
3. অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা 1888 চনত প্ৰতিষ্ঠা কৰা হৈছিল। সেম্পখন সভাসম্প পিচৰ দিনবোৰত অসম সাহিত্য সভালৈ মৌ সলায়।
4. বাঁহী এখন অসমীয়া আলোচনী আছিল। সেম্পখনৰ গুৰি লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাসম্প ধৰিছিল।
5. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাসম্প বহুত গীত লিখিছিল। তাৰে ঐ ডা. ভূপেন হাজৰিকাসম্প গাম্পছে।

V. ঐ বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. বেজবৰুৱাৰ কোন চনত জন্ম হয়?
2. বেজবৰুৱাৰ জন্মৰ সময়ত অসম কাৰ অধীনত আছিল?
3. তেতিয়া অসমত কি ভাষা চলিছিল?
4. তেওঁ কলিকতাত কি সভাৰ প্ৰতিষ্ঠা কৰে?
5. বাঁহী নামৰ আলোচনীখন কোনে উলিয়াপ্পছিল?
6. যদি বাঁহী নোলালহেঁতেন তেনেহলে কি হ'লহেঁতেন?
7. বেজবৰুৱাপ্প কাক বিয়া কৰাপ্পছিল?
8. তেওঁ কিহৰ কাৰবাৰ কৰিছিল?
9. তেওঁক মানুহে কি বোলে?

VI. বহলাপ্প উত্তৰ দিয়ক।

1. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাপ্প কি কি ৰচনা কৰিছিল বহলাপ্প লিখক।
2. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ বৈবাহিক জীৱনৰ বিষয়ে লিখক।
3. অসমীয়া ভাষাৰ বাবে বেজবৰুৱাপ্প কি কি কৰিছিল লিখক।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

মামনি ৰয়ছম গোস্বামী

অসমৰ মহিলা সাহিত্যিক সকলৰ ভিতৰত মামনি ৰয়ছম গোস্বামী এা উল্লেখযোগ্য নাম। 2000 চনৰ জ্ঞানপীঠ বাঁ বিজয়ী মামনি ৰয়ছম গোস্বামীৰ প্ৰকৃত নাম হ'ল স্পন্দিৰা গোস্বামী। এগৰাকী সাহসী, মানবতাময়ী আৰু সমাজ সচেতন লেখিকা হিচাপে স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ খ্যাতি সুদূৰ প্ৰসাৰী।

তিষ্কাধী আৰু স্পৰ্শকাতৰ লেখিকা গৰাকীৰ জীৱন এক বৰ্ণময় অভিজ্ঞতাৰ সমষ্টি। পিতৃৰ চৰকাৰী চাকৰী সূত্ৰে অসমৰ বহু ঠাম্প ঘূৰি ফুৰাত গোস্বামী অসমীয়া সমাজৰ সৈতে ভালদৰে পৰিচিত হবলৈ সুবিধা পায়। ফলত স্পয়াৰ সূক্ষ্ম বৰ্ণনাত্মক ৰূপৰ প্ৰকাশ ঘৈছিল তেওঁৰ গল্প উপন্যাস আদিত।

গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ত পঢ়ি থকা অৱস্থাত মাধবেন ৰয়ছম নামৰ দক্ষিণ ভাৰতীয় অভিনেতা এজনৰে সৈতে পৰিচয় হৈছিল। সেম্প পৰিচয়েম্প প্ৰেমত পৰিণত হৈছিল আৰু শেষত দুয়ো বিবাহ পাশত আবদ্ধ হৈছিল। বিবাহৰ পিছত পতি মাধবেন ৰয়ছমৰে সৈতে তেওঁৰ বিভিন্ন কৰ্মক্ষেত্ৰৰ ঘূৰি ফুৰিবলৈ পোৱাটো মামনি ৰয়ছম গোস্বামীৰ বাবেম্প নহয় ভাৰতীয় গল্প উপন্যাসৰ বাবেও ফলদায়ক আছিল। কিন্তু কাশ্মীৰৰ এক দুৰ্গম অঞ্চলত কৰ্মৰত অৱস্থাৰ ডেকা বয়সতে পতি মাধবেন ৰয়ছমৰ মৃত্যুৰ ঘটনাম্প গোস্বামীক বৰ নিৰ্মম ভাবে জোকাৰি থৈ গৈছিল। কবিতাৰ আলমত মনৰ ভাব মোকলোৱা লেখিকা গৰাকী এম্প ঘটনাৰ পিছতে সম্পূৰ্ণৰূপে কথাশিল্পৰ জগতখনলৈ গুচি আহিছিল। লেখিকা নোহোৱাহেঁতেন কি হ'ল হয় বুলি সোধা বহু সংবাদসেৱীৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰত তেওঁ কৈছিল যে সম্ভৱতঃ তেওঁৰ মৃত্যুৱেম্প ঘলিহেঁতেন। শ্ৰীমতী গোস্বামীৰ এম্প কথাষাৰ বিশেষ তাৎপৰ্য্যপূৰ্ণ।

মাধবেন ৰয়ছমৰ মৃত্যুৰ পিছত গোৱালপাৰা সৈনিক স্কুলত কৰ্ম জীৱন আৰম্ভ কৰা শ্ৰীমতী গোস্বামীয়ে ডক্টৰে ডিগ্ৰী লাভ কৰাৰ পিছত দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ত যোগদান কৰে আৰু পিছলৈ অসমীয়া বিভাগৰ মুৰব্বী অধ্যাপিকাৰ গুৰু দায়িত্ব পালন কৰিবলৈ লয়। এম্প সময়চোৱাতে তেওঁৰ সাহিত্যিক প্ৰতিভা ফুলে ফলে জাতিস্কাৰ হৈ পৰে। তেওঁ নাৰীবাদী লেখিকা হিচাপেও সমাজত বিশেষ পৰিচিত হৈ পৰে। 'চিনাকী মৰম', 'কম্পনা হৃদয় এক নদীৰ নাম' আদিৰ দৰে মানবীয়তাৰে সংবেদনশীল বহু চুঁগিলৰ লেখিকা শ্ৰীমতী গোস্বামীৰ লেখনিৰে ১৯৮৩ চনত 'সাহিত্য অকাদেমী বঁা' ১৯৮৮ চনত 'অসম সাহিত্য সভা বঁা', ১৯৮৩ চনত 'ভাৰত নিৰ্মাণ বঁা', ১৯৯৩ চনত 'কথা বঁা'ৰ লগতে ১৯৯৯ চনত 'অন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় তুলসী বঁা'ৰ উপৰিও আন বহু উল্লেখযোগ্য বঁা কঢ়িয়াবলৈ সক্ষম হয়।

‘চেনাবৰ সোঁত’, ‘নীলকল্পী ব্ৰজ’, ‘অহিৰণ’, ‘মামৰেধৰা তাৰোৱাল’ আদিৰ দৰে উপন্যাসৰ ৰচয়িতা স্পন্দিৰা গোস্বামী অসম আৰু ভাৰতীয় সংস্কৃতিৰ সেতুবন্ধকো। ‘নীলকল্পীব্ৰজ’ত মথুৰাৰ সংস্কৃতি যিদৰে প্ৰতিফলিত হৈছে দঁতাল হাতীৰ উঁপয়ে খোৱা হাওদাত চিত্ৰিত হৈছে অসমীয়া সংস্কৃতিৰ এা ফাল। গল্প আৰু উপন্যাস সমগ্ৰত চিত্ৰিত কৰা অসমীয়া সমাজৰ বিহু, বাসন্তী পূজা, পুহন বিয়া আদিৰ সুন্দৰ উপস্থাপনে তেওঁৰ লিখনিসমূহক সংস্কৃতিৰ দস্তাবেজ হিচাপেও প্ৰতিস্থিত কৰিছে।

ভাৰতীয় বিভিন্ন ভাষালৈ অনুদিত স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ লেখনি চুৱা-বাহী জাত-পাত, অন্ধবিশ্বাস তথা অমানবীয় ঘনাব সঠিক প্ৰতিফলক। প্ৰতিবাদী চৰিত্ৰৰ উপস্থাপনেৰে এম্প কুসংস্কাৰবোৰৰ বিপক্ষে মাত মতা বিদ্যানুৰাগী লিখিকা গৰাকীৰ সমাজলৈ এম্পয়া এক মহান বৰঙনি। আত্মজীৱনীমূলক লেখা আধালিখা দস্তাবেজেৰে পাঠক সমাজত বহুল ভাৱে সমাদৃত লেখিকাগৰাকী আধুনিক কালৰ যি কোনো লিখক লেখিকাৰ বাবেম্প কৰ্মপ্ৰেৰণাৰ এক জীৱন্ত উৎস।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
মানবতাময়ী	মানবতা সে পূৰ্ণ
সুদূৰ প্ৰসাৰী	দূৰ-দূৰ তক প্ৰভাবী
তিষ্কাধী	সবসে বুদ্ধিমান
স্পৰ্শকাতৰ	সংবেদনশীল
সমষ্টি	সংকলন
সূক্ষ্ম	সূক্ষ্ম
বৰ্ণনাত্মক	বৰ্ণনাत्मक
গল্প	गल्प, कहानी

উপন্যাস	उपन्यास
অভিযন্তা	अभियंता
কর্মক্ষেত্র	कर्मक्षेत्र में
দুর্গম	दुर्गम
অঞ্চল	अंचल
কর্মরত	कार्यरत
পতি	पति
জোকাৰি	सदमा
থৈ থৈ গৈছিল	रखा था
সংবাদসেৱী	संवाददाता
তাৎপর্যপূর্ণ	तात्पर्यपूर्ण
গোৱালপাৰা	ग्वालपाड़ा (असम का एक जिला)
সৈনিক	सैनिक
গুৰু দায়িত্ব	गंभीर दायित्व
পৰিচিত	परिचित
ৰচয়িতা	रचयिता
সেতুবন্ধকো	सेतु का कार्य करनेवाला भी
উঁপ	दीमक
হাওদা	हौदा
চিত্ৰিত	चित्रित
বাসন্তীপূজা	दुर्गापूजा
পুহন বিয়া	पुहन बिया (स्त्री के गर्भवती रहने पर किया जानेवाला अनुष्ठान)
	दस्तावेज
দস্তাবেজ	अमानवीय
অমানবীয়	समादृता

সমাদৃত

উদ্গম

উৎস

অভ্যাস

I. পাঠৰ জ্ঞানৰ ভিত্তিত তলৰ বাক্যসমূহ শুদ্ধ শব্দ-গাঠনিৰে পূৰ্ণ কৰক।

1. কু-সংস্কাৰ তথা অন্ধবিশ্বাসৰ বিৰুদ্ধে মামনি ৰয়ছম গোস্বামীয়ে লিখনিৰ দ্বাৰা সমাজ সংস্কাৰকৰ _____।
2. গোস্বামীৰ ব্যক্তিগত প্ৰচেষ্টাতে বহু নাৰীবাদী অনুষ্ঠানে _____।
3. এম্প নাৰীবাদী অনুষ্ঠানবোৰে সমাজৰ উন্নতিৰ হকে নানা কাম _____।
4. চৰকাৰী আদেশ _____ মাধবেন ৰয়ছম কাশ্মীৰলৈ _____।
5. তেওঁৰ গল্প উপন্যাসত ‘বিহু’, ‘বাসন্তী পূজা’, ‘পুহন বিয়া’ আদিৰ উপস্থাপনে তেওঁৰ লেখনি সমূহক সংস্কৃতিৰ _____।

II. বহলাম্প উত্তৰ দিয়ক।

1. স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ কৰ্ম জীৱনৰ বিষয়ে বহলাম্প লিখক।
2. কি কি ঐনাম্প মামনি ৰয়ছম গোস্বামীক কথাশিল্পীত পৰিণত কৰিছিল?
3. লেখিকা হিচাপে স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ পৰিচয় দিয়ক।
4. স্পন্দিৰা গোস্বামীয়ে লাভ কৰা বাঁ বাহনৰ বিষয়ে লিখক।

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাক আধুনিক অসমীয়া সাহিত্যৰ এজন পিতৃপুৰুষ বুলি কব পাৰি। তেখেতৰ প্ৰচেষ্টাত ১৯৮৮ চনত অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা গঢ়ি উঠে। এম্প কাৰ্য্যত তেখেতলৈ চন্দ্ৰপ্ৰসাদ আগৰৱালাৰ দৰে কেম্পবাগৰাকী স্বনামধন্য অসমীয়া যুবকে সহায়ৰ হাত আগবঢ়াম্পছিল। সেম্প সময়ত অসমত বাংলা ভাষাৰ প্ৰচলন আছিল। অ. ভা. উ. সা.ৰ আলম লৈ কলিকতাত থকা অসমীয়া যুবকসকল একগোঁ হৈছিল আৰু অসমীয়া ভাষাৰ উন্নতিৰ বাবে নানান আঁচনি যুগুতাম্প কাম আৰম্ভ কৰিছিল। তেওঁলোকে উপযুক্ত সময়ত এনে পদক্ষেপ নোলোৱাহেঁতেন অসমীয়া ভাষাৰ অস্তিত্বৰ বাবে সংকটৰ সৃষ্টি হ'লহেঁতেন।

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আছিল একেধাৰে কবি, গল্পকাৰ, কথাশিল্পী, গীতিকাৰ আৰু ব্যৱসায়ী। অসমীয়া সাহিত্যৰ এনে ঐ ভাগ নাম্প য'ত তেওঁৰ লখিমী হাতৰ পৰশ পৰা নাছিল। তেখেত আছিল প্ৰথম অসমীয়া চুটি গল্পৰ জন্মদাতা; তেখেতে ৰচনা কৰা 'কন্যা' নামৰ চুটিগল্পটো অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰথম চুটি গল্প।

অসমীয়া সাধুকথাৰ ক্ষেত্ৰখনতো তেখেত এজন লেখত লবলগীয়া ব্যক্তি আছিল। তেখেতে যদি 'বুঢ়ী আম্পৰ সাধু'ৰ দৰে সাধুকথাৰ পুথি লিখি নুলিয়ালেহেঁতেন, বহু অসমীয়া লোক-কথা পাহৰণিৰ গৰ্ভত লীন হ'লহেঁতেন। বেজবৰুৱাক সেয়েহে অসমীয়া সাধুকথাৰ জনক বুলি কোৱা হয়।

কবিতা আৰু গীত ৰচনাৰ ক্ষেত্ৰতো বেজবৰুৱাম্প যথেষ্ট বৰঙণি আগবঢ়াম্প থৈ গৈছে। তেখেতে নিজে কবিতা লিখিব নাজানে বুলি কৈছে যদিও কবিতাৰ বুৰঞ্জীতো তেওঁ নিজৰ নাম সোণালী আখৰেৰে লিখি থৈ গৈছে। তেখেতে ৰচনা কৰা গীত 'প্ৰেম প্ৰেমবুলি জগত ঘূৰিলোঁ' ডা. ভূপেন হাজৰিকাৰ কল্পত প্ৰাণ পাম্প উঠিছে।

ৰসৰচনাৰ ক্ষেত্ৰত লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আছিল অতুলনীয়। 'কৃপাবৰ বৰবৰুৱা' ছদ্মনাম লৈ যদি তেখেতে 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ ভাবৰ বুৰবৰণি', 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ কাকতৰ টোপোলা', 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ ওভতনি', আদি ৰম্য ৰচনা নকৰিলেহেঁতেন তেন্তে বোধহয় ৰসৰচনা অসমীয়া ভাষাত স্পমান জনপ্ৰিয় নহ'লহেঁতেন। অন্ধবিশ্বাসী সমাজখনক ব্যঙ্গ কৰি ৰচনা কৰা

এম্প বস বচনাবিলাকে বহুতৰ চকু মেল খুৱাম্পছিল। তেখেতৰ উচ্চ মানব ব্যঙ্গ বচনাৰ বাবে তেখেতক *বসৰাজ* বোলা হয়।

১৯৩৮ চনত অসমীয়া জাতিক কন্দুৱাম্প বেজবৰুৱাম্প স্পহলোক ত্যাগ কৰি পৰলোকলৈ যায়। তেখেত আজি মৰিও অমৰ। তেখেত চিৰদিন অসমীয়াৰ বাবে প্ৰাতিঃ স্মৰণীয় ব্যক্তি হৈ থাকিব।

IV. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

রাজা নৃসিংহদেব को नदी, सरोवर, जंगल देखने का बड़ा शौक था। वह एक बार घूमने के इरादे से बाहर निकला। किले से बाहर मीलों तक बंजरभूमि थी। राजा उस भूमि से होकर निकल रहा था। अकस्मात उसने घोड़े को रोक लिया। उसने देखा एक आदमी झुककर कुछ बो रहा था। राजा उसके पास जा पहुँचा। काम में लगा आदमी एक बूढ़ा था। राजा ने देखा उस भूमि पर कई गड्ढे तैयार किए गए हैं। एक गड्ढे में बूढ़ा एक पौधा लगा रहा था। बूढ़ा पसीने से तर-बतर था। राजा को बड़ी हैरानी हुई। राजा को देखकर बूढ़े ने उसका अभिवादन किया। राजा ने बूढ़े से पूछा

-- तुम यह क्या कर रहे हो?

बूढ़ा बोला -- 'महाराज! मैं पौधा लगा रहा हूँ।'

'तुम शायद आम का पौधा लगा रहे हो!' राजा ने प्रश्न किया।

बूढ़ा बोला -- 'जी महाराज! यह आम का पौधा ही है। यह छाया भी देगा और फल भी।'

'पर तुम तो बहुत बूढ़े हो। पेड़ में फल लगेंगे, क्या तब तक तुम जीवित रहोगे?' राजा ने पूछा।

'महाराज! मुझे यह चिंता नहीं है कि फल भी मैं ही खाऊँ! मेरे लिए यही संतोष की बात होगी कि दूसरे तो इसके फल खा सकेंगे।' बूढ़ा बोला।

राजा ने कहा -- 'मुझे खुशी है कि मेरे राज्य में तुम्हारे जैसे लोग भी हैं। मैं तुम्हें इनाम देना चाहता हूँ। ये लो सोने की सौ मोहरें।'

बूढ़े ने खुश होकर कहा -- 'महाराज पेड़ में फल जब लगेंगे तब लगेंगे, लेकिन आपने तो मेरी मेहनत का फल आज ही दे दिया।'

V. আপুনি ভাল পোৱা এজন সাহিত্যিকৰ বিষয়ে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. -স্প : ধাতুৰ শেষত ‘-স্প’ যোগ কৰি অসমীয়াত বৰ্তমান কালৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। এনে ধৰণৰ ক্ৰিয়াস্প দুটা বাক্য যোগ কৰি এটা কৰিব পাৰে। যেনে --

মস্প ভাত খালোঁ। তাৰ পাছত শুলোঁ

মস্প ভাত খাম্প শুলোঁ।

2. -ওঁতে : ধাতুৰ শেষত ‘-ওঁতে’ যোগ কৰি আন এক প্ৰকাৰৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। এটা ক্ৰিয়াৰ কাম চলি থকা সময়ত আন এটা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য সম্পন্ন হোৱা বুজাবলৈ হলে প্ৰথমতে আৰম্ভ হোৱা কাৰ্য্য বুজোৱা ধাতুটোৰ লগত ‘-ওঁতে’ যুক্ত হৈ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰে। স্পয়ে দুটা বাক্য সংযোগ কৰিব পাৰে। যেনে --

ভাত খাম্প আছোঁ। এনেতে ডিঙিত কাম্প লাগিল।

ভাত খাম্প থাকোঁতে ডিঙিত কাম্প লাগিল।

3. -স্পলত : ধাতুৰ শেষত ‘-স্পলত’ যোগ কৰি আন প্ৰকাৰৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। অতীত কালৰ ক্ৰিয়া পদৰ ভিত্তিত স্পয়াক গঠন কৰা হয়। কোনো এটা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য সম্পন্ন হোৱাৰ পিছতে আন ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য হোৱা বুজাবলৈ হলে প্ৰথমে সম্পন্ন হোৱা কাৰ্য্য বুজোৱা ধাতুটোৰ লগত ‘-স্পলত’ যুক্ত হৈ এটা অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰে। স্পয়ে দুটা বাক্য সংযোগ কৰিব পাৰে। যেনে --

সূৰ্য উদয় হ’ল। তেতিয়া পদুম ফুলিল।

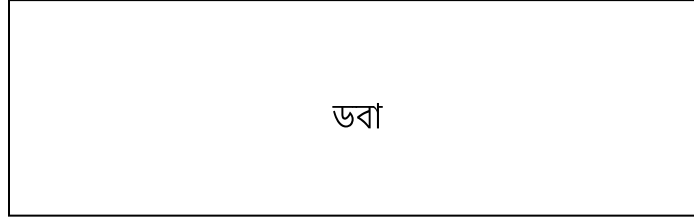
সূৰ্য উদয় হ’লত পদুম ফুলিল।

4. বাক্য আৰ্হিৰ বিষয়ে : এস্প পাঠত যৌগিক বাক্যৰ লগত শিকাৰুক পৰিচয় কৰি দিয়া হৈছে। যৌগিক বাক্যৰ গঠন তেনেস্প সহজ। প্ৰথম বাক্যৰ ক্ৰিয়াটো সলনি কৰি

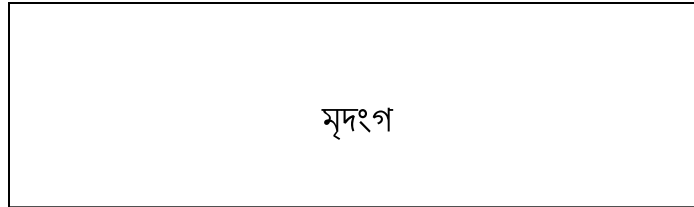
তাৰ ঠাম্পত ‘-স্প’, ‘-ওঁতে’ অথবা ‘-স্পলত’ যুক্ত অসমাপিকা ক্ৰিয়া বহুওৱা হয়। তেতিয়া দ্বিতীয় বাক্যৰ দুটা এটা শব্দ অদৰকাৰী হৈ পৰে আৰু সেম্প কেম্পা শব্দ বাদ দিব লগীয়া হয়।

5. চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা (১৮৬৭-১৯৩৮) : চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা অসমীয়া ৰোমান্টিক কবিতাৰ বীৰীয়া। এওঁ লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আৰু হেমচন্দ্ৰ গোস্বামীৰ সহযোগত ১৮৮৯ চনত প্ৰথম অসমীয়া আলোচনী ‘জোনাকী’ প্ৰকাশ কৰিছিল আৰু তেওঁ তাৰ প্ৰতিষ্ঠাপক সম্পাদক আছিল। তেওঁৰ সৃষ্টিৰ ভিতৰত *প্ৰতিমা*, *বীণবৰাগী* আৰু *চন্দ্ৰমৃত* অন্যতম। তেওঁ ‘অসমীয়া’, ‘সাদিনীয়া অসমীয়া’, ‘তিনদিনীয়া অসমীয়াৰ’ প্ৰতিষ্ঠাপক আছিল।
6. অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা : চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা, লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা, হেমচন্দ্ৰ গোস্বামী আদিৰ দৰে কেম্পজনমান স্বনামধন্য অসমীয়া সাহিত্যিকে ১৮৮৮ চনত কলিকতাত অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা প্ৰতিষ্ঠা কৰে। সেম্প সময়ত অসমৰ বিদ্যালয় আৰু আদালতত চৰকাৰী ভাষা হিচাপে অসমীয়াৰ সলনি বাংলা ভাষা প্ৰবৰ্তন কৰা হৈছিল। এম্প সভাম্প কলিকতা আৰু অসমত থকা অসমীয়া সাহিত্যিকসকলক একগোঁ কৰি অসমীয়া ভাষাৰ পুনৰ প্ৰচলন বাবে দাবী আৰম্ভ কৰে।
7. অসম সাহিত্য সভা : অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভাৰ পৰা জন্ম হোৱা অসম সাহিত্য সভাৰ প্ৰথমখন অধিবেশন হৈছিল ১৯১৭ চনত শিৱসাগৰত। অসম সাহিত্য সভাম্প অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ উন্নতিৰ ক্ষেত্ৰত বহুখিনি অবদান আগবঢ়াম্পছে। এম্প সভা এতিয়াও বৰ শক্তিশালী।
8. বাঁহী : অসমীয়া ভাষাৰ দ্বিতীয়খন আলোচনী ‘বাঁহী’ ১৯০৯ চনত লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ সম্পাদনত প্ৰকাশ পায়। বাঁহীৰ জড়িয়তে বহু কেম্পজন অসমীয়া সাহিত্যিকে প্ৰতিষ্ঠা লাভ কৰাত অসমীয়া ভাষাম্প ঠন ধৰি উঠে।

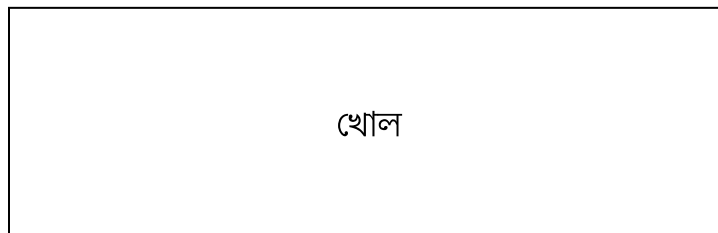
9. ডবা : কাঠৰ খোলাৰ ওপৰত গৰু বা ম'হৰ চামৰা লগাম্প তৈয়াৰ কৰা ডুগীৰ আকৃতিৰ এবিধ বাদ্য। এম্প বাদ্য ডুগীতকৈ যথেষ্ট ডাঙৰ। এম্প বাদ্য দুডাল লাঠিৰে বজোৱা হয়। অসমৰ প্ৰায় সকলোবিলাক নামঘৰতে উৎসৱ-পাৰ্বন বা স্পয়াৰ জাননী দিবলৈ ডবা বজোৱা হয়।



10. মৃদংগ : মৃদংগ পাখোৱাজ আকৃতিৰ এবিধ বাদ্য। এম্প বাদ্যৰ দুম্পমূৰে চামৰা লগাম্প তৈয়াৰ কৰা হয়। খোলাটো কাঠৰ। অসমৰ বহুতো অঞ্চলত 'গায়ন-বায়ন'ত মৃদংগ ব্যৱহাৰ কৰা হয়। দক্ষিণ ভাৰতৰ মৃদংগৰ লগত স্পয়াৰ সাদৃশ্য আছে।



11. খোল : খোল অসমৰ এবিধ থলুৱা বাদ্য। শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱে এম্প বাদ্যৰ প্ৰচলন কৰে। এঁ কাঠৰ বা মাৰি খোলাৰ দুম্প মূৰে চামৰা লগাম্প এম্প বাদ্য বনোৱা হয়। এম্প বাদ্য হাতেৰে বজোৱা হয়। গায়ন-বায়ন, সত্ৰীয়া অনুষ্ঠান আদিত খোল এঁ অবিচ্ছেদ্য অংগ।



প্রেছ মেল

প্রতিনিধি ১ : মাননীয় স্বাস্থ্যমন্ত্রী মহোদয়,
আপুনি প্রেছ মেলখন আহান
কৰাত আমি সকলো অতিশয়
আনন্দিত হৈছোঁ।

পত্ৰ-প্ৰতি-: মাননীয় স্বাস্থ্য মন্ত্রী জী,
নিধি ৭ আপকে দ্বাৰা পত্ৰকাৰ সম্মেলন
মঁ
বুলানে সে হম বহুত খুশা হৈঁ।

মন্ত্ৰী : মাজে মাজে প্রেছ মেল
মতটো ৰাজহুৱা ব্যক্তিৰ কৰ্তব্য।
আমি ৰাম্পজৰ পৰামৰ্শৰ
ভিখাৰী।

মন্ত্ৰী : बीच-बीच में पत्रकार सम्मेलन
बुलाना सार्वजनिक व्यक्ति का
कर्तव्य (होता) है। हम जनता
की सलाह-परामर्श हमेशा चाहते
हैं।

প্রতিনিধি ২ : আপোনাৰ মন্ত্ৰণালয়ৰ অগ্ৰা-
ধিকাৰ কি?

পত্ৰ-প্ৰতি-: आपके मंत्रालय की प्राथमिकताएँ
निधि ২ क्या हैं?

মন্ত্ৰী : জনসংখ্যা বৃদ্ধিৰ ভয়াবহ
ৰূপ সম্পৰ্কে ৰাম্পজক সচেতন
কৰা। মম্প আগতে বহুবাৰ
কৈছোঁ যে জনসংখ্যা বৃদ্ধি
আমাৰ দেশৰ দাৰিদ্ৰ মূল
কাৰণ।

মন্ত্ৰী : जनसंख्या वृद्धि के बारे में
जनता को सचेत करना। मैंने
पहले कई बार कहा है कि
जनसंख्या वृद्धि हमारी दरिद्रता
का मूल कारण है।

প্রতিনিধি ২ : জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিবলৈ
চৰকাৰে কি ব্যৱস্থা লৈছে?

পত্ৰ-প্ৰতি-: जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए
निधि ২ सरकार ने क्या-क्या किया है?

মন্ত্ৰী : আমি অনাতাঁৰ আৰু
দূৰদৰ্শনৰ যোগে প্ৰচাৰ কৰিছোঁ

মন্ত্ৰী : हमने रेडियो और दूरदर्शन से
प्रचार किया है कि 'हम दो,
हमारे दो।' याने कि चाहे लड़का
हो या लड़की -- दो ही हों। हमने
ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य

যে ‘হাম দো, হামাৰে দো’ --
 মানে, ল’ৰাম্প হওক বা
 ছোৱালীয়ে হওক -- দুটা
 সন্তানেম্প যথেষ্ট। গাঁৱে ভূঞা
 আমি বহুতো স্বাস্থ্য বিষয়া
 নিয়োগ কৰিছোঁ। তেওঁলোকে
 ৰাম্পজক বুজাম্পছে যে জন্ম
 নিয়ন্ত্ৰণৰ
 অস্ত্ৰোপচাৰ বিপদজনক নহয়।
 তেওঁলোকে এম্প কথাও প্ৰচাৰ
 কৰিছে যে জন্ম নিৰোধক নানা
 পিল আৰু পৰামৰ্শ
 স্বাস্থ্যকেন্দ্ৰবোৰত বিনামূলীয়াকৈ
 দিয়া হয়।

প্ৰতিনিধি ২ : আপুনি নগাঁৱৰ সভাত কৈছিল
 যে আপোনালোকে জন্ম নিয়ন্ত্ৰ
 ণৰ অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰাৰ
 বিষয়ে চিন্তা কৰি আছে।

মন্ত্ৰী : হয়, কৈছিলোঁ। অস্ত্ৰোপচাৰ
 নিশ্চিত ফলদায়ক ব্যৱস্থা।
 (হাঁহি) আপোনালোকেও এম্প
 পথ ৰাম্পজক দেখুওৱা উচিত।

প্ৰতিনিধি ৩ : যোৱা নিৰ্বাচনত আপুনি

অধিকাৰী নিযুক্ত কৰিছোঁ।
 বে
 লোগ জনতা কো সমজ্ঞাতে হৈঁ কি
 শল্যক্ৰিয়া সে কোই খতৰা নহী
 হৈ। বে লোগোঁ কো যহ ধী बताते हँ
 कि अनेक प्रकार की गर्भ-
 निरोधक गोलियाँ और परामर्श
 स्वास्थ्य केन्द्रों से मुफ्त दिया
 जाता है।

पत्र-प्रति-: आपने नौगाँव की सभा में कहा
 निधि २ था कि आप शल्यक्रिया को
 लोकप्रिय बनाने पर विचार कर
 रहे हैं।

मंत्री : हाँ, कहा था। शल्य क्रिया
 निश्चय ही फलदायक होती है।
 (हँसी) आप लोगों को भी जनता
 का पथ प्रदर्शक बनना चाहिए।

पत्र-प्रति-: पिछले निर्वाचन में आप
 निधि ३ विरोधी दल में थे। तब
 आपने जोरहट की
 सभा में कहा था कि गर्भ-निरोध
 के लिए शल्यक्रिया करके देश
 के बहुत से कर्मठ पुरुषों को
 दुर्बल कर दिया गया है और

বিৰোধী দলত
আছিল। আপুনি যোৰহৌৰ
সভাত কৈছিল যে চৰকাৰে
জন্ম নিৰোধৰ কাৰণে অস্ত্ৰ
প্ৰচাৰ কৰি দেশৰ বহুতো
কৰ্মঠ ডেকাক দুৰ্বল কৰিছে
আৰু জাতিক অধঃপতনৰ
মুখলৈ ঠেলি দিছে।

মন্ত্ৰী : (ঘামি জামি) আমি কেৱল
জোৰ কৰাৰ বিৰোধী। মস্প
আগতেও কৈছিলোঁ আৰু
এতিয়াও কওঁ যে কাকো জোৰ
কৰি অস্ত্ৰপ্ৰচাৰ কৰিব
নালাগে।

প্ৰতিনিধি ৪ : কিছুমান কাকতে লিখিছিল যে
স্বাস্থ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ৰ নিজৰে
ল'ৰা-ছোৱালী নৈ।

মন্ত্ৰী : আমি পুৰণি যুগৰ মানুহ।
সেম্প সময়ত জনসংখ্যা বৃদ্ধি
কোনো সমস্যা সৃষ্টি নাছিল।
গতিকে জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে
কোনো আঁচনিৰ লোৱা হোৱা
নাছিল। আজি দিন সলনি
হৈছে। জনসংখ্যা বৃদ্ধি ভয়ানক
সমস্যা হৈ পৰিছে। প্ৰায়
সকলো দেশতে জনসংখ্যা

জাতি কো অধঃপতন কে মুঁহ মঁ
ढकेल दिया गया है।

मन्त्री : (पसीने-पसीने होकर) मैं केवल
जबरदस्ती का विरोधी हूँ। वही
अब भी कहता हूँ, किसी की ओर
जबरदस्ती शल्यक्रिया नहीं करनी
चाहिए।

पत्र-प्रति-: कुछ पत्रों में लिखा था कि
निधि ४ स्वास्थ्य मंत्री के खुद के ही नौ
बच्चे हैं।

मन्त्री : हम लोग तो पुराने ज़माने के
हैं। उस समय जनसंख्या वृद्धि
कोई समस्या नहीं थी। इसलिए
जनसंख्या नियंत्रण की कोई
व्यवस्था नहीं थी। आज समय
बदल गया है। जनसंख्या वृद्धि
एक भयावह समस्या बन गई है।
प्रायः हर देश में जनसंख्या
नियंत्रण की व्यवस्था की गई है।
हमारे देश में भी यह करना
ज़रूरी है और यही मेरे लड़के-
लड़कियों ने भी किया है।

पत्र-प्रति-: परिवार नियोजन को तो देश
निधि ५ के शिक्षित और समृद्ध लोगों ने
ही अपनाया है। आर्थिक दृष्टि से
कमज़ोर और अशिक्षित वर्ग के
लोगों की जन्मसंख्या तो दिन

নিয়ন্ত্ৰণৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে।
আমাৰ দেশতো কৰা উচিত;
আৰু মোৰ ল'ৰা
ছোৱালীকেম্পায়ে কৰিছে।

প্ৰতিনিধি ৫ : পৰিবাৰ নিয়োজন আঁচনি
মাত্ৰ দেশৰ শিক্ষিত আৰু
যোত্ৰবান শ্ৰেণীয়েহে গ্ৰহণ
কৰিছে। আৰ্থিকভাবে পিছপৰা
অশিক্ষিত শ্ৰেণীৰ জনসংখ্যা
তীব্ৰ গতিত বাঢ়িয়েম্প আছে।
তাৰ ফলত সমাজৰ ভাৰসাম্য
নষ্ট হ'বলৈ ধৰিছে। এম্প বিষয়ে
আপোনাৰ মতামত কি?

মন্ত্ৰী : দৰিদ্ৰ আৰু অশিক্ষিত
জনগণক সচেতন কৰাটো
আপোনা-লোকৰো কৰ্তব্য।
আমি বহুত আঁচনি গ্ৰহণ
কৰিছোৱেম্প। আপোনালোকে
মাত্ৰ সেম্পবোৰ জনপ্ৰিয় কৰি
তুলিব লাগে। ধন্যবাদ,
আপোনালোকক ভবিষ্যতে
কেতিয়াবা লগ পাম।

দুৱনী ৰাত-চৌগুনী বঢ় ৰহী হৈ।
ইসকে কাৰণ সামাজিক-সন্তুলন
বিগড় ৰহা হৈ। ইহু ৰাৰে মেঁ আপ
ক্যা কহনা চাহেঁগে?

মন্ত্ৰী : দৰিদ্ৰ আৰু অশিক্ষিত লোকোঁ মেঁ
জাগৃতি পৈদা কৰনা তো আপ
লোকোঁ কা কাম হৈ। হম লোকোঁ নে
তো বহুত সাৰী যোজনাএঁ হাথ মেঁ
লী হেঁ। আপ কেবল উন
যোজনাওঁ কো জনতা মেঁ লোকপ্ৰিয়
বনাইএ। ধন্যবাদ। আগো ফিৰ
মুলাকাত হোগী।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ

মাননীয়

প্ৰেছমেল

আহ্বান

কৃতজ্ঞ

সামূহিক

ব্যক্তি

কৰ্তব্য

পৰামৰ্শ

ভিখাৰী

মন্ত্ৰণালয়

অগ্ৰাধিকাৰ

জনসংখ্যা

বৃদ্ধি

ভয়াবহ

সচেতন

ৰোধ

ব্যৱস্থা

পলম

অস্ত্ৰোপচাৰ

পিল

ফলদায়ক

কৰ্মঠ

ডেকা

অধঃপতন

হিন্দী অৰ্থ

মাননীয়

সংবাদদাতা-সম্মেলন

আহ্বান

কৃতজ্ঞ

সামূহিক

ব্যক্তি

কৰ্তব্য

পৰামৰ্শ

ভিক্ষাৰী

মন্ত্ৰালয়

অগুআই

জনসংখ্যা

বৃদ্ধি

ভয়াবহ

সচেতন

ৰুকাবট

ব্যবস্থা

দেৱ

শাল্য-চিকিৎসা

গোলিয়াঁ

ফলদায়ক

কৰ্মঠ

জবান

অধঃপতন

পসীনা

ঘাম	বিরোধী
বিৰোধী	কাগজ
কাকত	নবাঁ
না	শিক্ষিত
শিক্ষিত	সমৃদ্ধ
যোত্রবান	সন্তুলন
ভাৰসাম্য	অশিক্ষিত
অশিক্ষিত	के मत में
মতামত	

অভ্যাস

- I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া শব্দ সমূহৰ সমগোষ্ঠীয় অৰ্থাৎ অৰ্থৰ ফালৰ পৰা মিল থকা অন্ততঃ পাঁচটা শব্দ লিখক।

উদাহৰণ :

মূৰ → চুলি, ডিঙি, কাণ, চকু, লাওখোলা

- জনসংখ্যা
- মন্ত্ৰী
- সাংবাদিক
- পৰিয়াল
- সভা

- II. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটকৈ অৰ্থপূৰ্ণ অসমীয়া বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. ব্যক্তি : উক্তি
2. সচেতন : অচেতন
3. প্ৰেছমেল : ভোজমেল
4. খাম : চাম
5. পৰামৰ্শ : বিমৰ্ষ

III. উদাহৰণ অনুসৰি প্ৰতিটো বাক্য ভাঙি দুটাকৈ সৰল বাক্য কৰক।

উদাহৰণ:

মাজে মাজে প্ৰেছমেল মতাটো আমাৰ কৰ্তব্য।

→ আমি মাজে মাজে প্ৰেছমেল মাঠো। সেম্পটো আমাৰ কৰ্তব্য।

1. আপুনি প্ৰেছমেল আহান কৰাত আমি সকলো কৃতজ্ঞ।
2. জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰাটো আমাৰ সামাজিক কৰ্তব্য।
3. পুৰণি কালত জনসংখ্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰাটো প্ৰয়োজনীয় নাছিল।
4. আমাৰ দেশত জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ কাৰণে অস্ত্ৰোপচাৰ কৰাটো নিশ্চিত ফলদায়ক।
5. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ কাৰণে মানুহক জোৰ কৰাটো আমি পচন্দ নকৰোঁ।

IV. ‘ক’ স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত ‘খ’ স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

‘ক’ স্তম্ভ

‘খ’ স্তম্ভ

- | | |
|--|--|
| 1. আমাৰ মন্ত্ৰণালয়ৰ অগ্ৰাধিকাৰ | জনসংখ্যা বৃদ্ধি |
| 2. আমাৰ দাৰিদ্ৰ মূল কাৰণ | অস্ত্ৰোপচাৰ কৰা |
| 3. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ আঁম্পতকৈ ফলদায়ক
সচেতন ব্যৱস্থা | জনসংখ্যা বৃদ্ধি সম্পৰ্কে
ৰাশ্পজক
কৰা |
| 4. বহুতে কৰ্মঠ ডেকা দুৰ্বল হৈছে | পলমকৈ বিয়া কৰোৱা |
| 5. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ ঐ সহজ উপায় | অস্ত্ৰোপচাৰৰ ফলত
কাকতে পত্ৰম্প লিখা |

V. উদাহৰণ অনুসৰি দুটা বাক্য লগ লগাম্প এটা কৰক।

উদাহৰণ:

জোৰ কৰি অস্ত্ৰোপচাৰ কৰিব নালাগে। আমি এতিয়াও কওঁ।

→ আমি এতিয়াও কওঁ যে জোৰ কৰি অস্ত্ৰোপচাৰ কৰিব নালাগে।

1. জনসংখ্যা বৃদ্ধি আমাৰ দাৰিদ্ৰৰ মূল কাৰণ। আমি বাৰে বাৰে কৈছোঁ।
2. জন্ম নিৰোধক পিল খোৱাটো সহজ উপায়। সাধাৰণ মানুহে ভাবে।
3. চৰকাৰে অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰিব বিচাৰে। আপুনি যোৰহীৰ সভাত এম্প কথা কৈছিল।
4. মন্ত্ৰী মহোদয়ৰ ল'ৰা-ছোৱালী নৈ। কিছুমান কাকতে এম্প কথা লিখিছিল।
5. ল'ৰা-ছোৱালী দুাম্প যথেষ্ট। আমি ৰাম্পজক বুজাম্পছোঁ।

VI. উদাহৰণ অনুসৰি পৰোক্ষ উক্তিৰোৰ প্ৰত্যক্ষ উক্তিলৈ নিয়ক।

উদাহৰণ:

আপুনি কৈছিল যে আপুনি জোৰ কৰাৰ বিৰোধী।

→ আপুনি কৈছিল, 'মম্প জোৰ কৰাৰ বিৰোধী'।

1. তেওঁ দেৰগাওঁত কৈছিল যে তেওঁ অস্ত্ৰোপচাৰৰ বিৰোধী নহয়।
2. সাংবাদিকে মন্ত্ৰীক প্ৰশ্ন কৰিছিল বোলে তেওঁ সেম্প ব্যৱস্থাৰ বিৰোধী নেকি?
3. মন্ত্ৰীয়ে বাৰে বাৰে কৈছে যে তেওঁ নিজে তাৰ বাবে দায়ী।
4. মম্প ৰাজহুৱা সভাত কৈছিলোঁ যে অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰিব লাগে।
5. অধ্যাপকে কলে যে তেওঁ সভালৈ নাযায়।

VII. উদাহৰণ অনুসৰি বন্ধনিত লিখা ক্ৰিয়াপদেৰে ৰেখাঙ্কিত ক্ৰিয়াপদবোৰ সলনি কৰক।

উদাহৰণ:

আপুনি কৈছিল যে আপুনি প্ৰেছমেল মাতিব। (কৈছে)

—> আপুনি কৈছে যে আপুনি প্ৰেছমেল মাতিব।

1. কিছুমান কাকতে লিখিছিল যে মন্ত্ৰীৰ ল'ৰা-ছোৱালী নৈ। (লিখিছে)
2. আপুনি কলে যে চৰকাৰে অস্ত্ৰোপচাৰ কৰি জাতিক অধঃপতনৰ মুখলৈ ঠেলি দিছে।
(কৈছিল)
3. ডাক্তৰে কলে যে জন্ম নিৰোধক পিল ডাক্তৰখানাত দিয়া হয়। (কয়)
4. আমি প্ৰচাৰ কৰিছোঁ যে মানুহে বিয়া পলমকৈ কৰাব লাগে। (কৰিছিলোঁ)
5. আমি কৈছোঁ যে শিক্ষাৰ প্ৰচাৰে জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিব। (কওঁ)

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

জনসংখ্যা সমস্যা

বৰ্তমান কালত বিশ্বৰ বাবে ভাবুকি স্বৰূপ হৈ পৰা প্ৰধান সমস্যা বিলাকৰ এটা হৈছে জনসংখ্যা বৃদ্ধি। ক্ৰমাগত জনসংখ্যা বৃদ্ধিত চিন্তিত হৈ প্ৰায় সকলোবোৰ দেশেই এম্প সমস্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ বিভিন্ন আঁচনি হাতত লৈছে।

ভাৰতবৰ্ষৰ প্ৰগতিৰ ক্ষেত্ৰত থকা প্ৰধান অন্তৰায় বিলাকৰ এটা হৈছে জনসংখ্যা সমস্যা। বৰ্তমান ভাৰতবৰ্ষ বিশ্বৰ দ্বিতীয় বৃহত্তম জনসংখ্যাসম্পন্ন ৰাষ্ট্ৰ। অথচ মাঁকালিৰ ফালৰ পৰা ভাৰত বিশ্বৰ সপ্তম বৃহত্তম ৰাষ্ট্ৰ। একবিংশ শতিকাৰ দুৱাৰদলি পাৰ হোৱাৰ পিছত ভাৰতৰ জনসংখ্যাম্প এশকোঁটি অতিক্ৰম কৰি গৈছে। এম্প হাৰত জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাম্প থাকিলে ২০২০ চনৰ ভিতৰতে ভাৰতে জনসংখ্যাৰ ক্ষেত্ৰত চীনক অতিক্ৰম কৰিব বুলি বিশেষজ্ঞ সকল একমত।

দেশৰ প্ৰাকৃতিক সম্পদ আৰু উৎপাদনৰ লগত জনসংখ্যাৰ ওতঃপ্ৰোত সম্বন্ধ আছে। এখন দেশৰ জনসংখ্যা যদি দেশখনৰ প্ৰাকৃতিক সম্পদ আৰু উৎপাদনৰ সমানুপাতিক নহয় তেন্তে দেশখনৰ অৰ্থনৈতিক প্ৰগতি বাধাপ্ৰাপ্ত হব পাৰে। সেয়েহে চৰকাৰে বিভিন্ন আঁচনি গ্ৰহণ কৰি ৰাম্পজক বুজাম্প দিব লাগে যে পৃথিৱীৰ দেশসমূহৰ উন্নতিৰ মূলতে জনসংখ্যা বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰণ আৰু উৎপাদন বৃদ্ধি। বিশেষজ্ঞ সকলে মত প্ৰকাশ কৰিছে যে কম উৎপাদন আৰু অধিক জনসংখ্যাম্প হ'ল ভাৰতবৰ্ষৰ উন্নতিৰ প্ৰধান বাধা। উৎপাদন কম আৰু চাহিদা বেছি হলে বস্তুৰ দাম বাঢ়ি যায়। জাতীয় উৎপাদন কমি গলে মুদ্ৰস্ফীতিয়ে দেখা দিয়ে। ফলত দেশৰ অৰ্থনৈতিক

ভাৰসাম্য হেৰাম্প যায়। গতিকে সকলোৱে অনুভব কৰা উচিত যে কেৱল উৎপাদন বৃদ্ধি কৰিলেম্প নহব, জনসংখ্যা বৃদ্ধিও নিয়ন্ত্ৰণৰ ভিতৰত আনিব লাগিব।

জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিবৰ বাবে জনসচেতনতাৰ প্ৰয়োজন। সকলোৱে বুজা উচিত বা সকলোকে বুজোৱা উচিত যে অনিয়ন্ত্ৰিত জনসংখ্যা বৃদ্ধি দেশৰ প্ৰগতিৰ বাবে ক্ষতিকাৰক। শিক্ষাৰ বহল প্ৰসাৰৰ অবিহনে এম্প সচেতনতা সৃষ্টি কৰাটো সম্ভৱ নহয়। গতিকে এা কথাত একমত হব পাৰি যে শিক্ষা, বিশেষকৈ জনসংখ্যা শিক্ষাৰ জৰিয়তে জনসাধাৰণক জাগৃত কৰি তুলিব পাৰি। চৰকাৰ বা স্বেচ্ছাসেৱী সংগঠন সমূহে শিক্ষাৰ প্ৰসাৰৰ বাবে নানা আঁচনি হাতত লৈছে। প্ৰাপ্তবয়স্ক আৰু নাৰী শিক্ষাৰ আঁচনি স্পতিমধ্যে জনপ্ৰিয় হৈ উঠিছে। দৰাচলতে এম্প আঁচনিবিলাক বহু আগতেম্প হাতত লব লাগিছিল।

পলমকৈ হলেও চৰকাৰে পৰিয়াল পৰিকল্পনাৰ বাবে বিভিন্ন আঁচনি হাতত লৈছে। বাতৰি কাকত আৰু দূৰদৰ্শনৰ বিজ্ঞাপনৰ জৰিয়তে এম্পবিলাক সৰ্বসাধাৰণ ৰাম্পজৰ মাজত জনপ্ৰিয় কৰি তুলিছে। গতিকে এা কথা আশা কৰিব পাৰি যে এম্প আঁচনি সমূহ সুদক্ষতাৰে পৰিচালনা কৰি জনসচেতনতা জগাম্প তুলিব পাৰিলে অদূৰ ভবিষ্যতে ভাৰতবৰ্ষম্প পৃথিৱীৰ এখন উন্নত দেশ হিচাপে মূৰ তুলিবলৈ সক্ষম হব।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
ভাবুকি	ধমকী
ক্ৰমাগত	ৰঙতী হুই
প্ৰগতি	প্ৰগতি
অন্তৰায়	ৰাধা
বৃহত্তম	বৃহত্তম
দুৱাৰদলি	দেহৰী
অতিক্ৰম	অতিক্ৰমণ
মাকিালি	ক্ষেত্ৰফল

বিশেষজ্ঞ	বিশেষজ্ঞ
ওতঃপ্ৰোত	অভিন্ন
সমানুপাতিক	সমানুপাতিক
চাহিদা	মাঁগ
মুদ্রাস্ফীতি	মুদ্রাস্ফীতি
ভাৰসাম্য	সন্তুলন
জনসচেতনতা	জনচেতনা
প্ৰসাৰ	প্ৰসাৰ
স্বৈচ্ছাসেৱী	স্বয়ংসেৱী
বিজ্ঞাপন	বিজ্ঞাপন
সূদক্ষতা	দক্ষতাপূৰ্ণ
অদূৰ	বহুত দূৰ কী

অভ্যাস

I. তলত দিয়া শব্দবিলাকৰ বিপৰীতार्থক শব্দ লিখি সেম্পবিলাক ব্যৱহাৰ কৰি অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

- | | |
|------------|----------|
| 1. উন্নত | 5. ভাল |
| 2. কম | 6. পুৰণি |
| 3. আগবাঢ়ি | 7. উচিত |
| 4. ওপৰ | 8. ক্ষতি |

II. তলত দিয়া শব্দবিলাকৰ সমাৰ্থক শব্দ লিখি সেম্পবিলাক ব্যৱহাৰ কৰি অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

- | | |
|-------------|------------|
| 1. প্ৰগতি | 5. সম্বন্ধ |
| 2. প্ৰসাৰ | 6. ধূৰূপ |
| 3. ওতঃপ্ৰোত | 7. শিখৰ |
| 4. আঁচনি | 8. ডেকা |

III. বহুলাঙ্গ উত্তৰ দিয়ক।

1. আমাৰ দেশৰ ঐা প্ৰধান সমস্যাৰ বিষয়ে লিখক।
2. উৎপাদনৰ লগত জনসংখ্যাৰ সম্পৰ্ক আলোচনা কৰক।
3. জনসংখ্যা নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে চৰকাৰে কি কি আঁচনি গ্ৰহণ কৰিছে তাৰ বিষয়ে আলোচনা কৰক।

IV. তলত দিয়া বন্ধনীৰ ভিতৰত থকা শব্দৰ পৰা উপযুক্ত শব্দ বাচি লৈ চিঠিখন সম্পূৰ্ণ কৰক।

[বৰ্ষা-অৰণ্য, হেঁপাহ, দায়িত্ব, একান্ত, সন্মতি, নিমন্ত্ৰণ, অনুষ্ঠানৰ, ভালেস্প, একলম, ভাল, যোগদান, খবৰ, অভয়াৰণ্যত, পৰ্য্যকক, দেখুওৱাৰ]

চিঠি

অসম পৰ্য্যটন বিভাগ

গুৱাহাটী -- ১

তা. ২১.৬.২০০৪

মৰমৰ অনুপ,

বহুদিন তোমাৰ একো বাতৰি নাপাম্প লিখিলোঁ। আশা কৰোঁ ভগৱানৰ কৃপাত তোমালোক সকলোৰে। মোৰো এক প্ৰকাৰ।

মম্প পৰ্য্যটন বিভাগৰ চাকৰিত কৰাৰ খবৰ হয়তো তুমি পোৱা। গতিকে আজি মম্প তোমাক ঐা বিষয়েম্প লিখিবলৈ লৈছোঁ।

“ডিব্ৰু চৈখোৱা” তিনিচুকীয়া জিলাত অৱস্থিত এখন। “দিহিং পীকাম্প” এম্প অভয়াৰণ্যত পালন কৰা ঐা বিশেষ অনুষ্ঠান। এম্প অনুষ্ঠানৰ দ্বাৰা বৰ্ষা-অৰণ্য আৰু ম্পয়াৰ জৈৱ বৈচিত্ৰ্যৰ বিষয়ে অবগত কৰাৰ ব্যৱস্থা আছে। বনৰীয়া ঘোঁৰা, পেলিকান ধনেশ আদি কৰি পক্ষী আৰু জীৱকুল চোৱাৰ নিশ্চয় তোমাৰ আছে?

গতিকে, এম্প সুযোগতে অহা এপ্ৰিলত হ'ব ল'গা “দিহিং-পীকাম্প” উৎসৱৰ
বাবে তোমালৈ পঠালোঁ। গুৱাহাটীৰ পৰা তিনিচুকীয়া জিলালৈ মোৰ যোৱাৰ ।
তোমাৰ পৰা অতি শীঘ্ৰেম্প পোৱাৰ আশাত ৰ'লোঁ।

ম্পতি

তোমাৰ বন্ধু

সুশান্ত নাৰ্জাৰী

প্ৰতি,

অনুপ কুমাৰ বৰুৱা

কেন্দ্ৰীয় ভাৰতীয় ভাষা প্ৰতিষ্ঠান

মানসাগংগোত্ৰী ৰোড

মহীশূৰ - ৬

V. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

সুনীত : আৰে সঞ্জীৱ তুমি এম্পবোৰ কি কৰি আছা?

সঞ্জীৱ : গছ কাঁচি আছোঁ, দেখা নাম্প ?

সুনীত : গছ কাঁচি নেলাগে বুলি নেজান নেকি? গছ লগাবহে লাগে।

সঞ্জীৱ: তম্প পাগল হলি নেকি?

(গাওঁবুঢ়া ডম্বৰুৰ প্ৰবেশ)

ডম্বৰু : কোন পাগল হ'ল, অ'?

সঞ্জীৱ : নমস্কাৰ গাওঁবুঢ়া, এম্প সুনীতে কিদৰে পাগলৰ দৰে কথা ক'ব লাগিছে?

ডম্বৰু : কি অ সুনীত ? তম্পনো এনে কি কথা কলি?

সুনীত : গাওঁবুঢ়া দদাম্পতি, মম্প মাথো কলোঁ যে গছ নেকাঁচি।

ডম্বৰু : এম্পটোতো একেবাৰে সঁচা কথা। গছ আমাৰ জীৱন ৰক্ষকেম্প। গছে
বায়ুমণ্ডলৰ ধূলি বালিৰ প্ৰকোপ কমায় ; বায়ু শোধিত কৰি ৰাখে। গছে

आमाक छँ दिये, फल दिये, फूल दिये। गतिके स्पर्शाबतौ पूजास्पर्
करिब लागे।

सुनीत : एकेबारे सँचाकथा दाम्पति। आमा आमलखि, आहँत, तुलसी आदिब पूजा
कराब दरे आन गछरो यत्न ल'ब लागे।।

सङ्गीर : किन्तु, दाम्प मम्पतौ मोर घर सँजावब बाबेहे गछ काँछिँ। एम्पटौओटौ
जकरूबी काम।

सुनीत : किन्तु स्पर्शाब बाबेम्प गोटेम्प गछजोपा काँब कि प्रयोजन? घरत लोहार खूँ
ब्यरहार करिब पाबि। आमा गछ बेछिँके लगोराटौहे प्रयोजनीय।

उम्बरु : एम्पटौतौ एँ ताल उपदेशेम्प। आमा बाँठाब कायत आरु खालि ठाम्पत गछ
लगार लागे। एम्प कथाटौ मम्प गाँउसँजात निश्चय क'म।

सङ्गीर : गाँउबुटा दाम्पति, मम्प आरु गछ नाकाँटौ। घरत लोब केसिँ बातामेम्प
लगाम। केरल मरि योरा गछहे काँमि। एजोपा गछर ठाम्पत दुजोपा
लगाम। बाबीर खालि ठाम्पबोबत गछ लगाम आरु तार ताल यत्न ल'म।

VI. असमीयाँले अनुवाद करक।

सम्पादक के नाम पत्र

श्रीमान सम्पादक महोदय,

आपके लोकप्रिय साप्ताहिक समाचार पत्र में कल दो लेख पढ़े। एक है समाज में
मानवमूल्यों का ह्रास। दूसरा है समाज में नैतिकस्तर को बनाए रखने में जनभागीदारी। कुछ
दिन पहले, संभवतः पिछले रविवारीय अंक में एक लेख छपा था, नैतिक शिक्षा में संतों का
योगदान।

इन तीनों लेखों का केंद्रबिंदु नैतिकता ही है। आपके इस साप्ताहिक पत्र ने इस प्रकार के
लेख छापकर जिस प्रकार जनचेतना जागृत करने का प्रयत्न किया है वह सराहनीय है। इसके
लिए आप बधाई के पात्र हैं।

वस्तुतः मानवमूल्यों के गिरते स्तर के प्रति हम सब समान रूप से जवाबदार हैं। भौतिक सुविधाओं को प्राप्त करने की होड़ा-होड़ी ने हमें बहुत ही स्वार्थी बना दिया है। इस स्वार्थ भावना के कारण हमारा नैतिक स्तर इतना गिर गया है कि, हमने अपने ऋषियों और संतों द्वारा दी गई शिक्षाओं को भुला दिया है।

अपनी संस्कृति से भी हम बहुत दूर होते जा रहे हैं। संस्कृति समाज में नैतिकता स्थापित करने का बहुत बड़ा आधार होती है। यदि हम अपने महापुरुषों की जीवनशैली का अनुसरण कर लें तो हमारा नैतिक स्तर सदा उच्च बना रहेगा।

संतों ने अपनी अनुभवी वाणी द्वारा एवं अपने साहित्य द्वारा हमें नैतिक दायित्वों का बोध करवाया है। आज भी समय-समय पर हमारे संत-जन हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सभी धर्मों के संतों का संदेश एक जैसा ही श्रेष्ठ है।

जब तक हम स्वयं को नहीं सुधारेंगे, जब तक हम स्वयं ही नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में नहीं लाएँगे, तब तक समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव नहीं है।

यदि हम दूसरे के दोष देखने के बजाए अपने आचरण को सुधारना शुरू कर दें तो हमारा समाज स्वयं ही सुधर जाएगा। हम सब समाज के ही तो अंग हैं। हमारे संयोग से ही समाज का गठन माना जाता है। हम समाज की एक इकाई हैं।

आशा है आपका यह लोकप्रिय साप्ताहिक पत्र भविष्य में भी इसीप्रकार के महत्वपूर्ण लेखों का प्रकाशन करता रहेगा।

भवदीय

8 सितंबर, 2004

डॉ. पूरन सहगल

कृष्णायन/उषागंज

मनासा/(MANASA)

जि. नीमच, म.प्र. - 458 110

VII. জনস্বাস্থ্যৰ সম্পৰ্কে ঐা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. পৰোক্ষ উক্তিৰ প্ৰয়োগ : এম্প পাঠত পৰোক্ষ উক্তিৰ প্ৰয়োগ দেখুওৱা হৈছে। সাধাৰণতে মুখ্য বাক্যাংশ (main clause)ৰ পিছত সংযোজক অব্যয় “যে” লগাম্প তাৰ পিছত উদ্ধৃত বাক্যাংশ (embedded clause) ব্যৱহাৰ কৰা হয়। মন কৰিবলগীয়া যে অসমীয়া পৰোক্ষ উক্তি সাধাৰণতে মূল উদ্ধৃত বাক্যৰ কৰ্তা আৰু ক্ৰিয়াৰ কোনো পৰিবৰ্তন নহয়। কেৱল মুখ্য আৰু উদ্ধৃত বাক্যাংশৰ মাজত “যে” হয় আৰু উদ্ধৃত বাক্যাংশৰ পৰা উদ্ধৃকমা উঠি যায়।

2. ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ প্ৰয়োগ দৃষ্টীকৰণ : শিক্ষাৰ্থী সকলে ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ প্ৰয়োগ আগতে শিকিছে। সাধাৰণ ধাতুৰ নিচিনাকৈ পাচনী ধাতুৰ লগতো “-আ” যুক্ত কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। পাচনী ধাতু আকাৰান্ত হয়; গতিকে “-আ + -আ” লগ হৈ “-ওৱা” হয়। যেনে --

দেখ + -উৱা = দেখুৱা + -আ = দেখুওৱা

আন + -আ = অনা + -আ = অনোৱা

পাঠ 24 পাঠ

যক্ষ প্রশ্ন

(শিক্ষক শ্রেণী কোঠাত সোমোৱাৰ লগে লগে ছাত্ৰ-ছাত্ৰী সকলে থিয়হৈ তেওঁক অভিবাদন জনালে। শিক্ষকে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ হাজিৰা ললে।)

শিক্ষক : ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকল, যোৱা সপ্তাহত মঙ্গল মহাভাৰতৰ ‘যক্ষ প্রশ্ন’ অধ্যায়টো তোমালোকৰ পঢ়াশ্পৰ্ছিলোঁ। আজি আমি তাকে অভিনয় কৰিম। কোৱাচোন, তোমালোকৰ কোনে কোনে স্পৰ্য়াত ভাগ ল’বা?

(তিনিজন ছাত্ৰ অভিনয় কৰিবৰ বাবে ঠিয় হ’ল।)

শিক্ষক : ঠিক আছে। বিমল, অবিনাশ তোমালোক দুয়ো অভিনয় কৰিবা। আৰু সুশান্ত, তুমি যক্ষ পৰ্বৰ

(শিক্ষক কক্ষা মেন্ প্ৰবেশ কৰতে হৈঁ। ছাত্ৰ-ছাত্ৰাঐঁ উনকা অভিবাদন কৰতে হৈঁ। শিক্ষক উনকী হাজৰী লেতে হৈঁ।)

শিক্ষক : প্ৰিয় বিদ্যার্থীযো! হম লোগোঁ নে পিচলে সপ্তাহ মহাভাৰত কা প্ৰসংগ ‘যক্ষ-প্ৰশ্ন’ পঢ়া থা। আজ হম উসকা অভিনয় কৰেঁগে। বতাও, তুম মেন্ সে কৌন-কৌন ইসমেন্ ভাগ লেগা?

(তীন ছাত্ৰ অভিনয় কৰনে কে লিঐ খড়্ হোতে হৈঁ।)

শিক্ষক : অচ্চা, বিমল, অবিনাশ তুম লোগ অভিনয় কৰোগে। সুশান্ত তুম যক্ষ-পৰ্ব কী ভূমিকা পেশ কৰোগে।

(সুশান্ত শূৰু কৰতা হৈঁ)

ভূমিকাডোখৰ ক'বা।

(সুশান্তৰ আৰম্ভ কৰিলে)

সুশান্ত : ৰাজ্যৰ পৰা নিৰ্বাসিত পঞ্চ পাণ্ডৱ
আৰু দ্ৰৌপদী বনে বনে ঘূৰি
ফুৰিছিল। এনেতে দ্ৰৌপদীৰ পিয়াহ
লগাত তেওঁ যুধিষ্ঠিৰক পানী
আনিবলৈ কলে। যুধিষ্ঠিৰে পানীৰ
সন্ধান কৰিবলৈ ভীমক পঠিয়াব
দিলে। কিন্তু বহু বিচাৰৰ পিছতো
ভীমে ক'তো পানী নাপালে।
তেতিয়া ধৰ্মৰ পুত্ৰ যুধিষ্ঠিৰৰ
বিপত্তি দেখি সৰোবৰৰ এটা সৃষ্টি
কৰি দিলে আৰু পাণ্ডৱৰ পৰীক্ষা
ল'বৰ বাবে তেওঁ যক্ষৰ ৰূপ ধৰি
সৰোবৰৰ পাৰত বৈ থাকিল।

শিক্ষক : সুন্দৰ হৈছে সুশান্ত। তাৰ পিছত
কি হ'ল?

সুশান্ত : পানী বিচাৰি বিচাৰি ভীম আহি
সেই সৰোবৰৰ পাৰত উপস্থিত
হ'ল। যক্ষৰ ভীমক ক'লে --
'শুনা পাণ্ডুপুত্ৰ, পানী খোৱাৰ
আগতে মোৰ প্ৰশ্ন কেপ্তামানৰ

সুশান্ত : পাঁচোঁ পাণ্ডৱ দ্ৰৌপদী কে সাথ
নিৰ্বাসিত হোৱা জংগল-জংগল ভটক
ৰহে থে। ৰাস্তে মেন্ দ্ৰৌপদী কো প্যাস
লগী। দ্ৰৌপদী নে যুধিষ্ঠিৰ সে পানী
কে লিএ কহা। যুধিষ্ঠিৰ নে ভীম কো
পানী কী তলাশ মেন্ ভেজা। পৰ ভীম
কো কহী পানী নহী মিল। তৰ ধৰ্ম
নে যুধিষ্ঠিৰ কী বিপত্তি কো দেখক
এক সৰোৱৰ কা নিৰ্মাণ কৰ দিয়া
লেকিন পাণ্ডৱোঁ কী পৰীক্ষা লেনে কে
লিএ ধৰ্ম যক্ষ কে ৰূপ মেন্ সৰোৱৰ কে
কিনাৰে খড়ে হো গএ।

শিক্ষক : बहुत अच्छा। अब आगे बताओ क्या
हुआ?

सुशान्त : उसके बाद भीम पानी की तलाश में
उसी सरोवर पर जा पहुँचा। यक्ष ने
भीम से कहा -- सुनो पांडुपुत्र! पानी
पीने से पहले तुम्हें मेरे कुछ प्रश्नों
के उत्तर देने होंगे। लेकिन भीम ने
प्रश्न को अनसुना कर दिया और
पानी पीने के लिए आगे बढ़ गया।
पानी पीते ही भीम अचेत हो गया।
इसीप्रकार पानी की तलाश में आए
अर्जुन, नकुल और सहदेव भी पानी
पीकर अचेत हो गए। तब खुद
युधिष्ठिर सरोवर पर पहुँचे। यक्ष ने
उनसे भी प्रश्नों के उत्तर देने के

উত্তৰ দিয়া।’ কিন্তু ভীমে যক্ষক
অবজ্ঞা কৰি পানী খাবৰ বাবে
আগবাঢ়িল। সৰোবৰৰ পানী
খাওঁতেম্প ভীম অচেতন হৈ
পৰিল। ঠিক এম্পদৰেম্প
অৰ্জুন,

নকুল আৰু সহদেৱৰো
একে দশা হোৱাত যুধিষ্ঠিৰ
নিজেম্প পানী বিচাৰি সৰোবৰৰ
পাৰত উপস্থিত হ’লহি। যক্ষম্প
তেওঁকো প্ৰশ্ন কেম্পামানৰ
উত্তৰ দিবলৈ কলে।

শিক্ষক : ৰবা সুশান্ত। এতিয়া বিমল আৰু
অবিনাশে অভিনয় কৰিব।

(অভিনয় আৰম্ভ হ’ল)

যক্ষ : ৰবা যুধিষ্ঠিৰ। তুমি পানী
নাখাবা। প্ৰথমে মোৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰ
দিয়া। তাৰ পাছত হে পানী খাব
পাৰিবা। নহলে তোমাৰো সৰু
ভায়েৰাইঁতৰ দৰেম্প দশা হব।

যুধিষ্ঠিৰ : ভাল কথা। আপুনি আপোনাৰ প্ৰশ্ন

লিএ কহা।

শিক্ষক : ঠিক হৈ সুশান্ত। अब विमल और
अविनाश अभिनय करेंगे।

(अभिनय शुरू होता है।)

यक्ष : रुको युधिष्ठिर! पानी पीने से पहले
मेरे प्रश्नों का उत्तर दो। नहीं तो
अपने छोटे भाइयों की सी दशा
तुम्हारी भी होगी।

युधिष्ठिर: अच्छी बात है। आप अपने प्रश्न
पूछें, हे मायावी देव! मैं उत्तर देने
का प्रयास करूंगा।

সোধক -- হে মায়াবী দেৱতা! মম্প
উত্তৰ দিবলৈ চেষ্টা কৰিম।

যক্ষ : বাৰু কোৱা, বেলিটো সদায় কাৰ
আদেশত ওলায়?

যুধিষ্ঠিৰ : বেলিটো সদায় পৰম ব্ৰহ্মৰ
নিৰ্দেশতহে ওলায়।

যক্ষ : বাৰু, বিপদত মানুহক কিহে ৰক্ষা
কৰে?

যুধিষ্ঠিৰ : মানুহক বিপদত কেৱল সাহসেহে
ৰক্ষা কৰে। অম্পন একোৱে
নোৱাৰে।

যক্ষ : ঠিকেম্প কৈছা। এম্পবাৰ কোৱা,
কি শাস্ত্ৰ পঢ়িলে মানুহ জ্ঞানী হয়?

যুধিষ্ঠিৰ : কোনো শাস্ত্ৰ পঢ়ি মানুহ জ্ঞানী হব
নোৱাৰে। সৎ লোক আৰু
মহাপুৰুষৰ সংগম্পহে মানুহক জ্ঞানী
কৰে।

যক্ষ : বাৰু, পৃথিৱীৰ বাহিৰে অম্পন
কোনে আমাক ভালকৈ ৰক্ষা কৰে?

যুধিষ্ঠিৰ : আমাৰ সহনশীলা মাতৃয়েহে

যক্ষ : अच्छা बताओ -- सूरज किसके
आदेश से रोज निकलता है?

युधिष्ठिर: परम ब्रह्म के निर्देश से।

यक्ष : अच्छा, विपत्ति में मनुष्य की कौन
रक्षा करता है?

युधिष्ठिर: केवल साहस ही मनुष्य की विपत्ति
में रक्षा करता है। दूसरा कोई
नहीं।

यक्ष : ठीक! अब बताओ कौन-सा शास्त्र
पढ़ने पर मनुष्य ज्ञानी बनता है?

युधिष्ठिर: कोई भी शास्त्र पढ़कर मनुष्य ज्ञानी
नहीं बनता। सत्संग से ही मनुष्य
ज्ञानी बनता है।

यक्ष : बताओ! पृथ्वी को छोड़कर दूसरे
कौन हमारी रक्षा करते हैं?

युधिष्ठिर: हमारी सहनशीला माँ, हमारी ठीक
से रक्षा करती है।

यक्ष : अब बताओ, आकाश से भी ऊँचा
क्या है?

আমাক ভালকৈ বক্ষা কৰে।

যক্ষ : ভাল কথা, এম্পবাৰ কোৱা,
আকাশতকৈ ওখ কি?

যুধিষ্ঠিৰ : পিতৃদেৱেৰে সৰ্বলোতকৈ ওখ।

যক্ষ : বাৰু, বায়ুতকৈ বেগৱান কোন
কোৱা?

যুধিষ্ঠিৰ : মনতকৈ বেছি বেগৱান কোনো
নাম্প।

যক্ষ : সবাতোকৈ বেছি দহনশীল কি?

যুধিষ্ঠিৰ : শোকাবুৰ হৃদয়তকৈ বেছি দহনশীল
একো নাম্প।

যক্ষ : বিদেশত থকাজনৰ বাবে প্ৰকৃত
বন্ধু কোন?

যুধিষ্ঠিৰ : বিদ্যাম্প পৰম বন্ধু। কা-পম্পচাতকৈ
বিদ্যাম্পহে বিদেশত প্ৰকৃত সহায়ক।

যক্ষ : সুখ ক'ত পোৱা যায়, কোৱা?

যুধিষ্ঠিৰ : সজ প্ৰবৃত্তি বা সজ আচৰণহেত
সুখ পোৱা যায়।

যক্ষ : লোকপ্ৰিয় হবলৈ মানুহে কি বন্ধু

যুধিষ্ঠিৰ: পিতা সব সে উঁচা হোতা হৈ।

যক্ষ : अच्छा, वायु से तेज कौन है?

युधिष्ठिर: मन से तेज और कोई नहीं।

यक्ष : सब से अधिक दहनशील वस्तु क्या है?

युधिष्ठिर: शोकार्त हृदय से अधिक दहनशील कुछ नहीं है।

यक्ष : परदेश में स्वाभाविक बंधु कौन है?

युधिष्ठिर: विद्या ही सबसे अच्छा मित्र है। विदेश में विद्या ही काम में आता है।

यक्ष : सुख कहाँ मिलता है - बताओ।

युधिष्ठिर: सहज प्रवृत्ति या सदाचार में सुख मिलता है।

यक्ष : लोकप्रिय बनने के लिए आदमी को क्या त्याग करना चाहिए?

युधिष्ठिर: लोकप्रिय बनने के लिए आदमी को आत्माभिमान का त्याग करना चाहिए।

यक्ष : दुःखों का मूल कारण क्या है?

युधिष्ठिर: गुस्सा ही दुःखों का मूल कारण है।

यक्ष : कौन-सी चीज़ न रहने पर आदमी

त्याग कर्ना उचित?

युधिष्ठिर : लोकप्रिय हर्बलै मानुहे

आज्ञाभिमान त्याग कर्ना उचित।

यक्ष : दुःखर् मूल कारण कि?

युधिष्ठिर : खड्डेम्प दुःखर् मूल कारण।

यक्ष : कि वस्तु नहले मानुह धनी हर्ब पावे?

युधिष्ठिर : आशा वा कामना पर्बित्याग कर्बिले मानुह सम्पदशाली हर्ब।

यक्ष : युधिष्ठिर, संसारत सर्वातोकै आश्चर्या कि?

युधिष्ठिर : ‘मानुह मर्बणशील’ बुलि जानिओ मानुहे डीयाम्प थाकिवर्बले आकांक्षा कर्बटोरैम्प सकलौतकै आचर्बित कथा।

यक्ष : तौमार उतर्बत मम्प प्रसन्न। मम्प धर्मर्बाज। मोर्ब पर्बीक्षात तुमि उतर्बीर्ब हैछा। तौमाक कि लागे कौरा।

युधिष्ठिर : प्रणाम!

अमीर बन सकता है?

युधिष्ठिर: आशा या कामना का त्याग करने पर आदमी अमीर बन सकता है।

यक्ष : युधिष्ठिर, संसार में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?

युधिष्ठिर: मनुष्य मरता है -- इस बात को जानते हुए भी मनुष्य की जीवित रहने की आकांक्षा -- सबसे बड़ा आश्चर्य है।

यक्ष : तुम्हारे उत्तरों से मैं संतुष्ट हूँ। मैं धर्मराज हूँ। मेरी परीक्षा में तुम उत्तीर्ण हुए हो। तुम्हें क्या चाहिए, बताओ।

युधिष्ठिर: प्रणाम!
(बीच में टोक कर)

शिक्षक : बहुत सुंदर! किंतु यक्ष ने तो चार ही प्रश्न किए थे, तुमने तेरह प्रश्न बना दिए।

विमल और

अविनाश : महाशय! वे कौन से थे?

शिक्षक : वे प्रश्न थे --

सबसे वेगवान कौन है?

सबसे श्रेष्ठ कौन है?

सबसे सुखी कौन है? और

सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?

इन चारों प्रश्नों के सही उत्तर देने

শিক্ষক : সুন্দৰ হৈছে। কিন্তু যক্ষস্পটা চাৰি
প্ৰশ্নহে কৰিছিল, তোমালোকে
দেখোন তেৰা বনাম্প দিলা।

বিমল আৰু

অবিনাশ: চাৰ, সেম্প কেম্পোনো কি কি
আছিল?

শিক্ষক : সেম্প কেম্পা আছিল --

সকলোতকৈ বেগৱান কোন?

সকলোতকৈ শ্ৰেষ্ঠ কোন?

সকলোতকৈ সুখী কোন?

সকলোতকৈ ডাঙৰ আশ্চৰ্য্য
কি?

এম্প চাৰিওটা প্ৰশ্নৰ সঠিক
উত্তৰ দিয়াৰ পিছত যক্ষস্প
যুধিষ্ঠিৰক সুধিছিল যে চাৰিওজন
ভায়েকৰ ভিতৰত তেওঁ কাক
জীৱিত অবস্থাত পাবলৈ বিচাৰে।
তেতিয়া যুধিষ্ঠিৰে সহদেৱৰ নাম
কলে। যক্ষস্প আচৰিত হৈ সুধিলে,
'তুমি নিজৰ সহোদৰ
ভাম্পকেম্পজনক এৰি

পৰ যক্ষ নে যুধিষ্ঠিৰ সে কহা,
বতাও ইন চাৰোঁ ভাইয়োঁ মেন্ সে তুম
কিসে জীৱিত দেখনা চাহতে হো।
যুধিষ্ঠিৰ নে সহদেৱ কো জীৱিত
কৰনে কে লিএ কহা। যক্ষ নে পূছা,
এসা হী ক্যোঁ? তুম অপনে সগে
ভাইয়োঁ কো চোড়কৰ সহদেৱ কো
জীৱিত ক্যোঁ দেখনা চাহতে হো?
যুধিষ্ঠিৰ নে কহা -- ইসলিএ কি
সহদেৱ মাদ্ৰী কা পুত্ৰ হৈ আৰ সবসে
ছোট আৰ প্ৰিয় হৈ। বহ জীৱিত
হোগা তো কুন্তী কী তৰহ মাদ্ৰী কা

মী এক পুত্ৰ তো জীৱিত ৰহেগা।
যুধিষ্ঠিৰ কে বিচাৰোঁ কো সুনকৰ
যক্ষ প্ৰসন্ন হো গএ। উন্হোঁনে কহা --
তুমনে সচমুচ ধৰ্ম কী ৰক্ষা কী হৈ।
মেন্ তুমহাৰে চাৰোঁ ভাইয়োঁ কো জীৱিত
কৰতা হুঁ।

অব আজ কা পাঠ যহী সমাপ্ত
হোতা হৈ। কল হম লোগ দুসৰা পাঠ
শুৰু কৰেগে।

সহদেৱক কিয় জীৱিত
 অবস্থাত বিচাৰা?’ যুধিষ্ঠিৰে কলে
 বোলে সহদেৱ মাদ্ৰীৰ সন্তান, আৰু
 সকলোতকৈ সৰু আৰু প্ৰিয়।
 সহদেৱ জীয়াম্প থাকিলে কুন্তীৰ
 দৰে মাদ্ৰীৰো ঐ সন্তান জীয়াম্প
 থাকিব। যুধিষ্ঠিৰৰ উত্তৰ শুনি যক্ষ
 সন্তুষ্ট হ’ল আৰু কলে ‘তুমি
 সঁচাম্প ধৰ্মৰ ৰক্ষক, মম্প তোমাৰ
 চাৰিওজন ভায়েৰাকে জীৱিত কৰি
 দিম।’

আজি আমি স্পয়াতে শেষ
 কৰিছোঁ। কালিলৈ আমি দ্বিতীয়
 পাঠটো আৰম্ভ কৰিম।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
হাজিৰা	হাজৰী, উপস্থিতি
সপ্তাহ	সপ্তাহ
অধ্যায়	অধ্যায়
থিয়	খড়া
পিয়াহ	প্যাস

সন্ধান
পঠিয়াম্প দিলে
বিপত্তি
অবজ্ঞা
রূপধরি
পাৰত
নিৰ্বাসিত
বনে বনে
তালৈ
আৰ্ত্ত
এজন এজনকৈ
নুশুনিলে
ফলত
মূৰ্চ্ছিত
কথোপকথন
ৰবা
নহলে
ভায়েৰাইঁত
দশা
সোধক
মায়াবী
বেলিটো
পৰম ব্ৰহ্ম
অম্পন

সংধান
ভেজ দেনা
বিপত্তি
অবজ্ঞা, অনসুনা
কে रूप में, भेस बदलना
किनारे पर
निर्वासित
वन-वन, जंगलों में
वहाँ
आर्त
एक-एक करके
नहीं सुना
फलस्वरूप
मूर्च्छित
वार्तालाप
रुको
नहीं तो
भाइयों
दशा/अवस्था
पूछिए
मायावी
सूरज
परम ब्रह्म
दूसरा
कुछ भी

একোরে
শাস্ত্র
জ্ঞানী
সংগ
বাহিৰে
সহনশীলা
ভালকৈ
এম্পবাৰ
আকাশতকৈ
ওখ
বেগৱান
দহনশীল
শোকাভূৰ
বিদেশত
প্ৰবৃত্তি
খং
মূল
ধনী
পৰিত্যাগ
সম্পদশালী
আশ্চৰ্য্য
মৰণশীল
জীয়াম্প
প্ৰসন্ন

শাস্ত্ৰ
জ্ঞানী
সংগ
छोड़
सहनशीला
अच्छी तरह
इस बार
आकाश से
ऊँचा
तेज
दहनशील
शोकार्त
विदेश में
प्रवृत्ति
क्रोध, गुस्सा
मूल
धनी, अमीर
परित्याग
समृद्धिशाली
आश्चर्य
मरणशील
जीवित
प्रसन्न, संतुष्ट
उत्तीर्ण
अनगिनत

উত্তীৰ্ণ	জীৱিত
অশেষ	সন্তান
জীৱিত	বে সৰ
সন্তান	সৰসে
সম্পৰ্কসম্পন্ন	সটীক
সকলোতকৈ	
সঠিক	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য পৰিৱৰ্তন কৰক।

উদাহৰণ:

(ক) তেওঁ নাযায়। মম্প যাম।

→ তেওঁ নাযায়, মম্প হে যাম।

1. তেওঁ সভালৈ নাহিল। মম্প আহিলোঁ।
2. ৰামে কথাটো নুশুনিলে। শ্যামে শুনিলে।
3. এম্পয়া পম্পচা মম্প দিয়া নাম্প। মায়ে দিছে।
4. দিখৌত পানী বঢ়া নাম্প। ব্ৰহ্মপুত্ৰত বাঢ়িছে।
5. উন্নত দেশৰ জনসংখ্যা বঢ়া নাম্প। অনুন্নত দেশৰ জনসংখ্যা বাঢ়িছে।

(খ) তুমি প্ৰথমতে উত্তৰ দিয়া। তাৰ পিছত যাব পাৰিবা।

→ তুমি উত্তৰ দিহে যাব পাৰিবা।

1. মম্প প্ৰথমতে ঘৰলৈ যাম। তাৰ পিছত বজাৰলৈ যাম।
2. অসমীয়া তিৰোতাম্প প্ৰথমতে গা ধোৱে। তাৰ পাছত ৰন্ধা-বঢ়া কৰে।
3. মম্প প্ৰথমতে ষ্টেচনলৈ আহিলোঁ। তাৰ পিছত গম পালোঁ যে ৰেল বন্ধ।

4. আমি সকলোৱে প্ৰথমতে জলপান খাওঁ। তাৰ পিছতহে চাহ খাওঁ।

5. মম্প বস্তুটো প্ৰথমতে ভালকৈ চাম। তাৰ পিছত কিনিম।

II. বন্ধনীৰ ভিতৰত দিয়া শব্দবোৰৰ ভিতৰত শুদ্ধ শব্দটো বাচি বাক্য পূৰণ কৰক।

1. কোনেও মোৰ কথা _____। (শুনিলে/নুশুনিলে/নুশুনিব)
2. আজিকালি কাৰো পৰা সহায় পোৱা _____।
(নাযায়/যায়/নগৈছিল)
3. মম্প বহুত দিন কলৈকো _____। (গৈছোঁ/যোৱা নাম্প/যাম)
4. বৰ গুণগোল কাৰো কথা _____। (নুশুনি/শুনি/শুনা যায়)
5. মম্প অসমলৈ কতবাৰ _____ তাৰ কোনো হিচাব নাম্প। (গৈছোঁ/যোৱা নাম্প/যাম)
6. ধৈৰ্যৰ বাহিৰে বিপদত আন একোৱে ৰক্ষা কৰিব _____। (পাৰে/নোৱাৰে/নপাৰে)

III. সমানৰ্থক শব্দ লিখি প্ৰতিটো শব্দৰে একোটকৈ অৰ্থপূৰ্ণ বাক্যৰচনা কৰক।

1. আপোনা-আপুনি
2. প্ৰকৃততে
3. ধুনীয়া
4. তিৰোতা মানুহ
5. দেৰিকৈ

IV. উদাহৰণ অনুসৰি এা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

উদাহৰণ: দেউতাকৰ মাকক কি কয় ? : আম্পতা

1. দেউতাকৰ ভায়েকক কি কয়?
2. দেউতাকৰ দেউতাকক কি কয়?

3. মাকৰ ভনীয়েকক কি কয়?
4. বায়েকৰ গিৰিয়েকক কি কয়?
5. খুড়াকৰ মৈনীয়েকক কি কয়?

V. পাঠৰ জ্ঞানৰ ভিত্তিত সংক্ষেপে উত্তৰ দিয়ক।

1. পঞ্চ পাণ্ডৱৰ পৰীক্ষা লবলৈ কোন আহিছিল?
2. বেলিটো সদায় কাৰ আদেশত ওলায়?
3. মানুহক বিপদত কিহে ৰক্ষা কৰে?
4. আকাশতকৈ ওখ কি?
5. দুঃখৰ মূল কাৰণ কি?
6. যুধিষ্ঠিৰৰ উত্তৰত যক্ষ সন্তুষ্ট হ'ল নে?

VI. বহুলাম্প উত্তৰ দিয়ক।

1. এম্প পাঠটো পঢ়ি আপুনি কি নতুন কথা শিকিলে তাৰ ওপৰত দুআষাৰ লিখক।
2. ছাত্ৰকেম্পজনে সংলাপত কি কি নতুন কথা যোগ কৰিলে লিখক।
3. যুধিষ্ঠিৰৰ মহানুভৱতাৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখক।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (I)

শৰসন্ধান

মহাভাৰতৰ কথা। পঞ্চপাণ্ডৱ তেতিয়া বালক। পাৰম্পৰিক নিয়ম মতেম্প পঞ্চপাণ্ডৱ আৰু কৌৰৱ ভাতৃগণক যুদ্ধশিক্ষা প্ৰদান কৰিবলৈ দ্ৰোণাচাৰ্য্যক নিয়োগ কৰা হ'ল। গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প

পাণ্ডৱ আৰু কৌৰৱগণক অস্ত্ৰশিক্ষাৰ পাঠ দিয়া আৰম্ভ কৰিলে। এম্পদৰে কিছুদিন শিক্ষা প্ৰদান কৰাৰ পিছত গুৰুৱে তেওঁৰ ছাত্ৰসকলৰ অগ্ৰগতিৰ পৰীক্ষা লবলৈ থিৰ কৰিলে।

গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প ঐ কাঠৰ পখী অনাম্প তাক এজোপা ওখ গছত আঁৰি দিয়াৰে আৰু সকলো শিক্ষাৰ্থীকে তালৈ মাতিলে। সকলো উপস্থিত হোৱাৰ লগে লগে দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প তেওঁৰ পৰীক্ষা আৰম্ভ কৰিলে। প্ৰথমতে যুধিষ্ঠিৰ আগবাঢ়ি আহিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প যুধিষ্ঠিৰক ধনু-শৰ তুলি লবলৈ কলে আৰু গছৰ ওপৰত থকা কাঠৰ পখীটালৈ আঙুলিয়াম্প তালৈ লক্ষ্য থিৰ কৰিবলৈ নিৰ্দেশ দিলে। যুধিষ্ঠিৰে ততালিকে লক্ষ্য স্থিৰ কৰি গুৰুদেৱৰ আদেশলৈ বৈ থাকিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প যুধিষ্ঠিৰক সুধিলে -- ‘তুমি কি দেখিছা?’ যুধিষ্ঠিৰে উত্তৰ দিলে -- ‘গুৰুদেৱ, মম্প বৃক্ষ, কাঠৰ চৰাম্প, মোৰ মৰমৰ ভাতৃগণ আৰু আপোনাক দেখিছোঁ।’ যুধিষ্ঠিৰে এম্পদৰে উত্তৰ দিয়াত গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প তেওঁক ধনু-কাঁড় নমাম্প থবলৈ আদেশ দিলে।

যুধিষ্ঠিৰৰ পাছত ভীম, দূৰ্যোধন আৰু তেওঁৰ ভাতৃগণক এজন এজনকৈ আহি লক্ষ্য স্থিৰ কৰিবলৈ আদেশ কৰিলে। তেওঁলোক প্ৰত্যেকেম্প ধনু-শৰ তুলি লোৱাৰ পাছত দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প এজন এজন কৈ প্ৰত্যেককে ‘কি দেখিছা’ বুলি সোধাত সকলোৱে যুধিষ্ঠিৰৰ দৰে উত্তৰ দিলে। তেতিয়া দ্ৰোণাচাৰ্য্য খঙত অগ্নিশৰ্মা হৈ শিষ্যসকলক ধনু-শৰ নমাম্প থবলৈ দি নানান তিৰস্কাৰ কৰিলে।

শেষত তেওঁ অৰ্জুনক ধনু-শৰ লবলৈ কলে আৰু লক্ষ্য স্থিৰ কৰিবলৈ দিলে। অৰ্জুনে ধনুৰ গুণ-ানি লক্ষ্যলৈ চাম্প গুৰুৰ আদেশলৈ অপেক্ষা কৰি থাকিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প অৰ্জুনক সুধিলে -- ‘তুমি কি দেখিছা?’ তেতিয়া অৰ্জুনে কলে -- ‘গুৰুদেৱ, মম্প গছৰ ওপৰত থকা চৰাম্পটো মাত্ৰ দেখিছোঁ।’ আনন্দিত হৈ দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প পুনৰ সুধিলে -- ‘তুমি পক্ষীটোৰ কি কি অংগ দেখিবলৈ পাম্পছা?’ তেতিয়া অৰ্জুনে কলে যে তেওঁ গোটম্প পক্ষীটো দেখা নাম্প; মাত্ৰ চকু সহ মূৰটোহে দেখিছে। তেতিয়া গুৰুৱে অৰ্জুনক পক্ষীটোৰ শিৰ কাঁবলৈ নিৰ্দেশ দিলে। গুৰুৰ আদেশ পোৱা মাত্ৰকে অৰ্জুনে তেওঁৰ ধনুত শৰসন্ধান কৰিলে। অৰ্জুনৰ ধনুৰ তীক্ষ্ণবাণে কাঠৰ পক্ষীটোৰ মূৰ দেহৰ পৰা বিচ্ছিন্ন কৰি পেলালে। দ্ৰোণাচাৰ্য্য অতিশয় আনন্দিত হ’ল। তেওঁ

অৰ্জুনক ‘বিশ্বৰ সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ ধনুৰ্দ্ধৰ হোৱা’ বুলি আশীৰ্বাদ দিলে। তাৰ পাছত তেওঁ অৰ্জুনক আলিঙ্গন কৰিলে।

ঘৈনা দেখি বাকী ৰাজকোঁৱৰ সকলে লাজতে তলমূৰ কৰিলে। তেওঁলোকৰ কাৰো বুজিবলৈ বাকী নাথাকিল যে কি কাৰণত অৰ্জুন গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যৰ প্ৰিয়পাত্ৰ।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
কিছুদিন	কুচ দিন
আঁৰি দিয়া	লটকা দিয়া
আগবাঢ়ি	আগে বঢ়কৰ
লক্ষ্য থিৰ/লক্ষ্য স্থিৰ কৰা	নিশানা লগানা
পখী/পক্ষী	পক্ষী
চৰাম্প	চিড়িয়া
সুস্থিলে	পুঠা
এম্পদৰে	ইসী তৰহ
ততালিকে	শীঘ্ৰ
খং	গুস্তা
অগ্নিশৰ্মা	বুৰী তৰহ গুস্তা হোনা
নমাম্প	উতাৰ কৰ
তিৰস্কাৰ	তিৰস্কাৰ
গুণ	গুণবত্তা
অপেক্ষা	অপেক্ষা
	সিৰ

শিৰ	আদেশ
আদেশ	নিৰ্দেশ
নিৰ্দেশ	নিশানা লগানা
শৰসন্ধান	পৈনা বাণ
তীক্ষ্ণবাণ	তীৰ চলানা
নিষ্ফেপ	টুট-ফুট জানা
বিচ্ছিন্ন	সবসে বড়া
অতিশয়	ধনুৰ্ধৰ
ধনুৰ্ধৰ	আলিগন
আলিগন	লজ্জিত হোকৰ
লাজত	সিৰ झुकना
তলমূৰ	সবসে প্ৰিয়
প্ৰিয় পাত্ৰ	

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (II)

শিষ্টাচাৰ

শিষ্টাচাৰ মানৱ চৰিত্ৰৰ দাপোণ স্বৰূপ। শিষ্ট আৰু আচাৰ এম্প দুটা শব্দ লগ লাগি শিষ্টাচাৰ হৈছে। জন্ম, শিক্ষা আৰু পৰিবেশৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি মানৱ স্বভাৱে ৰূপ লয়। যাৰ স্বভাৱ বা আচৰণ সজ তেওঁকে সংস্বভাবী বা শিষ্টাচাৰী বোলে। স্পয়াৰ বিপৰীত হলে অসং বা ব্যভিচাৰী বুলি কোৱা হয়।

শিষ্টাচাৰৰ কেতবোৰ প্ৰধান লক্ষণ আছে। সং স্বভাৱতো হবম্প লাগিব। তাক গঢ় দিব -- আন্তৰিক দয়া, সৰলতা, স্বভাৱৰ নম্ৰতা আৰু বিনয়ে। পূজনীয়জনৰ প্ৰতি শ্ৰদ্ধা, মিঠা মাত, সজ আচৰণ, খোলা মন শিষ্টাচাৰীৰ চিৰ সহচৰ। শিষ্টাচাৰীয়ে কেতিয়াও কাকো আঘাত নিদিয়। আনে কথা কলে তেওঁৰ কথা সম্পূৰ্ণ শুনে। মাজতে মাত নিদিয়। আৱশ্যক হলে অম্পনে কোৱাৰ পিছত নিজৰ মন্তব্য দিয়ে। আনৰ কথা মন দি শুনে। নিজৰ কথা বঢ়াম্প নকয়।

লোকৰ ভুল দেখি তেওঁ নাইহে। নিজৰো যে ভুল হব পাৰে -- সেম্প বিষয়ে সদায় সজাগ থাকে।

আগতেম্প কোৱা হৈছে যে শিক্ষা, সংস্কাৰ, সংগ আৰু পৰিবেশ আদিয়ে শিষ্টাচাৰ গঠনত সহায় কৰে। জীৱনত কৃতকাৰ্য্য হবলৈ বা উন্নতি কৰিবলৈ আমি সজ আচৰণ আৰু শিষ্টাচাৰ শিকা উচিত। বৰ্তমান সমাজত এম্প গুণৰ নিতান্ত অভাৱ পৰিলক্ষিত হৈছে। ৰাজনৈতিক জীৱনৰ দূষিত প্ৰভাৱে আমাৰ সামাজিক জীৱনো কলুষিত কৰিছে। আমি মনত ৰখা উচিত যে উদ্ধত জ্ঞানীতকৈ শিষ্টাচাৰী অজ্ঞও ভাল। সেয়ে আমি প্ৰথমৰে পৰা নিজৰ আচৰণ শুদ্ধ কৰিবলৈ বা নিজে শিষ্টাচাৰী হবলৈ চেষ্টা কৰা উচিত। মানৱতাৰ এম্প মুখ্য প্ৰমূল্যৰ আসন সদায় শ্ৰেষ্ঠ হৈ থাকিব।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
শিষ্টাচাৰ	শিষ্টাচাৰ
দাপোণ	দৰ্পণ
শিষ্ট	শিষ্ট

ଆଚାର	ଆଚରଣ
ମଜ	ସତ୍
ବ୍ୟାଞ୍ଚିଚାଞ୍ଚି	ବ୍ୟାଞ୍ଚିଚାଞ୍ଚି
କେତବୋର	କୁଚ୍ଛ
ପ୍ରଧାନ	ମୁଖ୍ୟ/ପ୍ରଧାନ
ଲକ୍ଷଣ	ଲକ୍ଷଣ
ହବମ୍ପ	ହୋଗା ହି
ଗଢ଼ ଦିୟା	ରୂପ ଦେନା
ବିନୟ	ବିନୟତା
ମିଠା-ମାତ	ମିଠି ବୋଲି
ଥୋଲା ମନ	ଖୁଲା ମନ
ଚିର ମହଚର	ଚିର-ସହଚର
କେତିୟାଓ	କବି ମି
କାକୋ	କିସି କୋ
ଆଘାତ	ଆଘାତ
ନାହାଁହେ	ନହିଁ ହୁଁସତା ହି
ମଜାଗ	ଜାଗରୁକ
ଆଗତେମ୍ପ	ପହଲେ ହି
ମିକା	ସିଖନା
ମିଲିମିଳିତ	ମିଲିମିଳିତ
ଦୃଷ୍ଟି	ପରିଲକ୍ଷିତ
କଲୁଷିତ	ଦୂଷିତ
ଉଦ୍ଧତ	କଲୁଷିତ/କଲଙ୍କିତ
ଅଞ୍ଜ	ଉଦ୍ଧତ
	ମୂର୍ଖ
	ଗୁଣବତ୍ତା

প্ৰমূল্য

অভ্যাস

I. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটকৈ অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য ৰচনা কৰক।

1. লক্ষ্য : লক্ষ
2. বাণ : বান
3. ধনু : ধেনু
4. অগ্নিশৰ্মা : অগ্নিকাণ্ড
5. তিৰস্কাৰ : পুৰস্কাৰ

II. তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দকে একাধিক অৰ্থত ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। প্ৰতিটো শব্দৰে ভিন ভিন অৰ্থ প্ৰকাশ কৰিব পৰাকৈ ভিন ভিন বাক্য ৰচনা কৰক।

1. গুণ
2. পাত্ৰ
3. শৰ
4. ৰূপ
5. পাতল

III. তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দৰ পৰা এক বা একাধিক প্ৰতিশব্দ উলিয়াবলৈ সক্ষম হোৱাৰ ব্যৱহাৰ কৰি বেলেগ বেলেগ বাক্য ৰচনা কৰক।

1. শিৰ

2. পখী

3. গছ

4. কাঁড়

5. বন

IV. তলত দিয়া অনুচ্ছেদটোৰ পৰা বিপৰীতार्थক শব্দবোৰ বাচি উলিয়াস্প সেস্পবোৰ ব্যৱহাৰ কৰি একোটকৈ বাক্য ৰচনা কৰক।

“সুখ আৰু দুখ একো মুদ্ৰাৰে স্পপিঠি-সিপিঠি বুলি কব পাৰি। জীৱনটো সুখ আৰু দুখৰ সমষ্টি। এস্প পৃথিৱীত কোনো কাৰো আপোন বা পৰ নহয়। কোনো মানুহেস্প জন্মতেস্প ভাল বা বেয়া হৈ নাহে। মানুহৰ কাৰ্য্যস্পহে জীৱনৰ সফলতা বা বিফলতা নিৰ্ণয় কৰে। গতিকে মৃত্যুলৈকে মানুহে মানৱীয় প্ৰমূল্য সমূহৰ চৰ্চা আৰু সাধনা কৰা উচিত।

V. পাঠৰ আলমত উত্তৰ দিয়ক।

1. শৰসন্ধান পাঠটোৰ গূঢ়তত্ত্ব কি বুলি ধাৰণা হয়, বহলাস্প লিখক।
2. দ্ৰোণাচাৰ্য্যৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখক।
3. ‘বিদ্যালয়ত শিষ্টাচাৰ শিকোৱা উচিত’ তাৰ ওপৰত ঐ টোকা লিখক।
4. শিষ্টাচাৰীৰ থাকিব লগীয়া গুণ কি কি? আলোচনা কৰক।

VI. তলৰ কথোপকথনটো সম্পূৰ্ণ কৰক।

ৰাজেশ : হেল্ল’ হেল্ল’ অভিজিৎ নেকি?

অভিজিৎ : কোন, ৰাজেশ নেকি?

ৰাজেশ : অ’। তোৰ ভাল নে?

অভিজিৎ : আছোঁ আৰু এক প্ৰকাৰ। ।

ৰাজেশ : । মাৰাহঁতৰ খবৰ কেনে?

অভিজিৎ : ভালেম্প আছে। ।

ৰাজেশ : যোৱা পৰহি মম্প North Eastern Regional Collegeত যোগদান কৰিলোঁ।

অভিজিৎ : অভিনন্দন। ।

ৰাজেশ : বৰ্তমানলৈকে অংক শাস্ত্ৰহে পঢ়াম্পছোঁ।

অভিজিৎ : ।

ৰাজেশ : বৰ্তমানে ১২ হাজাৰকৈ দিছে।

অভিজিৎ : এম্পবাৰ তেনেহলে বিয়াখন পাও।

ৰাজেশ : এতিয়াম্প বিয়া বাৰুৰ কথা পাতিবৰ হোৱা নাম্প। আগতে ঘৰটোৰ অলপ মেৰামতিৰ কাম কৰাম্প লওঁ বুলি ভাবিছোঁ। ।

অভিজিৎ : ময়ো বিয়াৰ কথা বৰ্তমান ভাবা নাম্প। কিন্তু দেউতাহঁতেতো পাঠোঁ পাঠোঁকৈয়ে আছে।

ৰাজেশ : তম্প এদিন এম্পফালে আহ। তম্প অলপ সময় লৈয়ে আহিবি।

অভিজিৎ : বাৰু ঠিক আছে।

VII. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

(নিজা সংবাদদাতা)

২৩ এপ্ৰিল, নগাওঁ

বিগত বছৰবোৰ দৰে এম্পবাৰো নগাওঁ জিলাৰ *বৰদৈচিলা ৰঙালী বিহু* উৎসৱ সমিতিৰ উদ্যোগত আয়োজিত সাংস্কৃতিক সন্ধিয়াৰ অনুষ্ঠান যোৱা ২১ এপ্ৰিলত অনুষ্ঠিত হৈ যায়। বস্তি প্ৰজ্বলনেৰে এম্প অনুষ্ঠানৰ শুভাৰম্ভ কৰে নগাওঁ জিলাৰ উপায়ুক্ত প্ৰতীক হাজেলাম্প। নগাওঁ

মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ মহেন্দ্ৰ মালাকাৰে আঁত ধৰা অনুষ্ঠানটোত বিশিষ্ট অতিথিৰ ভাষণ প্ৰদান কৰে শিল্পী প্ৰণৱ বৰুৱাম্প।

বিবেকানন্দ ভট্টাচাৰ্য্যৰ তবলা বাদনেৰে নিশাৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান আৰম্ভ হয়। প্ৰাঞ্জল শম্পকীয়াম্প আবৃত্তি কৰা কবিতাম্প দৰ্শক শ্ৰোতাক আপুত কৰে। শিৱসাগৰৰ জোনবিৰি বিহুৱাদলে প্ৰদৰ্শন কৰা বিহুৱে সাংস্কৃতিক অনাষ্ঠানক বিশেষ সৌষ্ঠব প্ৰদান কৰে। নিশা ১০ বজাৰ লগে লগেম্প অসমৰ স্বনামধন্য শিল্পী ডা. ভূপেন হাজৰিকাম্প শ্ৰোতালৈ তেওঁৰ গীতৰ শৰাম্প আগবঢ়ায়। ‘গংগা মোৰ মা’ৰে আৰম্ভ কৰা হাজৰিকাৰ সুললিত কল্পম্প উপস্থিত প্ৰায় ২০ হাজাৰ দৰ্শকক তিনি ঘণ্টা সময় মন্তমুগ্ধ কৰি ৰাখে।

এম্প সাংস্কৃতিক সন্ধিয়া নৱ প্ৰজন্মৰ শিল্পী জুবিন গাৰ্গৰ অনুষ্ঠান প্ৰদৰ্শনৰ পিছত নিশা প্ৰায় ৩ বজাত অন্ত পৰে।

VIII. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

তেজপুৰ 10 সিতম্বৰ।

নপাম में आज तेजपुर विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह सोत्साह संपन्न हो गया। असम के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (अवकाश प्राप्त) श्री अजयसिंह (जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं) ने समारोह की अध्यक्षता की तथा उपाधियाँ वितरित कीं।

इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान केन्द्र, बंगलोर के अध्यक्ष डॉ. यू.आर. राव ने दीक्षांत भाषण दिया। डॉ. राव ने भारत में विज्ञान खासकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि 2020 तक हम अपना अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर अवश्य उतार देंगे। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता और प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अपने अध्यक्षीय भाषण में राज्यपाल श्री अजयसिंह ने विशेष योग्यता प्राप्त करनेवाले छात्रों को बधाई दी। उन्होंने भारतीय प्रतिभा के पलायन पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि सभी को देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए।

तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति के आभार-प्रदर्शन के साथ समारोह समाप्त हुआ।

शाम को विश्वविद्यालय-प्रांगण में युवाओं द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिहुगीतों और बिहुनृत्यों ने समा बाँध दिया।

IX. (i) ৰাময়ণৰ ঐ চৰিত্ৰৰ বিষয়ে আপোনাৰ নিজৰ ভাষাত লিখক।

(ii) ভাৰতৰ ঐ জলন্ত সমস্যাৰ বিষয়ে ঐ অনুচ্ছেদ লিখক।

প্পিনি

এতিয়ালৈ পোৱা পাঠবোৰত আমি অসমীয়া ভাষাৰ বিভিন্ন ব্যাকৰণগত বৈশিষ্ট্য আৰু বাক্য-ৰীতিৰ বিষয়ে আলোচনা কৰিলোঁ। সাধাৰণতে দৈনন্দিন জীৱনত ব্যৱহাৰ হোৱা শব্দাৱলী আৰু বাক্য-ৰীতিৰ উদাহৰণ ১ৰ পৰা ২৩ পৰ্যন্ত পাঠত দিয়া হৈছে। ভূত, ভবিষ্যৎ আৰু বৰ্তমান কালৰ বিভিন্ন ৰূপ আৰু বিভক্তি সমূহৰ বিশেষ প্ৰয়োগ, সৰ্বনামৰ মূল আৰু তিৰ্য্যক ৰূপৰ উদাহৰণ আগৰ পাঠবোৰত দিয়া হৈছে। লগতে প্ৰত্যেক পাঠতে উল্লেখ হোৱা সাংস্কৃতিক শব্দ আদিৰ বিষয়েও টোকা দিবলৈ চেষ্টা কৰা হৈছে।

এম্প পাঠটোত সকলো ধৰণৰ ব্যাকৰণগত প্ৰয়োগৰ পুনৰাবৃত্তি কৰিবলৈ চেষ্টা কৰা হৈছে। লোকপ্ৰিয় ঐ কাহিনীৰ মাধ্যমেৰে এপিনে মানৱীয় প্ৰমূল্যৰ তাত্ত্বিক দিশত ৰেখাপাত কৰা হৈছে, আন পিনেদি কম শব্দেৰে অসমীয়া ভাষাৰ লিখাৰ উদাহৰণো তুলি ধৰা হৈছে। শিক্ষাৰ্থীসকলে এম্প বিভিন্ন প্ৰয়োগ সমূহলৈ মন কৰিব।

ভাষা অভ্যাসেৰেহে শিকিব পাৰি। কথাত কয় ‘অভ্যাসৰ নৰ, কৰ্ণ পথে কৰে শৰ।’ সেয়ে শিক্ষাৰ্থীসকলে বিভিন্ন প্ৰয়োগসমূহৰ বাৰে বাৰে অভ্যাস কৰা উচিত।
